



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रतिवार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 47]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 23, 1996/अग्रहायण 2, 1918

No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 23, 1996/AGRAHAYANA 2, 1918

इस भाग में भिन्न पाठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रखा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएँ
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(Other than the Ministry of Defence)

विधि और न्याय मंत्रालय
(विधि कार्य विभाग)
(न्यायिक अनुभाग)

सूचना

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1996

का. आ. 3219 :—नोटरीज नियम, 1956 के
नियम 6 के प्रन्तुरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना
दी जाती है कि श्री निशिथ कुमार मैती एडवोकेट
को उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन
एक आवेदन इस बात के लिए किया है कि उसे तामलुक
उप-खण्ड, मिदनापुर जिला (पश्चिम बंगाल) में व्यवसाय
करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी
प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह
दिन के भीतर नियुक्त रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (198)/96-न्यायिक]
एन. सी. जैन, सक्षम प्राधिकारी एवं प्रपर विधि सलाहकार

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

(Judicial Section)

NOTICE

New Delhi, the 4th November, 1996

S.O. 3219.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Nisith Kumar Maiti, Advocate for appointment as a Notary to practise in Tamluk Sub-Div., District Midnapur (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(198)/96-Judl.]
N. C. JAIN, Competent Authority
& Addl. Legal Adviser

सूचना

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1996

का. आ. 3220 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री अरुण कुमार गुप्ता एडब्ल्यूकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के काशीगंगे गेट क्षेत्र में व्यवसाय करते के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (199)/96-न्यायिक]

एन. सी. जैन, सक्षम प्राधिकारी एवं अपर विधि सलाहकार

NOTICE

New Delhi, the 6th November, 1996

S.O. 3220.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Arun Kumar Gupta, Advocate for appointment as a Notary to practise in Kashmere Gate, N.C.T. of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(199)/96 Judl.]

N. C. JAIN, Competent Authority
& Addl. Legal Adviser

सूचना

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1996

का. आ. 3221 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मुश्ति ज्योत्सना जसवंतलाल मोदी, एडब्ल्यूकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे प्रह्लादावाड (गुजरात) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (200)/96—न्यायिक]

एन. सी. जैन, सक्षम प्राधिकारी एवं अपर विधि सलाहकार

NOTICE

New Delhi, the 6th November, 1996

S.O. 3221.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Ms. Jyotsna Jayvantilal Modi,

Advocate for appointment as a Notary to practise in Ahmedabad (Gujarat).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(200)/96-Judl.]

N. C. JAIN, Competent Authority
& Addl. Legal Adviser

सूचना

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 1996

का. आ. 3222 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री बरिन्द्र पाल डेविट एडब्ल्यूकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे खन्ना (पंजाब) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (201)/96-न्यायिक]

एन. सी. जैन, सक्षम प्राधिकारी एवं अपर विधि सलाहकार,

NOTICE

New Delhi, the 11th November, 1996

S.O. 3222.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Barinder Paul Dewett, Advocate for appointment as a Notary to practise in Khanna (Punjab).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(201)/96-Judl.]

N. C. JAIN, Competent Authority
& Addl. Legal Adviser

सूचना

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 1996

का. आ. 3223 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्रीमती गीता दी भूमकर एडब्ल्यूकेट उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे लोल्हापुर सिटी (महाराष्ट्र) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (202)/96-न्यायिक]

एन. सी. जैन, सक्षम प्राधिकारी एवं अपर विधि सलाहकार

NOTICE

New Delhi, the 11th November, 1996

S.O. 3223.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Smt. Geeta T. Bhunkar, Advocate for appointment as a Notary to practise in Kolhapur City (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(202)/96-Judl.]

N. C. JAIN, Competent Authority
& Addl. Legal Adviser

मूच्चना

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 1996

का. आ. 3224 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सभ्म प्राधिकारी द्वारा यह मूच्चना दी जाती है कि श्री दिलीप रघुनाथ वाघवकर पटेल ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे नासिक जिला (महाराष्ट्र) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस मूच्चना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (203)/96-न्यायिक]

एन. सी. जैन, सक्षम प्राधिकारी एवं अपर विधि सलाहकार

NOTICE

New Delhi, the 11th November, 1996

S.O. 3224.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Dileep Raghunath Wagharkar, Advocate for appointment as a Notary to practise in Nasik District (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(203)/96-Judl.]

N. C. JAIN, Competent Authority
& Addl. Legal Adviser

मूच्चना

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 1996

का.आ. 3225 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह मूच्चना दी जाती है कि श्री स्वप्न कुमार अधिकारी, पटेल ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे हल्दिया मध्य डिविजन

(पश्चिम बंगाल) के व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्षा इस मूच्चना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (204)/96-न्यायिक]

एन. सी. जैन, सक्षम प्राधिकारी एवं अपर विधि सलाहकार

NOTICE

New Delhi, the 11th November, 1996

S.O. 3225.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Swapnil Kumar Adhikary, Advocate for appointment as a Notary to practise in Haldia Sub-Div. (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(204)/96-Judl.]

N. C. JAIN, Competent Authority
& Addl. Legal Adviser

कार्मिक, लोक शिक्षायत तथा पैशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 13 नवम्बर, 1996

का.आ. 3226—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दिल्ली विशेष पुनिम स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पश्चिम बंगाल राज्य सरकार के गृह विभाग की विनांक 19 सितम्बर, 1996 की पोलिटीकल अधिसूचना सं. 6034-पी, कलकत्ता द्वारा प्राप्त पश्चिम बंगाल राज्य सरकार की महामति में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार विदेशी अभियाय (विनियमन) अधिनियम, 1976 (1976 का अधिनियम सं. 49) की धारा 22, 23, 24, 25, 25-ए और 26 के अन्तर्गत दंडनीय अपराधों तथा उक्त किन्हीं एक अथवा अधिक अपराधों से संबंधित अथवा संसक्त प्रयत्न (१), दुष्प्रेरण (१) तथा षड्यंत्रों से संबंधित किन्हीं अपराध (१) और उन्हीं तथ्यों से उद्भेद वैसे ही संश्वेहार के अनुक्रम में किये गये किन्हीं अन्य अपराधों के संबंध में 10, नीलमणि, मित्रा स्ट्रीट, कलकत्ता-6 में अवस्थित कलकत्ता रेसक्यू तथा पूर्वोक्त संगठन कलकत्ता रेसक्यू के पदधारी एक विदेशी राष्ट्रिय डा. जैक प्रैंगर के क्रियाकलापों के अन्वेषण के लिये संपूर्ण पश्चिम बंगाल राज्य पर करती है।

[संख्या 228/34/96-ए. श्री. डॉ.-II]

एस. सी. तिवारी, उप सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES
AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

ORDER

New Delhi, the 13th November, 1996

S.O. 3226.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No 25 of 1946), the Central Government, with the consent of the State Government of West Bengal, Home Department, Political Notification No. 6034-P, Calcutta dated 19th September, 1996 hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of West Bengal for investigation into the activities of "Calcutta Rescue" located at 10, Nilmoni Mitra Street, Calcutta-06, and of Dr. Jack Preger, a foreign National and one of the office bearer of the aforesaid organisation "Calcutta Rescue" in respect of the offences punishable U/s. 22, 23, 24, 25, 25-A and 26 of the Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976 (Act No. 49 of 1976) and any of the offence(s), attempt(s), abetment(s) and conspiracy in relation to or in connection with, one or more of the said offences and any other offences committed in the course of the same transactions arising out of the same facts.

[No. 228/34/96-AVD. II]
S. C. TEWARY, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 13 नवम्बर, 1996

का. आ. 3227—फ्रेंचीय सरकार एतद्वारा आतंकवादी और विद्वान्कारो क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1987 (1987 का अधिनियम सं. 28) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए श्रो. ए.एस कुलाये, बरिष्ठ लोक अभिभयोजक, के. अ. ब्यूरो, मुम्बई को संलग्न अनुसूची में उल्लिखित अपराधों अथवा मुम्बई शहर और मुम्बई उप नगरीय जिलों, जिसा रायगढ़ और जिना ठाणे में किये गये ऐसे ही मामलों के विचारण के लिये उक्त अधिनियम की धारा 9 के अन्तर्गत गठिन नामनिर्दिष्ट न्यायालय, मुम्बई में पूर्वोक्त अनुसूची में उल्लिखित मामलों और मुम्बई शहर तथा उसके उप-नगरों में 12 मार्च, 1993 को हुए बम-विस्फोटों से उद्भूत ऐसे ही क्षेत्रों में ऐसे ही मामलों से उत्पन्न मामलों सं. आर.सी.-1(एस)/93-सी बी आई, एस टी एफ, मुम्बई (कोटि केस सं. बी बी सी-1 आफ 93) तथा उक्त अधिनियम के अधीन उससे संबंधित अथवा अनुषांगिक अन्य विषयों तथा पूर्वोक्त बम विस्फोटों से उद्भूत और संसकृत ऐसे क्षेत्रों में ऐसे मामलों के संचालन के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के विशेष लोक प्रभियोजक के रूप में नियुक्त करती है।

अनुसूची

क्रम सं.	स्थान	पुलिस स्टेशन तथा सी.आर.सं.	डी सी बी सी.आर.सं.	4
1	2	3	4	
1.	स्टाक एक्सचेंज	एम.आर.ए. मार्ग, 129/93	70/93	
2.	कथा बाजार	पैथीनी, 195/93	73/93	

1	2	3	4
3.	मेना भवन	दादर, 186/93	118/93
4.	सेंचुरी बाजार	दादर, 187/93	117/93
5.	महिम काज बे	महिम, 185/93	110/93
6.	एयर इंडिया	कुफे परेङ्ग, 126/93	71/93
7.	जावेरी बाजार (एक्स. स्कूटर)	एल.टी. मार्ग, 122/93	75/93
8.	सी-राक होटल	बांद्रा, 148/93	114/93
9.	प्लाजा सिनेमा	महिम, 184/93	109/93
10.	जुहु सेंटर होटल	सांताकूज, 155/93	116/93
11.	एयरपोर्ट बे 54 (थोइंग एच.जी.)	सहार, 200/93	108/93
12.	सेतूर होटल (एयरपोर्ट)	एयरपोर्ट, 19/93	115/93
13.	बर्ली	बर्ली, एल एसी, 389/93	112/93
14.	नेगाम सी आर एस रोड, (अन-एक्सप्लोडिंग स्कूटर)	मेटुंगा, 251/93	72/93
15.	धनजी स्ट्रीट एंड जावेरी बाजार (2 अन-एक्सप्लोडिंग स्कूटर)	एल.टी. मार्ग, 124/93	111/93
16.	महसला	महसला, 6/93	132/93
17.	श्रीवर्धन	श्रीवर्धन, 14/93	133/93
18.	गोरेगांव	गोरेगांव, 17/93	134/93
19.	ठाणे	कपूरवाडी, 14/93	135/93
20.	एस.के.मैनन स्ट्रीट एल.टी. मार्ग,	138/93	77/93
21.	ईस्टर्न साईड लेबोरेट्री आफ मुसाफिरखाना, मुम्बई	एल.ए.सी.	15/93
22.	नरियालवाडी मुस्लिम सीमेंट्री मक्कगांव	एल.ए.सी.	18/93
23.	पिकनिक गैस्ट हाउस, नियर लीडो थियेटर, सांताकूज वैस्ट)	एल.ए.सी.	20/93
24.	58, नरगिस धत्त रोड, पाली हिल्स, बांद्रा (वैस्ट), मुम्बई-50	एल.ए.सी.	21/93

1	2	3	4
25.	बोना पाटे हॉस्टीज, एस.ए.सी.	23/93	
	घनश्याम हॉस्टीज एस्टेट, बीरा वेसाई रोड, मुम्बई-50		
26.	खातीजाबी चॉल, कुर्ला एल ए सी, प्रार.न.-1, सोनापुर 707/93 लेन, कुर्ला (वेस्ट)	32/93	
27.	झीमलैंड कोआपरे- एस.ए.सी. टिव हाउसिंग सोसायटी, मिल्टी रोड, मारोल, मुम्बई	22/93	

[सं. 225/63/96-ए बी डी-II]
एस.सी. तिवारी, उप सचिव

New Delhi, the 13th November, 1996

S.O. 3227.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 13 of the Terrorist and Disruptive Activities (Prevention) Act, 1987 (Act No. 28 of 1987), the Central Government hereby appoints Shri A. S. Kulay, Senior Public Prosecutor, CBI, Mumbai, as Special Public Prosecutor of Central Bureau of Investigation for conducting prosecution of the case RC. 1(s)/93-CBI/STF/Mumbai (Court Case No. BBC 1 of 93) relating to the cases mentioned in the Schedule appended hereto, and such cases in such areas as may arise out of and connected with Bomb Blasts which occurred on 12th March, 1993 at Mumbai City and suburbs, and other matters connected therewith or incidental thereto under the said Act, in the Designated Court at Mumbai constituted u/s 9 of the said Act to try offences or such cases committed at Mumbai City and Mumbai Suburban Districts, Raigad District and Thane District as mentioned in the case schedule, and to try such cases in such areas as may arise out of and connected with aforesaid Bomb Blasts.

SCHEDULE

S. No.	Place	Police Station and Cr. No.	DCB Cr. No.
1	2	3	4
1.	Stock Exchange	M.R.A. Marg, 129/93	70/93
2.	Katha Bazar	Pydhone, 195/93	73/93
3.	Sena Bhavan	Dadar, 186/93	118/93
4.	Century Bazar	Dadar, 187/93	117/93
5.	Mahim Causeway	Mahim, 185/93	110/93
6.	Air-India	Cuffe Parade, 126/93	71/93
7.	Zaveri Bazar (Exploded Scooter)	LT Marg, 122/93	75/93
8.	Sea Rock Hotel	Bandra, 148/93	114/93
9.	Plaza Cinema	Mahim, 184/93	109/93
10.	Juhu Centaur Hotel	Santa Cruz, 155/93	116/93

1	2	3	4
11.	Airport Bay 54 (Throwing H.G.)	Sahar, 200/93	108/93
12.	Centaur Hotel (Airport)	Airport, 19/93	115/93
13.	Worli	Worli, LAC 389/93	112/93
14.	Naigaum C.R.S. Rd. Matunga	251/93 (Unexpl. Scooter)	72/93
15.	Dhanji ST & Zaveri Bazar (2 unexploded scooter).	L. T. Marg, 124/93	111/93
16.	Mhasla	Mhasla, 6/93	132/93
17.	Srivardhan	Srivardhan, 14/93	133/93
18.	Goregaon	Goregaon, 17/93	134/93
19.	Thane	Kapurbawdi, 14/93	135/93
20.	S.K. Menon Street	L. T. Marg, 138/93	77/93
21.	Eastern Side Lavotry of Musafir Khana, Mumbai—	LAC	15/93
22.	Nariyal Wadi Muslim Cemetery Mazagaon—	LAC	18/93
23.	Picnic Guest House*	LAC	20/93
24.	58, Nargis Dutt Rd. Pali Hill Bandra (W) Mumbai-50	LAC	21/93
25.	Bone Parte Ind., Ghansham Ind. Est. Vira Desai Road, Mumbai, 50	LAC	23/93
26.	Khatijabi Chawl R. No. 1 Sonapur Lane, Kurla (W)	LAC Kurla Lane, Kurla (W) LAC 707/93 *Near Lido Theatre, Santa Cruz (W).	32/93
27.	Dreamland Co. Op. Hog. Sct. Military Rd., Marol, Mumbai.	LAC	22/93

[No. 225/63/96-AVD-II]
S. C. TIWARI, Dy. Secy.

(पेशन एवं पेशनभोगी कल्याण विभाग)

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1996

का.आ. 3228.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक और अनुच्छेद 148 के खंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में सेवारत व्यक्तियों के संबंध में भारत में भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात्, साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम;

1960 का और संशोधन करने के लिए निम्ननिवित नियम
बनाते हैं, अथवा—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) तीसरा संशोधन नियम, 1996 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 में,—

(क) नियम 32 में, ("उसके द्वारा इस निमित्त लेखा अधिकारी को आवेदन किये जाने पर" शब्दों का लोप किया जायेगा;

(ख) नियम 34 में,—

(अ) उपनियम (1) में, "इस निमित्त लिखित आवेदन प्राप्त होने पर" शब्दों का लोप किया जायेगा;

(आ) उपनियम (3) में,—

(i) खंड (i) का लोप किया जायेगा;

(ii) खंड (ii) में, 'आवेदन' शब्द के स्थान पर "सेवानिवृत्त होने वाले या सेवा छोड़ने वाले अभिदाता के व्यापर" शब्द रखे जायेंगे;

(3) "खंड (3) में, "आवेदन में उपर्युक्त की गई" शब्दों के स्थान पर "अभिदाता को सदैय" शब्द रखे जायेंगे;

(ई) खंड (iv) में,—

(अ) "खंड (i) के अधीन प्रस्तुत किये गये आवेदन" शब्दों, कोष्ठकों और श्रंकों के स्थान पर "खंड (ii) के अधीन कार्यालय/विभाग के प्रधान द्वारा दिये गये व्यापर" शब्द, कोष्ठक और श्रंक रखे जायेंगे।

(आ) "प्रथम आवेदन" शब्दों के स्थान पर "कार्यालय के प्रधान द्वारा व्यापर के प्रस्तुत करने" शब्द रखे जायेंगे।

(ई) खंड (v) में, "आवेदन" शब्द के स्थान पर "खंड (ii) में निर्दिष्ट व्यापर" शब्द, कोष्ठक और श्रंक रखे जायेंगे।

[स. 20(12)/94-P&PW (E)]
रतन लाल, उपसचिव

पाद टिप्पण :—साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 का. आ. सं. 3000, तारीख 1-12-1960 के रूप में प्रकाशित किये गये थे। नियमों का चौथा पुनर्मूद्रण (29-2-1988 तक संशोधित) हिमायी रूप में प्रकाशित हो चुका है। इन नियमों के पश्चात्यर्ती संशोधन

नीचे उल्लिखित अधिसूचनाओं द्वारा किये गये थे—

1. का.आ.सं. 2002, तारीख 2-9-1989
2. का.आ.सं. 710, तारीख 4-3-1990
3. का.आ.सं. 3006, तारीख 17-11-1990
4. का.आ.सं. 3272, तारीख 8-12-1990
5. का.आ.सं. 146, तारीख 20-3-1993
6. का.आ.सं. 377, तारीख 10-2-1996
7. का.आ.सं. 379, तारीख 10-2-1996

(Department of Pension and Pensioners' Welfare)

New Delhi, the 15th November, 1996

S.O. '3.28.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with Comptroller and Auditor General of India in relation to persons serving in Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the General Provident Fund (Central Service) Rules, 1960, namely :—

1. (1) These rules may be called the General Provident Fund (Central Services) Third Amendment Rules, 1996.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960,—

(a) in rule 32, the words "upon application made by him in that behalf to the Accounts Officer", shall be omitted ;

(b) in rule 34,—

(A) In Sub-rule (1), the words "on receipt of a written application in this behalf" shall be omitted ;

(B) in Sub-rule (3),—

(i) clause (i) shall be omitted ;

(ii) in clause (ii),—for the word "application" the words "details of the subscriber retiring or quitting service" shall be substituted ;

(iii) in clause (iii), for the words "indicated in this application", the words "payable to the subscriber" shall be substituted ;

(C) in clause (iv),—

(A) for the words, brackets and figures "application submitted under clause (i)", the words brackets and figures "details forwarded by the Head of Office/Department under Clause (ii)" shall be substituted.

(B) for the words "first application" that words "submission of details by the Head of Office" shall be substituted ;

(D) in clause (v) for the words "application", the words, brackets and figures "details referred to in clause (ii)", shall be substituted.

[No. 20(12)/94-P&PW (E)]

RATTAN LAL, Dy. Secy.

Foot notes—The General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960 were published as S.O. No. 3000 dated 1-12-1960. The Fourth reprint of the rules (corrected upto 29-2-1988) have since been published in

diglot form. The Rules were subsequently amended vide notifications mentioned below :—

1. S.O. No. 2002 dated 2-9-89
2. S.O. No. 710 dated 4-3-90
3. S.O. No. 3006 dated 17-11-90
4. S.O. No. 3272 dated 8-12-90
5. S.O. No. 146 dated 20-3-93
6. S.O. No. 377 dated 10-2-96
7. S.O. No. 379 dated 10-2-96

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1996

का.आ. 3229.—दंड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एन्टद्रारा श्री के.ए. अब्दुल सलम, एडवोकेट, एर्नाकुलम, केरल को श्री पी. जे. एलेक्सेंडर, भा.प.म. के विशेष मामला सं. आर. सी. 2(ग)/91-ए.सी.यू.वी.आई./नई दिल्ली में विशेष न्यायालय एर्नाकुलम के न्यायालय में मुकदमे की पैरवी करते के प्रयोजन में विशेष लोक अधियोजक नियुक्त करती है।

[सं. 225/50/96-ए.वी.डी.-II]

एम. सी. तिवारी, उप मन्त्री

(Department of Personnel and Training)

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3229.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Sh. K. A. Abdul Salam, Advocate of Ernakulam, Kerala as Special Public Prosecutor for the purpose of conducting the prosecution in the Court of Special Judge, Ernakulam in case RC.2(A)[91-ACU(V)] CBI/New Delhi against Shri P. L. Alexander IPS.

[No. 225/50/96-AVD.II]

S. C. TEWARI, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1996

का.आ. 3230.—दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 के अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के माय परिण, धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एन्टद्रारा गह विभाग के दिनांक 30 अगस्त, 1996 की असिस्टन्स सं. 4/2(43)/88-एच (पार्ट-ए) तथा दिनांक 20-9-96

के अंदियाद भाग विदी गण्डिपुर सरकार की सहमति से आग्नीय दण्ड संहिता की धारा 302/34 और शायुध अधिनियम की धारा 25 के तहत दण्डनीय अपराधों प्रौद्य उसमें संवैधित प्रयत्नों, दुष्क्रियों और पद्यवंदों तथा दिनांक 18-7-96 वो थाना थीवल, मणिपुर में दायर एक. आई.आर.सं. 107(7)/96 गे संवैधित नामों ये उद्भूत होने वाले वैध ही संव्यवहार के क्रम में किए गए या किसी अन्य अपराध के संबंध में प्रन्देश के निया। दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों द्वारा अधिकारिता का संतुष्ट मणिपुर गज्ज में विस्तार करती है।

[सं. 228/70/96-ए.वी.डी.-II]

एम. सी. तिवारी, उप मन्त्री

ORDER

New Delhi, the 15th November, 1996

S.O. 3230.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act 25 of 1946), the Central Government with the consent of Government of Manipur vide Government of Manipur, Home Department, Notification No. 4/2(43)/38-H(Pt.A), dated 30th August 1996 r/w Corrigendum of 20-9-96 hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Manipur for the investigation of the offences punishable under sections 302/34 IPC and 25 Arms Act and attempts, abetments and conspiracy in relation to or in connection with the said offences or any other offences committed in the course of same transactions arising out of the same facts in regard to the FIR No. 107(7)/96, dated 18-7-96 registered at Police Station Thoubal, Manipur.

[No. 228/70/96-AVD.II]

S. C. TEWARI, Dy. Secy.

उद्योग मंत्रालय

(भारी उद्योग विभाग)

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1996

का.आ. 3231.—पार्वतीनगर परिसर (अनधिकृत दखलकारों द्वारा वेदखली, श्रिविनियम, 1971 (1971 ना 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एन्टद्रारा नीचे की सारणी के काँस्म (1) में उल्लिखित सरकार के ग्रजपतिल शिविकारी के समालय अधिकारी को उल्लिखित शिवितियम के प्रयोजनार्थी भमादा अधिकारी नियुक्त करनी है जो उस भमादी के काँस्म 2 में विनियोजित सार्वजनिक परिसरों के संबंध में अपने थेवाधिकार की निर्धारित

सीमाओं के अन्दर उक्त अधिनियम के द्वारा अथवा के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे तथा सम्पदा अधिकारियों को सौंपे गये कार्यों को करेंगे।

TABLE

सारणी	
(1)	(2)
अधिकारी का पदनाम विजेष धेणी अधिकारी, भारत प्रोसेस एंड मेकैनिकल इंजीनियर्स लिमिटेड, चार्टर्ड बैंक बिल्डिंग, 4, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-700 001	सार्वजनिक परिसरों की श्रेणियाँ तथा धोकाधिकार की निधारित सीमाएँ। भारत के किसी भी भाग में स्थित कार्यालय अथवा नि- वासीय उद्देश्यों के लिए भारत प्रोसेस एंड मेकैनिकल इंजी- नियर्स लि., चार्टर्ड बैंक बिल्डिंग, 4 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-700 001 की ओर से अथवा के द्वारा पटे से संबंधित अथवा पटे पर लिए गए सभी परिसर।

[सं. 4(4)/96-पी.ई.-3]

अमिताभ कुमार, निवेशक

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Heavy Industry)

New Delhi, the 7th November, 1996

S.O.3231.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being an officer equivalent to the rank of gazetted officer of the Government, to be an estate officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on estate officers, by or under the said Act, within the local limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in column 2 of the said Table.

Designation of the Officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction.
(1)	(2)

Special Grade Officer, Bharat Process and Mechanical Engineers Limited, Chartered Bank Buildings, 4, Netaji Subhash Road, Calcutta-700 001.	All premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Bharat Process and Mechanical Engineers Limited, Chartered Bank Buildings, 4, Netaji Subhas Road, Calcutta-700 001, for Office or residential purposes situated anywhere in India.
---	---

[No. 4(4)/96/PE-II]

Amitabh Kumar, Director

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

महादिली, 13 नवम्बर, 1996

का, आ. 3232 :— गोदी कामगार (रोजगार का वित्तियम) नियमावली, 1962 के तियम 4 के उपनियम (2) के साथ पठित गोदी कामगार (रोजगार का वित्तियम, अधिनियम, 1948 (1944 का 9) की धारा 5की उपधारा(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एवं द्वारा श्री प्रेम नाथ, अवर सचिव, जल-भूतल परिवहन मंत्रालय, नई दिल्ली को मुरागांव गोदी श्रमिक बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है और भारत सरकार, जल-भूतल परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की विभाग 10 अक्टूबर, 1996 की अधिसूचना रो. सा. आ. 733(भ) में निम्नलिखित संघों द्वारा करती है, घर्षण :—

उक्त अधिसूचना में क्रम सं. 4 के सामने “केन्द्र सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य” शीर्षक के अधीन “यातायात प्रबंधक, मुरागांव पतनयास, मुरागांव” प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“श्री प्रेम नाथ, अवर सचिव, जल-भूतल परिवहन मंत्रालय, नई दिल्ली”।

[फा. सं. एन बी/13014/5/96-(यू.एन.एल.)]

एस. के. दरगान, अवर सचिव

**MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT
(Transport Wing)**

New Delhi, the 13th November, 1996.

S.O. 3232.—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of Section 5A of Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948) read alongwith sub-rule (2) of rule 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Rules, 1962, the Central Government hereby appoint Shri Prem Nath, Under Secretary, Ministry of Surface Transport, New Delhi, as a member of the Mormugao Dock Labour Board and make the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport (Transport Wing), No. S.O. 733(E) dated the 10th October, 1996, namely:—

In the said notification, under the heading, "Members representing the Central Government" against Serial No. 4, for the entry "Traffic Manager, Mormugao Port Trust, Mormugao," the following entry shall be substituted, namely:—

"Shri Prem Nath, Under Secretary, Ministry of Surface Transport, New Delhi."

[F. No. L.P.13014/5/96-US(L)]
S.K. DARGAN, Under Secy.

कृषि मंत्रालय

(कृषि ग्रन्तुसंधान तथा शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1996

का. प्रा. 3233.—केन्द्रीय सरकार, कृषि मंत्रालय, कृषि ग्रन्तुसंधान तथा शिक्षा विभाग, राजभाषा (संघ) के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में एतद्वारा भारतीय कृषि ग्रन्तुसंधान विद्यालय के विनियोजित लंग्धान/निदेशालय जिनके 80% से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है।

1. राष्ट्रीय खुम्ह ग्रन्तुसंधान एवं प्रशिक्षण के चम्भावाट, सोलन
2. गोप्य प्रयोजना निदेशालय, मोटी पुरम, मेरठ

[तर्फ्या 13-5/95-हिन्दी]
आर.पी. सरोज, अधिकारी, सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agril. Res. & Edn.)

New Delhi, the 4th November, 1996

S.O. 3233.—In pursuance of Sub-Rule 4 of Rule 10 of the Official Language (Use of Official Purpose of the Union) Rule 1976, the Central Government, Ministry of Agril. Research and Education hereby notifies the following Institute/ Directorate of ICAR, where more than 80% of

staff have acquired the working knowledge of Hindi.

- (1) National Centre for Mushroom Research and Training, Chambaghat Solan.
- (2) Project Directorate on Cattle, Medipuram, Meerut.

[No. 13-5/95-Hindi]

R. P. SAROJ, Under Secy.

जल संसाधन मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 1996

का. प्रा. 3234.—केन्द्रीय सरकार, अंतर्राजिक जल विवाद अधिनियम, 1956 (1956 का 33) की धारा 5क और धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रबत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के जल संसाधन मंत्रालय की अधिसूचना सं.का.प्रा. 169(अ), तारीख 2 अप्रैल, 1986 में निम्नलिखित संसोधन ऊरती है, प्रार्थतः—

उक्त अधिसूचना में, क्रम सं. 2 तथा उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

"2. न्यायमूर्ति श्री यू.सी. बनर्जी न्यायाधीश, कलकत्ता उच्च न्यायालय" —सदस्य।

[फा. सं. 15/3/85-सि.सं.]
माता प्रसाद, सचिव

MINISTRY OF WATER RESOURCES

New Delhi, the 18th November, 1996

S.O. 3234.—In exercise of the powers conferred by Section 5-A and Sub-section (2) of Section 14 of the Inter-State Water Disputes Act, 1956 (33 of 1956) the Central Government hereby makes the following amendments in the Notification of the Government of India in the Ministry of Water Resources No. S.O. 169(E), dated the 2nd April, 1986, namely :—

In the said notification for serial No. 2 and entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

"2. Shri Justice U. C. Banerjee, Judge of the Calcutta High Court"—Memer

[F. No. 15/3/85-IT]
MATA PRASAD, Secy.

संस्कृति विभाग
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1996
(पुरातत्व)

का.ग्रा. 3235 — केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इससे उपर्युक्त अनुसूची में विस्तृित प्राचीन संस्मारक राष्ट्रीय महत्व के हैं,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और प्रवर्षेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना देती है,

केन्द्रीय सरकार, इस अधिसूचना के राजपत्र में जारी किए जाने की तारीख से दो मास की उक्त अधिधि के भीतर उक्त प्राचीन संस्मारक में हितबद्ध किसी व्यक्ति से उक्त संस्मारक के राष्ट्रीय महत्व का घोषित किए जाने के संबंध में प्राप्त किसी आक्षेप पर विचार करेगी। आक्षेप, महानिवेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली 110011 को भेजे जा सकते हैं।

राज्य	जिला	तहसील	परिक्षेत्र	संस्मारक का नाम	खसरा
मध्य प्रदेश	रायसेन	गोहरगंज	भोजपुर	प्राचीन प्रवर्षेष प्रस्तर उत्कीर्णन भोजपुर, तहसील गोहरगंज, जिला रायसेन	34
					35
					37
					38 (भाग) पी-819
					46/3
					46/2
					47/1
					47/2

क्षेत्र	स्वामित्व	सीमाएं
एकड़	हैक्टेयर	
0. 96	0. 39	मध्य प्रदेश सरकार उत्तर : वन भूमि पी. 819/ का शेष भाग
0. 92	0. 38	मध्य प्रदेश सरकार दक्षिण : 46/2 का शेष भाग। वन भूमि पी. 819/ खसरा सं. 40 और 38 का शेष भाग
5. 825	2. 36	मध्य प्रदेश सरकार पूर्व पी. 819/ वन भूमि का
1. 20	0. 49	शेष भाग और खसरा सं. 38
62. 50	25. 31	पश्चिम : बेतवा नदी खसरा सं. 48
7. 405	28. 93	कुल सरकारी क्षेत्र
2. 63	1. 07	श्री किशन पुत्र धासी राम
1. 50	0. 60	श्री बद्री प्रसाद पुत्र अन्दा
0. 17	0. 06	श्री किशन पुत्र धासी राम
0. 18	0. 17	श्री बद्री प्रसाद पुत्र अन्दा
4. 480	1. 80	समस्त प्राष्ठेट क्षेत्र

टिप्पणियाँ

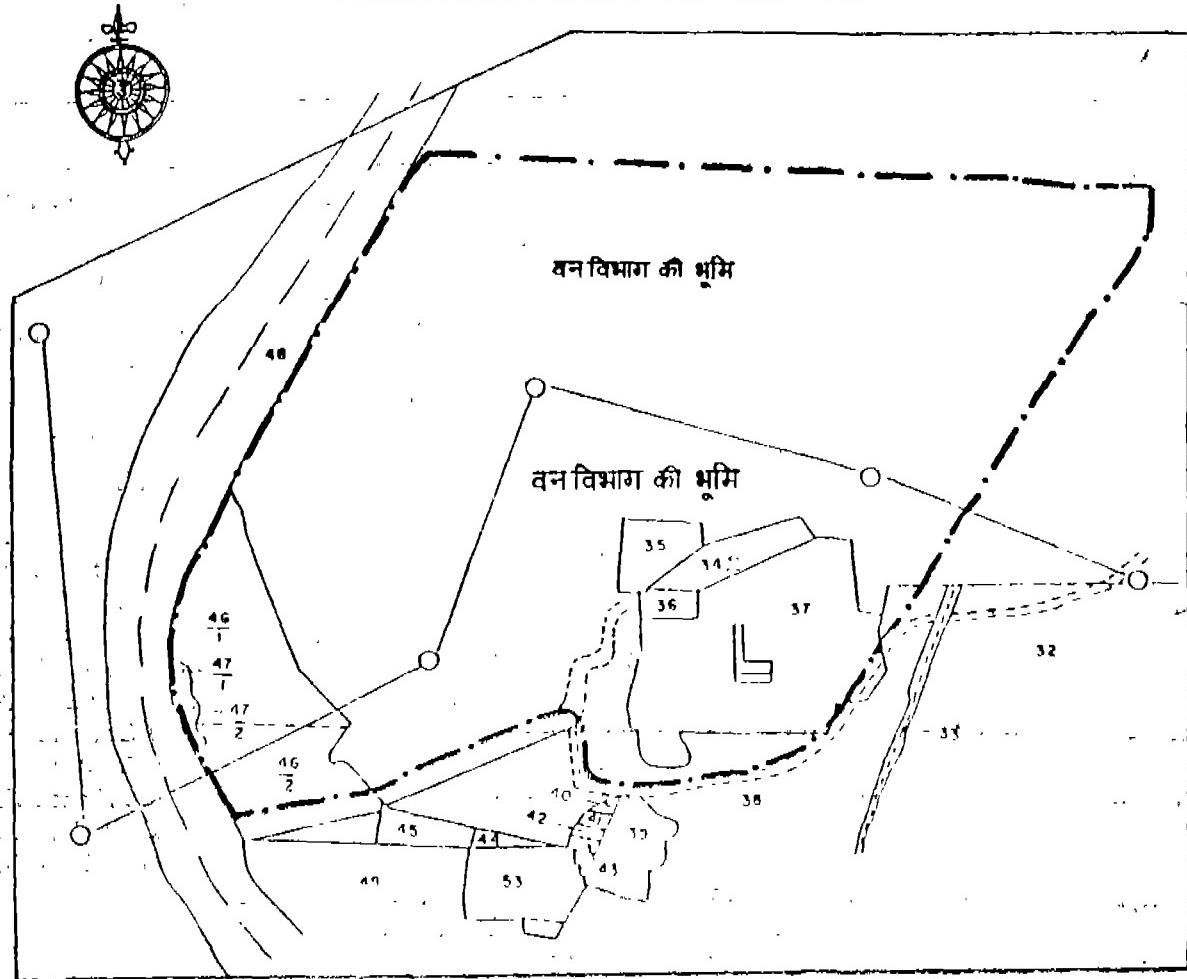
खसरा सं. 36 (क्षेत्र 0.35 एकड़ या 0.15 हेक्टेयर) में स्थित शिव मंदिर (शिव मंदिर के रूप में अधिसूचित) भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्राचीन संस्मारक अधिनियम, 1904 की द्वारा 3(1) के अधीन संरक्षण अधि-
सूचना संख्या दी 250/51-ए 2, तारीख 12-2-1951 द्वारा संरक्षित है जिसकी अधिसूचना संख्या दी 250/51-ए 2,
तारीख 10-05-1951 द्वारा पुष्टि की गई है।

स्थल रेखांक नीचे दिया गया है।

प्राचीन अवशेष शिला उत्कीर्णन का स्थल मानचित्र

भोजपुर, तहसील गोहरगंज, जिला रायसेन (म.प्र.)

0 100 200 300 400 मीटर



संरक्षित क्षेत्र

[का.सं. 2/2/96 एम]
सत्यपाल, निदेशक (प्र. शासन)

DEPARTMENT OF CULTURE
 (Archaeological Survey of India)
 New Delhi, the 12th November, 1996
 (ARCHAEOLOGY)

S.O. 3235—Whereas the Central Government is of opinion that the ancient monuments specified in the Schedule annexed hereto are of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Cen-

tral Government hereby gives two months' notice of its intention to declare the said ancient monuments to be of national importance.

Any objection to the declaration of the said monuments to be of national importance, which may be received within the said period of two months from the date of issue of this notification in the Official Gazette from any person interested in the said ancient monuments will be taken into consideration by the Central Government. The objection may be sent to the Director General, Archaeological Survey of India, New Delhi-110011.

State	District	Tehsil	Locality	Name of the monuments
Madhya Pradesh	Raisen	Goharganj	Bhojpur	Ancient remains rock engravings Bhojpur, Tahsil-Goharganj. District Raisen.

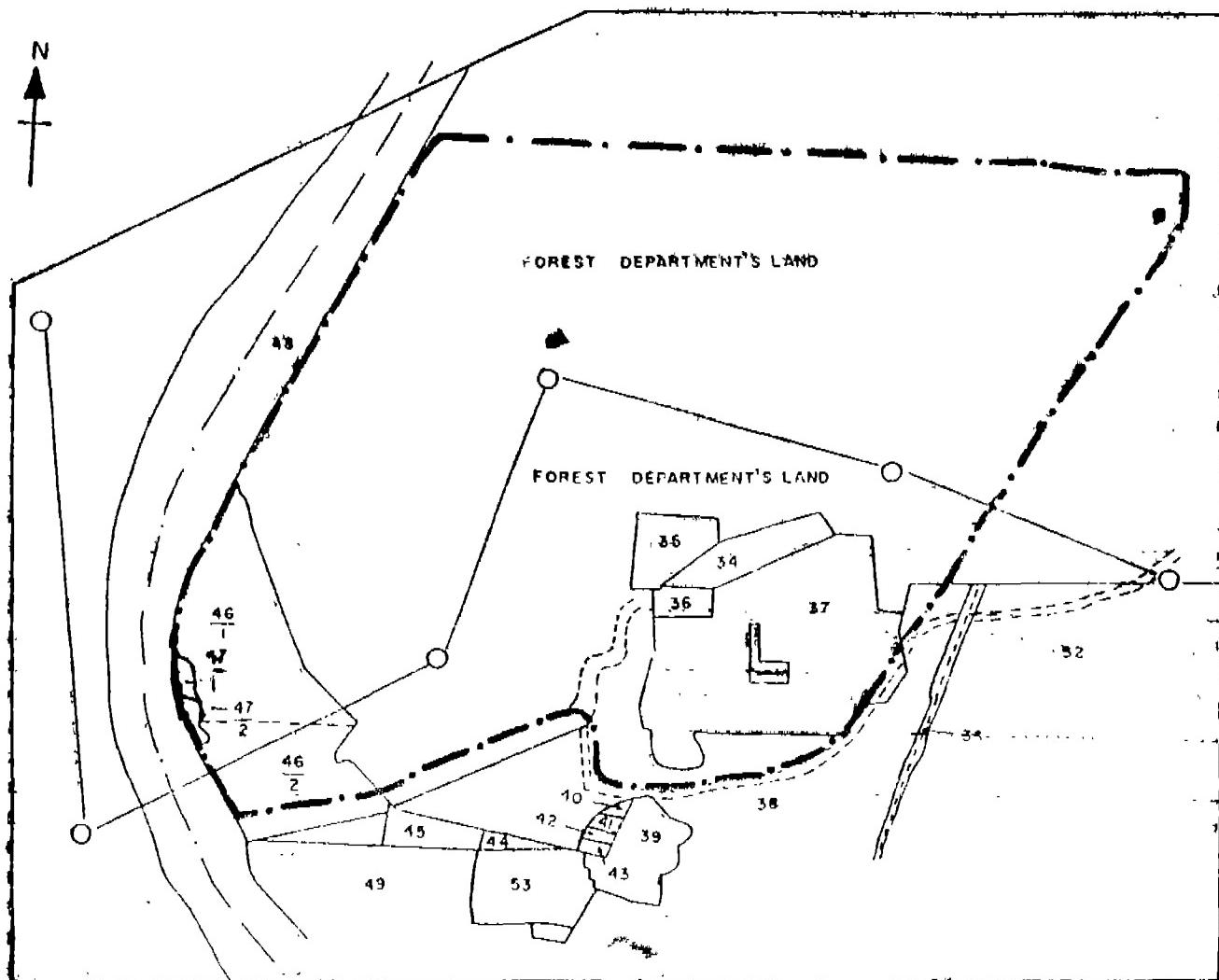
Khasra	Area		Ownership	Boundaries	Remarks
	Acre	Hectare			
34	0.96	0.39	Government of Madhya Pradesh	North: Forest land remaining part of P-819/VIII	The Siva Temple (Notified as Saivite temple) situated in Khasra Number 36
35	0.92	0.38	Government of Madhya Pradesh	South: Remaining Part of 46/2. Forest land P-819/VIII Khasra Number 40 and remaining	(Area 0.35 Acre—0.15 Hectare) is protected vide protection Notification No. D. 250/51 A2 dated 12-2-1951 under section 3(1) of Ancient Monuments Act, 1904 by Government of India, Ministry of Education Confirmed vide Notification No. D. 250/51-A2 dated 10-05-1951.
37	5.825	2.36	Government of Madhya Pradesh		
38 (part)	1.20	0.49	Government of Madhya Pradesh	part of 38	
P. 819/VIII	62.50	25.31	Forest Department Government of Madhya Pradesh	East: Remaining part of Forest land P-819/VIII and Khasra Number 38	
	7.405	28.93	Total Government area		

46/1	2.63	1.07	Shri Kishan son of Ghasi Ram	West: River Betwa Khasra Number 48
46/2	1.50	0.60	Shri Badri Prasad son of Chanda	
47/1	0.17	0.06	Shri Kishan son of Ghasi Ram	
47/2	0.18	0.07	Shri Badri Prasad son of Chanda	
	4.480	1.80	Total of all Private area	

SITE PLAN REPRODUCED BELOW)

SITE PLAN OF
ANCIENT REMAINS ROCK ENGRAVINGS
BHOJPUR, TAHSIL - GOHARGANJ, DISTRICT - RAISEN

0 100 200 300 400 METRES



PROTECTED AREA ——————

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1996

का. आ. 8236 --केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और अधिकारी पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के संबंधित वारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 1148 तारीख 13 अक्टूबर 1996 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिलाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संबंधित अनुसूची में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार के अर्जन के मपने वालय की ओष्ठणा की गई।

और उक्त अधिसूचना के राजपत्र की प्रतिवां जनता की तारीख 26 अक्टूबर, 1996 को उपलब्ध करा दी गई थी।

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्तम प्राविकारी ने केन्द्रीय सरकार को अपनी लिंगोट देती है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त लिंगोट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संबंधित अनुसूची में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए-

अतः प्रथ केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त विवितयों का प्रयोग करते हुए इस अधिसूचना से संबंधित अनुसूची में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने की विवेदित वारी है:

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त विवितयों का प्रयोग करते हुए यह निर्वाच देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय सभी विललंणमों से मूल इंडियन फ्रायल कार्पोरेशन लिमिटेड में विहित होगा।

अनुसूची

पुस्तिकाना	पंस्कुरा	ज़िला : मिवालीपुर राज्य : परिषद	बंगाल		
गाँव का नाम	सं. वा. सं.	प्लॉट सं.	क्षेत्र		
		हेल्पर	प्रारे		
			तेंटीप्रारे		
1	2	3	4	5	6
परिषद	249	873	0	1	19
		872	0	0	81
		871	0	0	85
		570	0	3	14
		572	0	0	69
		569	0	7	75
		560	0	1	86
		561	0	3	50
		562	0	0	44
		605	0	3	84
		602	0	0	1
		604	0	3	5
		606	0	4	90
		607	0	4	92
		515	0	3	50
		808	0	0	65

परिषद	आरी	1	2	3	4	5	6
		610		0	0	1	
		609		0	5	54	
		531		0	1	1	
		525		0	2	67	
		524		0	3	61	
		635		0	7	55	
		516		0	9	18	
		517		0	1	58	
		577		0	0	26	
		578		0	0	46	
		579		0	0	4	
		576		0	2	50	
		575		0	3	56	
		574		0	2	22	
		573		0	4	11	
		572		0	0	20	
		569		0	5	1	
		568		0	5	1	
		549		0	5	98	
		548		0	3	11	
		547		0	0	20	
		544		0	2	14	
		545		0	8	21	
		538		0	0	1	
		443		0	9	74	
		444		0	4	17	
		441		0	0	16	
		440		0	4	17	
		439		0	1	73	
		446		0	3	54	
		437		0	7	63	
		433		0	1	52	
		458		0	2	28	
		432		0	8	42	
		431		0	3	39	
		427		0	6	72	
		426		0	0	44	
		607		0	2	59	
		413		0	7	37	
		414		0	0	24	
		412		0	1	94	
		411		0	0	63	
		410		0	3	50	
		317		0	0	24	
		318		0	12	11	
		319		0	0	1	
		311		0	11	2	
		257		0	1	15	
		256		0	5	14	
		190		0	0	20	
		146		0	15	11	
		145		0	5	86	
		144		0	4	8	
		149		0	0	4	
		135		0	4	54	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
वर्षिया—जारी	143	0	0	64		रामचन्द्रपुर—जारी	19	0	6	96	
	136	0	8	17			89	0	2	7	
	139	0	6	24			90	0	0	41	
	138	0	3	24			91	0	8	67	
	137	0	0	14			97	0	2	4	
	92	0	1	78			96	0	10	57	
	93	0	10	9			98	0	0	79	
	99	0	0	37			93	0	0	18	
	91	0	0	24		मनोहरपुर	252	538	0	3	94
	94	0	5	32			537	0	1	11	
	75	0	6	81			934	0	5	12	
	95	0	0	24			935	0	3	41	
	73	0	4	8			545	0	1	52	
	72	0	0	51			546	0	9	74	
	71	0	0	12			544	0	0	28	
	69	0	3	57			553	0	3	48	
	70	0	0	91			1135	0	0	83	
	67	0	1	29			1134	0	0	12	
	21	0	5	45			555	0	4	79	
	18	0	5	45			554	0	2	60	
	17	0	18	40			562	0	6	96	
	16	0	0	74			1139	0	6	23	
रामचन्द्रपुर	250	761	0	7	28		565	0	7	51	
		762	0	0	74		564	0	0	77	
		760	0	7	61		578	0	0	49	
		759	0	2	3		579	0	5	56	
		758	0	1	39		580	0	4	40	
		629	0	0	24		582	0	4	50	
		627	0	16	42		584	0	0	99	
		625	0	0	24		1149	0	0	16	
		624	0	9	51		585	0	6	88	
		623	0	3	71		586	0	0	4	
		610	0	4	18		589	0	8	09	
		608	0	2	29		590	0	3	89	
		1193	0	2	80		1151	0	3	42	
		607	0	3	33		1157	0	2	8	
		603	0	8	49		1158	0	0	12	
		601	0	8	98		1091	0	0	24	
		459	0	3	5		420	0	2	36	
		458	0	0	38		419	0	13	28	
		39	0	4	73		612	0	0	16	
		37	9	0	69		418	0	0	1	
		38	0	7	23		407	0	8	63	
		25	0	1	78		408	0	5	28	
		24	0	1	62		409	0	1	94	
		23	0	2	78		410	0	1	55	
		1127	0	7	79		411	0	3	89	
		1145	0	1	4		397	0	0	1	
		21	0	4	73		396	0	1	5	
		22	0	0	20		395	0	6	96	
		20	0	5	61		393	0	5	93	
		18	0	0	74		390	0	1	25	
							665	0	5	34	
							394	0	1	94	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
मनोद्वारपुर—जारी	1086	0	4	40		पुण्या—दाक्षपूर	जिला—भिहारपूर	राज्य—पश्चिम बंगाल			
	400	0	0	30		नारोयण चक	238	945	0	0	12
	933	0	0	20			946	0	4	49	
	666	0	0	24			976	0	6	23	
							977	0	5	1	
राज्यक	253	1006	0	0	44			920	0	11	97
		1007	0	3	61			919	0	5	28
		811	0	2	43			911	0	5	84
		810	0	4	54			910	0	4	17
		809	0	7	65			904	0	2	5
		808	0	6	12			902	0	2	5
		807	0	0	8			901	0	1	62
		804	0	7	99			899	0	0	16
		1011	0	0	8			898	0	1	62
		799	0	3	71			897	0	4	0
		800	0	1	76			885	0	6	26
निजलयरा	254	38	0	5	35			886	0	0	69
		39	0	0	12			884	0	5	39
		40	0	0	16	गोमीकपोटा	237	688	0	4	56
		30	0	3	64			686	0	2	56
		37	0	0	55			687	0	13	8
		36	0	1	74			692	0	4	22
		35	0	0	36			693	0	1	62
		34	0	4	47			694	0	0	69
		33	0	3	98			704	0	3	1
		32	0	6	64			1922	0	5	56
		31	0	0	1			715	0	3	75
		89	0	5	17			714	0	0	83
		90	0	0	28			716	0	0	1
		88	0	4	17			717	0	7	23
		87	0	3	71			1950	0	2	87
		954	0	3	19			720	0	3	5
		86	0	6	17			730	0	4	17
		81	0	0	12			731	0	2	29
		83	0	6	12			732	0	0	12
		100	0	2	22			733	0	6	40
		102	0	0	36			734	0	0	32
		103	0	5	42			1955	0	3	28
		239	0	7	23			736	0	3	20
		240	0	4	8			735	0	3	1
		241	0	1	94			929	0	0	4
		420	0	4	59			928	0	0	24
		242	0	0	49			927	0	3	51
		243	0	0	1			926	0	5	56
		419	0	6	40			925	0	6	54
		248	0	5	84			1612	0	0	8
		415	0	2	50			1648	0	0	4
		249	0	5	84			1647	0	0	8
		414	0	0	36			1607	0	1	78
		269	0	16	70			1608	0	0	74
		268	0	1	39			1609	0	0	62
		267	0	1	39			1623	0	6	68
		265	0	2	28			1621	0	0	8
		266	0	8	99			1622	0	3	71
		276	0	0	8			1620	0	0	1
		277	0	3	89			1619	0	1	39

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		1720	0	6	1		769	0	5	2	
		1719	0	5	20		767	0	2	51	
		1728	0	0	4		768	0	2	36	
		1727	0	2	92		765	0	2	23	
		1752	0	0	20		895	0	0	4	
		1730	0	3	71		901	0	2	63	
		1731	0	3	1		896	0	1	48	
		1751	0	0	83		900	0	2	84	
		1734	0	12	75		902	0	0	55	
		1715	0	0	1		906	0	3	8	
		1733	0	0	1		899	0	3	62	
		1735	0	0	1		897	0	0	12	
		1736	0	3	33		898	0	2	11	
		1737	0	0	83		909	0	0	8	
		1613	0	0	1		908	0	4	69	
सीकापुर	235	3384	0	0	32		907	0	5	13	
		3399	0	16	14		911	0	1	47	
		3397	0	0	8		8109	0	0	65	
		3398	0	0	70		913	0	0	20	
		3419	0	0	4						
		3418	0	0	1	पालणापट्टि	156	1950	0	0	92
		3417	0	7	98			1951	0	0	69
		3450	0	2	78			1952	0	1	73
		3451	0	4	18			1948	0	5	5
		3449	0	0	42			1968	0	3	63
		4139	0	6	68			1966	0	1	25
		4140	0	0	12			1965	0	2	95
		4141	0	3	72			1967	0	3	25
		4145	0	2	99			1962	0	1	39
		4146	0	15	69			1961	0	0	16
		4147	0	0	90			1974	0	5	1
		4148	0	1	39			1975	0	2	55
		4149	0	1	81			1987	0	0	12
		4150	0	2	82			1986	0	0	16
		4168	0	1	62			1985	0	1	48
		4169	0	2	9			444	0	1	78
		4170	0	3	83			1984	0	2	78
		4175	0	1	6			1979	0	0	66
		4171	0	6	88			1980	0	0	12
		4166	0	6	10			1982	0	0	1
		4172	0	0	4			2096	0	3	67
		4182	0	2	78			1991	0	0	1
		3415	0	7	47			1992	0	1	48
								1993	0	1	66
जोटघनस्थाम	240	741	0	3	5			2095	0	1	4
		742	0	3	53			3294	0	2	29
		743	0	0	40			3295	0	0	32
		744	0	1	48			2092	0	3	2
		748	0	2	3			2093	0	2	18
		747	0	2	22			2066	0	1	44
		746	0	1	62			2067	0	3	18
		745	0	4	90			2068	0	7	42
		757	0	0	63			2069	0	1	1
		758	0	2	3			2070	0	0	1
		776	0	6	23			2079	0	3	5
		760	0	0	4			2080	0	2	0

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	2081		0	0	74		1085		0	1	81
	2764		0	1	94		1074		0	1	88
	2766		0	0	91		1084		0	2	29
	1783		0	6	12		1081		0	0	3
	3213		0	4	38		1082		0	0	4
	3214		0	0	46		1083		0	2	55
	1983		0	5	66		961		0	2	47
	2762		0	0	12		963		0	4	24
	2091		0	0	32		962		0	4	70
	2763		0	0	1		959		0	0	1
	2084		0	0	1		956		0	9	46
	2076		0	0	69		949		0	0	8
जोयरामज्जक	157	1795	0	7	63		950		0	2	98
		1796	0	7	23		951		0	2	71
		1805	0	5	10		952		0	0	97
		1806	0	0	72		945		0	3	11
		1807	0	1	85		921		0	0	42
		1808	0	2	78		917		0	0	57
		3232	0	5	72		907		0	1	42
		3231	0	0	1		906		0	3	52
		1825	0	13	8		892		0	1	67
		3230	0	0	4		889		0	0	1
		1828	0	7	47		890		0	2	53
		3154	0	1	22		886		0	0	24
		3134	0	1	78		894		0	0	32
		1829	0	5	84		885		0	3	78
		1834	0	0	1		878		0	1	4
		3108	0	4	34		875		0	0	61
		1853	0	9	47		876		0	0	74
		1861	0	0	55		877		0	0	83
		1855	0	0	18		874		0	3	48
		1854	0	3	91		859		0	0	8
		1850	0	0	34		860		0	1	4
		1856	0	2	22		862		0	0	40
		1857	0	5	36		851		0	0	81
		1449	0	3	15		850		0	0	93
		1118	0	5	57		844		0	1	27
		1117	0	3	34		843		0	1	11
		1116	0	1	50		838		0	2	67
		1114	0	0	83		837		0	0	1
		1112	0	0	97		823		0	1	97
		1113	0	5	6		822		0	3	56
		1108	0	3	34		791		0	1	35
		1109	0	0	1		797		0	2	78
		1106	0	3	26		795		0	2	92
		1023	0	1	67		796		0	0	94
		1105	0	0	85		794		0	3	6
		1064	0	3	24		3076		0	0	1
		1024	0	2	93		2984		0	7	51
		1065	0	2	78		3130		0	0	74
		1068	0	2	8		2998		0	3	28
		1061	0	0	55		2997		0	1	30
		1069	0	1	48		2996		0	0	24
		1072	0	0	95		2992		0	1	18
		3094	0	0	61		2995		0	4	18
		3124	0	2	47		2994		0	5	7

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		3008	0	1	54			469	0	2	92
		3009	0	0	59			471	0	5	56
		3010	0	1	48			442	0	45	84
		3011	0	2	50			441	0	3	6
		3013	0	2	0			431	0	0	1
		2869	0	5	62			430	0	2	22
		2872	0	2	0			436	0	0	12
		2873	0	3	48	केलोगोडा	174	2372	0	7	35
		2865	0	1	95			2373	0	3	73
		2844	0	1	48			2374	0	1	67
		2845	0	5	51			2375	0	3	31
		2851	0	0	1			2376	0	1	62
		2846	0	1	93			2378	0	2	69
		2830	0	4	94			2379	0	1	53
		2820	0	2	28			2380	0	3	1
		2821	0	5	57			2381	0	2	41
		2817	0	0	1			2383	0	3	87
		2822	0	0	1			2390	0	1	12
		1824	0	1	11			2391			
		790	0	0	4						
		2999	0	0	83						
पंचगलिया भाग—एक	158	881	0	0	12	मावसपुर	228	1087	0	0	16
		880	0	0	16			1088	0	3	65
		879	0	0	62			1089	0	0	36
		878	0	2	13			1092	0	0	1
		876	0	3	34			1093	0	2	78
		875	0	4	82			1082	0	1	94
		874	0	7	3			808	0	2	4
		868	0	5	1			807	0	2	59
		867	0	3	34			1083	0	2	73
		866	0	5	29			789	0	1	40
		865	0	7	1			790	0	1	78
		705	0	11	89			791	0	0	76
		704	0	0	25			792	0	0	37
		709	0	10	21			793	0	0	61
		708	0	0	81			794	0	0	64
		717	0	2	8			795	0	0	92
		716	0	2	8			796	0	0	58
		718	0	0	41			781	0	3	89
		732	0	5	29			780	0	1	39
		733	0	2	89			778	0	0	69
		738	0	4	25			779	0	0	48
		729	0	3	20			782	0	0	27
		739	0	3	15			783	0	0	4
		740	0	5	36			777	0	2	80
		742	0	0	1			775	0	0	32
		741	0	0	27			776	0	2	89
		512	0	4	24			771	0	5	1
		511	0	4	45			23	0	0	55
		512	0	0	21			24	0	1	20
		461	0	4	45			25	0	0	12
		463	0	3	89			26	0	0	10
		464	0	4	45			27	0	0	11
		465	0	6	12			21	0	1	11
		470	0	2	92			22	0	0	69

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	33		0	7	42		1885		0	4	56
	49		0	0	83		1884		0	3	33
	34		0	3	11		1883		0	1	75
	35		0	2	13		1888		0	0	21
	45		0	1	20		1889		0	0	74
	43		0	2	11		1879		0	2	22
	44		0	8	63						
	427		0	2	81	फरीदाबाद	727	421	0	6	40
	428		0	0	4			420	0	7	63
	426		0	3	24			419	0	0	29
	435		0	4	25			428	0	4	56
	425		0	0	32			429	0	5	36
	436		0	4	49			430	0	1	81
	424		0	0	41			431	0	0	24
	437		0	3	70			434	0	0	20
	423		0	0	44			1585	0	10	2
	434		0	0	89			295	0	2	10
	438		0	7	5			293	0	6	39
	422		0	1	20			294	0	3	89
	524		0	9	57			292	0	0	46
	525		0	9	35			272	0	6	96
	526		0	9	90			278	0	0	1
	527		0	0	12			279	0	4	3
	530		0	9	74			271	0	0	1
	531		0	0	34			280	0	0	70
	533		0	14	3			160	0	2	43
	532		0	0	92			157	0	4	37
	534		0	3	6			171	0	1	23
	535		0	3	62			162	0	0	20
	536		0	3	34			154	0	1	89
	537		0	0	1			153	0	1	4
	541		0	0	18			152	0	0	89
	1646		0	3	11			156	0	0	58
	1645		0	0	27			155	0	2	22
	1653		0	9	2			1515	0	4	17
	1654		0	3	6			115	0	6	38
	1655		0	2	89			149	0	0	16
	1684		0	0	45			116	0	0	1
	1685		0	7	6			94	0	0	53
	1686		0	4	28			951	0	2	89
	1887		0	0	1			78	0	5	74
	1723		0	4	84			77	0	0	24
	1722		0	9	74			80	0	7	98
	1720		0	10	61			82	0	4	2
	1730		0	0	24			83	0	0	55
	1919		0	10	86			81	0	0	69
	1717		0	5	12			86	0	0	4
	1749		0	2	7			84	0	0	55
	1750		0	6	57			66	0	3	34
	1752		0	17	54			837	0	2	78
	1776		0	5	35			838	0	2	78
	1776		0	5	45			835	0	3	89
	1779		0	3	6			836	0	1	25
								1565	0	4	8
								1368	0	3	45

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	1569		0	4	87		333		0	9	74
	846		0	0	16		332		0	0	8
	845		0	13	50		326		0	0	16
	869		0	3	57		327		0	3	93
	869		0	1	12		331		0	0	42
	1571		0	7	49		328		0	3	34
	1572		0	0	16		396		0	3	25
	866		0	1	81		395		0	15	37
	865		0	1	67		392		0	0	65
	1070		0	2	43		391		0	2	8
	1073		0	5	80		408		0	3	34
	1071		0	3	24		409		0	3	62
	1072		0	1	44		381		0	6	88
	79		0	1	78		382		0	0	8
							380		0	3	89
उत्तराखण्ड	222	97		0	5	29	379		0	2	78
		96		0	8	80	377		0	4	73
		95		0	5	29	376		0	2	22
		90		0	13	64	673		0	3	18
		91		0	0	1	674		0	0	1
		12		0	1	25	375		0	0	1
		2558		0	1	30	679		0	7	52
		11		0	21	58	680		0	7	24
		9		0	0	55	681		0	4	73
		10		0	5	84	682		0	2	9
जम्मपत्र	216	13300		0	3	34	692		0	8	96
		169		0	4	35	693		0	0	4
		58		0	10	58	689		0	0	4
		158		0	12	79	691		0	7	52
		157		0	0	74	700		0	1	20
		155		0	3	14	690		0	3	62
		162		0	1	3	701		0	4	46
		147		0	4	45	7799		0	0	97
		146		0	4	90	7820		0	0	83
		145		0	5	84	7810		0	2	65
		192		0	0	46	7811		0	3	12
		193		0	3	17	7812		0	1	86
		194		0	0	32	7808		0	0	81
		195		0	0	72	7809		0	0	4
		196		0	1	75	7807		0	1	30
		197		0	2	56	7804		0	0	16
		198		0	2	37	7805		0	1	67
		208		0	2	92	7806		0	1	41
		200		0	0	24	7813		0	0	41
		201		0	4	54	7789		0	1	25
		202		0	1	36	7790		0	2	78
		248		0	9	47	7794		0	1	14
		249		0	4	40	7788		0	0	4
		250		0	5	96	7791		0	8	7
		246		0	6	68	13702		0	0	16
		251		0	0	46	6061		0	3	62
		245		0	3	6	6062		0	6	68
		244		0	3	62	6063		0	1	95
		322		0	1	86	6064		0	10	86
		323		0	0	4	6016		0	19	9

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	6017		0	7	10		12282		0	0	1
	6013		0	0	37		12273		0	1	52
	6004		0	0	48		12276		0	9	91
	6002		0	7	94		12274		0	6	13
	6005		0	5	43		13296		0	4	87
	6001		0	0	83		12591		0	0	56
	5958		0	5	57		13295		0	1	16
	5957		0	5	98		12594		0	0	8
	5955		0	0	65		12592		0	4	73
	5956		0	6	56		12599		0	1	67
	5901		0	4	73		12696		0	1	82
	13739		0	1	0		12693		0	9	74
	5907		0	0	20		12691		0	1	53
	5908		0	4	87		12692		0	1	37
	5909		0	1	64		12690		0	0	86
	5936		0	8	35		12725		0	11	14
	5913		0	10	86		12689		0	1	30
	5915		0	3	76		12735		0	2	81
	5927		0	0	37		12736		0	2	81
	5925		0	0	1		12734		0	0	8
	5917		0	2	78		12737		0	2	78
	5916		0	1	26		12738		0	1	42
	5918		0	2	32		12739		0	0	24
	5921		0	0	70		12743		0	1	1
	3728		0	0	1		12744		0	11	61
	5923		0	1	16		12750		0	1	5
	5922		0	1	51		12751		0	0	4
	5924		0	0	65		12752		0	4	33
	12123		0	3	31		12754		0	1	75
	12124		0	7	31		12823		0	7	80
	12134		0	0	1		12796		0	5	57
	12138		0	0	1		12822		0	0	1
	12137		0	0	83		12798		0	4	1
	12125		0	3	86		12799		0	2	22
	12126		0	1	23		12800		0	2	0
	12127		0	1	30		12801		0	3	90
	13467		0	5	15		12794		0	0	1
	12112		0	0	14		12775		0	3	6
	12110		0	1	67	आंदोलनीयोग्यता	214	1459	0	6	40
	12111		0	0	33		1381		0	0	84
	12104		0	0	42		1382		0	7	81
	12102		0	0	1		1383		0	8	32
	12099		0	2	8		1384		0	1	18
	12253		0	2	22		1385		0	0	46
	12254		0	2	65		1386		0	0	44
	12255		0	0	1		1377		0	0	1
	12094		0	1	11		1374		0	4	28
	12093		0	0	1		1369		0	6	96
	12096		0	1	95		3836		0	1	16
	12097		0	0	46		3838		0	0	4
	12252		0	5	9		1368		0	10	89
	12259		0	0	20		1231		0	10	3
	12288		0	0	12		1356		0	0	1
	12260		0	2	94		1232		0	3	29
	12261		0	3	6		1234		0	9	19
	12283		0	0	70		1235		0	3	34

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	1236	0	4	13			2392	0	3	34	
	1237	0	1	14			2394	0	11	80	
	1238	0	0	1			2397	0	6	96	
	1241	0	12	25			2415	0	1	11	
	1242	0	4	9			2450	0	19	11	
	1217	0	0	1			2449	0	5	38	
	1216	0	0	41			2417	0	0	4	
	1215	0	1	4			2418	0	1	5	
	1195	0	1	34			2426	0	7	60	
	1194	0	1	34			2427	0	11	61	
	1193	0	1	50			2447	0	0	8	
	1192	0	0	27			2275	0	0	89	
	3696	0	5	51			2276	0	6	68	
	1244	0	2	56			2292	0	8	82	
	1157	0	3	34			2296	0	11	96	
	1158	0	1	39			2297	0	1	87	
	1159	0	18	38			2298	0	0	92	
	1162	0	7	66			2991	0	1	66	
	1167	0	1	84			2990	0	2	78	
	1163	0	9	95			2989	0	4	28	
	1164	0	1	16			2988	0	3	5	
	1138	0	1	16			2986	0	2	89	
	1137	0	5	10			2983	0	8	59	
	1136	0	9	35			2985	0	0	4	
	1124	0	6	26			2984	0	10	57	
	1125	0	2	95			2978	0	11	13	
	1121	0	1	43			2329	0	5	12	
	1119	0	0	8			2977	0	0	24	
	1111	0	0	8			2336	0	0	32	
	1099	0	9	19			2976	0	11	69	
	1098	0	0	71			2761	0	4	45	
	1095	0	8	91			2762	0	0	16	
	1094	0	2	78			2760	0	5	10	
	1100	0	0	8			2759	0	0	64	
	1093	0	1	79			2758	0	10	30	
	1092	0	5	29			2750	0	0	1	
	1090	0	0	94			2444	0	5	13	
	1091	0	2	29			2442	0	0	16	
	1117	0	0	48			2721	0	0	22	
	1096	0	0	58		जोटकानु रामगढ़	212	3549	0	1	5
भाग संख्या 211	2749	0	9	33			1392	0	5	29	
	2747	0	6	68			1390	0	3	6	
	2737	0	12	25			1192	0	1	11	
	2736	0	6	40			1193	0	6	24	
	2735	0	6	79			1194	0	0	66	
	2730	0	4	73			1195	0	1	0	
	2731	0	5	4			1196	0	6	22	
	2732	0	1	27			1197	0	10	30	
	2734	0	0	1			1223	0	8	55	
	2720	0	2	50			1222	0	9	73	
	2719	0	8	39			1225	0	0	1	
	2718	0	0	24			1230	0	4	40	
	2717	0	1	11			1229	0	4	79	
	2716	0	2	92			1274	0	7	73	
	2715	0	2	41			1273	0	1	92	
	2378	0	4	40			1275	0	0	58	

1	2	3	4	5	6
		1272	0	10	80
		1269	0	2	80
		1267	0	3	49
		1290	0	0	20
		3540	0	0	85
		1291	0	0	58
		1292	0	2	64
		1293	0	7	46
		3039	0	0	1
		1305	0	9	13
		1300	0	1	60
		1304	0	3	28
		1303	0	3	56
		1335	0	6	1
		739	0	8	60
		738	0	0	23
		710	0	3	90
		741	0	5	5
		724	0	3	6
		725	0	3	17
		726	0	2	86
		728	0	6	68
		727	0	0	1
		663	0	6	3
		664	0	3	64
		665	0	0	12
		659	0	8	51
		658	0	1	48
		657	0	10	36
		656	0	2	33
		655	0	4	45
		647	0	6	52
		646	0	5	29
		645	0	6	1
		2386	0	0	69
		2385	0	7	75
		2384	0	1	12
		2383	0	0	93
		2381	0	1	25
		2403	0	0	67
		2402	0	1	4
		2401	0	2	37
		2404	0	2	92
		2405	0	2	64
		2377	0	0	4
		2382	0	1	41

[रि. आव-31015/14/96-ओ. आर.-1]
के. सी. कटोर्च, अवर मनिष

Act, 1962 (50 of 1962) hereinafter referred to as the said Act,) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purposes of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 26th April, 1996;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the land specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

SCHEDULE

Police Station : Panskura District : Midnapur State : West Bengal

Village	Jurisdiction List No.	Plot No.	Area		
			Hec-	Ares	Cen-
			tares	tares	tares
1	2	3	4	5	6
Pathria	249	873	0	1	19
		872	0	0	81
		871	0	0	85
		570	0	3	14
		572	0	0	69
		569	0	7	75
		560	0	1	86
		561	0	3	50
		562	0	0	44
		605	0	3	84
		602	0	0	1
		604	0	3	5
		606	0	4	90
		607	0	4	92
		515	0	3	50
		608	0	0	65
		610	0	0	1
		609	0	5	64
		531	0	1	1
		525	0	2	67
		524	0	3	61
		635	0	7	55
		523	0	0	55
		516	0	9	18
		517	0	1	58
Gajai	248	577	0	0	62
		578	0	0	46
		579	0	0	4

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 8th November, 1996

S.O. 3236.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 1148, dated the 13th April, 1996 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land)

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Gajai—Contd.		576	0	2	50	Ramchandrapur	250	761	0	7	28
		575	0	3	56			762	0	0	74
		574	0	2	22			760	0	7	61
		573	0	4	11			759	0	2	3
		572	0	0	20			758	0	1	39
		569	0	5	1			629	0	0	24
		568	0	5	1			627	0	16	42
		549	0	5	98			625	0	0	24
		548	0	3	11			624	0	9	51
		547	0	0	20			623	0	3	71
		544	0	2	14			610	0	4	18
		545	0	8	21			608	0	2	29
		538	0	0	1			1193	0	2	80
		443	0	9	74			607	0	3	33
		444	0	4	17			603	0	8	49
		441	0	0	16			601	0	8	98
		440	0	4	17			459	0	3	5
		445	0	4	17			458	0	0	36
		439	0	1	73			39	0	4	73
		446	0	3	54			37	0	0	69
		437	0	7	65			38	0	7	23
		433	0	1	52			25	0	1	78
		458	0	2	28			24	0	1	62
		432	0	8	42			23	0	2	78
		431	0	3	39			1127	0	7	79
		427	0	6	72			1145	0	1	4
		426	0	0	44			21	0	4	73
		607	0	2	59			22	0	0	20
		413	0	7	37			20	0	5	61
		414	0	0	24			18	0	0	74
		412	0	1	94			19	0	6	96
		411	0	0	83			89	0	2	7
		410	0	3	50			90	0	0	41
		317	0	0	24			91	0	8	67
		318	0	12	11			97	0	2	4
		319	0	0	1			96	0	10	57
		311	0	11	2			98	0	0	76
		257	0	1	15			95	0	0	16
		256	0	5	14	Manoharpur	252	538	0	3	94
		190	0	0	20			537	0	1	11
		146	0	15	11			934	0	5	12
		145	0	5	86			935	0	3	41
		144	0	4	8			545	0	1	52
		149	0	0	4			546	0	9	74
		135	0	4	54			544	0	0	28
		143	0	0	64			553	0	3	48
		136	0	8	17			1135	0	0	83
		139	0	3	24			1134	0	0	12
		138	0	6	1			555	0	4	79
		137	0	0	4			554	0	2	60
		92	0	1	78			562	0	6	96
		93	0	10	6			1139	0	6	23
		99	0	0	37			565	0	7	51
		91	0	0	24			564	0	0	77
		94	0	5	32			578	0	0	49
		75	0	6	81			579	0	5	56
		95	0	0	24			580	0	4	40
		73	0	4	8			582	0	4	50
		72	0	0	51			584	0	0	99
		71	0	6	12			1149	0	0	16
		69	0	3	57			585	0	6	88
		70	0	0	91			586	0	0	4
		67	0	1	29			589	0	8	90
		21	0	5	45			590	0	3	89
		18	0	5	45			1151	0	3	42
		17	0	18	40			1157	0	2	8
		16	0	0	74			1158	0	0	12

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Manchapur—Contd.		1091	0	0	24	Nijkhayra—Contd.		414	0	0	36
		420	0	2	36			269	0	16	70
		419	0	13	28			268	0	1	39
		612	0	0	16			267	0	1	39
		418	0	0	1			265	0	2	28
		407	0	8	63			266	0	8	99
		408	0	5	28			276	0	0	8
		409	0	1	94			277	0	3	89
		410	0	1	55	Police Station—Daspur State—West Bengal		District—Midnapur			
		411	0	3	89	Narayanchak	238	945	0	0	12
		397	0	0	1			946	0	4	49
		396	0	1	5			976	0	6	23
		395	0	6	96			977	0	5	1
		393	0	5	93			920	0	11	97
		390	0	1	25			919	0	5	28
		665	0	5	34			911	0	5	84
		394	0	1	94			910	0	4	17
		1086	0	4	40			904	0	2	5
		400	0	0	30			902	0	2	5
		933	0	0	20			901	0	1	62
		666	0	0	24			900	0	0	4
Ralchak	253	1006	0	0	44			899	0	0	16
		1007	0	3	61			898	0	1	62
		811	0	2	43			897	0	4	0
		810	0	4	54			885	0	6	26
		809	0	7	65			886	0	0	69
		808	0	6	12			884	0	5	39
		807	0	0	8	Gomokpota	237	688	0	4	56
		804	0	7	99			686	0	2	56
		1011	0	0	8			687	0	13	8
		799	0	3	71			692	0	4	22
		800	0	1	76			693	0	1	62
Nijkhayra	254	38	0	5	35			694	0	0	69
		39	0	0	12			704	0	3	1
		40	0	0	16			1922	0	5	56
		30	0	3	64			715	0	3	75
		37	0	0	55			714	0	0	83
		36	0	1	74			716	0	0	1
		35	0	0	36			717	0	7	23
		34	0..	4	47			1950	0	2	87
		33	0	3	98			729	0	3	5
		32	0	6	64			730	0	4	17
		31	0	0	1			731	0	2	29
		89	0	5	17			732	0	0	12
		90	0	0	28			733	0	6	40
		88	0	4	17			734	0	0	32
		87	0	3	71			1955	0	3	28
		954	0	3	19			736	0	3	20
		86	0	6	17			735	0	3	1
		81	0	0	12			929	0	0	4
		83	0	6	12			928	0	0	24
		101	0	2	22			927	0	3	51
		102	0	0	36			926	0	5	56
		103	0	5	42			925	0	6	54
		104	0	12	63			1612	0	0	8
		239	0	7	23			1648	0	0	4
		240	0	4	8			1647	0	0	8
		241	0	1	94			1607	0	1	78
		420	0	4	59			1608	0	0	74
		242	0	0	49			1609	0	0	62
		243	0	0	1			1624	0	10	50
		419	0	6	40			1623	0	6	68
		248	0	5	84			1621	0	0	8
		415	0	2	50			1622	0	3	71
		249	0	5	84			1620	0	0	1
								1619	0	1	39

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Gomokpota—Contd.		1720	0	6	1	Jotgeanassyam—Contd.	899	0	3	62	
		1719	0	5	20		897	0	0	12	
		1728	0	0	4		898	0	2	11	
		1727	0	2	92		909	0	0	8	
		1729	0	5	78		908	0	4	69	
		1752	0	0	20		907	0	5	13	
		1730	0	3	71		911	0	1	47	
		1731	0	3	1		8409	0	0	65	
		1751	0	0	83		913	0	0	20	
		1734	0	12	75	Palshpai	156	1950	0	0	92
		1745	0	0	1		1951	0	0	69	
		1733	0	0	1		1952	0	1	78	
		1735	0	0	1		1948	0	5	5	
		1736	0	3	33		1968	0	3	63	
		1737	0	0	83		1966	0	1	25	
		1613	0	0	1		1965	0	2	95	
Sitapur	235	3384	0	0	32		1967	0	3	25	
		3399	0	16	14		1962	0	1	39	
		3397	0	0	8		1961	0	0	16	
		3398	0	0	70		1974	0	5	1	
		3419	0	0	4		1975	0	2	55	
		3418	0	0	1		1987	0	0	12	
		3417	0	7	98		1986	0	0	16	
		3450	0	2	78		1985	0	1	48	
		3451	0	4	18		444	0	1	78	
		3449	0	0	42		1984	0	2	78	
		4139	0	6	68		1979	0	0	66	
		4140	0	0	12		1980	0	0	12	
		4141	0	3	72		1982	0	0	1	
		4145	0	2	99		2096	0	3	67	
		4146	0	15	69		1991	0	0	1	
		4147	0	0	90		1992	0	1	48	
		4148	0	1	39		1993	0	1	66	
		4149	0	1	81		2095	0	1	4	
		4150	0	2	82		3294	0	2	29	
		4168	0	1	62		3295	0	0	32	
		4169	0	2	9		2092	0	3	2	
		4170	0	3	83		2093	0	2	18	
		4175	0	1	6		2066	0	1	44	
		4171	0	6	88		2067	0	3	18	
		4166	0	6	10		2068	0	7	42	
		4172	0	0	4		2069	0	1	1	
		4182	0	2	78		2070	0	0	1	
		3415	0	7	47		2079	0	3	5	
Jotghanassyam	240	741	0	3	5		2081	0	0	74	
		742	0	3	53		2764	0	1	94	
		743	0	0	40		2766	0	0	91	
		744	0	1	48		1783	0	6	12	
		748	0	2	3		3213	0	4	38	
		747	0	2	22		3214	0	0	46	
		746	0	1	62		1983	0	5	66	
		745	0	4	90		2762	0	0	12	
		757	0	0	63		2091	0	0	32	
		758	0	2	3		2763	0	0	1	
		776	0	6	23		2084	0	0	1	
		760	0	0	4		2076	0	0	69	
		769	0	5	2	Joyramchak	157	1795	0	7	63
		767	0	2	51		1796	0	7	23	
		768	0	2	36		1805	0	5	10	
		765	0	2	23		1806	0	0	72	
		895	0	0	4		1807	0	1	85	
		901	0	2	63		1808	0	2	78	
		896	0	1	48		3232	0	5	72	
		900	0	2	84		3231	0	0	1	
		902	0	0	55		1825	0	13	8	
		906	0	3	8		3230	0	0	4	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Joyramchak—Contd.		1828	0	7	47	Joyramchak—Contd.		877	0	0	83
		3154	0	1	22			874	0	3	48
		3134	0	1	78			859	0	0	8
		1829	0	5	84			860	0	1	4
		1834	0	0	1			862	0	0	40
		3108	0	4	34			851	0	0	81
		1853	0	9	47			850	0	0	93
		1861	0	0	55			844	0	1	27
		1855	0	0	18			843	0	1	11
		1854	0	3	91			838	0	2	67
		1850	0	0	34			837	0	0	1
		1856	0	2	22			823	0	4	97
		1857	0	5	36			822	0	3	56
		1449	0	3	15			791	0	1	35
		1118	0	5	57			797	0	2	78
		1117	0	3	34			795	0	2	92
		1116	0	1	50			796	0	0	94
		1114	0	0	83			794	0	3	6
		1112	0	0	97			3076	0	0	1
		1113	0	5	6			2984	0	7	51
		1108	0	3	34			3130	0	0	74
		1109	0	0	1			2998	0	3	28
		1106	0	3	26			2997	0	1	30
		1023	0	1	67			2996	0	0	24
		1105	0	0	85			2992	0	4	18
		1064	0	3	24			2995	0	4	18
		1063	0	2	78			2994	0	5	17
		1024	0	2	93			3008	0	1	54
		1065	0	2	78			3009	0	0	59
		1068	0	2	8			3010	0	1	48
		1061	0	0	55			3011	0	2	59
		1069	0	1	48			3013	0	2	0
		1072	0	0	95			2869	0	5	62
		3091	0	0	61			2872	0	2	0
		3124	0	2	47			2873	0	3	48
		1085	0	1	81			2865	0	1	95
		1074	0	1	88			2867	0	0	72
		1084	0	2	29			2866	0	3	83
		1081	0	0	3			2844	0	1	48
		1082	0	0	4			2845	0	5	51
		1083	0	2	55			2851	0	0	1
		961	0	2	47			2846	0	1	93
		963	0	4	24			2831	0	7	63
		962	0	4	70			2830	0	4	94
		959	0	0	1			2820	0	2	28
		956	0	9	46			2821	0	5	57
		949	0	0	8			2817	0	0	1
		950	0	2	98			2822	0	0	1
		951	0	2	71			1824	0	1	11
		952	0	0	97			790	0	0	4
		945	0	3	11	Panchgachhia	158	881	0	0	12
		922	0	9	58	Part-I		880	0	0	16
		916	0	6	47			879	0	0	62
		910	0	5	1			878	0	2	13
		907	0	1	42			876	0	3	34
		906	0	3	52			875	0	4	82
		892	0	1	67			874	0	7	3
		891	0	1	53			868	0	5	1
		889	0	0	1			867	0	3	34
		890	0	2	53			866	0	5	29
		886	0	0	24			865	0	3	34
		894	0	0	32			705	0	7	1
		885	0	3	78			704	0	0	25
		878	0	1	43			709	0	10	21
		875	0	0	61			708	0	0	81
		876	0	0	74			717	0	2	8

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6		
Panchgachhia		716	0	2	8	Hdampur—Contd.		24	0	1	94		
Part-I—Contd		718	0	0	41			25	0	1	20		
		732	0	5	29			26	0	0	12		
		733	0	2	89			27	0	0	10		
		738	0	4	26			21	0	1	11		
		729	0	3	20			22	0	0	69		
		739	0	3	15			33	0	7	42		
		740	0	5	26			49	0	0	83		
		742	0	0	1			34	0	3	11		
		741	0	0	27			35	0	2	13		
		512	0	4	24			45	0	1	20		
		511	0	4	45			43	0	2	11		
		513	0	0	21			44	0	8	63		
		461	0	4	45			427	0	2	81		
		463	0	3	89			428	0	0	4		
		464	0	4	45			426	0	3	24		
		465	0	6	12			435	0	4	25		
		470	0	2	92			425	0	0	32		
		469	0	2	92			436	0	4	49		
		471	0	5	56			424	0	0	41		
		442	0	45	84			437	0	3	70		
		441	0	3	6			423	0	0	44		
		431	0	0	1			434	0	0	89		
		430	0	2	22			438	0	7	5		
		436	0	0	12			422	0	1	20		
Kelogoda	174	2372	0	7	35			524	0	9	57		
		2373	0	3	73			525	0	9	35		
		2374	0	1	67			526	0	9	90		
		2375	0	3	31			527	0	0	12		
		2376	0	1	62			530	0	9	74		
		2378	0	2	69			531	0	0	34		
		2379	0	1	53			533	0	14	3		
		2380	0	3	1			532	0	0	92		
		2381	0	2	41			534	0	3	6		
		2383	0	3	87			535	0	3	62		
		2390	0	1	21			536	0	3	34		
		2391	0	0	12			537	0	0	1		
Adampur	228	1087	0	0	16			541	0	0	18		
		1088	0	3	65			1646	0	3	11		
		1089	0	0	36			1645	0	0	27		
		1092	0	0	1			1653	0	9	2		
		1093	0	2	78			1654	0	3	6		
		1082	0	1	94			1655	0	2	89		
		808	0	2	4			1684	0	0	45		
		807	0	2	59			1685	0	7	6		
		1083	0	2	73			1686	0	4	28		
		789	0	1	40			1687	0	0	1		
		790	0	1	78			1723	0	4	84		
		791	0	0	76			1722	0	9	74		
		792	0	0	37			1720	0	10	61		
		793	0	0	61			1730	0	0	24		
		794	0	0	64			1719	0	10	86		
		795	0	0	92			1717	0	5	12		
		796	0	0	58			1749	0	2	7		
		781	0	3	89			1750	0	6	57		
		780	0	1	39			1752	0	17	54		
		778	0	0	69			1776	0	5	45		
		779	0	0	46			1779	0	3	6		
		782	0	0	27			1885	0	4	56		
		783	0	0	4			1884	0	3	33		
		777	0	2	80			1889	0	0	74		
		775	0	0	32			1879	0	2	22		
		776	0	2	89			Faridpur	227	421	0	6	40
		771	0	5	1					420	0	7	63
		23	0	0	55					419	0	0	29
										428	0	4	56

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Faridpur—Contd.		429	0	5	36	Uttarbar—Contd.		90	0	13	64
		430	0	1	81			91	0	0	1
		431	0	0	24			12	0	1	25
		434	0	0	20			2558	0	1	30
		1585	0	10	2			11	0	21	58
		295	0	2	10			9	0	0	55
		293	0	6	39			10	0	5	84
		294	0	3	89	Chainpat	216	13300	0	3	34
		275	0	1	59			169	0	4	35
		276	0	5	73			58	0	10	58
		292	0	0	46			158	0	12	79
		272	0	6	96			157	0	0	74
		278	0	0	1			155	0	3	14
		279	0	4	3			162	0	1	3
		271	0	0	1			147	0	4	45
		280	0	0	70			146	0	4	90
		160	0	2	43			145	0	5	84
		157	0	4	37			192	0	0	46
		171	0	1	23			193	0	3	17
		162	0	0	20			194	0	0	32
		154	0	1	89			195	0	0	72
		153	0	1	4			196	0	1	75
		152	0	0	89			197	0	2	56
		156	0	0	58			198	0	2	37
		155	0	2	22			208	0	2	92
		1515	0	4	17			200	0	0	24
		115	0	6	38			201	0	4	54
		149	0	0	16			202	0	1	36
		116	0	0	1			248	0	9	47
		94	0	0	53			249	0	4	40
		951	0	2	89			250	0	5	96
		78	0	5	74			246	0	6	68
		77	0	0	24			251	0	0	46
		80	0	7	98			245	0	3	6
		82	0	4	2			244	0	3	62
		83	0	0	55			322	0	1	86
		81	0	0	69			323	0	0	4
		86	0	0	4			333	0	9	74
		84	0	0	55			332	0	0	8
		66	0	3	34			326	0	0	16
		837	0	2	78			327	0	3	93
		838	0	2	78			331	0	0	42
		835	0	3	89			328	0	3	34
		836	0	1	25			396	0	3	25
		1565	0	4	8			395	0	15	37
		1566	0	1	11			392	0	0	65
		1568	0	3	45			391	0	2	8
		1569	0	4	87			408	0	3	34
		846	0	0	16			409	0	3	62
		845	0	13	50			381	0	6	88
		869	0	3	57			382	0	0	8
		868	0	1	12			380	0	3	89
		1571	0	7	49			379	0	?	78
		1572	0	0	16			377	0	4	73
		866	0	1	81			376	0	2	22
		865	0	1	67			673	0	3	18
		1070	0	2	43			674	0	0	1
		1073	0	5	80			672	0	0	1
		1071	0	3	24			679	0	7	52
		1072	0	1	44			680	0	7	24
		1064	0	2	2			681	0	4	73
		79	0	1	78			682	0	2	9
Uttarbar	222	97	0	5	29			692	0	6	96
		96	0	8	80			693	0	0	4
		95	0	5	29			689	0	0	4
								691	0	7	52

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Chainpat--Contd.	700		0	1	20	Chainpat—Contd.	12127		0	1	30
	690		0	3	62		13467		0	5	15
	701		0	4	46		12112		0	0	14
	7823		0	6	41		12110		0	1	67
	7799		0	0	97		12111		0	0	33
	7820		0	0	83		12103		0	4	79
	7810		0	2	65		12104		0	0	42
	7811		0	3	12		12102		0	0	1
	7812		0	1	86		12099		0	2	8
	7808		0	0	81		12253		0	2	22
	7809		0	0	4		12254		0	2	65
	7807		0	1	30		12255		0	0	1
	7804		0	0	16		12094		0	1	11
	7805		0	1	67		12093		0	0	1
	7806		0	1	41		12096		0	1	95
	7813		0	0	41		12097		0	0	46
	7789		0	1	25		12252		0	5	9
	7790		0	2	78		12259		0	0	20
	7794		0	1	14		12288		0	0	12
	7788		0	0	4		12260		0	2	94
	7791		0	8	7		12261		0	3	6
	13702		0	0	16		12285		0	3	94
	6061		0	3	62		12284		0	4	48
	6062		0	6	68		12283		0	0	70
	6063		0	1	95		12282		0	0	1
	6064		0	10	86		12273		0	1	52
	6016		0	19	9		12276		0	9	91
	6017		0	7	10		12274		0	6	13
	6013		0	0	37		13296		0	4	87
	6004		0	0	48		12591		0	0	56
	6002		0	7	94		13295		0	1	16
	6005		0	5	43		12594		0	0	8
	6001		0	0	83		12592		0	4	73
	5958		0	5	57		12599		0	1	67
	5957		0	5	98		12695		0	7	94
	5955		0	0	65		12696		0	1	82
	5956		0	6	56		12693		0	9	74
	5901		0	4	73		12691		0	1	53
	13739		0	1	0		12692		0	1	37
	5907		0	0	20		12690		0	0	86
	5908		0	4	87		12725		0	11	14
	5909		0	1	64		12689		0	1	30
	5936		0	8	35		12735		0	2	81
	5913		0	10	86		12736		0	2	81
	5915		0	3	76		12734		0	0	8
	5927		0	0	37		12737		0	2	78
	5925		0	0	1		12738		0	1	42
	5917		0	2	78		12739		0	0	24
	5916		0	1	26		12743		0	1	1
	5918		0	2	32		12744		0	11	61
	5921		0	0	70		12750		0	1	5
	3728		0	0	1		12751		0	0	4
	5923		0	1	16		12752		0	4	33
	5922		0	1	51		12757		0	0	16
	5924		0	0	65		12756		0	5	41
	12123		0	3	31		12755		0	8	91
	12124		0	7	31		12754		0	1	75
	12134		0	0	1		12823		0	7	80
	12138		0	0	1		12796		0	5	57
	12137		0	0	83		12797		0	5	53
	12125		0	3	86		12822		0	0	1
	12126		0	1	23		12798		0	4	1
							12799		0	2	22
							12800		0	2	0
							12801		0	3	90
							12794		0	0	1
							12775		0	3	6

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Dori Ayodhya	214	1459	0	6	40	Bhagabatipur	211	2749	0	9	33
		1381	0	0	84			2747	0	6	68
		1382	0	7	81			2737	0	12	25
		1383	0	8	32			2736	0	6	40
		1384	0	1	18			2735	0	6	69
		1385	0	0	46			2730	0	4	73
		1386	0	0	44			2731	0	5	4
		1377	0	0	1			2732	0	1	27
		1373	0	4	40			2734	0	0	1
		1374	0	4	28			2720	0	2	50
		1369	0	6	96			2719	0	8	39
		3836	0	1	16			2718	0	0	24
		3838	0	0	4			2717	0	1	11
		1368	0	10	89			2716	0	2	92
		1357	0	6	7			2715	0	2	41
		1231	0	10	3			2378	0	4	40
		1356	0	10	1			2392	0	3	34
		1232	0	3	29			2394	0	11	80
		1234	0	9	19			2397	0	6	96
		1235	0	3	34			2415	0	1	11
		1236	0	4	18			2450	0	19	11
		1237	0	1	14			2449	0	5	38
		1238	0	0	1			2417	0	0	4
		1241	0	12	25			2418	0	1	5
		1242	0	4	9			2426	0	7	60
		1217	0	0	1			2427	0	11	61
		1216	0	0	41			2447	0	0	8
		1215	0	1	4			2275	0	0	89
		1195	0	1	34			2276	0	6	68
		1194	0	3	34			2292	0	8	82
		1193	0	1	50			2296	0	11	96
		1192	0	0	27			2297	0	1	87
		1243	0	0	88			2298	0	0	92
		3696	0	5	51			2991	0	1	66
		1244	0	2	56			2990	0	2	78
		1157	0	3	34			2989	0	4	28
		1158	0	1	39			2988	0	3	5
		1159	0	18	38			2987	0	3	5
		1162	0	7	66			2986	0	2	89
		1167	0	1	84			2983	0	8	59
		1163	0	9	95			2985	0	0	4
		1164	0	1	16			2984	0	10	57
		1138	0	1	16			2978	0	11	13
		1137	0	5	10			2329	0	5	12
		1136	0	9	35			2977	0	0	24
		1130	0	11	33			2336	0	0	32
		1124	0	6	26			2976	0	11	69
		1125	0	2	95			2761	0	4	45
		1123	0	1	65			2762	0	0	16
		1121	0	1	43			2760	0	5	10
		1120	0	10	72			2759	0	0	64
		1118	0	4	40			2758	0	10	30
		1119	0	0	8			2750	0	0	1
		1111	0	0	8			2444	0	5	13
		1099	0	9	19			2442	0	0	16
		1098	0	£0	71			2721	0	0	22
		1095	0	8	91	Jat Kanuramgarh	212	3549	0	1	5
		1094	0	2	78			1392	0	5	29
		1100	0	0	8			1390	0	3	6
		1093	0	1	79			1192	0	1	11
		1092	0	5	29			1193	0	6	24
		1090	0	0	94			1194	0	0	66
		1091	0	2	29			1195	0	1	0
		1117	0	0	48			1196	0	6	22
		1096	0	0	58			1197	0	10	30
								1223	0	8	55

1	2	3	4	5	6
	1222	0	9	74	
	1225	0	0	1	
	1230	0	4	40	
	1229	0	4	79	
	1274	0	7	73	
	1273	0	1	92	
	1275	0	0	58	
	1272	0	10	80	
	1268	0	9	37	
	1269	0	2	80	
	1267	0	3	49	
	1290	0	0	20	
	3540	0	4	85	
	1291	0	0	58	
	1292	0	2	64	
	1293	0	7	46	
	3539	0	0	1	
	1305	0	9	13	
	1300	0	1	60	
	1304	0	3	28	
	1303	0	3	56	
	1335	0	6	1	
	739	0	8	60	
	738	0	0	23	
	740	0	3	90	
	741	0	5	5	
	724	0	3	6	
	725	0	3	17	
	726	0	2	86	
	728	0	6	68	
	727	0	0	1	
	663	0	6	3	
	664	0	3	64	
	665	0	0	12	
	659	0	8	51	
	658	0	1	48	
	657	0	10	36	
	656	0	2	33	
	655	0	4	45	
	647	0	6	52	
	646	0	5	29	
	2348	0	6	68	
	2386	0	0	69	
	2385	0	7	75	
	2384	0	1	12	
	2383	0	0	93	
	2381	0	1	25	
	2403	0	0	67	
	2402	0	1	4	
	2401	0	2	37	
	2404	0	2	92	
	2405	0	2	64	
	2377	0	0	4	
	2382	0	1	41	

[F. No. R-31015/14/96-OR-I]
K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 नवम्बर 1996

का.प्रा. 3237 -- केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकहित में ऐसी आवश्यक है कि प्रधिकारी बंगाल राज्य के शुल्दियों से बिहार राज्य के बरोंग (ग) पट्टोलियम (कूड़) के परिवहन के लिए इंडियन आयल कारपोरेशन द्वारा पाइपलाइन बिछाई जाए।

ओर यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिवृत्तामा उपर्युक्त अनुमति में अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है;

यह, भव्य, केंद्रीय सरकार, पैट्रोलियम और नियन पाइपलाइन (सभी में उपर्योग के अधिकार का ग्राहन) अधिराज्य, 1962, (1962 का 50) की धरण 3क उपचारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करता हुए, उपर्योग के अधिकार का अर्जन करने के लिए अशा की घोषणा करती है;

उक्त अनुमति में वर्णित भूमि में लिंतबढ़ कोई व्यक्ति, उम्मीदार या जिसमें भारत के राजनय में यथा प्रकाशित इस अधिवृत्तामा की प्रतियोगी साथारण अनुसार उपलब्ध करा ची जाती है, इसीलिए इन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के सम्बन्ध में उपर्योग के अधिकार का ग्राहन करने संबंधी लिखित रूप में आतेर श्री प्रियंकाराम दोम, मत्तम प्राप्तिजारी, इंडियन आयल कारपोरेशन लि., हनिया बरोंगी कूड़ पाइपलाइन परियोजना, पोस्ट अफिक्यु हल्डिंग रिफाइनरी जिना मिदनपुर, पश्चिमी बंगाल को कर सकेगा।

अनुमति

प्रतिलिपि याता: मुनाहाटा जिला: मिदनपुर राज्य: पश्चिमी बंगाल

गाँव का नाम	सं.खा. घटाट गं.	लेप	हैट्टेर ग्रामे मेंटीआरे	1	2	3	4	5	6
तेतुनबेतिया	170	1416	0	7	69				
		1415	0	6	48				
		1414	0	1	62				
		1924	0	2	0				
		1410	0	3	27				
		1409	0	2	6				
		1401	0	15	97				
		1400	0	1	86				
		1399	0	0	40				
		642	0	4	45				
		641	0	0	60				
		640	0	4	5				
		639	0	4	86				
		637	0	0	81				
		638	0	1	21				
		636	0	0	40				
		635	0	0	31				
		634	0	0	10				
		633	0	0	81				
		632	0	1	3				
		631	0	1	62				
		629	0	0	60				
		648	0	0	10				
		625	0	1	62				
		1807	0	2	63				
		626	0	1	24				
		1806	0	2	2				
		624	0	1	32				
		598	0	3	6				

	1	2	3	4	5	6		1	2	3	1	5	6
				599	0	2	43			400	0	3	64
				597	0	0	10			399	0	0	60
				600	0	3	23			101	0	3	23
				601	0	2	83			404	0	1	62
				602	0	3	23			406	0	8	9
				603	0	2	2			405	0	0	40
				604	0	4	86			108	0	0	60
				579	0	1	62			410	0	0	81
				1798	0	4	86						
				580	0	4	5				[म. आर-31015/1/96-ओ.आर 1]		
				581	0	3	23				के.सी.कटोच अश्विनी		
				1795	0	5	67						
				1800	0	2	43						
				574	0	1	21						
				1407	0	0	30						
				1413	0	0	20						
				1411	0	0	4						
				1382	0	0	16						
				1402	0	0	6						
				1406	0	0	32						
				1408	0	0	24						
परम्परागत	172	295	0	4	86								
		296	0	0	20								
		314	0	4	5								
		313	0	3	23								
		315	0	1	21								
		312	0	1	21								
		316	0	1	21								
		317	0	3	43								
		318	0	4	5								
		319	0	7	28								
		239	0	7	69								
		238	0	0	40								
		240	0	0	20								
		225	0	2	2								
		227	0	2	83								
		232	0	10	52								
		231	0	1	1								
		230	0	0	40								
		348	0	0	40								
		349	0	4	45								
		350	0	16	19								
		351	0	0	81								
		1454	0	5	26								
		124	0	5	26								
		361	0	0	20								
		358	0	2	43								
		359	0	2	43								
		360	0	2	83								
		1467	0	0	20								
		378	0	1	62								
		379	0	8	9								
		1458	0	5	67								
		391	0	18	21								
		392	0	3	23								

New Delhi, the 8th November, 1996

S.O. 3237.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum (crude) from Haldia in the state of West Bengal to Barauni in the state of Bihar, Pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And, whereas it appears that for purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification:

Now, therefore, in the exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of the Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification as published in the Gazette of India, are made available to general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri Biswanath Bose, competent authority, Indian Oil Corporation Limited, Haldia-Barauni Crude Pipeline Project, P.O. Haldia Refinery, Dist : Midnapur, West Bengal.

SCHEDULE

Police Station—Sutahata District—Midnapur State—West Bengal

Village	Jurisdi- ction List No.	Plot No.	Area		
			Hec- tares	Arcs	Cen- ti- ares
1	2	3	4	5	6
Tentulberia	170	1416	0	7	69
		1415	0	6	48
		1414	0	1	62
		1924	0	2	0
		1410	0	3	27
		1409	0	2	6
		1401	0	15	97
		1400	0	4	86
		1399	0	0	40
		642	0	4	45
		641	0	0	60
		640	0	4	5

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	639	0	4	86			1457	0	0	20	
	637	0	0	81			378	0	1	62	
	638	0	1	21			379	0	8	9	
	636	0	0	40			1458	0	5	67	
	635	0	0	81			391	0	18	21	
	634	0	0	40			392	0	3	23	
	633	0	0	81			400	0	3	64	
	632	0	3	3			399	0	0	60	
	631	0	1	62			401	0	3	23	
	629	0	0	60			404	0	1	62	
	648	0	0	40			406	0	8	9	
	625	0	1	62			405	0	0	40	
	1807	0	2	63			408	0	0	60	
	626	0	1	21			410	0	0	81	
	1806	0	2	2							[No. R-31015/15/96-OR-I]
	624	0	10	52							K.C. KATOCH, Under Secy.
	598	0	5	26							
	599	0	2	43							
	597	0	0	10							
	600	0	3	23							
	601	0	2	83							
	602	0	3	23							
	603	0	2	2							
	604	0	4	86							
	579	0	1	62							
	1798	0	4	86							
	580	0	4	5							
	581	0	3	23							
	1795	0	5	67							
	1800	0	2	43							
	574	0	1	21							
	1407	0	0	30							
	1413	0	0	20							
	1411	0	0	4							
	1382	0	0	16							
	1402	0	0	6							
	1406	0	0	32							
	1408	0	0	24							
urdhanyaghata	172	295	0	4	86						
		296	0	0	20						
		314	0	4	5						
		313	0	3	23						
		315	0	1	21						
		312	0	1	21						
		316	0	1	21						
		317	0	3	43						
		318	0	4	5						
		319	0	7	28						
		239	0	7	69						
		238	0	0	40						
		240	0	0	20						
		225	0	2	2						
		227	0	2	83						
		232	0	10	52						
		231	0	1	1						
		230	0	0	40						
		348	0	0	40						
		349	0	4	45						
		350	0	16	19	1	2	3	4	5	6
		351	0	0	81						
		1454	0	5	26	चेनपत	216	12593	0	0	0
		124	0	5	26	जोटकामु रामगढ़	212	640	0	1	78
		361	0	0	20						
		358	0	2	43						
		359	0	2	43						
		360	0	2	93						

[मं. : प्रार. 31015/15/96 ओ.प्रार.ट]

New Delhi, the 8th November, 1996

S.O. 3238.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum (crude) from Haldia in the state of West Bengal to Barauni in the State of Bihar, Pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And, whereas it appears that for purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in the exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of the Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to general public object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri Biswanath Bose, competent authority Indian Oil Corporation Limited, Haldia-Barauni Crude Pipeline Project, P.O. Haldia Refinery, Distt. Midnapur, West Bengal.

SCHEDULE

Police Station : Daspur		District : Midnapur		State: West Bengal	
Name of Village	Jurisdiction No.	Plot No.	Area [
		List No.	Hectares	Ares	Centiaers
1	2	3	4	5	6
Chainpat	216	12593	00	0	8
Jat-Kataramgarh.	212	640	00	1	78

[No. R-31015/15/96-OR-I]

K.C. KATOCH, Under Secy.

नई खिल्ली, 3 नवम्बर, 1996

S.O. 3239.—केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि पांचहिंस में ऐसा आवश्यक है कि पश्चिमी बंगाल राज्य के हृष्णपुर से विहार नगर के बरोनी तक पैद्योरोध (कूड़) के पश्चिम के लिए इंडियन एयरफोर्सेज द्वारा पाइपलाइन विलाई जाए;

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन विलाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना से उपर्युक्त अनुमति में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार का प्राप्तन करना आवश्यक है;

अतः यद्युपि, केंद्रीय सरकार, एकत्रित और वर्तन्ते पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्राप्तन) अधिनियम, 1962, (1962 का 50) की धारा 3 की उपाधारा (1) द्वारा प्रदत्त अनुमति का प्रयोग करते हुए, उसमें उपयोग के अधिकार का प्राप्तन करने के प्राप्ते आवाय को घोषणा करती है;

इस इनार्थ में इसी में हितदृश कर्तव्य उत्तरी ओर से, जिसको भारत के गजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतिष्ठा सम्भालन जनता को उपलब्ध करा श्री जाती है। इनकोप दिन के भौतिक, भौमिके नीचे पाइपलाइन विलाने के सम्बन्ध में उपर्योग के अधिकार का अर्जन करने समर्थी निविल रूप में आजेप थी विवरणात्र बोस, अभ्यं प्राधिकारी इंडियन प्रायाल कारपोरेशन लि., हृष्णपुर बरोनी कूड़ पाइपलाइन परियोजना, पोस्ट अफिस इंडिया रिफार्म जिना मिशनपुर, पश्चिमी बंगाल को कर सकेया।

आग्रही,

पुलिस थाना : एण्डर्सन जिला : बर्धमान राज्य : पश्चिमी बंगाल

गांव का नाम	म. खा.	प्लाट नं.	क्षेत्र		
			हेक्टेर	मारि	सेटीयर
नारपोण	81	29	0	3	38
गार्भग	58	2279	0	3	9

पुलिस थाना : गलमी जिला : बर्धमान राज्य : पश्चिमी बंगाल

गांव का नाम	स. खा.	प्लाट नं.	क्षेत्र		
	स.		हेक्टेयर	मारि	सेटीयर
बेलगाम	152	3178	0	4	53

[सं. आर-31015/15/96-ओ-भार-II]

के.सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 8th November, 1996

S.O. 3239.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum (crude) from Haldia in the state of West Bengal to Barauni in the state of Bihar, Pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And, whereas it appears that for purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in the exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of the Right of User in Land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in land described in the said Scheduled may within 21 days from the date on which the copies of this notification as published in the Gazette of India, are made available to general public object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri Biswanath Bose, competent authority, Indian Oil Corporation Limited, Haldia-Barauni Crude Pipeline Project, P. O. Haldia Refinery Distt. Midnapur, West Bengal.

SCHEDULE

Police Station : Khandaghosh District : Burdwan
State : West Bengal

Name of Village	Juni- ction List No.	Plot No.	Area		
			Hec- tares	Ares	Cen- tares
1	2	3	4	5	6
Taraposh	81	29	0	5	38
Sasanga	58	2279	0	3	9

Police Station—Galsi District—Burdwan
State—West Bengal

Belgram	152	3178	0	4	53
---------	-----	------	---	---	----

[No. R-31015/15/96-OR-1]
K.C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1996

का.प्रा. 3240.—बेंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकालित में ऐसा आवश्यक है कि परिष्कारी बंगल राज्य के हृष्टिया में बिहार राज्य के बीची तक पैदोनियम (कृषि) के परिवर्तन के लिए, इस्तियन आवश्यक प्रस्तुति रिकार्ड लि. द्वारा पाइपलाइन विभार्ति आए;

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन विभार्ति के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना से उपरांत अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पैदोनियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962, (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आवश्यकीय भूमि की घोषणा करती है;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस सारी भूमि में, जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतिक्रिया साधारण जनना को उपरांत करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन विभार्ति के सम्बद्ध में उसमें उपयोग के अधिकार अर्जन करने सम्बन्धी लिंक्विट रूप में आदेश भी विश्वनाथ वोस, मध्यम प्राधिकारी इंडियन आवश्यक प्रस्तुति रिकार्ड लि., बेंद्रीय बीची कृषि पाइपलाइन परियोजना, पांच अर्धक इलियन गिराफ्टनरी, जिना मिशनापुर, परिष्कारी बंगल को कर सकेगा।

अनुसूची

अंचल : नाला जिला : बुमका राज्य : बिहार
गाँव धाना म. न्याट म. अंचल

1	2	3	हितवद्ध धारे मेट्रोआर		
			4	5	6
पराती	14	188	0	17	49
डांग-पंजा	15	626	0	0	40

1	2	3	4	5	6
प्रस्त्रा बोक	13	1148	0	1	62
		1242	0	1	21
		1244	0	0	40
इमरिया	24	785	0	0	40
		1571	0	0	81
इमरुमी	22	154	0	0	81
मोरिया अर्द्ध	44	260/757	0	7	28
		300	0	2	43
		293	0	3	24
भमतकुर्बा	12	294	0	3	24
		147	0	1	21
		128	0	1	62
		592	0	2	43
		566	0	2	13
		607	0	1	62
		619	0	1	62
राम	26	642	0	1	21
उवतजुर्गी	1	915	0	0	04
		933	0	0	40
		1385	0	0	40
		1367	0	0	40
		1335	0	0	40
		1300	0	2	2
		1292	0	0	81
		1289	0	0	40
मनुहारी	5	868	0	8	90
गुद्धरुर	6	184	0	0	40
		185	0	0	81
अरकुरी	7	162/613	0	1	21
काली पथर	4	213	0	0	40
देशली	19	281	0	32	78
		2554	0	5	67
		2218	0	8	9
		2220	0	0	81
बेमठीहू	17	897	0	6	88
खुरियम	16	798	0	0	81
		796	0	2	43
अचल : कुड्डीत			जिला : दुमका		राज्य : बिहार
शिवराम	14	595	0	0	40
		850	0	0	40
		856	0	0	81
पहासगोरा	33	205	0	8	9
		434	0	2	43
कुड्डीत	42	587	0	13	76
		677	0	1	21
		990	0	0	81
		1937	0	0	40
वाघामोला	47	599	0	2	43
		594	0	0	40
		1474	0	0	40
		1479	0	0	40
ब्रजरी	17	455	0	3	24
		451	0	2	83
		609	0	1	62

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
बाजुरी (जार्ति)		892	0	1	62	मुद्रधिपुर (जार्ति)		4918	0	0	40
		790	0	0	10			2148	0	12	05
		796	0	0	40			2198	0	12	55
		788-	0	0	81			2118	0	2	83
		784	0	0	40			4904	0	0	40
		756	0	0	81			2666	0	1	62
		751	0	0	81			3970	0	1	62
		889	0	0	81			1901	0	0	81
		1087	0	1	62						[म. आर-31015/16/96-ओ आर-II]
		1152	0	0	48						के. मी. कटोष, प्रबन्ध सचिव
		1153	0	1	21						
		1154	0	0	40						New Delhi, the 8th November, 1996
		1740	0	0	40						
		1742	0	0	40						S.O. 3240: Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum (crude) from Haldia in the state of West Bengal to Barauni in the State of Bihar, Pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;
		1744	0	0	40						And, whereas it appears that for purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;
		1730	0	0	40						
		1735	0	1	21						
		1732	0	1	21						
		1726	0	1	21						
		2989	0	0	81						
		3385	0	1	62						
मुद्रधिपुर	13	315	0	6	7						
धनकुशी	13	230	0	0	40						
		1024	0	0	81						
		1095	0	0	40						
		1100	0	2	43						
		1159	0	0	40						
पालाजीरी	42	1618	0	0	40						
गरजुरी	10	2431	0	0	40						
		2439	0	0	81						
परसाथपुर	19	32	0	0	40						
		643	0	0	40						
		685	0	0	40						
		684	0	0	40						
		1245	0	0	40						
वंचमहली	36	191	0	1	21						
		218	0	0	81						
		213	0	0	40						
		212	0	6	88						
		343	0	0	81						
		583	0	0	81						
		594	0	0	40						
		582	0	6	7						
		606	0	1	62						
तिलारापुर	37	436	0	0	40						
		487	0	0	81						
		547	0	0	40						
मुद्रधिपुर	13	353	0	0	40						
		314	0	0	40						
		2673	0	0	81						

SCHEDULE

Anchal—Nala District—Dumka State—Bihar

Village	Thana No.	Plot No.	Area		
			Hectare	Acre	Centiare
1	2	3	4	5	6
Parasi	14	188	0	17	40
Danru Puja	15	626	0	0	40
Ambar Baak	13	1148	0	1	62
		1242	0	0	21
		1244	0	0	140
Dumaria	21	785	0	0	40
		1571	0	0	81
Dumdumi	22	154	0	0	81
Majhiladih	44	266/757	0	7	28
		300	0	2	43
		293	0	3	24
		294	0	0	81

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Semaldubi	12	13	0	3	24			2989	0	0	81
		147	0	1	21			3385	0	1	62
		428	0	1	62	Sudrakhipur					
		592	0	2	43	Sheet-I	13	315	0	6	7
		566	0	2	43	Dhanukdi	13	230	0	0	40
		607	0	1	62			1024	0	0	81
		649	0	1	62			1095	0	0	40
Rakh	26	642	0	1	21			1100	0	2	43
Udaljori	4	915	0	0	40			1159	0	0	40
		933	0	0	40	Palajori	12	1618	0	0	40
		1385	0	0	40	Garguri	10	2431	0	0	40
		1367	0	0	40			2439	0	0	81
		1335	0	0	40	Parshadpur	19	32	0	0	40
		1300	0	2	2			683	0	0	40
		1292	0	0	81			685	0	0	40
		1289	0	0	40			684	0	0	40
Manuhari	5	868	0	8	90	Panchmabli	36	191	0	1	21
Sundarpur	6	184	0	0	40			218	0	0	81
		185	0	0	81			213	0	0	40
Jarkuri	7	162/613	0	1	21			212	0	6	88
Kalipathar	4	213	0	0	40			343	0	0	81
Deoli	19	281	0	32	78			583	0	0	81
		2554	0	5	67			594	0	0	40
		2218	0	8	9			582	0	6	7
		2220	0	0	81			606	0	1	62
Bamundih	17	897	0	6	88	Singarpur	37	436	0	0	40
Khuriam	16	798	0	0	81			487	0	0	81
		796	0	2	43			547	0	0	40
Anchal—Kundkhit	Distt.—Dumka	State—Bihar				Sudrakhipur	13	353	0	0	40
Sibram	14	595	0	0	40			314	0	0	40
		850	0	0	40			2673	0	0	81
		856	0	0	81			4918	0	0	40
Pahargora	33	205	0	8	9			491	0	4	45
		434	0	2	43			2138	0	12	55
Kundahit	42	587	0	13	76			2118	0	2	83
		677	0	1	21			4904	0	0	40
		990	0	0	81			2666	0	1	62
		1937	0	0	40			3970	0	1	62
Baghasola	47	599	0	2	43			4901	0	0	81
		594	0	0	40						
		1474	0	0	40						
		1479	0	0	40						
Khajuri	17	455	0	3	24						
		451	0	2	83						
		609	0	1	62						
		892	0	1	62						
		790	0	0	40						
		796	0	0	40						
		788	0	0	81						
		784	0	0	40						
		756	0	0	81						
		754	0	0	81						
		889	0	0	81						
		1087	0	1	62						
		1152	0	6	48						
		1153	0	1	21						
		1154	0	0	40						
		1740	0	0	40						
		1742	0	0	40						
		1741	0	0	40						
		1730	0	0	40						
		1735	0	1	21						
		1732	0	1	21						
		1726	0	1	21						

[No.R-31015/16/96-OR-1]
K.C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1996

का, आ. 3241:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में ऐसा आवश्यक है कि पश्चिमी बंगाल राज्य के हल्दिया से बिहार राज्य के बरौनी तक पैदोलियम (कृष्ण) के परिवहन के लिए इंडियन आयल कारपोरेशन लि. द्वारा पाइपलाइन बिल्डर जाए;

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन बिल्डर के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना में उपावड़ अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है;

अतः, आव, केन्द्रीय सरकार, पैदोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3

की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आग्रह की घोषणा करती है:

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबहु कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिमूलना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इकोप दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के सम्बन्ध में उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन करने सम्बन्धी लिखित रूप में आक्षेप श्री विश्वनाथ बोस, मक्षम प्राधिकारी, इंडियन आयल कारपोरेशन लि., हल्डिया वरीनी कूड़ पाइपलाइन परियोजना, पोस्ट आफिस-हल्डिया रिफाइनरी, जिला मिदनापुर, पश्चिमी बंगाल को कर सकेगा।

अनुसूची

अंचल : देवघर जिला : देवघर राज्य : बिहार

गांव	आना सं.	प्लॉट सं.	क्षेत्र		
			देवघर आरे सेटीआरे		
1	2	3	4	5	6
केनकाठी	7	29	0	13	76
		13	0	40	47
		23	0	2	2
गडजोरा	6	1145	0	7	69
		1170	0	2	43
		14	0	4	45
		15	0	1	21
		16	0	0	81
		17	0	0	81
		25	0	1	21
		23	0	29	14
		1172	0	1	62
बंधाकेन्द्रा	216	299	0	0	40
		351	0	3	24
		394	0	4	86
		568	0	3	24
		574	0	4	45
		594	0	8	9
		76	0	0	81
		1	0	20	23
		67	0	3	24
		366	0	8	50
		598	0	8	90

1	2	3	4	5	6
कुशमाहा	222	749	0	0	40
		821	0	1	62
		820	0	3	24
		728	0	2	43
सरसा	226	1005	0	0	40
		351	0	1	21
		391	0	2	2
देवघर	227	249	0	6	88
		163/684	0	50	59
बसमतीह	228	18	0	6	48
		5	0	13	36
		549	0	0	40
		2	0	0	81
संकरी	229	82	0	1	62
		83	0	16	59
		540	0	3	24
		410	0	0	81
		1369	0	23	47
गरीबखील	243	22	0	23	47
		16	0	2	2
		15	0	3	24
गिधनी	244	363	0	18	62
		144	0	3	24
		241	0	6	7
		253	0	17	81
		254	0	4	5
		255/			
		1611	0	5	67
		366	0	2	2
		379	0	0	40
		385	0	12	95
		386	0	12	95
		396	0	8	90
		405	0	1	21
अंचल	सरावा	जिला	देवघर	राज्य	बिहार
1	2	3	4	5	6
भगवां		104	992	0	4
पहाड़पुर		97	98	0	0
नांगड़ीह		134	69	0	0
लग्नकरणीह		133	318	0	0
राकनी		142	1644	0	81
बन्दर लटा		177	40	0	21
मौविला		144	138/	0	2
			1191		

1	2	3	4	5	6
			73	0	1 62
			344	0	0 40
सिंहसन	228	13	0	0	40
अंचल : सारठ	जिला : देवधर	राज्य : बिहार			
सदाइजोर	240	143	0	0	40
महेश्वरी	233	250	0	0	40
ढोड़ो हुमर	255	195	0	0	40
		6	0	0	40
गोपलारायणीह	447	227	0	1	21
		291	0	0	40
देवली	238	522	0	0	81
		525	0	2	2
		570	0	0	40
अंचल : पालाजोरी	जिला देवधर	राज्य : बिहार			
फराओस	454	154	0	0	81
कोटियाडीह	453	983	0	0	40
		1387	0	0	40
बरादाहा	456	585	0	0	40
बिराजपुर	448	1985	0	0	40
		1984	0	0	40
झोनातर	459	803	0	5	67
रघुबाडीह	460	205	0	0	40
खागा	470	815	0	0	40
		816	0	2	2
		818	0	3	64
		1349	0	0	40
		1352	0	0	40
रामजोबनपुर	468	48	0	0	40
सलदाहा	465	55	0	0	40
		57	0	0	40
		59	0	0	40
		59	0	0	40
		439	0	0	40
पथनाथहाल	464	73	0	0	40
		115	0	0	40
		128	0	0	40
		129	0	0	81
जगदीशपुर	622	108	0	0	81
पहाड़ियापाड़ा	623	156	0	0	40
सिमला	625	1270	0	0	40
		1335	0	0	81
		1338	0	2	43
		1339	0	0	81
		1340	0	2	43
		1341	0	0	81

1	2	3	4	5	66
			1423	0	0 40
			1424	0	5 26
			1453	0	1 21
			1331	0	5 26
आमगाढ़ी	658	298	0	5	26
		263	0	0	40
श्रीरामपुर	660	1174	0	0	40
धोरमारा	662	454	0	0	40
रामपुर	685	08	0	0	40
		317	0	0	81
		325	0	0	40
		319	0	2	2
		768	0	2	83
अंचल : मोहनपुर	जिला : देवधर	राज्य : बिहार			
गोरीगंज	555	30	0	2	43
		13	0	0	40
		98	0	0	81
झजुरिया	420	1	0	1	21
		61	0	70	82
		62	0	17	81
		32	0	1	62
		63	0	35	61
		39	0	19	2
		41	0	0	40
		42	0	0	40
तेलिया नवाडीह	562	1	0	0	40
		2	0	5	67
		3	0	27	92
चक नवाडीह	556	8	0	2	2
कुसुमबाई	568	25	0	9	71
चक जज्वारा रंगाटांड	557	73	0	7	28
		74	0	3	24
अमराङ्गीरा	578	166	0	2	83
		202	0	1	21
		201	0	1	62
		198	0	10	52
		316	0	6	48
		297	0	2	83
		376	0	4	05
		375	0	1	21
		387	0	21	85

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
अमग्निभा (जारी)	385	0	1	21		नरही	663	306	0	2	2
	392	0	1	21				301	0	1	62
	386	0	0	81				314	0	14	16
पुनसिया	579	34	0	5	26	यत्पौत्रिया	656	1	0	1	62
पुनसिया शीट-1	393	0	1	62				11	0	3	24
	862/1373	0	0	40				14	0	6	7
प्रधमुरिया	691	183	0	0	81			56	0	3	24
बाधभारी	687	1	0	3	24	आरखण्डी	646	975	0	0	40
	2	0	1	62				127	0	3	24
	30	0	38	4	खेरखंडी	657	54	0	3	24	
	5	0	0	40				497	0	12	14
ठाढ़ी	688	207	0	0	81			638	0	2	43
	490	0	1	62				537	0	1	62
	491	0	3	64				668	0	3	24
	376	0	3	24	उपर रंगाटांड	560	1/17	0	2	2	
रंगमोटीष्क	705	2	0	8	9						
	3	0	1	62							
	48	0	39	26							
	17	0	3	64							
	51	0	11	33							
	5	0	3	24							
	8	0	0	81							
	9	0	2	43							
	10	0	4	45							
मेदिनीडीह	681	528	0	15	78						
कुमाराटिल्हा	680	45	0	4	86						
	79	0	1	62							
	46	0	15	38							
हरकट्टा	678	2	0	31	16						
	200	0	9	71							
	204	0	2	2							
गौरसिंधा	671	11	0	27	11						
सिरसा	672	17	0	16	59						
	16	0	3	24							
	28	0	4	5							
	82	0	36	83							
	81	0	0	81							
किसनीडीह	662	455	0	0	40						
	515	0	0	40							
	585	0	3	24							
	791	0	0	81							
	804	0	1	62							

[S. आर-31015/16/96-जो. आर.-II
के सौ. कटोच, अवर सचिव]

New Delhi, the 8th November, 1996

S O...3241..Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum (crude) from Haldia in the West Bengal to Barauni in the state of Bihar, Pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And, whereas it appears that for purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in the exercise of the powers conferred by sub- section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of the Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri Biswanath Bose, competent authority, Indian Oil Corporation Limited, Haldia-Barauni Crude Pipeline Project, P. O. Haldia Refinery, Distt. Midnapur, West Bengal.

SCHEDULE

Anchal—Deoghar District—Deoghar State—Bihar

Village	Thana No.	Plot No.	Area		
			Hectare	Arc	Centiare
1	2	3	4	5	6
Kenankathi	7	29	0	13	76
		13	0	40	47
		23	0	2	2

			1	2	3	4	5	6
Garjora	6	1145	0	7	69			
		1170	0	2	43			
		14	0	4	45			
		15	0	1	21			
		16	0	0	81			
		17	0	0	81			
		25	0	1	21			
		23	0	29	14			
		1172	0	1	62			
Bandhakendua	216	299	0	0	40			
		351	0	3	24			
		394	0	4	86			
		568	0	3	24			
		574	0	4	45			
		594	0	8	9			
		76	0	0	81			
		1	0	20	23			
		67	0	3	24			
		366	0	8	50			
		598	0	8	90			
Kushmaha	222	749	0	0	40			
		821	0	1	62			
		820	0	3	24			
		728	0	2	43			
Sarsa	226	1005	0	0	40			
		351	0	1	21			
		394	0	2	2			
Deopur	227	249	0	6	88			
		163/684	0	50	59			
Basmandih	228	18	0	6	48			
		5	0	13	36			
		549	0	0	40			
		2	0	0	81			
Sankari	229	82	0	1	62			
		83	0	16	59			
		540	0	3	24			
		410	0	0	81			
		1369	0	23	47			
Garibkhil	243	22	0	23	47			
		16	0	2	2			
		15	0	3	24			
Gidhni	244	363	0	18	62			
		144	0	3	24			
		241	0	6	7			
		253	0	17	81			
		254	0	4	5			
		255/1611	0	5	67			
		366	0	2	2			
		379	0	0	40			
		385	0	12	95			
		386	0	12	95			
		396	0	8	90			
		405	0	1	21			
Anchal - Sarawan		District - Deoghar		State - Bihar				
Sarawan	104	992	0	4	5			
Paharpur	97	98	0	0	40			
Bandhdih	134	69	0	0	40			
Laskardih	133	318	0	0	40			
Rakati	142	1644	0	0	81			
Bander Chuta	177	40	0	1	21			
Anchal - Mohanpur		District - Deoghar		State - Bihar				
Gourigunj	555	30	0	2	43			

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Gorligunj—(Contd.)	13	0	0	40		Sirsra	672	17	0	16	59
	98	0	0	81				16	0	3	24
Khajuriya	420	1	0	1	21			28	0	4	5
	61	0	70	82				82	0	36	83
	62	0	17	81				81	0	0	81
	32	0	1	62		Kisnidih	662	455	0	0	40
	63	0	35	61				515	0	0	40
	39	0	19	2				585	0	3	24
	41	0	0	40				791	0	0	81
	42	0	0	40				804	0	1	62
Teliya Nawadih	562	1	0	0	40	Narahi	663	306	0	2	2
	2	0	5	67				301	0	1	62
	3	0	27	92				314	0	14	16
Chak Nawadih	556	8	0	2	2	Banpokhariya	656	1	0	1	62
Kusumbendh Chakjajwara	568	25	0	9	71			11	0	3	24
Ranghatand	557	73	0	7	28			14	0	6	7
	74	0	3	24				56	0	3	24
Amgaria	578	166	0	2	83	Jharkhandi	646	975	0	0	40
	202	0	1	21				60	0	1	21
	201	0	1	62		Khairkhunti	657	54	0	3	24
	198	0	10	52				427	0	3	24
	316	0	6	48				497	0	12	14
	297	0	2	83				638	0	2	43
	376	0	4	05				667	0	1	62
	375	0	1	21				668	0	3	24
	387	0	21	85		Upar Rangatanr	560	1/17	0	2	2
	385	0	1	21							
	392	0	1	21							
	386	0	0	81							
Punsia	579	34	0	5	26						
Punsia Sheet-I		393	0	1	62						
	862/										
	1373	0	0	40							
Athmuriya	691	183	0	0	81						
Baghmari	687	1	0	3	24						
	2	0	1	62							
	30	0	38	4							
	5	0	0	40							
Thari	688	207	0	0	81						
	490	0	1	62							
	491	0	3	64							
	376	0	3	24							
Rangamodichak	705	2	0	8	9						
	3	0	1	62							
	48	0	39	26							
	17	0	3	64							
	51	0	11	33							
	5	0	3	24							
	8	0	0	81							
	9	0	2	43							
	10	0	4	45							
Medinidjh	681	528	0	15	78						
Kushmatilha	680	45	0	4	86						
	79	0	1	62							
	46	0	15	38							
Harkata	678	2	0	31	16						
	200	0	9	71							
	204	0	2	2							
Goursindha	671	11	0	27	11						

[No. R-31015/16/96/OR-II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई विली, 13 नवम्बर, 1996

का. आ. 3242.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि विश्वासा से विजयवाड़ा होकर ग्राह्य प्रदेश राज्य में विश्वासापट्टनम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाष्ठप साहन विधाई जानी चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार को यह भी प्रतीत होता है कि इस प्रयोजन के लिए उस भूमि में, जिसके नीचे प्रस्तुत वाहिनी विधाई जानी है और जो इस अधिवृत्तना के साथ संसाधन सूखी में वर्णित है, उपयोग का प्रधिकार प्रर्जित किया जाना आवश्यक है।

प्रत: अब केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाश्पलाईन (भूमि में उपयोग का प्रधिकार का प्रर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें उपयोग के प्रधिकार का प्रर्जन करने के अपने आवश्यकीय धोषणा करती है:

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिसको भारत के राज्यसभा में यथा प्रकाशित हस अधिवृत्तना की प्रतियोगी साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इसकीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाहिनालाईन विधानों के संबंध में या उनमें उपयोग के प्रधिकार का प्रर्जन करने संबंधी लिखित में आक्षेप, सक्षम प्राप्तिकरी, श्री एम. रामाकृष्ण राज, सक्षम प्राप्तिकरी, विश्वासा-विजयवाड़ा पाहिनालाईन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, श्री. सं. 15-2-22/1, हाया निवास, आई. बी. पी. सेन्ट्री बलव के पास, श्रीष रोड, विश्वासापट्टनम--530002 आग्रा प्रदेश को कर सकता है।

प्रानुसूची		(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
पंडस : माक्षयरपालेम	जिला: विशाखापट्टनम्	54/11 भाग	00	04.5	00	11	
ग्राम्य : आन्ध्र प्रदेश		54/15 भाग	00	01.5	00	04	
ग्राम	सर्वे नं. / मध्य डिविजन	क्षेत्रफल					
		हेक्टेयर	आर.	एकड़	सेट.		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
बैंकपालेम	73/1 भाग	00	06.0	00	14		
	81/4 भाग	00	07.5	00	18		
	81/5 भाग	00	22.5	00	55		
	37 भाग	00	03.0	00	07		
शेट्टिपालेम	54/12 भाग	00	02.5	00	06		
	54/14 भाग	00	04.0	00	10		
	16/4 भाग	00	02.5	00	06		
	16/9 भाग	00	06.0	00	15		
	28/2 भाग	00	02.0	00	05		
	28/11 भाग	00	02.0	00	05		
	25/1 भाग	00	07.0	00	17		
	25/3 भाग	00	05.5	00	13		
	81 भाग	00	31.0	00	77		
	79/1 भाग	00	14.0	00	35		
	79/2 भाग	00	12.5	00	31		
	87/1 भाग	00	34.5	00	86		
	88 भाग	00	07.0	00	17		
	75/7 भाग	00	04.0	00	10		
	75/11 भाग	00	01.5	00	04		
	75/12 भाग	00	14.0	00	35		
	75/13 भाग	00	00.5	00	01		
	71/1 भाग	00	04.5	00	11		
	71/2 भाग	00	07.0	00	17		
	71/3 भाग	00	00.5	00	01		
	71/7 भाग	00	00.5	00	01		
	70/6 भाग	00	00.5	00	01		
	70/22 भाग	00	00.5	00	01		
	70/23 भाग	00	02.5	00	07		
	70/24 भाग	00	00.5	00	01		
	70/26 भाग	00	03.0	00	07		
	70/27 भाग	00	01.5	00	04		
	70/28 भाग	00	01.0	00	02		
	70/29 भाग	00	02.5	00	06		
	69/3 भाग	00	08.0	00	20		
	69/10 भाग	00	08.5	00	22		
	69/11 भाग	00	04.0	00	10		
	69/12 भाग	00	02.0	00	05		
	69/13 भाग	00	05.0	00	12		
	55/1 भाग	00	12.0	00	30		
	55/3 भाग	00	03.0	00	07		
	55/4 भाग	00	07.0	00	17		
	55/10 भाग	00	00.5	00	01		
	54/8 भाग	09	07.0	00	17		
	54/9 भाग	00	00.5	00	01		
	54/10 भाग	00	04.0	00	10		

[का. सं. प्रा. 31015/12/95-ओ प्रा-II भाग]

के. सी. कटोल, प्रबन्ध सचिव

New Delhi, the 13th November, 1996

S.O. 3242.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh through Visakhapatnam to Vijayawada, a pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public,

object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam, (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal : Makavarapalem District:Visakhapatnam
State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./Sub. Division	Area			
		Hec-tare	Ares	Acres	Cents
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Venkannapalem	73/1	Part	00	06.0	00
	81/4	Part	00	07.5	00
	81/5	Part	00	22.5	00
	37	Part	00	03.0	00
Settipalem	54/12	Part	00	02.5	00
	54/14	Part	00	04.0	00
	16/4	Part	00	02.5	00
	16/9	Part	00	06.0	00
	28/2	Part	00	02.0	00
	28/11	Part	00	02.0	00
	25/1	Part	00	07.0	00
	25/3	Part	00	05.5	00
	81	Part	00	31.0	00
	79/1	Part	00	14.0	00
	79/2	Part	00	12.5	00
	87/1	Part	00	34.5	00
	88	Part	00	07.0	00
	75/7	Part	00	04.0	00
	75/11	Part	00	01.5	00
	75/12	Part	00	14.0	00
	75/13	Part	00	00.5	00
	71/1	Part	00	04.5	00
	71/2	Part	00	07.0	00
	71/3	Part	00	00.5	00
	71/7	Part	00	00.5	00
	70/6	Part	00	00.5	00
	70/22	Part	00	00.5	00
	70/23	Part	00	02.5	00
	70/24	Part	00	00.5	00
	70/26	Part	00	03.0	00
	70/27	Part	00	01.5	00
	70/28	Part	00	01.0	00
	70/29	Part	00	02.5	00
	69/3	Part	00	08.0	00
	69/10	Part	00	08.5	00
	69/11	Part	00	04.0	00
	69/12	Part	00	02.0	00
	69/13	Part	00	05.0	00
	55/1	Part	00	12.0	00
	55/3	Part	00	03.0	00
	55/4	Part	00	07.0	00
	55/10	Part	00	00.5	00
	54/8	Part	00	07.0	00
	54/9	Part	00	00.5	00
	54/10	Part	00	04.0	00
	54/11	Part	00	04.5	00
	54/15	Part	00	01.5	00
	54/16	Part	00	02.5	00
	54/18A	Part	00	01.0	00

	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Bheemaboyina-palem	29/7	Part	00	03.0	00	08
	136/4	Part	00	10.0	00	25
	139/13	Part	00	03.0	00	07
	139/14	Part	00	03.0	00	07
	139/15	Part	00	06.0	00	15
	139/16	Part	00	02.0	00	04
	139/17	Part	00	01.5	00	04
	139/20	Part	00	03.5	00	09
Tamaram	77	Part	00	03.0	00	08
	101/7	Part	00	03.0	00	07
	101/12	Part	00	04.0	00	10
	101/14	Part	00	03.0	00	07
	200/17	Part	00	03.0	00	07
	212/27	Part	00	03.0	00	07
	212/28	Part	00	13.5	00	33
	263/9	Part	03	04.0	00	09
	261/8	Part	00	07.0	00	17
	242/4	Part	00	05.5	00	13
	265/1	Part	03	01.0	00	02
Bayyavaram	186/1	Part	00	10.0	00	26
Giduthuru	147/3	Part	00	21.0	00	52
	142	Part	00	19.5	00	48
	125/19	Part	00	02.5	00	06
	102/3	Part	00	23.5	00	60
	129/4	Part	00	01.0	00	02

[F. No. R-31015/12/95-OR-II Part]

K. C. KATOCH, Under-Secy.

तर्फ दिल्ली, 13 नवम्बर, 1996

का. आ. 3243:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावशक्ति है कि विशाखा से विजयवाडा होकर औद्योगिक राज्य में विशाखापट्टनम में विजयवाडा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन बिल्डर्स आई जाना चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार को यह भी प्रतीत होता है कि इस प्रयोजन के लिए उस भूमि में, जिसके नीचे प्रस्तावित पाइपलाइन बिल्डर्स द्वारा और जो इस अधिसूचना के साथ संलग्न सूची में वर्णित है, उपयोग का अधिकार प्राप्ति किया जाना आवश्यक है।

प्रतः भव केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और अन्तर्राष्ट्रीय पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की ओरांडा की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अनियंत्रित का प्रयोग करते हुए, उसमें उपयोग के अधिकार का प्राप्ति लाइन के प्रपत्र आशय की घोषणा करती है:

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हिन्दुस्तान कोई अधिकृत, उस तारीख से, जिसको भारत के राजपत्र में यथाप्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दो जाती है, इफकीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन विडाने के संबंध में या उनमें उपयोग के अधिकार का प्राप्ति करने संबंधी लिखित में भालें, सक्षम प्राधिकारी, श्री एम. रामारूपा राव, सक्षम प्राधिकारी, विशाखा-विजयवाडा पाइपलाइन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, द्वि. सं. 15-2-22/1, हारा निवास, आई. बी. पी. सेन्सुरी कलव के पास, बीच रोड, विशाखापट्टनम—530002 आंध्र प्रदेश को कर सकता है।

अनुसूची

मंडल : पोलावरम

जिला : पश्चिम गोदावरी

राज्य : आंध्र प्रदेश

नई दिल्ली, 13 नवम्बर, 1996

प्राम	सर्वे नं०/ संखि विजिन	क्षेत्रफल			
		हेक्टेयर	आर	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
गुटाला	805/2 भाग	00 01.5	00	04	
	805/3 एक भाग	00 09.5	00	24	
	796/2 भाग	00 08.0	00	20	

[फा० से. आर-31015/10/95-ओ आर-II भाग]
के. मी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 13th November, 1996

S.O. 3243.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh through Visakhapatnam to Vijayawada, a pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near JBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam, (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal : Polavaram District : West Godavari
State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub. Division	Area			
		Hec- tare	Ares	Acres	Cnts
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Gutala	805/2 Part	00 01.5	00	04	
	805/3F Part	00 09.5	00	24	
	796/2 Part	00 08.0	00	20	

[F.No.R-31015/10/95-OR-II Part]
K.C. KATOCH, Under Secy.

का, आ. 3244 :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि विशेषा भूमि में विजयवाडा होकर आंध्र प्रदेश राज्य में विशेषापट्टनम से विजयवाडा तक पेट्रोलियम के पर्यावरण के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन बिछाई जाना चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इस प्रयोजन के लिए उग भूमि में, जिसके नीचे प्रस्तावित पाइपलाइन बिछाई जानी है और जो इस विशेषाभूमि के तथा संबंध सूची में वर्णित है, उपर्योग का अधिकार अर्जित किया जाना चाहिए।

अतः ग्रव फेन्ड्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपर्योग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) को धारा 3 को इनधारा (1) धारा प्रदस अविस्तरों का प्रयोग करते हुए, उसमें उपर्योग के अधिकार का अर्जन करते के प्रयत्ने अधिनियम की घोषणा करती है।

उस विशेषाभूमि में बिछाई भौतिक व्यक्ति, उस तारीख तक, जिसको भारत के राज्यालय में यथा प्रकाशित इस विशेषाभूमि की प्रतियां संवारण जल्दी को उत्तरदाता दी जाती है, इसकी दिन की भास्तर, भाग के नीचे पाइपलाइन विभाने के संबंध में यह उसमें उपर्योग के अधिकार का अर्जन करने संबंधी नियम से आदेश, सधारण अधिकारी, श्री एम. रामरूपण यादव, प्राप्त ग्राहितार्थी, विशेषापट्टनम विशेषाभूमि परियोगिता, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, श्री. म. 15-2-22/1, हारा निकाल, शार्झ, वी. पी. बेन्चुरी फ्लव के पास, शौल गोड, विशेषापट्टनम—530002 आंध्र प्रदेश को कर सकता है।

अनुसूची

मंडल : श्रनकापलिम

जिला : विशेषापट्टनम

राज्य : अ.प्रा.पर्य.

प्राम	सर्वे नं०/ संखि विजिन	क्षेत्रफल			
		हेक्टेयर	आर	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
कोडुपलेम	34/7 भाग	00 14.0	00	35	
	11/2 भाग	00 03.0	00	07	
पापेयासनपलेम	64/1 भाग	00 03.5	00	08	
	101/38 भाग	00 03.5	00	16	
	123/6 भाग	00 02.5	00	06	
	102/41 भाग	00 00.5	00	01	
	102/9 भाग	00 01.0	00	02	
	101/19 भाग	00 03.0	00	08	
	102/21 भाग	00 03.5	00	09	
	102/25 भाग	00 00.5	00	01	
	159/24 भाग	00 05.5	00	13	
महारीडिपलेम	64/52 भाग	00 17.5	00	43	
	64/44 भाग	00 01.0	00	02	
	64/43 भाग	00 02.0	00	05	
	64/12 भाग	00 02.0	00	05	
	64/41 भाग	00 10.5	00	01	
	64/40 भाग	00 00.5	00	01	
	65/8 भाग	00 04.5	00	11	
	65/16 भाग	00 00.5	00	01	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
मार्गीषिपालेम	79/27 भाग	00	03.0	00	07	जयप्राधापुरम्	59/1 जे भाग	00	18.0	00	45
संतत . . .)	79/24 भाग	00	00.5	00	01	(संतत . . .)	86/5 भाग	00	12.0	00	30
	79/23 भाग	00	00.5	00	01		85/1 वी भाग	00	05.5	00	13
	86/17 भाग	00	00.5	00	01		83/4 भाग	00	07.0	00	17
	86/22 भाग	00	00.5	00	01		83/6 भाग	00	00.5	00	01
	87/75 भाग	00	05.5	00	14		102/9 सौ भाग	00	02.0	00	05
	87/80 भाग	00	05.5	00	13		102/15 भाग	00	02.0	00	05
	101/3 भाग	00	15.0	00	37		102/14 भाग	00	01.0	00	03
	104/2 भाग	00	04.0	00	10		102/16 भाग	00	03.0	00	07
	130/1 भाग	00	06.0	00	15		102/17 सी भाग	00	05.5	00	13
	131/6 भाग	00	03.0	00	07		101/34 भाग	00	03.0	00	07
	131/21 भाग	00	02.0	00	05	पात्रेयापालेम	2/1 भाग	00	06.0	00	15
	131/4 भाग	00	11.0	00	27		163/1 भाग	00	20.0	00	49
	131/17 भाग	00	02.0	00	05		163/5 भाग	00	14.5	00	36
	132/12 भाग	00	00.5	00	01		164 भाग	00	02.0	00	05
	135/12 भाग	00	07.5	00	18		165/2 भाग	00	40.0	01	22
	135/14 भाग	00	00.5	00	01		173/2 भाग	00	13.0	00	32
	186/24 भाग	00	05.0	00	12		173/3 भाग	00	13.5	00	33
	186/21 भाग	00	00.5	00	01		173/4 भाग	00	14.5	00	36
	186/26 भाग	00	03.0	00	08		171/2 भाग	00	12.5	00	31
	187/2 भाग	00	02.5	00	06		171/3 भाग	00	02.5	00	06
	187/3 भाग	00	03.0	00	07		174/4 भाग	00	22.5	00	56
	185/25 भाग	00	02.0	00	03		174/5 भाग	00	02.5	00	06
	185/24 भाग	00	03.0	00	07		175/2 भाग	00	04.5	00	11
	185/30 भाग	00	01.0	00	03		175/3 भाग	00	07.0	00	17
	185/21 भाग	00	01.5	00	04		175/4 भाग	00	09.5	00	23
	185/17 भाग	00	04.0	00	10		175/6 भाग	00	07.5	00	18
	185/16 भाग	00	04.0	00	10		176/1 भाग	00	17.0	00	42
	165/1 भाग	00	09.5	00	21		176/2 भाग	00	15.5	00	38
	169/10 भाग	00	01.0	00	02		178/1 भाग	00	16.0	00	39
	169/7 भाग	00	01.0	00	02		178/2 भाग	00	14.5	00	36
	165/2 भाग	00	03.5	00	09		179/1 भाग	00	39.0	00	96
	160/7 भाग	00	01.0	00	03		179/2 भाग	00	34.0	00	84
	160/8 भाग	00	01.5	00	04						
	160/13 भाग	00	18.0	00	44						
	160/15 भाग	00	02.0	00	05						
	160/16 भाग	00	02.5	00	06						
	160/17 भाग	00	00.5	00	01	कुम्हेम	61/7 भाग	00	25.5	00	63
अन्तःकर्त्तुपालेम	105/2 भाग	00	07.0	00	17		26/2 भाग	00	25.0	00	62
	105/5 ए भाग	00	08.0	00	15		26/3 ए भाग	00	42.0	01	03
	102/2 ए भाग	00	12.0	00	30		32/3 ए भाग	00	15.0	00	37
	102/1 ए भाग	00	00.5	00	01		18/3 ए भाग	00	19.0	00	47
	104/1 ए भाग	00	09.5	00	23		32/4 ए भाग	00	26.5	00	66
	47/1 वी भाग	00	32.0	00	79		18/9 वी भाग	00	00.5	00	01
	47/2 भाग	00	15.0	00	37						
	47/4 भाग	00	23.0	00	57						
	44/1 भाग	00	18.0	00	45	कुम्हेम	286/31 भाग	00	02.5	00	06
	29/2 भाग	00	10.0	00	25		7/1 वी/द्वं भाग	00	03.0	00	08
	15/8 भाग	00	04.0	00	10		7/1 वी/द्वं भाग	00	07.0	00	17
	15/9 भाग	00	01.5	00	04		7/1 वी/क्यू भाग	00	04.0	00	10
	33/4 भाग	00	12.0	00	32		7/1 वी/एम भाग	00	02.0	00	05
दण्डरम्पुटि	94/14 भाग	00	25.0	00	62		7/1 वी/एल भाग	00	06.5	00	16
जयप्राधापुरम्	57/3 भाग	00	07.5	00	18		7/1 वी/जे भाग	00	04.0	00	10
	58/1 भाग	00	12.0	00	30		7/1 ए/वाई भाग	00	05.5	00	13

7/1प/वं भाग	00	03.0	00	08	
7/1प/क्षेत्र भाग	00	04.0	00	10	
7/1/ इन्द्रधनु भाग	00	02.5	00	07	
7/3 भाग	00	03.5	00	08	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
7/4 भाग	00	00.5	00	01	

[फा० स० आर-31015/11/95-ओ आर II भाग]

के० सं० कटोष, अवर मन्त्रिव

New Delhi, the 13th November, 1996

S.O. 3244.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh through Visakhapatnam to Vijayawada, a pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam, (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal : Anakapalli District : Visakhapatnam

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub. Division	Area			(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
		Hec-	Ares	Acres						
		tare								
Kondupalem	34/7	Part	00	14.0	00	35				
	11/2	Part	00	03.0	00	07				
Papayvasantapalem	64/1	Part	00	03.5	00	08				
	101/38	Part	00	06.5	00	16				
	123/6	Part	00	02.5	00	06				
	102/41	Part	00	00.5	00	01				
	102/9	Part	00	01.0	00	02				
	101/19	Part	00	03.0	00	08				
	102/21	Part	00	03.5	00	09				
	102/25	Part	00	00.5	00	01				
	159/24	Part	00	05.5	00	13				
Mammidiapalem	64/52	Part	00	17.5	00	43				
	64/44	Part	00	01.0	00	02				

	1	2	3	4	5	6
Mammidiapalem— (Contd.)	64/43	Part	00	02.0	00	05
	64/42	Part	00	02.0	00	05
	64/41	Part	00	00.5	00	01
	64/40	Part	00	00.5	00	01
	65/8	Part	00	04.5	00	11
	65/16	Part	00	00.5	00	01
	79/27	Part	00	03.0	00	07
	79/24	Part	00	00.5	00	01
	78/23	Part	00	00.5	00	01
	86/17	Part	00	00.5	00	01
	86/22	Part	00	00.5	00	01
	87/75	Part	00	05.5	00	14
	87/80	Part	00	05.5	00	13
	101/3	Part	00	15.0	00	37
	104/2	Part	00	04.0	00	10
	130/1	Part	00	06.0	00	15
	131/9	Part	00	03.0	00	07
	131/21	Part	00	02.0	00	05
	131/4	Part	00	11.0	00	27
	131/17	Part	00	02.0	00	05
	132/12	Part	00	00.5	00	01
	135/12	Part	00	07.5	00	18
	135/14	Part	00	00.5	00	01
	186/24	Part	00	05.0	00	12
	186/21	Part	00	00.5	00	01
	186/26	Part	00	03.0	00	08
	187/2	Part	00	02.5	00	06
	187/3	Part	00	03.0	00	07
	185/25	Part	00	01.0	00	03
	185/24	Part	00	03.0	00	07
	185/30	Part	00	01.0	00	03
	185/21	Part	00	01.5	00	04
	185/17	Part	00	04.0	00	10
	185/16	Part	00	04.0	00	10
	165/1	Part	00	09.5	00	24
	169/10	Part	00	01.0	00	02
	169/7	Part	00	01.0	00	02
	165/2	Part	00	03.5	00	09
	160/7	Part	00	01.0	00	03
	160/8	Part	00	01.5	00	04
	160/13	Part	00	18.0	00	44
	160/15	Part	00	02.0	00	05
	160/16	Part	00	02.5	00	05
	160/17	Part	00	00.5	00	01
Allikhandupalem	105/2	Part	00	07.0	00	17
	105/5A	Part	00	06.0	00	15
	102/2A	Part	00	12.0	00	30
	102/1G	Part	00	00.5	00	01
	104/1E	Part	00	09.5	00	23
	47/1B	Part	00	32.0	00	79
	47/2	Part	00	15.0	00	37
	47/4	Part	00	23.0	00	57
	44/1	Part	00	18.0	00	45
	29/2	Part	00	10.0	00	25
	15/8	Part	00	04.0	00	10
	15/9	Part	00	01.5	00	04
	33/4	Part	00	12.0	00	32
Tagarampudi	94/14	Part	00	25.0	00	62
Jaganadhapuram	57/3	Part	00	07.5	00	18
	58/1	Part	00	12.0	00	30
	59/1J	Part	00	18.0	00	45
	86/5	Part	00	12.0	00	30

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Jaganadhapuram—					
(Contd.)					
	85/1B	Part	00	05.5	00
	83/4	Part	00	07.0	00
	83/6	Part	00	00.5	00
	102/9C	Part	00	02.0	00
	102/15	Part	00	02.0	00
	102/14	Part	00	01.0	00
	102/16	Part	00	03.0	00
	102/17C	Part	00	05.5	00
	101/34	Part	00	03.0	00
Papayyapalem					
	2/1	Part	00	06.0	00
	163/1	Part	00	20.0	00
	163/5	Part	00	14.5	00
	164	Part	00	02.0	00
	165/2	Part	00	49.0	01
	173/2	Part	00	13.0	00
	173/3	Part	00	13.5	00
	173/4	Part	00	14.5	00
	171/2	Part	00	12.5	00
	171/3	Part	00	02.5	00
	174/4	Part	00	22.5	00
	174/5	Part	00	02.5	00
	175/2	Part	00	04.5	00
	175/3	Part	00	07.0	00
	175/4	Part	00	09.5	00
	175/6	Part	00	07.5	00
	176/1	Part	00	17.0	00
	176/3	Part	00	15.5	00
	178/1	Part	00	16.0	00
	178/2	Part	00	14.5	00
	179/1	Part	00	39.0	00
	179/2	Part	00	34.0	00
Kundram					
	61/7	Part	00	25.5	00
	26/2	Part	00	25.0	00
	26/3A	Part	00	42.0	01
	32/3	Part	00	15.0	00
	18/3E	Part	00	19.0	00
	32/4B	Part	00	26.5	00
	18/9B	Part	00	00.5	00
	286/3J	Part	00	02.5	00
	7/1B/S	Part	00	03.0	00
	7/1B/T	Part	00	07.0	00
	7/1B/Q	Part	00	04.0	00
	7/1B/M	Part	00	02.0	00
	7/1B/L	Part	00	06.5	00
	7/1B/J	Part	00	04.0	00
	7/1A/Y	Part	00	05.5	00
	7/1A/V	Part	00	03.0	00
	7/1/X	Part	00	04.0	00
	7/1/W	Part	00	02.5	00
	7/3	Part	00	03.5	00
	7/4	Part	00	00.5	00

[F. No. R-31015/11/95-OR-II Part]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1996

का.मा. 3245.—केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीक होता है कि सोकहित में यह आवश्यक है कि विश्वासा से विजयवाड़ा होकर आनंद प्रदेश राज्यमें विश्वासापट्टम से विजयवाड़ा तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन निमिट्ट इग्या पाल्प लाइन बिकाई जाना चाहिये।

और केन्द्रीय सरकार की यह भी प्रतीक होता है कि इस प्रयोजन के उपर भूमि में, जिसके नीचे प्रस्तुति वाहिलाटन बिकाई जानी है और जो इस अधिसूचना के साथ संबंध मूँची में वर्णित है, उपर्योग का अधिकार प्रदित्त किया जाना आवश्यक है।

अब: अब, केन्द्रीय सरकार पैट्रोलियम और स्टेट पाइपलाईन (भूमि में उपर्योग के अधिकार वा अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपवारा (1) द्वारा प्रदत्त जारीयों का प्रयोग करने हुए, उसमें उपर्योग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आवश्यक बोधायण करते हैं।

उक्त अनुसृती में वर्णित भूमि में हिन्दुस्तान कोई व्यक्ति, उस तारीख में, जिसको भारत के गजपत्र में यथा प्रकाशित हुम अधिसूचना की प्रतियोगी साधारण जनता को उपलब्ध करा दो जानी है, इकीम विन के भीतर, भूमि के नीचे पर्फैलाईन बिल्डिंग्स के संबंध में या उनमें उपर्योग के अधिकार का अर्जन करने संबंधी लिंगिंग में आधेय, सक्षम प्राधिकारी, श्री एम. रामाकृष्णा, राय, सक्षम प्राधिकारी, विश्वासा-विजयवाड़ा पाइपलाईन पैट्रोलियम, हिन्दुस्तान पैट्रोलियम कार्पोरेशन निमिट्ट, श्री.म. 15-2-22/1, हारा निवास, प्राई. बी.पी. मैन्चुरी कल्प के पास, बीच रोड, विश्वासापट्टम—530002 आधि प्रदेश को कर सकता है।

अनुमूर्ति

मंडल: जंगारेड्डियूडेम

ज़िला: पश्चिम गोदावरी

ग्राम: आनन्दप्रदेश

ग्राम	मर्यादा नं/सम्बन्धित	धैर्यकल				
		हेक्टेयर	प्राय	प्रकृष्ट	सेन्ट	7
1	2	3	4	5	6	7
केतावरम्	564/3 श्री भाग	00	23.5	00	58	
	458 भाग	00	54.0	01	33	
	416/2 भाग	00	10.0	00	25	
	416/3 भाग	00	14.0	00	34	
	407/3 भाग	00	03.0	00	08	
निरालापुरम्	565/2 भाग	00	35.0	00	87	
	509/1 भाग	00	10.5	00	26	
	249 भाग	00	15.0	00	37	
	485/2 भाग	00	02.0	00	05	
	483/1 भाग	00	22.0	00	55	
	352/4 भाग	00	09.5	00	23	
	340/1 भाग	00	33.5	00	82	
यस्त्वामिंगुडेम्	530/1 भाग	00	32.5	00	80	
	528 भाग	00	46.0	01	14	
	517 भाग	00	35.0	00	86	
	509/6 भाग	00	06.5	00	16	
	507/5 भाग	00	09.5	00	24	
	548 भाग	00	01.5	00	04	
	386/2 भाग	00	16.0	00	40	
नक्कावरम्	174/3 ए. भाग	00	03.0	00	07	
	126/1 भाग	00	05.5	00	14	
	53/7 भाग	00	08.0	00	20	
	73/1 भाग	00	06.5	00	16	
	74/1 भाग	00	65.5	01	62	

[का.मा. आर-31015/16/95-ओ आर-II]

के.सी० कटोच, अवग शिविच

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3245.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh through Visakhapatnam to Vijayawada, a pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakh-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near TBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam, (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal: Jangareddigudem District: West Godavari

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub. Division	Area			(6)	
		Hec- tare	Ares	Acre		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Kethavaram	564/3C	Part	.00	23.5	00	58
	458	Part	.00	54.0	01	33
	416/2	Part	.00	10.0	00	25
	416/3	Part	.00	14.0	00	34
	407/3	Part	.00	03.0	00	08
Tirumalapuram	565/2	Part	.00	35.0	00	87
	509/1	Part	.00	10.5	00	26
	249	Part	.00	15.0	00	37
	485/2	Part	.00	02.0	00	05
	483/1	Part	.00	22.0	00	55
	352/4	Part	.00	09.5	00	23
	340/J	Part	.00	33.5	00	82
Guravaigudem	530/1	Part	.00	32.5	00	80
	528	Part	.00	46.0	01	14
	517	Part	.00	35.0	00	86
	509/6	Part	.00	06.5	00	16
	507/5	Part	.00	09.5	00	24
	548	Part	.00	01.5	00	04
	386/2	Part	.00	16.0	00	40
Lakkavaram	174/3A	Part	.00	03.0	00	07
	126/1	Part	.00	05.5	00	14
	53/7	Part	.00	08.0	00	20
	73/1	Part	.00	06.5	00	16
	74/1	Part	.00	65.5	01	62

[F.No.R-31015/16/95-OR-II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1996

का.आ. 3246—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहिन में यह शावधान है कि विजयवाडा से विजयवाडा होकर आंध्र प्रदेश राज्य

में विजयवाडनम से विजयवाडा तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये हिन्दुस्तान पैट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाईप लाईन बिकाई जानी चाहिये।

ओर केन्द्रीय सरकार को यह भी प्रतीत होता है कि हम प्रयोग न किये उस भूमि में, जिसके नीचे प्रस्तावित पाईपलाईन बिल्ड हो जानी है और जो हम अधिमंडन के भाव संभव मृद्घों में वर्णित है, उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाना आवश्यक है।

अब: ग्रन्थ, केन्द्रीय सरकार, पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रत्यक्षितयों का प्रयोग करने सुना, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के प्रपत्रे प्राप्त थे औपर लिया गया है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हिन्दुस्तान पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन की प्रत्या माध्यम जनता को उपयोग करने वाली जाती है, इसीसे दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाईपलाईन बिल्ड के संबंध में या उनमें उपयोग के प्रतिकार का अर्जन करने संबंधी विविधत में आधिकारी, सदाम प्राधिकारी, विशाखा-विजयवाडा पाईप लाईन प्रयोजन, हिन्दुस्तान पैट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, डी.स०, 15-2-22/1, हारा निवास, आई. बी.पी., ऐन्चुरी कल्प के पास गोदान गोदान, विशाखापट्टनम-530002 शाफ्ट प्रेस को कर सकता है।

अनुसूची

मंडल : कामबरपुरोडा

जिला : पश्चिम गोदावरी

राज्य : आंध्र प्रदेश

ग्राम	मर्गन/सर्ब इविजन	क्षेत्रफल			
		हेक्टेयर	आर	एकड़	मेन्ट
1	2	3	4	5	6
रविकंगाड़	94/2 भाग	00	10.0	00	25
	95/1 ए. भाग	00	12.0	00	30
	95/2 भाग	00	03.0	00	07
	154 भाग	00	11.0	00	28
	157 भाग	00	01.0	00	02
	161/2 भाग	00	01.0	00	02
	233/2 भाग	00	09.0	00	22
	252/1 भाग	00	22.0	00	54
	250 भाग	00	12.5	00	32
	492/1 भाग	00	08.0	00	20
	346/67 भाग	00	07.0	00	17
	346/6 भाग	00	01.0	00	02
	362/1 भाग	00	05.5	00	14
	556/3 भाग	00	00.5	00	01
उपलमाड़	227/1 भाग	00	62.5	01	54
	293/2 भी भाग	00	00.5	00	01
	271/5 भाग	00	06.5	00	16
	274/1 भाग	00	04.0	00	10
	278/6 भाग	00	03.5	00	09
	257/1 ए. भाग	00	04.5	00	11
रामलग्नेम	27/1 भाग	00	05.5	00	13

1	2	3	4	5	6
कामवर पुकोटा	649 भाग	00	25.0	00	62
	684/1 भाग	00	10.0	00	25
	542/2 भाग	00	11.0	00	27
मंकिनापल्लि	148/3 भाग	00	05.0	00	12
	105 भाग	00	08.5	00	21
	98 भाग	00	07.0	00	17
गुटुपल्लि	445/3 भाग	00	03.0	00	07
	386 भाग	00	02.5	00	06
मीसन्नगडेम्	47/2 भाग	00	08.5	00	21
	46 भाग	00	03.0	00	07
राजनगलपल्लि	132/3 भाग	00	25.5	00	64
	132/4 भाग	00	17.5	00	44
	115/2 वी भाग	00	38.5	00	95
	115/1 भाग	00	01.0	00	02
	107/6 भाग	00	15.0	00	37
	31/2A भाग	00	02.0	00	05
	30/3 भाग	00	06.5	00	16

SCHEDULE

Mandal : Kamavarapukota District : West Godavari

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub. Division	Area		
		Hec-	Ares	Acres Cents
		tare		

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Ravikampadu	94/2C	Part	00	10.0	00	25
	95/1A	Part	00	12.0	00	30
	95/2	Part	00	03.0	00	07
	154	Part	00	11.0	00	28
	157	Part	00	01.0	00	02
	161/2	Part	00	01.0	00	02
	233/2	Part	00	09.0	00	22
	252/1	Part	00	22.0	00	54
	250	Part	00	12.5	00	32
	492/1	Part	00	08.0	00	20
	346/A7	Part	00	07.0	00	17
	346/A6	Part	00	01.0	00	02
	362/1	Part	00	05.5	00	14
	556/3	Part	00	00.5	00	01

[फा.सं. आर-31015/18/95-ओ आर-II]

के.सी. कटोच, ध्वर सचिव

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3246.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh through Visakhapatnam to Vijayawada, a pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam, (Andhra Pradesh)-530 002.

Uppalapadu	227/1	Part	00	62.5	01	54
	293/2B	Part	00	00.5	00	01
	271/5	Part	00	06.5	00	16
	274/1	Part	00	04.0	00	10
	278/6	Part	00	03.5	00	09
	257/1A	Part	00	04.5	00	11
Ramannapalem	27/1	Part	00	05.5	00	13
Kamavarapukota	649	Part	00	25.0	00	62
	684/1	Part	00	10.0	00	25
	542/2	Part	00	11.0	00	27
Mankinapalli	148/3	Part	00	05.0	00	12
	105	Part	00	08.5	00	21
	98	Part	00	07.0	00	17
Guntupalli	445/3	Part	00	03.0	00	07
	386	Part	00	02.5	00	06
Mysannagudem	47/2	Part	00	08.5	00	21
	46	Part	00	03.0	00	07
Rajunagulapalli	132/3	Part	00	25.5	00	64
	132/4	Part	00	17.5	00	44
	115/2B	Part	00	38.5	00	95
	115/1	Part	00	01.0	00	02
	107/6	Part	00	15.0	00	37
	31/2A	Part	00	02.0	00	05
	30/3	Part	00	06.5	00	16

[F.No.R-31015/18/95-OR-II]

K.C. KATOCH, Under Secy.

नई विली, 14 नवम्बर, 1996

फा.आ. 3247 केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि नोकहित में यह आवश्यक है कि विश्वासा से विजयवाडा टोकर आंध्र प्रदेश राज्य में विश्वासापट्टनम से विजयवाडा तक पैट्रोलियम के पर्यावरण के लिये हिंदुस्तान पैट्रोलियम कंपनीरिशन लिमिटेड द्वारा पाईप लाइन विकास जानी चाहिये।

और केन्द्रीय सरकार को यह भी प्रतोत होता है कि इस प्रयोजन के लिये उम्मीद में जिसके नीचे प्रस्तावित पार्श्वनाइन बिल्ड जानी है और जो इस अधिकृत्ता के माथ समझ गूचा में बिण्ठत है, उपरोक्त का अधिकार अर्जित किया जाना आवश्यक है।

प्रतः प्रब्र केन्द्रीय सरकार पैट्रोलियम और अनिज पार्श्वनाइन (भूमि में उपरोक्त के अधिकार का अर्जन) प्रधानियम, 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गविन्यों का प्रयोग करने हुए, उसमें उपरोक्त के अधिकार का अर्जन करने के अपने अपार्य की घोषणा करती है :

उक्त अनुसूची में वालम भूमि म हिन्दुबढ़ कार्य अर्जित, उम तारोद्य में, जिसको भारत के गवर्नर म एवं प्रधानमंत्रिन द्वारा अधिगृहीत की गयी अधिकारी नामांग जनता को उल्लेख करने वाली है, इसमें दिनों भीतर, भूमि के नीचे पार्श्वनाइन बिल्ड के संबंध में या उसमें उपरोक्त के अधिकार या अर्जन करने रखनी चिह्नित में आवेद, सदाम प्राधिकारी, श्री एम. रामचंद्रण गवर, सदाम प्राधिकारी, विणाकान्तियवाडा पार्श्वनाइन परियोजना, हिन्दुबढ़ान पैट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, श्री.म. 15-2-22/1, हाय निवाम, शाई. बी.पी. मेन्चुरी फ्लूव के पास, बीच रोड, विणाकान्तियवाडा-530002 आंध्र प्रदेश को कर सकता है।

अनुसूची

प्राम : कोटानंदुरु

ज़िला : पूर्व गोदावरी

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

प्राम	सर्वे नं सब फिरिजन	अधेनकल			
		फ्रेटप्रर	आर	एकड़	मेन्ट
1	2	3	4	5	6
कोटानंदुरु	16/1 भाग	00	00.5	00	01
	3/2 बी भाग	00	03.5	00	09
लक्ष्मीदेवियेठा	20/7 भाग	00	05.5	00	13
के.इ. चिन्नपपारेम्	23/2 भाग	00	09.0	00	22
	28/1 भाग	00	18.5	00	46
	33/2 भाग	00	28.5	00	69
	67/1 भाग	00	05.5	00	14
	90 भाग	00	00.5	00	01
	93/11 भाग	00	01.5	00	04
	95/2 भाग	00	03.0	00	08
	139/1 भाग	00	08.0	00	20
	139/2 भाग	00	03.0	00	08
	140 भाग	00	10.0	00	25
राजावरम्	189/4 भाग	00	06.5	00	16
	200/2 भाग	00	15.0	00	37
	200/3 भाग	00	03.0	00	08
गंगावरम्	54/4 सी भाग	00	06.0	00	15
	55/5 भाग	00	04.0	00	10
	56/12 भाग	00	09.5	00	23
	58/2 बी भाग	00	08.0	00	20
	58/3 बी भाग	00	08.5	00	21
	80/2 बी भाग	00	05.5	00	13
	80/3 बी भाग	00	03.5	00	09
	80/4 बी भाग	00	14.5	00	36
	80/5 बी भाग	00	10.0	00	25

1	2	3	4	5
गंगावरम् (जांदा)	8/1/1 सी भाग	00	08.0	00
	8/1/2 भाग	00	04.0	00
	8/1/3 भाग	00	05.0	00
	8/1/5 बी भाग	00	05.0	00
	8/1/6 गी भाग	00	04.5	00
	56/1 भाग	00	01.5	00
	56/11 भाग	00	00.5	00
गंगावरम्	117/4 भाग	00	08.5	00
	117/4 भाग	00	13.0	00
	115 भाग	00	13.5	00
	119/2 बी 1 भाग	00	02.0	00
	119/2 बी 2 भाग	00	15.0	00
कोटानंदुरु	137/3 भाग	00	09.0	00
	137/6 भाग	00	03.0	00
	137/7 भाग	00	04.0	00
	137/9 बी भाग	00	14.0	00
	149/6 गी भाग	00	03.0	00
	149/6 सी भाग	00	01.0	00
	151/1 भाग	00	02.0	00
मुल्लापूर्डि	87/6 बी भाग	00	20.5	00
	95/2 भाग	00	43.0	01
	147/1 भाग	00	37.0	00
	147/2 भाग	00	01.0	00
	153 भाग	00	18.0	00
	157/2 भाग	00	23.5	00
	188 भाग	00	01.0	00
	193/1 भाग	00	05.5	00
	193/2 भाग	00	12.0	00
	195 भाग	00	37.0	00
	204/1 भाग	00	19.5	00
	205/3 बी भाग	00	06.5	00
	205/5 बी भाग	00	19.5	00
	205/5 बी भाग	00	06.5	00
बलरामपुरम्	27/2 बी भाग	00	20.0	00
	27/4 बी भाग	00	22.0	00
	30/1 भाग	00	17.0	00
गुम्मरेगुल	34/1 भाग	00	01.0	00
	59/2 भाग	00	39.5	00
	36/1 भाग	00	11.5	00
	66 भाग	00	30.5	00
	28 भाग	00	12.0	00

[का.म. आर-31015/15/96-ओ आर-II]

के.मा. कटोप, अवर सचिव

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3247.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh through Visakhapatnam to Vijayawada, a pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited :

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said

pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Ram Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hura Niwas, Near IIPB Century Club, Beach Road, Visakhapatnam, (Andhra Pradesh) -530 002.

SCHEDULE

Mandal : Kotananduru District : East Godavari
State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No. Sub. Division	Area				
			Hec-	Ares	Acres	Cents
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Kotananduru	16/1 3/2B	Part Part	00 00	00.5 03.5	00 00	01 09
Lakshmidevipeta	20/7	Part	00	05.5	00	13
K.E. Chinnalahpalem	23/2	Part	00	09.0	00	22
	28/1	Part	00	18.5	00	46
	33/2	Part	00	28.5	00	69
	67/1	Part	00	05.5	00	14
	90	Part	00	00.5	00	01
	93/11	Part	00	01.5	00	04
	95/2	Part	00	03.0	00	08
	139/1	Part	00	08.0	00	20
	139/2	Part	00	03.0	00	08
	140	Part	00	10.0	00	25
	189/4	Part	00	06.5	00	16
	200/2	Part	00	15.0	00	37
	200/3	Part	00	03.0	00	08
Gangavaram	54/4C	Part	00	06.0	00	15
	55/5	Part	00	04.0	00	10
	56/12	Part	00	09.5	00	23
	58/2B	Part	00	08.0	00	20
	58/3B	Part	00	08.5	00	21
	80/2B	Part	00	05.5	00	13
	80/3B	Part	00	03.5	00	09
	80/4B	Part	00	14.5	00	36
	80/5B	Part	00	10.0	00	25
	81/1C	Part	00	08.0	00	20
	81/2	Part	00	04.0	00	10
	81/4B	Part	00	05.0	00	12
	81/5B	Part	00	05.0	00	12
	81/6C	Part	00	04.5	00	11
	56/1	Part	00	01.5	00	04
	56/11	Part	00	00.5	00	01
Ramakrishna-puram	117/4	Part	00	08.5	00	21
	114/4	Part	00	18.0	00	45

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	115	Part	00	13.5	00
	119/2C1	Part	00	02.0	00
	119/2C2	Part	00	15.0	00
Kotturu	137/3	Part	00	09.0	00
	137/6	Part	00	03.0	00
	137/7	Part	00	04.0	00
	137/9B	Part	00	14.0	00
	149/6A	Part	00	03.0	00
	149/6C	Part	00	01.0	00
	151/1	Part	00	02.0	00
Mulagapudi	87/6B	Part	00	20.5	00
	95/2	Part	00	43.0	01
	147/1	Part	00	37.0	00
	147/2	Part	00	01.0	00
	153	Part	00	18.0	00
	157/2	Part	00	23.5	00
	188	Part	00	01.0	00
	193/1	Part	00	05.5	00
	193/2	Part	00	12.0	00
	195	Part	00	37.0	00
	204/1	Part	00	19.5	00
	205/3C	Part	00	06.5	00
	205/6D	Part	00	19.5	00
	205/2C	Part	00	06.5	00
Balarampuram	27/2B	Part	00	20.0	00
	27/4B	Part	00	22.0	00
	30/1	Part	00	17.0	00
Gummaregula	34/1	Part	00	01.0	00
	59/2	Part	00	39.5	00
	36/1	Part	00	11.5	00
	66	Part	00	30.5	00
	28	Part	00	12.0	00

[F.No.R-31015/15/95-OR-II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1996

का. आ. 3246.—केव्वीय सरकार को यह प्रतीति होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि विश्वासा में विजयवादा होकर 'शान्ति' प्रवेश गाय औ में विश्वासापूर्वनम् से विजयवादा तक पेटोलियम के परिवहन के लिए इन्हुनेशन पेटोलियम कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाठ्य लाईन ब्रिलाईंज ना चाहिए।

और केसरीय सरकार का यह भी प्रतीक होता है कि इस प्रयोजन के लिए उस भूमि में, जिसके नीचे प्रस्तावित गढ़वालाहन विछान जाता है और जो इन प्रधिसूचना के माध्य संलग्न मूर्खी में वर्णित है, उसप्रयोग का अधिकार अर्जित किया जाता आवश्यक है।

अन्तः अब केन्द्रीय सरकार ऐडेनियम और अंग्रेज पालामाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का भर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की धारा (1) द्वारा प्रदत्त एकित्यों का प्रदोंग करने हुए, उसमें उपयोग के अधिकार का अवैतन करने के अपने ग्राजिय की विधाया करती है;

उपन ग्रन्तमूर्च्छा में वाणिज भूमि में हिन्दूरड कोहं व्यक्ति, उस तारीख से, जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित हम अधिसूचना की प्रतिया साधारण जनता को उपलब्ध करायी जाती है, इक्षुवीत दिन के खंतर, भूमि के नीचे गाप्तलाइन लिलाने के सम्बन्ध में प्रा अनन्त उपरोग क अधिकार का अर्जन करने गंभीर लिमिट में आवेद, मध्या प्राविकारी श्री एम नामाकृष्ण गाथ, मध्यम प्राधिकारी, विजयाचार्य-विनायका पाइप लाइन परियोजना, हिन्दुम्भान ऐडोलियम कर्पोरेशन लिमिटेड, द्वीप ८० १५-२-२२/१, हाया निवास, ग्राही.नी.पी. मन्त्र्युर्ग क्षेत्र के पास, श्रीक रोड, विजयाचार्य-530002 आनंद प्रदेश की हर सकारा है।

प्रान्तसंचयी		जिला : पश्चिम गोदावरी			
क्रम	मर्वे न	राज्य : श्रीनगर प्रदेश		थोनफल	
(1)	(2)	इकट्ठेयर	आरा	एकड़	सेन्ट
देश्लास	98/6 भाग	00	22.5	00	56
	98/13 भाग	00	09.0	00	22
	98/11 भाग	00	02.5	00	06
	98/12 भाग	00	06.0	00	15
	103 भाग	00	01.0	00	03
	100/12 भाग	00	11.0	00	27
	122/1 भाग	00	07.5	00	19
	122/1भी भाग	00	01.0	00	03
कुलणाशवपालभ	2 भाग	01	29.5	03	18
	10/19 भाग	00	11.5	00	29
	1/3 भाग	00	22.0	00	54

[का. स. आर-31015/14/95-ओ आर II]
के ग्री कटोम श्वर सचिव

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3248.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest for the transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh through Visakhapatnam to Vijayawada, a pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of his notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IPB Centurion Club, Beach Road, Visakhapatnam, (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal : T. Narasapuram

District : West Godavari

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub. Division	Area			
		Hec- tare	Ares	Acres	Cents
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Tedlam	98/6	Part 00	22.5	00	56
	98/13	Part 00	09.0	00	22
	98/11	Part 00	02.5	00	06
	98/12	Part 00	06.0	00	15

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Tedlam (contd.)					
	103	Part	00	01.0	00
	100/12	Part	00	11.0	00
	122/1B	Part	00	07.5	00
	122/1C	Part	00	01.0	00
Krishnaraopalem					
	2	Part	01	29.5	03
	10/1A	Part	00	11.5	00
	1/3	Part	00	22.0	00
					54

[F.No. R-31015/14/95-OR-II]

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1996

का. आ. 3 249.—केवल यह सरकार को यह प्रतीत होता है कि शोधित में
यह आवश्यक है कि विश्वासा में विजयवादी होकर आनंद प्रेषण राज्य में
विश्वासपूर्णम से विजयवादी नक्ष पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान
पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पहली लाइन विकास करायिए।

और केन्द्रीय सरकार को यह भी प्रतीत होता है कि इस प्रयोजन के लिए उस भूमि में, जिसमें नीचे प्रभावित पादपकाश विद्युर्ज जानी है और जो इस प्रधिमूलका के साथ मञ्चन सूखी में बणिष्ठ है, उत्थयोग का अधिकार प्रदित्त किया जाता आवश्यक है।

प्रतः प्रबं फेन्डीय सरकार एट्रोलियम और व्हनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 [(1962 का 50) की धारा 3 की धारा (1) उप द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने से हुए, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने अधिकार की घोषणा करती है :

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस तरीका में, जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना, भी प्रतियोगी धारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इसीम दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाष्ठलाहृत बिलाने के संबंध में या अन्यसे उपयोग के अधिकार क, अर्जन करने सकते हैं लिखित में अस्ते, सभाम प्राधिकारी, श्री एम. रामाकृष्ण गव, सभाम प्राधिकारी, विशाला-विजयवाडा पाष्ठलाहृत परियोजना, हिक्कुसान फेडोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, श्री म. 15-2-22/1, हारा निवास, आई. बी. बी. सेन्ट्रली बलव के पास, श्रीचंद्र, विशालापुरम-५३०००२ अन्तिम प्रेस्ट को कर सकता है।

अनंतचंची

सिल्वर : विश्वासपटवरम्

गज्यः आश्रम प्रवेश

प्राम	मर्ये नं. / सत्र दिविजन	व्येककण			
		हेक्टेयर	ग्राम	एकड़	सेल्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जलदूरु	236/3 भाग	00	38.5	00	95
सुकात्तर	230/1 भाग	00	13.5	00	33
	229 भाग	00	10.5	00	26
पामूलाधारा	210/2ची/1 भाग	00	55.5	01	37
	240/4 भाग	00	21.5	00	54
	242/7ग भाग	00	23.0	00	56
	242/5 भाग	00	33.5	00	83
	210/1 भाग	00	01.0	00	02
	211/3 भाग	00	12.5	00	32

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
पामुलवाका	211/4	भाग	00	11.0	00	27	Pamulavaka	240/2C/1 Part	00	55.5	01	37
जारी	211/5	भाग	00	12.5	00	31		240/4 Part	00	21.5	00	54
	212/1प	भाग	00	11.5	00	28		242/7A Part	00	23.0	00	56
	212/2 वी भाग		00	03.0	00	07		242/5 Part	00	33.5	00	83
	230/1	भाग	00	04.5	00	11		210/1 Part	00	01.0	00	02
	68/9	भाग	00	12.0	00	30		211/3 Part	00	12.5	00	32
	68/10	भाग	00	11.0	00	27		211/4 Part	00	11.0	00	27
	68/11	भाग	00	10.5	00	26		211/5 Part	00	12.5	00	31
	69/4	भाग	00	07.0	00	17		212/1A Part	00	11.5	00	28
	69/3	भाग	00	09.5	00	24		212/2B Part	00	03.0	00	07
	69/5	भाग	00	08.5	00	21		230/1 Part	00	04.5	00	11
	65/2	भाग	00	28.5	00	71		68/9 Part	00	12.0	00	30
	बापिराजु कोत्सपल्लि	339/2पी भाग	00	07.0	00	17		68/10 Part	00	11.0	00	27
	377/1	भाग	00	38.0	00	94		68/11 Part	00	10.5	00	26
	382/1	भाग	00	01.0	00	03		69/4 Part	00	07.0	00	17
	383/1	भाग	00	00.5	00	01		69/3 Part	00	09.5	00	24
	395/1 और 2 भाग		00	53.5	01	32		69/5 Part	00	08.5	00	21
								65/2 Part	00	28.5	00	71

[फा.मं. आर-31015/13/95-ओ आर-II]
के.सी. कटोच, प्रवर. सचिव

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3249.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh through Visakhapatnam to Vijayawada, a pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam, (Andhra Pradesh)-530002.

SCHEDULE

Mandal : Kotauratla

District : Visakhapatnam

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./Sub. Division	Area			(6)	
		Hec-tare	Ares	Cents		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Jalluru	236/3	Part	00	38.5	00	95
Sunkapur	230/1	Part	00	13.5	00	33
	229	Part	00	10.5	00	26

Bapirajukotapalli	339/2C	Part	00	07.0	00	17
	377/1	Part	00	38.0	00	94
	382/1	Part	00	01.0	00	03
	383/1	Part	00	00.5	00	01
(Contd.)	395/1&2	Part	00	53.5	01	32

[F.No. R-31015/13/95-OR-II]
K.C. KATOCH, Under Secy.

नई विम्ली, 14 नवम्बर, 1996

का.आ. 3250.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि विशाखा से विजयवाड़ा होकर धार्घ प्रदेश राज्य में विशाखापट्टनम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन लिंगाई जाना चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार को यहाँ प्रतीत होता है कि इस प्रयोग के लिए उस भूमि में, जिसके नीचे प्रस्तावित पाइपलाइन लिंगाई जानी है और जो इस प्रथमधूम के माथ संलग्न सूखी में वर्णित है, उपयोग का प्राप्तिकार अर्जित किया जाना आवश्यक है।

प्रत: अब केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आवश्यकीय कांचणा करती है:

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हिन्दुपाल कोई अधिकार, उस तारीख से, जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित हम अधिसूचना की प्रतियोगी साधारण जनना को उपलब्ध करा दी जाती है, इसीम दिन के बीतर, भूमि के नीचे पाइप लाइन विलाने के सम्बन्ध में या उनमें उपयोग के अधिकार का प्रर्जन करने संबंधी लिंगित में आक्षेप, सक्षम अधिकारी, दा.एम. रामाकृष्ण राव, सक्षम प्राप्तिकारी, विणाक्का-विजयवाड़ा पाइपलाइन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, दी. सं. 15-2-22/1, पेंग निवास, आई.वी.बीपी! सेन्चुरी करने के पास दीक्षा रोट, विशाखापट्टनम-530002 आन्ध प्रदेश को कर सकता है।

मंडल : नातावरम्		राज्य : आनन्द प्रदेश	ज़िला : विशाखापट्टनम्		
ग्राम	सर्वे नं।	सौकाल			
	सब डिविजन	हेक्टेयर	मार.	एकड़	सेन्ट
चेरलोपालेम्	250/1 आई भाग	00 05.0	00	12	
	280	भाग	00 02.5	00	06
	270/9	भाग	00 16.0	00	40
	222/1	भाग	00 00.5	00	01
जन्नेशुपुड़ि	58/5 सी भाग	00 19.0	00	47	
	63	भाग	00 15.0	00	37
	63/1	भाग	00 16.0	01	40
	63/1	भाग	00 16.0	00	40
	64	भाग	00 14.0	00	34
मल्लुमूपालपट्टनम्	7/2 भाग	00 24.5	00	61	
	335/2 ए भाग	00 13.0	00	32	
	362	भाग	00 01.5	00	04
ग्रन्तपरमनाभपुरम्	176 भाग	00 02.5	00	06	
थ्रृगवरम्	83/2 भाग	00 06.5	00	16	
पि. कोल्पुड़म्	116 भाग	00 10.0	00	24	
	117	भाग	00 09.0	00	22

[फा. सं. आर-31015/19/95-ओ आर 11]

के. सी. कटांश, अवर सचिव

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3250.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh through Visakhapatnam to Vijayawada, a pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty days from the date on which the copies of this notification, is published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakhapatnam Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near JBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam, (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDELE

Mandal : Nathavaram District : Visakhapatnam

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub. Division	Area	Hec-	Ares	Acres	Cents
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Cherlopalem	250/1 I Part	00 05.0	00	12		
	280 Part	00 02.5	00	06		
	270/9 Part	00 16.0	00	40		
	222/1 Part	00 00.5	00	01		

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Jalleupudi	58/SC	Part	00 19.0	00	47
	63	Part	00 15.0	00	37
	63/1	Part	00 16.0	01	40
	64	Part	00 14.0	00	34
Mallubhupala- patnam	7/2	Part	00 24.5	00	61
	335/2A	Part	00 13.0	00	32
	362	Part	00 01.5	00	04
Anantapadmana- bhupuram	176	Part	00 02.5	00	05
Srungavaram	83/2	Part	00 05.5	00	16
P. Kothagudem	166	Part	00 10.0	00	24
	117	Part	00 09.0	00	22

[F.No.R-31015/19/95-OR-II]

K.C. KATOCH, Under Secy.

नई विली, 14 नवम्बर, 1996

का. सा. 3251—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि विशाखा से विजयवाड़ा होकर आनन्द प्रदेश राज्य में विशाखापट्टनम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाई जानी चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार को यह भी प्रतीत होता है कि इस प्रयोजन के लिए उस भूमि में, जिसके मीधे प्रस्तावित पाइपलाइन बिछाई जानी है और जो इस प्रधिष्ठान के साथ संलग्न सूची में वर्णित है, उपयोग का अधिकार अधित किया जाना आवश्यक है।

आतः इब केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग अधिकार का भर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप धारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने के, उसमें उपयोग के अधिकार का भर्जन करने के अपने आवश्यकीय कार्रवाई करती है;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित हस प्रधिष्ठान की प्रतिनिधि साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इकाई दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के संबंध में या उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने संबंधी लिखित में आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, श्री एम. रामाकृष्ण राव, सक्षम प्राधिकारी, विशाखा-विजयवाड़ा पाइप-लाइन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, श्री. सं. 15-2-22/1, हारा निवास, आई. बी. पी. सेम्परी फ्लॉप के पास, बी. रोड, विशाखापट्टनम-530002 आनंद प्रदेश को कर सकता है।

अनुसूची

मंडल : कोयलगड्डम	ज़िला : परिष्कम गोदावरी					
ग्राम	सर्वे नं०/ सब डिविजन	सौकाल	हेक्टेयर	मार.	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
चोपराम्बनगड्डम	114	भाग	00 17.0	00	42	
	85/3	भाग	00 31.0	00	77	
चोंगुप्पट्टु	30/3	भाग	00 00.5	00	01	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
एवाहलपालेम	58/4	भाग	00 12.0	00	30
	58/5	भाग	00 15.0	00	37
	19/2	भाग	00 01.5	00	04
	76/1	भाग	00 01.0	00	02

[फा.सं. आर-31015/17/95-ओ भार II]
[के.सी. कटोच, अवार सचिव]

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3251.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh through Visakhapatnam to Vijayawada, a pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Ramu Krishna Rao, Competent Authority, Visaka-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited D No 152-22/1, Hara Niwas, Near TBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam, (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal : Koyyalagudem District : West Godavari

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub. Division	Area			
		Hec	Ares	Acre	Cents
		tare			
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Cherparamanna-gudem	114	Part	00 17.0	00	42
	85/3	Part	00 31.0	00	77
Ponguturu	30/3	Part	00 00.5	00	01
Eduva'alapalem	58/4	Part	00 12.0	00	30
	58/5	Part	00 15.0	00	37
	19/2	Part	00 01.5	00	04
	76/1	Part	00 01.0	00	02

[F.N.O.R-31015/17/95-OR-II]
K.C. KATOCH, Under Secy.

नई विल्सी, 14 नवम्बर, 1996

का.सा. 3252.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकहित में यह आवश्यक है कि विशाखा से विजयवाड़ा होकर आग्ने इवेश राज्य में विशाखापत्तनम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन बिल्डाई जाना चाहिए

और केन्द्रीय सरकार को यह भी प्रतीत होता है कि इस प्रयोग के लिए उस भूमि में, जिसके नीचे प्रस्तावित पाइपलाइन बिल्डाई जानी है और जो इस अधिसूचना के साथ संलग्न सूची में वर्णित उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाना आवश्यक है।

अतः ग्राम केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और बिल्डिंग पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन (अधिनियम 1962 (1962 का 50 की धारा 8 की ऊपर धारा (1) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने प्राश्न की घोषणा करती है:

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हिन्दुबढ़ कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्षीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिल्डाई के संबंध में या उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने संबंधी लिखित में आज्ञा, सक्षम प्राधिकारी, श्री एम. रामाकृष्ण राव, सक्षम प्राधिकार, विशाखा-विजयवाड़ा पाइपलाइन परियोजना हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, श्री. सं. 15-2-22/1 हारा निवास, आई. बी. बी. सेन्ट्रल लाइन के पास, बीच रोड, विशाखापत्तनम-530002 आन्ध्र प्रदेश को कर सकता है।

अनुसूची
मंडल : कवरम् ज़िला : आग्ने प्रवेश ज़िला पूर्व गोदावरी

प्राम	सर्वे नं०/ सब इकाइयां	क्षेत्रफल			
		हेक्टेयर	आर	एकड़	सेट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बि बेव दापुरम	33/3	भाग	00 13.0	00	32
	22/3	भाग	00 03.5	00	09
जि. कोल्तपल्लि	66/1	भाग	00 00.5	00	01
गवरम्	31/10	भाग	00 11.0	00	27
भन्ज्यमेटा	172/2	भाग	00 00.5	00	01
रोतुलपूर्णि	499	भाग	00 03.5	00	09
	426/1	भाग	00 15.5	00	38
	403	भाग	00 21.5	00	53
	404	भाग	00 00.5	00	01
	382	भाग	00 12.5	00	30
	378	भाग	00 08.0	00	20
	379	भाग	00 17.0	00	42
	358	भाग	00 30.5	00	75
	359/ए	भाग	00 12.0	00	30
	347	भाग	00 24.0	00	59
	137/3	भाग	00 19.0	00	47
	227	भाग	00 18.0	00	45
गोडि	168/1ए	भाग	00 30.0	00	74
	147/2	भाग	00 02.0	00	05
	159/2	भाग	00 01.0	00	02
	167/2	भाग	00 01.0	00	02
	148/1	भाग	00 02.0	00	05
	148/4	भाग	00 00.5	00	01
	151	भाग	00 03.0	00	08

[फा.सं. आर 31015/20/95-ओ भार III]
[के.सी. कटोच, अवार सचिव]

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3252.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh through Visakhapatnam to Vijayawada, a pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakhapatnam Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam, (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal : Sankavaram District : East Godavari
State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub. Division	Area			Hec- tare	Area Acres	Cents
		(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
V. Venkatapuram	33/3	Part	00	13.0	00	32	
	22/3	Part	00	03.5	00	09	
G. Kothapalli	66/1	Part	00	00.5	00	01	
Srungavaram	31/10	Part	00	11.0	00	27	
Atchampeta	172/2	Part	00	00.5	00	01	
Routhulapudi	499	Part	00	03.5	00	09	
	426/1	Part	00	15.5	00	38	
	403	Part	00	21.5	00	53	
	404	Part	00	00.5	00	01	
	382	Part	00	12.5	00	30	
	378	Part	00	08.0	00	20	
	379	Part	00	17.0	00	42	
	358	Part	00	30.5	00	75	
	359/A	Part	00	12.0	00	30	
	347	Part	00	24.0	00	59	
	137/3	Part	00	19.0	00	47	
	227	Part	00	18.0	00	45	
Gondi	168/1A	Part	00	30.0	00	74	
	147/2	qart	00	02.0	00	05	
	159/2	Part	00	01.0	00	02	
	167/2	Part	00	01.0	00	02	
	148/1	Part	00	02.0	00	05	
	147/4	Part	00	00.5	00	01	
	151	Part	00	03.0	00	08	

[F.No.R-31015/20/95-OR-II]
K.C. KATOCH, Under Secy.

नई विली, 13 नवम्बर, 1996

का.आ. 3253.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि विशाखा से विजयवाड़ा होकर आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखापट्टनम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन विलाई जाना चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार को यही प्रतीत होता है कि इस प्रयोजन के लिए उस भूमि में, जिसके नीचे प्रस्तावित पाइपलाइन विलाई जाना है और जो इस अधिसूचना के साथ संलग्न सूची में वर्णित है, उपयोग का अधिकार प्रदित्त किया जाना आवश्यक है।

प्रतः अब केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की ऊपरांत (1) द्वारा प्रवत्त प्रतियोगों का प्रयोग करते हुए उसमें अपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है :

उक्त अमूसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस तरीके से, जिसको भारत के राजपत्र में पथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियोगी साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इकोनिं दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइप लाइन के सम्बन्ध में या उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने से रांची लिखित में आक्षेप, सक्षम प्राप्तिकरी, श्री एम रामाकृष्ण राव, सक्षम प्राप्तिकरी, विशाखा-विजयवाड़ा पाइपलाइन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, डी. रा. 15-2-22/1, हरा निवास, आई.बी.पी., सेन्ट्रुरी क्लब के पास, बी.ए.रोड, विशाखापट्टनम-530002 आनंद प्रदेश को कर सकता है।

अनुसूची

मंडल : पेन्नूर्ती राज्य : आनंद प्रदेश जिला : विशाखापट्टनम

प्राप्त	सर्वे नं०/ सद विविजन	क्षेत्रफल			
		हेक्टेयर	आर	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
नर्सा	479/6ए भाग	00	13.0	00	33
	479/8सी भाग	00	05.0	00	12
	480/2 भाग	00	07.0	00	18
	479/10ए भाग	00	05.0	00	12
	481/9 भाग	00	01.0	00	02
	477/6 भाग	00	00.5	00	01
	481/10 भाग	00	02.0	00	05
	409/4 भाग	00	05.5	00	13
	409/9 भाग	00	00.5	00	01
	416/1 भाग	00	17.0	00	43
	418/9 भाग	00	03.0	00	08
	420/10 भाग	00	04.5	00	11
	420/13 भाग	00	01.0	00	02
	420/15 भाग	00	14.5	00	36
	315/24 भाग	00	02.0	00	05
	317/7 भाग	00	03.5	00	08
	7/3 भाग	00	20.0	00	5
	482/2सी भाग	00	05.5	00	13
जेरसीपोतुला पालेम	85	भाग	00	78.0	01
	82/1	भाग	00	18.0	00
	82/2	भाग	00	07.0	00
	82/8	भाग	00	02.0	00
	76/6	भाग	00	06.0	00
	78/1	भाग	00	34.0	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
चिन्तागढ़ा	86/1	भाग	00	07.5	00
चिन्तागढ़ा संतह	86/3	भाग	00	06.0	00

[फारूसं. प्लाट-31015/2/95-ओ भाग II भाग]
केंद्रो सो. कट्टोच, अवर सचिव

New Delhi, the 13th November, 1996

S.O. 3253.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh through Visakhapatnam to Vijayawada, a pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Kri bna Rao, Competent Authority, Visakhapatnam Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IPB Century Club, Beach Road, Visakhapatnam, (Andhra Pradesh)-530002.

Schedule

Mandal:Pendurti District:Visakhapatnam
State:Andhra Pradesh

Name of Village (1)	Survey No./ Sub. Division (2)	Area			
		Hec- (3)	Acres (4)	Areas (5)	Cent (6)
Narava	479/6A	Part 00	13.0 00	33	
	479/8C	Part 00	05.0 00	12	
	480/2	Part 00	07.0 00	18	
	479/10A	Part 00	05.0 00	12	
	481/9	Part 00	01.0 00	02	
	477/6	Part 00	00.5 00	01	
	481/10	Part 00	02.0 00	05	
	409/4	Part 00	05.0 00	13	
	409/9	Part 00	00.5 00	01	
	416/1	Part 00	17.0 00	43	
	418/9	Part 00	03.0 00	08	
	420/10	Part 00	04.5 00	11	
	420/13	Part 00	01.0 00	02	
	420/15	Part 00	14.5 00	36	
	315/24	Part 00	02.0 00	05	
	317/7	Part 00	03.5 00	08	
	7/3	Part 00	20.0 00	50	
	482/2C	Part 00	05.5 00	13	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Jerrapotulapalem	85	Part	00	78.0	01
	82/1	Part	00	18.0	00
	82/2	Part	00	07.0	00
	82/3	Part	00	02.0	00
	76/6	Part	00	06.0	00
	78/1	Part	00	34.0	00
					84
Chintagatla	86/1	Part	00	07.5	00
	86/3	Part	00	06.0	00
					15

[E. No. R-31015/2/95-OR-II Part]
K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 सप्तम्बर, 1996

का.आ. ३२५४.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकहिन में यह धाराशयक है कि विशाला से विजयशाला होकर आंध्र प्रदेश राज्यमें विशालापट्टनम से विजयशाला तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हित्युस्तान पेट्रोलियम कौपीरेण लिमिटेड ब्रारा पाल्प लाइन बिछाई आना चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार को यह भी प्रतीत होता है कि इस प्रयोगन के लिए उम्मीद में, जिसके नीचे प्रस्तावित पाइपलाइन बिलाई जानी है और जो इस प्रधानमंत्री के साथ संतुल दृश्यी में बरित है, अपरोग का अधिकार अर्जित किया जाना आवश्यक है।

अतः ग्रन्थ केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपर्योग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की द्वारा (1) गण प्रदत्त एविसयों का प्रयोग करने द्वारा उसमें उपर्योग के अधिकार का अर्जन करते के अपने भाग य की विषया करती है :

उमत अनुसूची में अणित भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिसको भारत के राजवद्व में यथाग्रकान्ति इस अधिकृचमा की प्रतियां माधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इकीम दिन के भीतर, यि के नीचे पाइपलाइन बिलाने के संबंध में या अन्यमें उपयोग अके अधिकार कार का अर्जन करने संबंधी लिखित में श्राविषेप सभ्यम प्राधिकारी श्री एम. रामाकृष्णा राव, सक्षम प्राधिकारी, शास्त्रा-विजयवाडा पाइपलाइन पट्टियोजना हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, डी.सं. 15-2-22/1, हारा निवास, ग्राइ. बी. पी. सेन्टरी ब्लॉक के पास, वीच रोड, विशाखा-पट्टनम-530002 आधि प्रदेश को कर सकता है।

अन्त सूची

मंडल : गोपालपुरम् राज्य : आन्ध्र प्रदेश जिला पश्चिम गोदावरी

प्राम	सर्वे नं०। सब डिविजन	धौतकल			
		हैकटेक्टर	प्रार.	एकड	सेन्ट.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
भीमोलु	371/2४	भाग	00	10.0	00
	376/2	भाग	00	03.0	00
	436/1	भाग	00	14.5	00
	438	भाग	00	03.0	00
	424/4	भाग	00	10.0	00
	484	भाग	00	29.5	00
	135/2	भाग	00	030	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
भीमोल—ज.री	135/2	भाग	00 12.5	00	31
	135/4	भाग	00 15.0	00	37
	132/2	भाग	00 12.0	00	30
	127/1	भाग	00 12.0	00	30
एल्लचिंतलागुडेम	536/3	भाग	00 52.0	01	29
गोपालपुरम	143/1	भाग	00 08.5	00	21
	140	भाग	00 22.5	00	55
	65	भाग	00 01.5	00	04
	138/1	भाग	00 22.5	00	56
	77/2एफ	भाग	00 08.5	00	21
	79	भाग	00 21.0	00	52
	5/2	भाग	00 04.0	00	10
	108/8	भाग	00 03.5	00	09
कारीचंद्रलागुडेम	303	भाग	00 24.0	00	59
	169/2	भाग	00 06.5	00	16
	168/1 शी	भाग	00 01.0	00	02
	168/2 शी	भाग	00 11.03	00	27
	168/1सी	भाग	00 02.0	00	05
	168/1बी2	भाग	00 01.6	00	04
	168/2बी2	भाग	00 01.5	00	04
	167/1	पूरा	00 01.0	00	03
	167/2बी	भाग	00 09.5	00	23
	167/3	भाग	00 15.00	00	37
	168/1ई	भाग	00 03.5	00	09
	170/2	भाग	00 01.0	00	03
	170/3	भाग	00 00.5	00	01
	171	भाग	00 10.5	00	26
	173	भाग	00 03.5	00	09
	166/2	भाग	00 00.5	00	01
	166/1	भाग	00 13.5	00	33
	139	भाग	00 42.0	01	05
	174/1	भाग	00 08.0	00	20
	174/2	पूरा	00 01.0	00	03
जगन्नाथपुरम	119/2	भाग	00 01.5	00	04
	119/4	भाग	00 02.5	00	06
	119/11	भाग	00 11.5	00	29
	120/1	भाग	00 15.0	00	37
	123	भाग	00 20.5	00	51
	124/1	भाग	00 00.5	00	01
	124/3ए	भाग	00 0.3	00	08
	128/1	भाग	00 00.5	00	01
	130/9	भाग	00 04.0	00	10
	142/1	भाग	00 27.0	00	67
जगन्नाथपुरम	168/1बी	भाग	00 03.0	00	07
	168/2	भाग	00 18.5	00	46
	175/1	भाग	00 21.0	00	52
	176/6	भाग	00 11.0	00	27
	192/2	भाग	00 03.0	00	07
	192/3	भाग	00 25.0	00	62
	198/2	भाग	00 52.0	01	28
	217	भाग	00 39.5	00	98

[फॉर्म सं. आर-31015/9/95-ओ प्रार II भाग]
के.सी. वटीष, अवर सचिव

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3254.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh through Visakhapatnam to Vijayawada, a pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam, (Andhra Pradesh)-530 002.

Schedule

Mandal : Gopalapuram District : West Godavari
State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub. Division	Area			
		Hectare	Acre	Cents	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Bhimolu	371/2A	Part	00	10.0	00
	376/2	Part	00	03.0	00
	436/1	Part	00	14.5	00
	438	Part	00	03.0	00
	424/4	Part	00	10.0	00
	484	Part	00	29.5	00
	135/2	Part	00	03.0	00
	135/3	Part	00	12.5	00
	135/4	Part	00	15.0	00
	132/2	Part	00	12.0	00
	127/1	Part	00	12.0	00
Vellachintalagudem	536/3	Part	00	52.0	01
Gopalapuram	143/1	Part	00	08.5	00
	140	Part	00	22.	00
	138/1	Part	00	22.5	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	77/2F	Part	00	08.5	00
	79	Part	00	21.0	00
	5/2	Part	00	04.0	00
	108/8	Part	00	03.5	00
Karicherlagudem	303	Part	00	24.0	00
	169/2	Part	00	06.5	00
	168/1D	Part	00	01.0	00
	168/2D	Part	00	11.0	00
	168/1C	Part	00	02.0	00
	168/1B2	Part	00	01.5	00
	168/2B2	Part	00	01.5	00
	167/1	Full	00	01.0	00
	167/2B	Part	00	09.5	00
	167/3	Part	00	15.0	00
	168/1E	Part	00	03.5	00
	170/2	Part	00	01.0	00
	170/3	Part	00	00.5	00
	171	Part	00	10.5	00
	173	Part	00	03.5	00
	166/2	Part	00	00.5	00
	166/1	Part	00	13.5	00
	139	Part	00	42.0	01
	174/1	Part	00	08.0	00
	174/2	Full	00	01.0	00
Jagannadhapuram	119/2	Part	00	01.5	00
	119/4	Part	00	02.5	00
	119/11	Part	00	11.5	00
	120/1	Part	00	15.0	00
	123	Part	00	20.5	00
	124/1	Part	00	00.5	00
	124/3A	Part	00	03.0	00
	128/1	Part	00	00.5	00
	130/9	Part	00	04.0	00
	142/1	Part	00	27.0	00
	168/1B	Part	00	03.0	00
	168/2	Part	00	18.5	00
	175/1	Part	00	21.0	00
	176/6	Part	00	11.0	00
	192/2	Part	00	03.0	00
	192/3	Part	00	25.0	00
	195/2	Part	00	52.0	00
	217	Part	00	39.5	00

[F. No. R-31015/9/95-OR II Part]
K. C. KATOCH, Under Secy.

मई विल्सी, 14 नवम्बर, 1996

का.प्रा. 3253.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि विशाखा से विजयवाड़ा होकर आंध्र प्रदेश राज्य में विशाखापट्टनम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन विशाई जाना चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार को यह भी प्रतीत होता है कि वह प्रयोजन के लिए उस भूमि में, जिसके नीचे प्रस्तावित पाइपलाइन विशाई जानी है और जो इस अधिसूचना के साथ संलग्न भूमि में वर्णित है, उपयोग का अधिकार अंजित किया जाना आवश्यक है।

यह अब केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) भी उधारा 3 की धारा (1) द्वारा प्रत्येक शक्तियों का प्रयोग करते हुए उसमें अपयोग के अधिकार का अर्जन करने के प्रयत्न प्राप्तय की घोषणा करती है :

उक्त अनुसूची में अंगत भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से, जिसको भारत के राजनव में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साक्षात्कारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इकोसिस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन विछाने के संबंध में या उपयोग के अधिकार का अर्जन करने संबंधी लिखित में धारेप, सशम प्राधिकारी, श्री एम. रामाकृष्णा राव, सक्षम प्राधिकारी, विशाखा-विजयवाड़ा पाइपलाइन परियोजना हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, डी.सं. 15-2-22/1, हारा निवास आई. वी. पी. सेक्यूरी क्लब के पास भीत्र रोड, विशाखा-पट्टनम-530002 आंध्र प्रदेश को कर सकता है।

अनुसूची

मंडल : बेवरपल्लि		जिला : पश्चिम गोदावरी	
राज्य : आंध्र प्रदेश			
प्राम	सर्वे नं. / सब डिवीजन	क्षेत्रफल	संट
(1)	(2)	(3)	(4)
		हेक्टेयर	आर
		(5)	(6)
यावबोलू	3/1 भाग	00	03.0
	2/4 भाग	00	02.5
	17 भाग	00	02.0
	16/1 भाग	00	00.5

[का.सं. प्रा-31015/8/95-ओ भार-II भाग]
के, सी. कटोच, मंवर सचिव

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3255.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh through Visakhapatnam to Vijayawada, a pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made

available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakh-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam, (Andhra Pradesh)-530 002.

Schedule						
Mandal : Devarapalli	District : West Godavari					
State : Andhra Pradesh						
Name of Village	Survey No./	Area				
		Sub. Division	Hectare	Arcs	Acres	Cents
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Yadavolu	3/1	Part	00	03.0	00	08
	2/4	Part	00	02.5	00	06
	17	Part	00	02.0	00	05
	16/1	Part	00	00.5	00	01

[F. No. R-31015/8/95-OR II Part]
K. C. Katoch, Under Secy.

नई शिल्पी, 14 नवम्बर, 1996

का. आ. 3256.—केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकलिन में यह आवश्यक है कि विद्युतीय से विद्युतीय होकर आंध्र प्रदेश राज्य में विद्युतीय पट्टनम से विद्युतीय तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉम्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जाना चाहिए।

और केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इस प्रयोजन के लिए उस भूमि में, जिसके नीचे प्रस्तावित पाइपलाइन बिछाई जानी है और जो इस अधिसूचना के साथ संलग्न ग्रंथी में वर्णित है, उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाना आवश्यक है।

अतः घब्र केंद्रीय सरकार पेट्रोलियम और अन्तिम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन (परिधिनियम, 1968 (1962 का 50) की घारा 3 की उप घारा (1) द्वारा प्रदत्त शब्दियों का प्रयोग करते हुए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आलय की घोषणा करता है :—

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवंच्च कोई व्यक्ति उस तारीख से जिसको भारत के राजपत्र में यथाप्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियोगी साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के संबंध में या उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने संबंधी लिखित में आक्षेप संक्षम प्राधिकारी, श्री एम. रामाकृष्ण राव, सभा प्राधिकारी, विद्युतीय-विजयवाडा पाइपलाइन परियोजना हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉम्पोरेशन लिमिटेड ई. सं. 15-2-22/6 घारा निवास आई. बी. पी. मेन्कुरी भवन के पास, बीच रोड, विद्युतीय पट्टनम-5300007 आंध्र प्रदेश को कर महाता है।

अनुसूची
मंडप : तलापुडि जिला : परिचम गोदावरी
राज्य भान्ध प्रदेश

ग्राम	सर्वेंम् सब इष्टियोजन	रक्तकल			
		हेक्टेयर	भाग	एकड़	सेन्ट.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
विद्युतीय	112/4	भाग	00	06.5	00
रामोलपालि	260/1	भाग	00	00.5	00
	254/1	भाग	00	04.0	00
	253 1	भाग	00	03.0	00
	253/3ए	भाग	00	10.5	00
	253/3वी	भाग	00	01.0	00
	253/3सी	भाग	00	08.5	00
	252/4टी	भाग	00	11.5	00
	232/2	भाग	00	15.0	00
	232/4	भाग	00	11.5	00
शूपाकुमार्हम	143/3	भाग	00	03.0	00
	143/1	भाग	00	00.5	00
	144/4	भाग	00	05.0	00
	144/3	भाग	00	08.0	00
	147/2	भाग	00	06.0	00
	158/2	भाग	00	00.7	00
	142/4	घाम	00	02.0	00
प्रसादेवरमेटा	171/1	भाग	00	32.5	00
	171/2	भाग	00	02.0	00
	155	भाग	00	08.0	00
	151	भाग	00	09.5	00
	152/1टी	भाग	00	12.5	00
	53/7	भाग	00	16.0	00
	52/3वी	भाग	00	06.0	00
	318/1	भाग	00	20.0	00
	317/3	भाग	00	28.5	00

[का. सं. आर-31015/7/95-ओ भार-II भाग]
के, सी. कटोल, प्रब्रह्म सत्यवा

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3256.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh through Visakhapatnam to Vijayawada, a pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam, (Andhra Pradesh)-530 002.

Schedule

Mandal : Tallapudi

District : West Godavari

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub. Division	Area			
		Hectare	Ares	Acres	Cents
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Bayyavaram	112/4	Part	00	06.5	00
Ragolapalli	260/1	Part	00	00.5	00
	254/1	Part	00	04.0	00
	253/1	Part	00	03.0	00
	253/3A	Part	00	10.5	00
	253/3B	Part	00	01.0	00
	253/3C	Part	00	03.5	00
	252/4A	Part	00	11.5	00
	232/2	Part	00	15.0	00
	232/4	Part	00	11.5	00
Tupakulagudem	143/3	Part	00	03.0	00
	143/1	Part	00	00.5	00
	144/4	Part	00	05.0	00
	144/3	Part	00	08.0	00
	147/2	Part	00	06.0	00
	158/2	Part	00	09.0	00
	142/4	Part	00	02.0	00
Annadevarapeta	171/1	Part	00	32.5	00
	171/2	Part	00	02.0	00
	155	Part	00	09.0	00
				22	

1	2	3	4	5	6	7
Annadevarapeta (Contd.)	151	Part	00	09.5	00	24
	152/1A	Part	00	12.5	00	31
	53/7	Part	00	16.0	00	40
	52/3C	Part	00	06.0	00	15
	318/1	Part	00	20.0	00	50
	317/3	Part	00	28.5	00	71

[F. No. R-31015/7/95-OR II Part]
K. C. Katoch, Under Secy.

नई विल्सो, 14 नवम्बर, 1996

का.आ. 3257 केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लक्ष्मीहित में यह आवश्यक है कि विशाखा से विजयवाड़ा होकर ओंध्र प्रदेश राज्य में विणाखापट्टनम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए रिमुस्तान पेट्रोलियम कौपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन बिल्डाई जानी चाहिए।

ओर केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इस प्रयोजनके लिए ऊपर भूमि में, जिसके नीचे प्रस्तावित पाइप लाइन बिल्डाई जानी है और जो इस अधिसूचना के साथ संलग्न सूची में वर्णित है, उपयोग का प्रधिकार अर्जित किया जाना आवश्यक है।

अतः अब केंद्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पा पला न (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की तरह धारा (1) द्वारा प्रदत्त शिल्पों का प्रयोग कर हुए, उसमें उपयोग के प्रधिकार का अर्जन करने के अपने आवश्यकीय की ओपण करती है :

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध कोई अति, उस तारीख से, जिसको भारत के राजपत्र में यथाप्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां राधारण जनता को उपलब्ध करादी जाती है, इकोस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाईन विद्युत के संबंध में या उनसे उपयोग के प्रधिकार धारा अर्जन करने संबंधी लिखित में आज्ञा, संधम प्राधिकारी, श्री एम. रामाकृष्ण राव, संभम प्राधिकारी, विशाखा-विजयवाड़ा पाइपलाईन परियोजना हिम्बुस्तान पेट्रोलियम कौपोरेशन, ई.स. 15-2-22/1, हारा निवास प्राई. बी. शूपी, सेन्कुरी कल्ब के पास बीच गोड, विशाखा-पट्टनम-530002 आंध्र प्रदेश को कर सकता है।

अनुमति

मंडल : कासिमकोटा

राज्य : आनंद प्रदेश

जिला : विशाखापट्टनम

ग्राम	सर्वे नं. सब्र डिविजन	सत्राफल			
		हेख्टर	आर	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
चक्रम	47/23 झी	भाग	00	07.0	00
	47/23 सी	भाग	00	03.0	00
	47/23 झी	भाग	00	07.5	00
	34/11	भाग	00	05.5	00
	34/7 सी	भाग	00	06.0	00
	51/4	भाग	00	02.5	00
	76/10	भाग	00	11.5	00
	91/8	भाग	00	04.5	00
	47/24 झी	भाग	00	00.5	00
	51/14ग	भाग	00	00.5	00
	90	भाग	00	23.5	00
थोडा	316/10	भाग	00	09.5	00
	316/11	भाग	00	03.0	00
	315/13	भाग	00	05.00	00
	70/13	भाग	00	02.0	00
	86/11	भाग	00	03.5	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	86/4	भाग	00	04.0	00
	85/1	भाग	00	02.0	00
	163/10	भाग	00	02.0	00
	163/6	भाग	00	04.5	00
	158/23	भाग	00	27.0	00
	131/2	भाग	00	06.5	00
	168/31	भाग	00	02.5	00
प्रदाम	79/2	भाग	00	14.5	00
	79/19	भाग	00	36.5	00
असरजा	27/1	भाग	00	27.0	00
	28/2	भाग	00	29.5	00
	29/1	भाग	00	33.5	0
	25/1 बी 5	भाग	00	14.0	00
	25/1 बी 6	भाग	00	13.0	00
	25/1 बी 7	भाग	00	03.0	00
	25/1 बी 16	भाग	00	15.0	00
	25/1 बी 19	भाग	00	13.0	00
	25/1 बी 20	भाग	00	03.0	00
	25/1 बी 28	भाग	00	13.0	00
	25/1 बी 29	भाग	00	03.0	00
	25/1 सी/17	भाग	00	15.5	00
	25/1 सी/24	भाग	00	65.5	00
	25/1 सी/25	भाग	00	05.5	00
	25/1 ए	भाग	00	01.5	00
	25/1 बी/17	भाग	00	01.5	00
	25/1 सी/18	भाग	00	01.5	00

(ट. सं. : प्रार 31015/6/95 ओ आर भाग)॥

के.सो. रोच, प्रब्रह्म सचिव

Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam, (Andhra Pradesh)-530 002.

Schedule

Mandal : Kaisikota

District : Visakhapatnam

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No. Sub. Division	Area			
		Hectare	Acres	Cent	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Charakam	47/23D	Part	00	07.0	00
	47/23C	Part	00	03.0	00
	47/23B	Part	00	07.5	00
	34/11	Part	00	05.5	00
	34/7C	Part	00	06.0	00
	51/4	Part	00	02.5	00
	76/10	Part	00	11.5	00
	91/8	Part	00	04.5	00
	47/24B	Part	00	00.5	00
	51/14A	Part	00	00.5	00
	90	Part	00	23.5	00
Theeda	316/10	Part	00	09.5	00
	316/11	Part	00	03.0	00
	315/13	Part	00	06.0	00
	70/18	Part	00	02.0	00
	86/11	Part	00	03.5	00
	86/4	Part	00	04.0	00
	85/1	Part	00	02.0	00
	163/10	Part	00	02.0	00
	163/6	Part	00	04.5	00
	158/23	Part	00	27.0	00
	131/2	Part	00	06.5	00
	168/31	Part	00	02.5	00
Addam	79/2	Part	00	14.5	00
	79/19	Part	00	36.5	00

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3257.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh through Visakhapatnam to Vijayawada, a pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited.

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha—2801 GI/96—9.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	15
Atcherla	27/1 Part	00	27.0	00	67
	28/2 Part	00	29.5	00	73
	29/1 Part	00	33.5	00	83
	25/1B5 Part	00	14.0	00	35
	25/1B6 Part	00	13.0	00	32
	25/1B7 Part	00	03.0	00	08
	25/1B16 Part	00	15.0	00	38
	25/1B19 Part	00	13.5	00	33
	25/1B20 Part	00	03.0	00	07
	25/1B28 Part	00	13.0	00	32
	25/1B29 Part	00	03.0	00	07
	25/1C/17 Part	00	15.5	00	38
	25/1C/24 Part	00	06.5	00	16
	25/1C/25 Part	00	05.5	00	14
	25/1A Part	00	01.5	00	04
	25/1B/17 Part	00	01.5	00	04
	25/1C/18 Part	00	01.5	00	04

[F. No. R-31015/6/95-OR II Part]
K. C. Katoch, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1996

का. आ. 3258.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकहित में यह आवश्यक है कि विशाखा से विजयवाडा होकर औद्ध प्रदेश राज्य में विशाखापट्टनम से विजयवाडा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जाना चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार को यह भी प्रतीत होता है कि इस प्रयोजन के लिए उस भूमि में, जिसके नीचे प्रस्तावित पाइपलाइन बिछाई जानी है और जो इस अधिसूचना के साथ संलग्न मूल्यों में वर्णित है, उपयोग का प्रधिकार अर्जित किया जाना आवश्यक है।

अतः इस केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और अन्तिम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की धारा (1) धारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय कोषणा करती है :

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीख से जिसको भारत के राजसत्र में यथास्थानित इस अधिसूचना की प्रतियं साधारण जनता को उपबंध करा दी जाती है, इक्कोस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन विछाने के संबंध में या उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने संबंधी लिखित में आश्रेष्ट समझ प्राधिकारी, श्री एम. रामाकृष्णा राव, समक्ष प्राधिकारी विशाखा-विजयवाडा पाइपलाइन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, डी. सं. 15-2-22/1 हारा निवास, आई. बी. पी. मेन्टेनेंस विभाग के पास, शीर्ष संघ, विशाखा-पट्टनम-530002 औद्ध प्रदेश को कर सकता है।

अनुसूची

मंड़व : संध्या बारम

जिला : विशाखापट्टनम

राज्य : औद्ध प्रदेश

प्राम	मर्वेन सर फिरिजन	क्षेत्रफल			
		इक्केंद्र	भार	एकड़	मेन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
नारपाड़	189 भाग	00	51.0	01	26
	183/6 भाग	00	03.0	00	08
	183/26 भाग	00	07.5	00	18
	183/27 भाग	00	07.0	00	17
	180/31 भाग	00	05.5	00	13
	187/32 भाग	00	03.0	00	07
	190/1 भाग	00	00.5	00	01
	227/1 एंड 2 भाग	00	09.5	00	24
	225/1 से 4 भाग	00	54.0	01	32
	226/1 से 7 भाग	00	80.5	01	94
	143/15 एस भाग	00	05.5	00	13
गालिर्भीमावरम्	21/7 भाग	00	04.0	00	10
	21/9 भाग	00	04.0	00	10

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
गालिर्भीमावरम्	83/2 भाग (संतत...)	00	6.0	00	15
	85/6 भाग	00	6.5	00	16
	85/8 भाग	00	06.5	00	16
	84/21 भाग	00	01.0	00	02
	78/2 भाग	00	07.5	00	18
	83/10 भाग	00	06.5	00	16
	83/13 भाग	00	02.5	00	06
	48/1 भाग	00	07.5	00	18
	48/5 भाग	00	01.5	00	04
	47/1 भाग	00	11.5	00	28
	47/2 भाग	00	05.5	00	14
	47/4 भाग	00	01.0	00	02
	47/5 भाग	00	01.5	00	04
	46/7 भाग	00	05.5	00	13
	90/5 भाग	00	00.5	00	01
	47/7 भाग	00	01.5	00	04
डी. सीतारामपुरम्	7/2 भाग	00	44.0	03	09
	13/4 भाग	00	11.5	00	29
	13/5 भाग	00	03.0	00	08
	13/7 भाग	00	03.5	00	21
	15/3 भाग	00	12.5	00	31
	24 भाग	00	11.5	00	29
	15/2 भाग	00	15.0	00	37
इरवाडा	5/1, 2, 4 भाग	00	13.5	00	33
	137/6 भाग	00	02.0	00	05
	137/8 भाग	00	17.5	00	43
	18/7 भाग	00	00.5	00	01
	7/से 3.5 भाग	00	17.5	00	43
	3/ए 2 भाग	00	04.5	00	11
	4/1 भाग	00	00.5	00	01
	8/ से 5 भाग	00	27.0	00	76
	134 भाग	00	06.0	00	15
	135/13 भाग	00	06.5	00	16
	135/21 भाग	00	02.5	00	06
	135/30 भाग	00	05.0	00	12
	135/32 भाग	00	03.0	00	07
	135/33 भाग	00	02.5	00	06
	151/1 भाग	00	07.0	00	17
	151/2 भाग	00	07.5	00	18
	144/14 भाग	00	04.5	00	11
	144/15 भाग	00	04.0	00	10
अम्बलापल्ली	210 भाग	00	23.0	00	57
	17/15 भाग	00	00.5	00	01
गोल्ललपल्ली	44/2 भाग	00	02.5	00	06
	44/3 भाग	00	04.5	00	11
	44/4 भाग	00	00.5	00	01
	44/9 भाग	00	04.0	00	10
अम्बुधापुरम्	374 भाग	00	04.5	00	11
	371/3 भाग	00	06.0	00	15
	371/4 भाग	00	16.0	00	40
	394/2 भाग	00	29.5	00	73
	433/10 भाग	00	10.5	00	25
	340/2 भाग	00	02.0	00	05
	340/4 भाग	00	01.0	00	03
	299/5 भाग	00	00.5	00	01
	299/19 भाग	00	00.5	00	01
	299/21 भाग	00	01.0	00	02
	299/27 भाग	00	06.0	00	15
	299/28 भाग	00	02.0	00	05
	299/29 भाग	00	03.5	00	09
	428/5 भाग	00	04.5	00	11
	428/10 भाग	00	01.5	00	04
	428/12 भाग	00	01.5	00	04
	433/5 भाग	00	25.0	00	60

[क. सं. : आर-31015/4/95-ओ शार II भाग]
के. सी. कटोल, एवं सचिव

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3258.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh through Visakhapatnam to Vijayawada, a pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam, (Andhra Pradesh)-530 002.

Schedule

Mandal : Sabhavaram

District : Visakhapatnam

State : Andhra Pradesh

Name of Village (1)	Survey No./ Sub. Division (2)	Area			
		Hectare (3)	Ares (4)	Acres (5)	Cents (6)
Narapadu	189	Part	00	51.0	01
	183/8	Part	00	03.0	00
	183/26	Part	00	07.5	00
	183/27	Part	00	07.0	00
	180/31	Part	00	05.5	00
	187/32	Part	00	03.0	00
	190/1	Part	00	00.5	00
	227/1 & 2	Part	00	09.5	00
	225/1 to 4	Part	00	54.0	01
	226/1 to 7	Part	00	80.5	01
	143/1S	Part	00	05.5	00
	21/7	Part	00	04.0	00
Galibheemavaram	21/9	Part	00	04.0	00
	85/2	Part	00	06.0	00
	85/6	Part	00	06.5	00
	85/8	Part	00	06.5	00
	84/21	Part	00	01.0	00
	78/2	Part	00	07.5	00
	83/10	Part	00	06.5	00
	83/13	Part	00	02.5	00
	48/1	Part	00	07.5	00
	48/5	Part	00	01.5	00
	47/1	Part	00	11.5	00
	47/2	Part	00	05.5	00
	47/4	Part	00	01.0	00
	47/5	Part	00	01.5	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	46/71	Part	00	05.5	00
	90/5	Part	00	00.5	00
	47/7	Part	00	01.5	00
D. Sitaramapuram	7/2	Part	00	44.0	01
	13/4	Part	00	11.5	00
	13/5	Part	00	03.0	00
	13/7	Part	00	08.5	00
	15/3	Part	00	12.5	00
	24	Part	00	11.5	00
	15/2	Part	00	15.0	00
Iruvada	5/1, 2, 4	Part	00	13.5	00
	137/6	Part	00	02.0	00
	137/8	Part	00	17.5	00
	18/7	Part	00	00.5	00
	7/1 to 3, 5	Part	00	17.5	00
	3/1A	Part	00	04.5	00
	4/1	Part	00	00.5	00
	8/1 to 5	Part	00	27.0	00
	134	Part	00	06.0	00
	135/13	Part	00	06.5	00
	135/21	Part	00	02.5	00
	135/30	Part	00	05.0	00
	135/32	Part	00	03.0	00
	135/33	Part	00	02.5	00
	151/1	Part	00	07.0	00
	151/2	Part	00	07.5	00
	144/14	Part	00	04.5	00
	144/15	Part	00	04.0	00
Asakapalli	210	Part	00	23.0	00
	17/15	Part	00	00.5	00
Gollalapalem	44/2	Part	00	02.5	00
	44/3	Part	00	04.5	00
	44/4	Part	00	00.5	00
	44/9	Part	00	04.0	00
Amrutanapuram	374	Part	00	04.5	00
	371/3	Part	00	06.0	00
	371/4	Part	00	16.0	00
	394/2	Part	00	29.5	00
	433/10	Part	00	10.5	00
	340/2	Part	00	02.0	00
	340/4	Part	00	01.0	00
	299/5	Part	00	00.5	00
	299/19	Part	00	00.5	00
	299/21	Part	00	01.0	00
	299/27	Part	00	06.0	00
	299/28	Part	00	02.0	00
	299/29	Part	00	03.5	00
	428/5	Part	00	04.5	00
	428/10	Part	00	01.5	00
	428/12	Part	00	01.5	00
	433/5	Part	00	20.0	00

[F. No. R-31015/4/95 OR II Part]
K. C. Katoch, Under Secy.

ਮਈ ਪਿੱਲੀ, 14 ਨਵਮੰਬਰ, 1996

कामा 3250 केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकसभा में यह आवश्यक है कि विशाखा से विजयवाड़ा होकर आधि प्रदेश राज्य में विशाखापट्टनम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाहसूअर बिलाई जाना चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि स प्रयोजन के लिए उत्तर भूमि में, जिसके नीचे प्रस्तावित पाषपलाइन बिछाई जाती है और जो इस धरिमूलमा के साथ संबंध सूची में वर्णित है, उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाना आवश्यक है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और जूनियर पाइपलाइन भूमि में उपयोग के प्रधिकार का अर्जन (1962 का 50) उपयोग के प्रधिकार का अर्जन करने के अपने प्राप्ति की घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस तारीख से, जिसको भारत के राजपत्र में यथाप्रतिष्ठित स प्राधिसूचना की प्रतियाँ, साधारण अनुत्तर को उपलब्ध करा दी जाती है, उक्तसे यिन के भीतर भूमि के नीचे पहाड़ों व बड़नालियों के संबंध में आ उत्तर में उपयोग के प्रधिकार का अर्जन करने संबंधी लिखित में आक्षेप सक्षम प्रधिकारी, श्री एम. रामाकृष्ण राव, सक्षम प्राधिकारी विजयवाडा व पाहला इनपरियोजना हितवुस्तान पेट्रोलियम कॉम्पोरेशन लिमिटेड डी. सं. 15-2-22/1 हारा निवास, ईंज़ों पो.० सेण्ट्रली पांच सेन्ट्रल हैंडल के पास, बीच रोड, विजयवाडा-पट्टनम-53002 आध्र प्रदेश को कर सकता है।

निहित होगा।

अनुसूची

मंडल : चोदावरम

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

जिला : विजयवाडा पट्टनम

प्राप्ति	सर्वे सं.	सेर. इफल			
		सब डिवीजन	क्लेटेपर	भार	एकड़ सेट्ट.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
मूल्य	386/17 भाग	00	05.0	00	13
	386/18 भाग	00	03.0	00	07
	388/1 भाग	00	05.5	00	14
	372/12 भाग	00	01.5	00	04
	372/11 भाग	00	02.0	00	05
	362 भाग	00	05.0	00	12
	363/5 भाग	00	05.0	00	12
	359/15 भाग	00	08.5	00	21
	266/8 भाग	00	14.5	00	36
	267/21 भाग	00	02.0	00	06
	267/4 भाग	00	05.0	00	12
	267/7 भाग	00	03.0	00	08
	275/3 भाग	00	03.0	00	08
	276/22 भाग	00	09.0	00	22
	276/14 भाग	00	11.5	00	29
	276/13 भाग	00	01.5	00	04
	276/12 भाग	00	02.0	00	05
	276/11 भाग	00	05.0	00	12
	276/10 भाग	00	05.0	00	12
	276/7 भाग	00	02.0	00	05
	276/6 भाग	00	08.0	00	20
	276/5 भाग	00	02.0	00	05

	1	2	3	4	5	6
	323 भाग	00	17.5	00	43	
	358/11 भाग	00	03.0	00	03	
	307 भाग	00	23.0	00	57	
मूल्य	309/1 भाग	00	34.5	00	86	
	297/1 भाग	00	07.0	00	17	
	297/2 भाग	00	05.0	00	12	

[फा.सं. : घार-31015/3/95-ओ घार II घार
के.सी. कटीब. घवर सचिव]

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3259.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh through Visakhapatnam to Vijayawada, a pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakhapatnam-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-22/1, Hara Niwas, Near IBP Century Club, Beach Road, Visakhapatnam, (Andhra Pradesh)-530 002.

SCHEDULE

Mandal : Chodavaram

State : Andhra Pradesh

District : Visakhapatnam

Name of Village	Survey no./Sub. Division		Area			
			Hectare	Ares	Acres	Cents
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Mudurti	386/17	Part	00	05.0	00	13
	386/18	Part	00	03.0	00	07
	388/1	Part	00	05.5	00	14
	372/12	Part	00	01.5	00	04

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Muddurthi (Contd.)	372/11 Part	00	02.0	00	05
	362 Part	00	05.0	00	12
	363/5 Part	00	05.0	00	12
	359/15 Part	00	08.5	00	21
	266/8 Part	00	14.5	00	36
	267/21 Part	00	02.0	00	06
	267/4 Part	00	05.0	00	12
	267/7 Part	00	03.0	00	08
	275/3 Part	00	03.0	00	08
	276/22 Part	00	09.0	00	22
	276/14 Part	00	11.5	00	29
	276/13 Part	00	01.5	00	04
	276/12 Part	00	02.0	00	05
	276/11 Part	00	05.0	00	12
	276/10 Part	00	05.0	00	12
	276/7 Part	00	02.0	00	05
	276/6 Part	00	08.0	00	20
	276/5 Part	00	02.0	00	05
	323 Part	00	17.5	00	43
	358/11 Part	00	03.0	00	08
	307 Part	00	23.0	00	57
	309/1 Part	00	34.5	00	86
	297/1 Part	00	07.0	00	17
	297/2 Part	00	05.0	00	12

[F. No. :R-31015/3/95-OR-II Part
K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1996

का. ना. 3260-केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि विश्वासा से विजयवाड़ा होकर आंध्र प्रदेश राज्य में विश्वासापट्टनम से विजयवाड़ा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइप लाइन बिछाई जानी चाहिए।

और केन्द्रीय सरकार जो यह भी जल्दी होता है कि इस प्रयोजन के लिए उस भूमि में, जिसके भीचे प्रस्तावित पाइपलाइन बिछाई जानी है और उस अधिसूचना के साथ सलग्न सूची में वर्णित है, उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाना आवश्यक है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 का उपाधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए। उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आपमें की घोषणा करती है :

उक्त असुल्ली में वर्णित भूमि में हितबंद बोर्ड अधिकारी, उस सारीख से जिसको भारत के राजपत्र में अथवा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियाँ, साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के भीचे वाइपलाइन बिछाने के संबंध में या उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने संबंधी विविध में आक्षेप जथम प्राधिकारी श्री एम. रामाकृष्ण राव, सक्षम प्राधिकारी, विश्वासा-विजयवाड़ा पाइपलाइन परियोजना हिन्दुस्तान पेट्रोलियम वैनपोरेशन लिमिटेड, ऑ.से. 15-2-22/1 हाय निवास, आई. बी. पी. सेम्बुरी यलव के पास, धीर रोड, विश्वासा-पट्टनम-530002 ओड्स प्रदेश को कर सकता है।

मंडल : बुचेपाटेटा अनुसूची जिला : विश्वासा-पट्टनम
राज्य : आंध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे नं. सब डिवीजन	थोरफल			
		हेक्टेयर	भार	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
आर. शीमाचरम	10/1 भाग	00	05.5	00	12
	22/15 भाग	00	03.0	00	08
	26/30 भाग	00	01.0	00	02
आर. शिवायमपुरम	42/12 भाग	00	05.5	00	13
	43/5 भाग	00	03.0	00	12
	44/4 भाग	00	15.00	00	38
	47/6 भाग	00	07.0	00	17
	63/5 भाग	00	16.00	00	39
	63/10 भाग	00	01.0	00	03
	68/1 भाग	00	29.0	00	72
	68/2 भाग	00	04.0	00	10
	79/3 भाग	00	45.0	01	12
	78/4 भाग	00	11.5	00	28
	78/8 भाग	00	01.0	00	02
	76/12 भाग	00	03.0	00	08

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
आर शिवराम पुरम 80/1 (जारी)	भाग	00	03.5	00	10
80/2	भाग	00	03.5	00	09
91/6	भाग	00	05.5	00	14
91/14	भाग	00	05.5	00	11
79/1	भाग	00	33.0	00	83
61/5	भाग	00	03.0	00	07
61/8	भाग	00	12.0	00	29
प्रथमपालेम	भाग	00	08.5	00	21
21/9	भाग	00	02.0	00	05
27/20	भाग	00	02.5	00	06
27/12	भाग	00	05.0	00	12
62/3	भाग	00	05.5	00	14
27/17	भाग	00	01.0	00	03
मूर्तिपालेम	भाग	00	05.5	00	13
81/5	भाग	00	15.5	00	33
93/12	भाग	00	00.5	00	01
93/11	भाग	00	01.5	00	04
मत्स्यम	भाग	00	08.0	00	20
195/5	भाग	00	01.5	00	04
192/17	भाग	00	02.0	00	05
136/2	भाग	00	37.5	00	93
137/9	भाग	00	07.5	00	19
144/8	भाग	00	16.0	00	40
315/9	भाग	00	19.0	00	47
316/3	भाग	00	07.0	00	17
316/4	भाग	00	01.5	00	04
317/6	भाग	00	05.5	00	14

[फा.सं. : आर-31015/5/95-ओ भार II भाग]
के, सी. कटोब, अवर मध्यव

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3260.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh through Visakhapatnam to Vijayawada, a pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid, and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri M. Rama Krishna Rao, Competent Authority, Visakha-Vijayawada Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D. No. 15-2-221, Hara Niwas, Near IBP Century Club Beach Road, Visakhapatnam, (Andhra Pradesh)—530 002.

SCHEDULE

Mandal : Butchayyapeta

State : Andhra Pradesh

District : Visakhapatnam

Name of Village	Survey No./Sub. Division		Area			
	Hectare	Ares	Acres	Cents		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
R. Bheemavaram	10/1	Part	00	05.5	00	12
	22/15	Part	00	03.0	00	08
	26/30	Part	00	01.0	00	02
R. Sivarampuram	42/12	Part	00	05.5	00	13
	43/5	Part	00	05.0	00	12
	44/4	Part	00	15.0	00	38
	47/6	Part	00	07.0	00	17
	63/5	Part	00	16.0	00	39
	63/10	Part	00	01.0	00	03
	68/1	Part	00	29.0	00	72
	68/2	Part	00	04.0	00	10
	79/3	Part	00	45.0	01	12

(1)	(2)	(3)	(4)	(6)	(6)
	78/4	Part	00	11.5	00
	78/8	Part	00	01.0	00
	76/12	Part	00	03.0	00
	80/1	Part	00	03.5	00
	80/2	Part	00	03.5	00
	91/6	Part	00	05.5	00
	91/4	Part	00	05.5	00
	79/1	Part	00	33.0	00
	61/5	Part	00	03.0	00
	61/8	Part	00	12.0	00
Appampalem	22/21	Part	00	08.5	00
	21/9	Part	00	02.0	00
	27/20	Part	00	02.5	00
	27/12	Part	00	05.0	00
	62/3	Part	00	05.5	00
	27/17	Part	00	01.0	00
Bhupatipalem	74/1	Part	00	05.5	00
	81/5	Part	00	15.5	00
	93/12	Part	00	00.5	00
	93/11	Part	00	01.5	00
Mallam	195/4	Part	00	08.0	00
	195/5	Part	00	01.5	00
	192/17	Part	00	02.0	00
	136/2	Part	00	37.5	00
	137/9	Part	00	07.5	00
	144/8	Part	00	16.0	00
	315/9	Part	00	19.0	00
	316/3	Part	00	07.0	00
	316/4	Part	00	01.5	00
	317/6	Part	00	05.5	00

[F. No. R-31015/5/95-OR-II Part]
K. C. KATCCH, Under Secy.

मई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1996

का. आ. 3261 :—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) और (2) के अधीन आर्यों की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस भंडालय की प्रधिसूचना संख्या का. आ. 239 तारीख 11 जनवरी, 1996 द्वारा विशालाकाष्ठटनम से, पेट्रोलियम क. परिवहन आन्द्र प्रदेश राज्य में विजयदाहा को करने के लिए, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन सिमिटेंड द्वारा पाइपलाइन विभाने के प्रयोजनार्थ उक्त प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन की, अपने आप की घोषणा की थी;

ओ९ उक्त राजपत्र प्रधिसूचना की प्रतियाँ जमसा को तारीख 15 मई, 1996 को उपलब्ध करा थी थी;

और सक्षम प्राधिकारी से उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे थी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विवार करने के पश्चात् यह समाधान ही गया है कि इस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

प्रतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 6 को उपधारा (1) द्वारा प्रदूष शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमि में पाइप लाइन विभाने के लिए उपयोग का अधिकार प्राप्ति करने की घोषणा करती है—

गह और कि, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने का नजाए सभी विभागों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन सिमिटेंड में निहित होगा।

मंडल : शंकवरम्		प्रान्त : प्रान्तशः प्रदेश		जिला : पूर्व गोदावारी		(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
प्राम	सब उचित्यजन	सर्वे म०/	क्षेत्रफल			श्रीगंगारम् (जारी)	32/3ए	भाग	00	03.0	00	07	
		हैटर	आर	एकड़	सेट		33/4	भाग	00	01.0	00	03	
वि. वैकटापुरम्	33/5	भाग	00	13.5	00	33	34/1	भाग	00	26.5	00	68	
	34/1	भाग	00	11.0	00	27	34/1ए	भाग	00	11.0	00	27	
	34/3ए	भाग	00	00.5	00	01	34/1वी	भाग	00	11.0	00	27	
	32/4वी2	भाग	00	07.5	00	18	34/2	भाग	00	11.0	00	27	
	32/4वी2	भाग	00	11.0	00	27	35/3	भाग	00	00.5	00	01	
	31/1ए	भाग	00	00.5	00	01	36/1ए	भाग	00	09.5	00	23	
	26/3वी	भाग	00	02.0	00	05	36/2	भाग	00	09.5	00	24	
	26/4वी	भाग	00	10.0	00	25	36/3	भाग	00	11.5	00	29	
	26/5वी	भाग	00	12.5	00	31	38/1	भाग	00	11.0	00	26	
	71/6	भाग	00	26.5	00	66	39/1	भाग	00	21.0	00	52	
वि. कोसपलिल	61/1वी	भाग	00	22.5	00	56	39/2	भाग	00	22.5	00	55	
	61/2वी	भाग	00	16.0	00	39	70/2	भाग	00	00.5	00	01	
	64/5	भाग	00	03.0	00	07	70/3	भाग	00	05.5	00	14	
	64/6	भाग	00	09.5	00	23	70/4	भाग	00	08.0	00	20	
	65/3	भाग	00	08.0	00	20	70/6	भाग	00	06.0	00	15	
	65/6	भाग	00	03.0	00	08	70/7वी	भाग	00	04.0	00	10	
	73	भाग	00	25.5	00	63	70/7वी	भाग	00	04.5	00	11	
	72/1ए	भाग	00	24.5	00	60	70/7वी	भाग	00	02.5	00	06	
	72/2	भाग	00	14.0	00	35	70/7वी	भाग	00	07.0	00	17	
	81/6	भाग	00	02.0	00	05	69/7एक	भाग	00	10.00	00	25	
	82/1	भाग	00	02.5	00	06	67/4	भाग	00	09.0	00	22	
	94/2	भाग	00	07.0	00	17	67/5	भाग	00	09.0	00	22	
	94/3	भाग	00	25.5	00	63	67/6वी	भाग	00	06.0	00	15	
	92/1	भाग	00	15.0	00	37	67/6वी	भाग	00	01.0	00	03	
	91/2	भाग	00	09.5	00	24	67/7एक	भाग	00	01.0	00	02	
	91/3	भाग	00	16.5	00	41	91/1	भाग	00	01.5	00	04	
	89	भाग	00	05.5	00	14	91/2	भाग	00	31.5	00	78	
	90/1	भाग	00	35.0	00	86	91/3ए	भाग	00	14.5	00	36	
	111/2	भाग	00	18.0	00	45	प्रजिक्षम्पेटा	178/1वी	भाग	00	19.5	00	48
	111/4	भाग	00	00.5	00	01	178/2	भाग	00	01.0	00	03	
	113	भाग	00	18.0	00	45	172/1	भाग	00	17.5	00	43	
शंकवरम्	144/2	भाग	00	03.5	00	09	172/3	भाग	00	00.5	00	01	
	144/3	भाग	00	04.0	00	10	171/3	भाग	00	01.5	00	04	
	144/4	भाग	00	21.0	00	52	171/4	भाग	00	23.5	00	58	
	144/5	भाग	00	02.0	00	05	गोतुलप्रदि	500	भाग	00	17.5	00	43
	47/2वी	भाग	00	07.0	00	17	498	भाग	00	37.0	00	91	
	47/2वी	भाग	00	39.5	00	98	421	भाग	00	05.5	00	13	
	30/4	भाग	00	11.0	00	27	426/2	भाग	00	18.5	00	46	
	45/1	भाग	00	01.5	00	04	426/3	भाग	00	11.5	00	28	
	45/3ए	भाग	00	03.5	00	09	426/4	भाग	00	09.0	00	22	
	45/3वी	भाग	00	09.5	00	23	435	भाग	00	19.00	00	47	
	44/3ए	भाग	00	01.0	00	02	409/2	भाग	00	10.5	00	26	
	31/3	भाग	00	01.0	00	02	402/2	भाग	00	29.5	00	73	
	32/2वी	भाग	00	10.0	00	25	431/2	भाग	00	01.5	00	04	
	32/2वी	भाग	00	18.0	00	45	399	भाग	00	20.00	00	50	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	New Delhi, the 14th November, 1996
	380	भाग	00	16.0	00	39
	364/2	भाग	00	01.0	00	02
	364/3	भाग	00	00.5	00	01
	354	भाग	00	28.0	00	69
	290	भाग	00	05.0	00	12
	348	भाग	00	12.5	00	31
	343	भाग	00	00.5	00	01
	344	भाग	00	08.0	00	20
	295	भाग	00	12.0	00	30
	294	भाग	00	02.0	00	05
	138/1	भाग	00	13.5	00	33
	138/2	भाग	00	07.5	00	18
	138/3	भाग	00	03.0	00	07
	139/2	भाग	00	07.5	00	19
	141/2	भाग	00	10.5	00	26
	241/1	भाग	00	14.0	00	34
	241/2	भाग	00	04.5	00	11
	237	भाग	00	12.5	00	31
	236	भाग	00	11.5	00	29
	238	भाग	00	01.5	00	04
	234	भाग	00	01.0	00	03
	228	भाग	00	26.5	00	65
	226	भाग	00	30.5	00	75
	224	भाग	00	13.0	00	32
	222	भाग	00	00.5	00	01
	223	भाग	00	11.5	00	28
गोंडि	114/2	भाग	00	05.5	00	14
	114/3	भाग	00	10.0	00	25
	133/2	भाग	00	01.5	00	04
	133/1	भाग	00	30.5	00	75
	134/1	भाग	00	12.0	00	30
	135/2	भाग	00	22.5	00	55
	136/1	भाग	00	18.0	00	45
	137/2	भाग	00	31.0	00	77
	138/1	भाग	00	24.5	00	60
	138/3	भाग	00	00.5	00	01
	139/1ए	भाग	00	13.5	00	33
	139/2	भाग	00	14.0	00	34
	139/3ए	भाग	00	00.5	00	01
	147/1	भाग	00	00.5	00	01
	159/1	भाग	00	00.5	00	01
	159/4	भाग	00	03.5	00	09
	158	भाग	00	42.0	01	04
	155	भाग	00	05.5	00	14

[क. स. अ. र. : 1015/20/95-ओ आर II]
के. सो. कटोल, प्रबन्ध सचिव

S.O. 3261.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 239, dated the 11th January, 1996 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said Gazette Notification were made available to the public on the 15th May, 1996;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances,

SCHEDULE

Mandal : Sankavaram

State : Andhra Pradesh

District : East Godavari

Name of Village	Survey No./Sub. Division	Area				
		Hectare	Ares	Acre	Cents.	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
V. Venkatapuram	33/5	Part	00	13.5	00	33
	34/1	Part	00	11.0	00	27
	34/3A	Part	00	00.5	00	01
	32/4B2	Part	00	07.5	00	18
	32/4C2	Part	00	11.0	00	21
	31/1A	Part	00	00.5	00	01
	26/3B	Part	00	02.0	00	05
	26/4B	Part	00	10.0	00	25
	26/5B	Part	00	12.5	00	31
	21/6	Part	00	26.5	00	66
G. Kothapalli	61/1C	Part	00	22.5	00	56
	61/2B	Part	00	16.0	00	39
	64/5	Part	00	03.0	00	07
	64/6	Part	00	09.5	00	23
	65/3	Part	00	08.0	00	20
	65/6	Part	00	03.0	00	08
	73	Part	00	25.5	00	63
	72/1A	Part	00	24.5	00	60
	72/2	Part	00	14.0	00	35
	81/6	Part	00	02.0	00	05
	82/1	Part	00	02.5	00	06
	94/2	Part	00	07.0	00	17
	94/3	Part	00	25.5	00	63
	92/1	Part	00	15.0	00	37
	91/2	Part	00	09.5	00	24
	91/3	Part	00	16.5	00	41
	89	Part	00	05.5	00	14
	90/1	Part	00	35.0	00	86
	111/2	Part	00	18.0	00	45
	111/4	Part	00	00.5	00	01
Srungavaram	113	Part	00	18.0	00	45
	144/2	Part	00	03.5	00	09
	144/3	Part	00	04.0	00	10
	144/4	Part	00	21.0	00	52
	144/5	Part	00	02.0	00	05
	47/2B	Part	00	07.0	00	17
	47/2C	Part	00	39.5	00	98
	30/4	Part	00	11.0	00	27
	45/1	Part	00	01.5	00	04
	45/3A	Part	00	03.5	00	09
	45/3B	Part	00	09.5	00	23
	44/3A	Part	00	01.0	00	02
	31/8	Part	00	01.0	00	02
	32/2C	Part	00	10.0	00	25
	32/2E	Part	00	18.0	00	45

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Srungavaram (Contd.)	32/3A Part	00	03.0	00	07
	33/4 Part	00	07.5	00	18
	34/1A Part	00	01.0	00	03
	34/1B Part	00	26.5	00	66
	34/2 Part	00	11.0	00	27
	35/3 Part	00	00.5	00	01
	36/1A Part	00	09.5	00	23
	36/2 Part	00	09.5	00	24
	36/3 Part	00	11.5	00	29
	38/1 Part	00	11.0	00	27
	39/1 Part	00	2.0	00	52
	39/2 Part	00	22.5	00	55
	70/2 Part	00	00.5	00	01
	70/3 Part	00	05.5	00	14
	70/4 Part	00	08.0	00	20
	70/6 Part	00	06.0	00	15
	70/7B Part	00	04.0	00	10
	70/7C Part	00	04.5	00	11
	70/7D Part	00	02.5	00	06
	70/7E Part	00	07.0	00	17
	69/7F Part	00	10.0	00	25
	67/4 Part	00	09.0	00	22
	67/5 Part	00	09.0	00	22
	67/6C Part	00	06.0	00	15
	67/6D Part	00	01.0	00	03
	67/6F Part	00	01.0	00	02
	91/1 Part	00	01.5	00	04
	91/2 Pari	00	31.5	00	78
	91/3A Part	00	14.5	00	36
Atchampeta	178/1B Part	00	19.5	00	48
	178/2 Part	00	01.0	00	03
	172/1 Part	00	17.5	00	43
	172/3 Part	00	00.5	00	01
	171/3 Part	00	01.5	00	04
	171/4 Part	00	23.5	00	58
Routhulapudi	500 Part	00	17.5	00	43
	498 Part	00	37.0	00	91
	424 Part	00	05.5	00	13
	426/2 Part	00	18.5	00	46
	426/3 Part	00	11.5	00	28
	426/4 Part	00	09.0	00	22
	435 Part	00	19.0	00	47
	409/2 Part	00	10.5	00	26
	402/2 Part	00	29.5	00	73
	401/2 Part	00	01.5	00	04
	399 Part	00	20.0	00	50
	398 Part	00	14.5	00	36
	395 Part	00	00.5	00	01
	397 Part	00	02.0	00	05
	396 Part	00	28.0	00	69
	589 Part	00	16.5	00	41
	590 Part	00	03.5	00	09
	591/1 Part	00	01.5	00	04
	380 Part	00	16.0	00	39
	364/2 Part	00	01.0	00	02

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Routhulupudi (Contd.)	364/3	Part	00	00.5	00
	354	Part	00	28.0	00
	350	Part	00	05.0	00
	348	Part	00	12.5	00
	343	Part	00	00.5	00
	344	Part	00	08.0	00
	295	Part	00	12.0	00
	294	Part	00	02.0	00
	138/1	Part	00	13.5	00
	138/2	Part	00	07.5	00
	138/3	Part	00	03.0	00
	139/2	Part	00	07.5	00
	141/2	Part	00	10.5	00
	241/1	Part	00	14.0	00
	241/2	Part	00	04.5	00
	237	Part	00	12.5	00
	236	Part	00	11.5	00
	238	Part	00	01.5	00
	234	Part	00	01.0	00
	228	Part	00	26.5	00
	226	Part	00	30.5	00
	224	Part	00	13.0	00
	222	Part	00	00.5	00
	223	Part	00	11.5	00
Gondi	114/2	Part	00	05.5	00
	114/3	Part	00	10.0	00
	133/2	Part	00	01.5	00
	133/1	Part	00	30.5	00
	134/1	Part	00	12.0	00
	135/2	Part	00	22.5	00
	136/1B	Part	00	18.0	00
	137/2C	Part	00	31.0	00
	138/1	Part	00	24.5	00
	138/3	Part	00	00.5	00
	139/1A	Part	00	13.5	00
	139/2	Part	00	14.0	00
	139/3A	Part	00	00.5	00
	147/1	Part	00	00.5	00
	159/1	Part	00	00.5	00
	159/4	Part	00	03.5	00
	158	Part	00	42.0	01
	155	Part	00	05.5	00

[F. No. R-31015/20/95-OR-II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
गंडपाडलपालेम (जारा)	18/203 भाग 41 भाग 19/3 भाग 20/2 भाग 20/3 भाग	00	15.5 00 00 00 00	00 76 44 74 09	38

[फा.सं. : आर-31015/17/95-ओ भार II/
के. सी. कटोच, प्रदर्श सचिव]

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3262.—Whereas by a Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 236, dated the 11th January, 1996 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said Gazette Notification were made available to the public on the 15th May, 1996;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

District : West Godavari

Mandal : Koyyalagudem

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./Sub. Division	Area			
		Hectare	Ares	Acre	Censit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Chopparamannagudem	154/1A Part	00	37.5	00	93
	154/1B Part	00	23.5	00	58
	155/2B5 Part	00	10.5	00	26
	155/2B6 Part	00	03.0	00	07
	112 Part	00	68.0	01	68
	113 Part	00	17.0	00	42
	115/1 Part	00	03.0	00	07
	86/3A Part	00	01.0	00	03
	86/3B Part	00	08.0	00	20
	85/2 Part	00	02.5	00	06
	84/1 Part	00	02.5	00	06
	84/2 Part	00	12.5	00	31
	84/3 Part	00	05.0	00	12
	83/2 Part	00	26.0	00	64
	82/2 Part	00	11.5	00	29

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Ponguturu	88/1 Part	00	01.0	00	03
	88/2 Part	00	21.0	00	52
	88/3 Part	00	01.5	00	04
	88/4 Part	00	01.5	00	04
	86/1 Part	00	10.0	00	25
	86/2 Part	00	10.5	00	26
	87/1 Part	00	03.0	00	07
	81/3 Part	00	02.5	00	06
	81/4 Part	00	06.0	00	15
	81/5 Part	00	04.5	00	11
	81/6 Part	00	03.0	00	07
	79 Part	00	18.5	00	46
	46/4 Part	00	36.5	00	90
	44/7 Part	00	02.5	00	06
	44/9 Part	00	05.5	00	13
	44/10 Part	00	05.5	00	14
	44/12 Part	00	04.0	00	10
	44/13 Part	00	04.5	00	11
	44/14 Part	00	05.5	00	14
	47 Part	00	13.5	00	33
	29/1 Part	00	20.0	00	50
	27/1 Part	00	20.0	00	50
	27/2 Part	00	13.5	00	33
	24/1 Part	00	01.0	00	02
	25/2 Part	00	13.0	00	32
	25/3 Part	00	10.0	00	25
	6 Part	00	31.0	00	76
	3/1 Part	00	16.0	00	40
	3/2 Part	00	09.0	00	22
	3/3 Part	00	07.5	00	19
	3/4 Part	00	08.0	00	20
	10/1 Part	00	07.5	00	18
	10/4 Part	00	03.5	00	09
Eduvadalapalem	102 Part	00	79.5	01	96
	93 Part	00	75.0	01	85
	97 Part	00	14.0	00	34
	91 Part	00	40.0	00	99
	84/2 Part	00	52.0	01	28
	79/1B Part	00	19.0	00	47
	78/1 Part	00	30.5	00	75
	78/2 Part	00	04.5	00	11
	78/3 Part	00	06.0	00	15
	75 Part	00	07.0	00	17
	72/2 Part	00	25.5	00	63
	59/1 Part	00	07.5	00	18
	59/2 Part	00	07.5	00	19
	60/2C Part	00	14.5	00	36
	60/2D Part	00	07.5	00	18
	5/2C Part	00	31.0	00	76
	15/1 Part	00	10.5	00	26
	18/1A Part	00	03.5	00	09
	18/1C Part	00	02.0	00	05
	18/2A1 Part	00	01.5	00	04

1	2	3	4	5	6
Eduvadalapalem (Contd.)	18/2A2 Part	00	00.5	00	01
	18/2A3 Part	00	15.5	00	38
	41 Part	00	31.0	00	76
	19/3 Part	00	18.0	00	44
	20/2 Part	00	30.0	00	74
	20/3 Part	00	03.5	00	09

F. No. R-31015/17/95-OR-II
K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1996

का. आ. 3263 : केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाहसूअरण (भूमि में उपयोग के प्रधिकारी का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) और (2) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की प्रधिसूचना संदर्भ का. आ. 238 तारीख 11 जनवरी, 1996 द्वारा विशाखापट्टनम से, पेट्रोलियम का परिवहन ग्राम्य प्रवेश राज्य में विषयवादी को करने के लिए, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाहसूअरण विभाग के प्रयोगनार्थ उक्त प्रधिसूचना से संलग्न घनुसूची में विनिष्टिट भूमि में उपयोग के प्रधिकारों के अर्जन की, अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र प्रधिसूचना की प्रत्यार्थ जनता को तारीख 13 अक्टूबर, 1996 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और सक्षम प्रधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस प्रधिसूचना से संलग्न घनुसूची में विनिष्टिट भूमि में उपयोग के प्रधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त सक्षियों का प्रयोग करते हुए, इस प्रधिसूचना से संलग्न घनुसूची में विनिष्टिट भूमि में पाहसूअरण विभाग के लिए उपयोग का प्रधिकार अंजित करने की घोषणा करती है;

यह और कि, केन्द्रीय सरकार उक्त आदय की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त सक्षियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्णय देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के प्रधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विलंबमों ने म.क्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

घनुसूची

मंडल : नासावरम् ग्राम्य प्रदेश जिला : विशाखापट्टनम्

ग्राम	सर्वे नं मव विविजन	क्षेत्रफल			
		फैक्टरी	आर	एकड़	सेन्ट
1	2	3	4	5	6
भैरोपलेम्	43/1 भाग	00	07.0	00	17
	61 भाग	00	03.0	00	07
	62 भाग	00	02.5	00	06

1	2	3	4	5	6
भैरोपलेम्	63/6 भाग	00	05.0	00	12
	63/7 भाग	00	03.0	00	07
	63/10 भाग	00	16.0	00	40
	64/2 भाग	00	27.5	00	68
	222/2 भाग	00	00.5	00	01
	223 भाग	00	18.5	00	46
	231/1 वी भाग	00	31.0	00	76
	236/1 ए 3 भाग	00	20.0	00	50
	289/2 भाग	00	25.5	00	63
	288 भाग	00	20.5	00	51
	290/4 एक भाग	00	14.5	00	36
	290/5 वी भाग	00	32.5	00	80
	244/2 भाग	00	23.5	00	58
	246/3 भाग	00	18.0	00	45
	245/2 भाग	00	01.0	00	02
	249 भाग	00	01.0	00	02
	250/1 ई भाग	00	13.0	00	32
	250/2 वी भाग	00	16.0	00	40
	250/3 भाग	00	00.5	00	01
	270/8 भाग	00	02.0	00	05
जलनेश्वरम्	148 भाग	00	12.5	00	31
	147 भाग	00	40.5	01	00
	149 भाग	00	01.5	00	04
	146/1 भाग	00	15.0	00	37
	146/2 भाग	00	04.5	00	11
	146/4 भाग	00	12.5	00	31
	144 भाग	00	24.5	00	61
	118/1 भाग	00	03.0	00	07
	118/2 भाग	00	24.0	00	59
	117/1 भाग	00	15.0	00	37
	115/1 भाग	00	16.5	00	41
	115/2 भाग	00	02.0	00	05
	116 भाग	00	20.0	00	49
	100 भाग	00	15.5	00	38
	98 भाग	00	01.5	00	04
	60/3 भाग	00	06.5	00	16
	60/4 भाग	00	11.5	00	28
	60/5 ए भाग	00	20.0	00	49
	60/2 भाग	00	00.5	00	01
	61/2वी भाग	00	08.5	00	21
	61/3 ए भाग	00	09.5	00	23

1	2	3	4	5	6	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
पञ्चमूलावट्टनम्	17/1 भाग	00	13.0	00	32	पि. वि. अग्रहा- र्म्-(गतत)	3/2 भाग	00	06.5	00	16
	4/1 द्वी भाग	00	22.5	00	55		3/3 भाग	00	03.0	00	07
	3/2 भाग	00	30.0	00	74		4/1 भाग	00	05.5	00	01
	2/1 ए भाग	00	25.0	00	62		4/2 भाग	00	19.5	00	48
	13/1 भाग	00	42.0	01	04		4/3 भाग	00	08.0	00	20
	14 भाग	00	31.5	00	78		6/1 भाग	00	01.5	00	04
	50/1 भाग	00	58.5	01	45		6/2 भाग	00	18.0	00	45
	69 भाग	00	55.0	01	36		13/1 भाग	00	17.5	00	43
	75 भाग	00	22.5	00	56	श्रुगवरम्	42/1 ए भाग	00	29.0	00	72
	74 भाग	00	26.5	00	66		42/13 द्वी भाग	00	02.5	00	08
	73 भाग	00	07.5	00	18		42/1 ई भाग	00	18.5	00	46
	78 भाग	00	28.5	00	70		42/3 भाग	00	23.5	00	58
	278 भाग	00	24.0	00	59		42/4 भाग	00	28.0	00	69
	277 भाग	00	24.0	00	59		42/6 ए भाग	00	06.0	00	15
	274/2 भाग	00	39.0	00	96		44 भाग	00	20.5	00	51
	272 भाग	00	02.5	00	06		46 भाग	00	35.0	00	87
	273 भाग	00	24.0	00	60		76/5 भाग	00	18.0	00	44
	263/1 भाग	00	05.5	00	14		76/6 भाग	00	14.5	00	36
	263/2 भाग	00	05.5	00	14		83/1 भाग	00	03.5	00	09
	269/2 भाग	00	25.0	00	62		83/4 भाग	00	01.0	00	02
प्रनतवद्मनाभपूर्वम्	177/2 भाग	00	02.5	00	06		84 भाग	00	20.0	00	50
(पि. वि.	175 भाग	00	11.5	00	28		86/4 भाग	00	16.0	00	40
प्रप्रहारम्)	164/6 भाग	00	00.5	00	01		80/1 भाग	00	21.0	00	52
	164/7 भाग	00	09.0	00	22	मण्डपूर्ट्टा	155 भाग	00	09.5	00	24
	164/8 भाग	00	01.0	00	02		170 भाग	00	11.5	00	28
	164/11 भाग	00	05.5	00	14		168/1 भाग	00	05.5	00	13
	164/12 भाग	00	05.0	00	12		168/2 भाग	00	09.5	00	23
	164/13 भाग	00	02.5	00	06		167 भाग	00	23.0	00	57
	164/14 भाग	00	00.5	00	01		172 भाग	00	01.0	00	02
	173/2 भाग	00	13.5	00	33		174 भाग	00	08.0	00	20
	170/1 भाग	00	11.5	00	28		175 भाग	00	16.0	00	40
	168/1 भाग	00	05.0	00	14		179 भाग	00	04.0	00	10
	168/2 भाग	00	06.0	00	15		176 भाग	00	40.5	01	00
	168/3 भाग	00	06.5	00	16		184 भाग	00	02.5	00	06
	151/5 भाग	00	18.0	00	44		185 भाग	00	14.0	00	35
पि. वि. प्रप्रहारम्	14/2 भाग	00	25.5	00	63		186/1 भाग	00	39.0	00	96
	39 भाग	00	24.0	00	59		372 भाग	00	11.0	00	27
	37/1 भाग	00	09.5	00	23		371 भाग	00	22.0	00	55
	37/2 भाग	00	01.5	00	04		375 भाग	00	16.0	00	40
	37/3 भाग	00	07.5	00	19		376 भाग	00	35.5	00	88
	37/4 भाग	00	04.0	00	10		360 भाग	00	31.5	00	78
	35/2 भाग	00	18.5	00	46		361 भाग	00	10.0	00	25
	35/3 भाग	00	00.5	00	01		362 भाग	00	08.0	00	20
	33/2 भाग	00	22.5	00	56		363 भाग	00	19.0	00	46
	21/2 भाग	00	03.0	00	07		345 भाग	00	28.5	00	71
	21/3 भाग	00	02.0	00	05		346 भाग	00	07.0	00	17
	21/4 भाग	00	09.5	00	23		350 भाग	00	00.5	00	01
	22 भाग	00	00.5	00	01		348/1 भाग	00	05.5	00	14
	20/7 भाग	00	00.5	00	01		348/2 भाग	00	31.0	00	76
	23/1 भाग	00	27.5	00	68		348/4 भाग	00	00.5	00	01
पि. वि. प्रप्रहारम्	2/3 भाग	00	00.5	00	01		344 भाग	00	00.5	00	01
	3/1 भाग	00	08.0	00	20						

New Delhi, the 14th November, 1996

1	2	3	4	5	6
परम्परामधुटणम्	20 भाग	00	14.5	00	36
	21/1 और 2 भाग	00	14.0	00	34
	22/1 भाग	00	03.0	00	07
	22/2 भाग	00	14.5	00	36
	23 भाग	00	05.0	00	12
	30 भाग	00	32.0	00	79
	35 भाग	00	05.0	00	12
	36 भाग	00	01.0	00	03
	37 भाग	00	15.0	00	37
	43 भाग	00	20.0	00	50
	62/1 भाग	00	00.5	00	01
	65 भाग	00	18.5	00	46
	66/1 भाग	00	01.0	00	02
	66/2 भाग	00	09.0	00	22
	67 भाग	00	16.5	00	42
	74 भाग	00	29.5	00	73
	72 भाग	00	18.0	00	45
चिरोलोपालेम	113 भाग	00	73.5	01	82
	115 भाग	00	23.0	00	57
	118 भाग	00	11.0	00	27
	119 भाग	00	45.0	01	11
	121/1 भाग	00	15.5	00	38
पट्टदलमपेटा	38/1 भाग	00	04.0	00	10
	38/3 भाग	00	08.0	00	20
	38/4 भाग	00	08.5	00	21
	39 भाग	00	02.5	00	06
	40 भाग	00	00.5	00	00
	49/11 भाग	00	01.5	00	04
	50/1 भाग	00	20.5	00	51
	50/2 भाग	00	00.5	00	01
	50/3 भाग	00	13.5	00	33
	50/4 भाग	00	03.0	00	07
	50/5 भाग	00	02.0	00	05
	54/1 भाग	00	17.0	00	42
	54/2 भाग	00	03.0	00	07

[का.सं. भार- 31015/19/95-जो भार-II]
के: सी. कटोब, प्रबन्ध मंत्री

SCHEDULE

Mandal : Nathavaram

District : Visakhapatnam

State : Andhra Pradesh

Name of Village (1)	Survey No./Sub. Division (2)	Area			
		Hectare (3)	Areas (4)	Acre (5)	Cents (6)
Cherlopalem	43/1	Part	00	07.0	00
	61	Part	00	03.0	00
	62	Part	00	02.5	00
	63/6	Part	00	05.0	00

S.O. 3263.—Whereas by a Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 238, dated the 11th January, 1996 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said Gazette Notification were made available to the public on the 13th April, 1996.

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And whereas, the Central Government has after considering the said report decided to acquire right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

	(1)	(2)	(3)	(4)		
Cherlapalayam (Concl.)		63/7 Part 63/10 Part 64/2 Part 222/2 Part 223 Part 231/1B Part 236/1A3 Part 289/2 Part 288 Part 290/4H Part 290/5B Part 244/2 Part 246/3 Part 245/2 Part 249 Part 250/1E Part 250/2B Part 250/3 Part 270/8 Part	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	03.0 16.0 27.5 00.5 18.5 31.0 20.0 25.5 20.5 14.5 32.5 23.5 18.0 01.0 01.0 13.0 16.0 02.5 02.0	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	07 40 68 01 46 76 50 63 51 36 80 58 45 02 02 32 40 01 05
Jalledupudi		148 Part 147 Part 149 Part 146/1 Part 146/2 Part 146/4 Part 144 Part 118/1 Part 118/2 Part 117/1 Part 115/1 Part 115/2 Part 116 Part 100 Part 98 Part 60/3 Part 60/4 Part 60/5A Part 60/2 Part 61/2C Part 61/3A Part	00 00	12.5 40.5 01.5 15.0 04.5 12.5 24.5 03.0 24.0 15.0 16.5 02.0 20.0 15.5 01.5 06.5 11.5 20.0 00.5 08.5 09.5	00 01 00	31 09 04 37 11 31 61 07 59 37 41 05 49 38 04 16 28 49 01 21 23
Mallubhupalapatnam		17/1 Part 4/1B Part 3/2 Part 2 1A Part 43/1 Part 44 Part 50/1 Part 69 Part 75 Part 74 Part 73 Part 78 Part 278 Part	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	13.0 22.5 30.0 25.0 42.0 31.5 58.5 55.0 22.5 26.5 07.5 28.5 24.0	00 00 00 00 01 00 01 01 00 00 00 00 00	32 55 74 62 04 78 45 36 56 66 18 70 59

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	.6
Mallubhupalaptnam (Contd.)	277	Part	00	24.0	00
	274/2	Part	00	39.0	00
	272	Part	00	02.5	00
	273	Part	00	24.0	00
	263/1	Part	00	05.5	00
	263/2	Part	00	05.5	00
	269/2	Part	00	25.0	00
Ananth Padmanabhapuram	177.2	Part	00	02.5	00
	175	Part	00	11.5	00
	164/6	Part	00	00.5	00
	164/7	Part	00	09.0	00
	164/8	Part	00	01.0	00
	164/11	Part	00	05.5	00
	164/12	Part	00	05.0	00
	164/13	Part	00	02.5	00
	164/14	Part	00	00.5	00
	173/2	Part	00	13.5	00
	170/1	Part	00	11.5	00
	168/1	Part	00	05.0	00
	168/2	Part	00	06.0	00
	168/3	Part	00	06.5	00
	151/5	Part	00	18.0	00
Y.B. Agraharam	14/2	Part	00	25.5	00
	39	Part	00	24.0	00
	37/1	Part	00	09.5	00
	37/2	Part	00	01.5	00
	37/3	Part	00	07.5	00
	37/4	Part	00	04.0	00
	35/2	Part	00	18.5	00
	35/3	Part	00	00.5	00
	33/2	Part	00	22.5	00
	21/2	Part	00	03.0	00
	21/3	Part	00	02.0	00
	21/4	Part	00	09.5	00
	22	Part	00	00.5	00
	20/7	Part	00	00.5	00
	23/1	Part	00	27.5	00
V.B. Agraharam	2/3	Part	00	00.5	00
	3/1	Part	00	08.0	00
	3/2	Part	00	06.5	00
	3/3	Part	00	03.0	00
	4/1	Part	00	00.5	00
	4/2	Part	00	19.5	00
	4/3	Part	00	08.0	00
	6/1	Part	00	01.5	00
	6/2	Part	00	18.0	00
	13/1	Part	00	17.5	00
Srungavaram	42/1A	Part	00	29.0	00
	42/1D	Part	00	02.5	00
	42/1E	Part	00	18.5	00
	42/3	Part	00	23.5	00
	42/4	Part	00	28.0	00
	42/6A	Part	00	06.0	00
	44	Part	00	20.5	00
	46	Part	00	35.0	00
	76/5	Part	00	18.0	00
	76/6	Part	00	14.5	00
	83/1	Part	00	03.5	00
	83/4	Part	00	01.0	00
	84	Part	00	20.0	00
	86/4	Part	00	16.0	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Manyapuratla	80/1	Part	00	21.0	00
	155	Part	00	09.5	00
	170	Part	00	11.5	00
	169/1	Part	00	05.5	00
	169/2	Part	00	09.5	00
	167	Part	00	23.0	00
	172	Part	00	01.0	00
	174	Part	00	08.0	00
	175	Part	00	16.0	00
	179	Part	00	04.0	00
	176	Part	00	40.5	01
	184	Part	00	02.5	00
	185	Part	00	14.0	00
	186/1	Part	00	39.0	00
	372	Part	00	11.0	00
	371	Part	00	22.0	00
	375	Part	00	16.0	00
	376	Part	00	35.5	00
	360	Part	00	31.5	00
	361	Part	00	10.0	00
	362	Part	00	08.0	00
	363	Part	00	19.0	00
	345	Part	00	28.5	00
	346	Part	00	07.0	00
	350	Part	00	00.5	00
	348/2	Part	00	05.5	00
	348/3	Part	00	31.0	00
	348/4	Part	00	00.5	00
	344	Part	00	00.5	00
Sarabhupalapatnam	20	Part	00	14.5	00
	21/1&2	Part	00	14.0	00
	22/1	Part	00	03.0	00
	22/2	Part	00	14.5	00
	23	Part	00	05.0	00
	30	Part	00	32.0	00
	35	Part	00	05.0	00
	36	Part	00	01.0	00
	37	Part	00	15.0	00
	43	Part	00	20.0	00
	62/1	Part	00	00.5	00
	65	Part	00	18.5	00
	66/1	Part	00	01.0	00
	66/2	Part	00	09.0	00
	67	Part	00	16.5	00
	74	Part	00	29.5	00
	72	Part	00	18.0	00
P. Kothagudem	113	Part	00	73.5	01
	115	Part	00	23.0	00
	118	Part	00	11.0	00
	119	Part	00	45.0	01
	121/1	Part	00	15.5	00
Peddajaggampeta	38/1	Part	00	04.0	00
	38/3	Part	00	08.0	00
	38/4	Part	00	08.5	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Peddajaggampeta (Contd.)	39	Part	00	02.5	00
	40	Part	00	00.5	00
	49/11	Part	00	01.5	00
	50/1	Part	00	20.5	00
	50/2	Part	00	00.5	00
	50/3	Part	00	13.5	00
	50/4	Part	00	03.0	00
	50/5	Part	00	02.0	00
	54/1	Part	00	17.0	00
	54/2	Part	00	03.0	00

[F. No. R-31015/19/95-OR-II]
K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 नवम्बर 1996

ज. आ. 1264 केन्द्रीय सरकार ने दोलियम और खनिज पारप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारी का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें हसक पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) और (2) के प्रवीन जरी की गई भारत सरकार के पट्टोलियम और प्राकृतिक गंग मंत्रालय की अधिकूचना में दोलियम का परिवहन आन्ध्र प्रदेश राज्य में विषयवादा को करने के लिए हिन्दुस्थान पट्टोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइगलाइन विद्युत के प्रयोजनार्थ उक्त अधिकूचना में गंगम अनुसूची में विनियोग भूमि में उपयोग के अधिकारों के प्राप्ति की, अपने आण्य की घोषणा की थी।

और उक्त राजपत्र अधिकूचना को प्रत्याजनका को तरीख 17 अप्रैल, 1996 को उपलब्ध कर दी गई थी;

और सकाम आधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उम रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् वह समाधान हो गया है कि इस आधिकूचना में नलगत अनुसूची में विनियोग भूमि में उपयोग के अधिकारी का प्राप्ति किया जाए।

मत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधानियस की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हैं, एस आधिकूचन में नलगत अनुसूची में विनियोग भूमि में गंगम लाइन विद्युत के लिए उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा गर्या है।

यह ओर कि, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हैं, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए भौमि विलगम से मुक्त होकर हिन्दुस्थान पट्टोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

मंड़म : कोट्टुरटला

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

जिला : विशाखापट्टनम

ग्राम	सर्वे नं सब डिवीजन	धेवफल			
		हैक्टेयर	आर	एक ट.	सैन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जल्लुरु	236	भाग	00	13.5	00
	236/5	भाग	00	32.0	00
	236/6	भाग	00	02.5	00
	236/11	भाग	00	11.5	00
	225	भाग	00	17.5	00
	206	भाग	00	06.5	00
	205	भाग	00	07.5	00
	203	भाग	00	28.5	00
	202/2	भाग	00	05.5	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
ग्रन्थापृष्ठ	४४/२	भाग	००	०६, ०	००
	४४/४	भाग	००	००, ५	००
	४४/५	भाग	००	१४, ०	००
	४३	भाग	००	१८, ५	००
	४२	भाग	००	५३, ५	०१
	६६	भाग	००	०९, ०	००
	६७/१	भाग	००	०५, ५	००
	६७/२	भाग	००	०३, ०	००
	१०४	भाग	००	०१, ०	००
	६९/१	भाग	००	०७, ०	००
	६९/२	भाग	००	१७, ५	००
	७०/३	भाग	००	०१, ५	००
	७०/४	भाग	००	१४, ५	००
	७५	भाग	००	१७, ५	००
	७६/१	भाग	००	१४, ०	००
	७६/२०	भाग	००	०३, ०	००
	७६/३०	भाग	००	००, ५	०१
	७७/१	भाग	००	०६, ५	००
	७७/२	भाग	००	०१, ५	००
	७७/३	भाग	००	०७, ५	००
	७८	भाग	००	०२, ५	००
	७९/४	भाग	००	०१, ५	००
	८१	भाग	००	०७, ५	००
	८३	भाग	००	११, ०	००
	८४/१	भाग	००	१०, ०	००
	८४/२	भाग	००	१३, ५	००
	८५	भाग	००	०८, ५	००
	१७४	भाग	००	२६, ५	००
	१७२/१०७	भाग	००	०२, ०	००
	१७२/१०८	भाग	००	०४, ०	००
	१७२/१४	भाग	००	०३, ०	००
	१७२/१५	भाग	००	०३, ०	००
	१७२/१६	भाग	००	०६, ५	००
	१७२/१७	भाग	००	००, ५	००
	१७२/१९	भाग	००	०५, ०	००
	१७२/२१०	भाग	००	०१, ०	००
	१७२/२१८	भाग	००	०५, ५	००
	१८६/१८	भाग	००	०९, ५	००
	१७०/१	भाग	००	०९, ०	००
	१७०/२	भाग	००	१३, ५	००
	१८७/१	भाग	००	०९, ५	००
	१८७/२	भाग	००	११, ५	००
	१८७/३	भाग	००	१३, ०	००
	१९०	भाग	००	०७, ५	००
	१९१/१	भाग	००	०३, ५	००
	१९१/२	भाग	००	०४, ०	००

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
मंकार (मंनत)	191/3 198/2 198/3 197/1 201/1 201/2 201/3 201/4प 201/5 203/1 203/2 228 230/3 231	भाग भाग भाग भाग भाग भाग भाग भाग भाग भाग भाग भाग भाग	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	05.5 02.0 12.0 03.0 07.0 05.0 06.0 00.5 01.0 14.5 22.0 28.0 12.5 00.5	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	13 05 30 08 17 12 15 01 02 36 54 69 31 01
दग्धु पामूलावाका	1 240/2ए/बी भाग 240/2ए/बी1 भाग 240/2बी भाग 240/2सी/2 भाग 240/3 240/5 239/5एफ2 भाग 239/6ए भाग 239/6बी भाग 242/2 208/1 208/2 208/3 206/2 204 201/3 212/2 सी भाग 231/1ए भाग 92/1 92/2 92/3बी भाग 102 107 109/9 69/1 67 66 76/1 77	भाग भाग	32.5 09.0 20.5 50.5 21.5 05.0 09.0 05.5 04.0 53.5 29.0 23.5 13.0 01.5 24.5 00.5 00.5 00.5 00.5 23.0 20.0 15.5 28.0 45.5 07.5 01.0 24.0 09.5 18.5	00 00 00 01 00 00 00 00 00 01 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	80 22 51 29 52 12 22 13 10 32 72 58 32 60 01 01 40 57 50 38 69 13 18 03 59 24 22 46	

बापिराजु कोत्तपल्लि	329	भाग	00	06.0	00	15
	331/1 से 12 भाग		00	43.5	01	07
	333/2 भाग		00	07.5	00	18
	333/4 भाग		00	19.0	00	47
	333/5 भाग		00	02.0	00	05
	334/1 भाग		00	17.5	00	43
	334/2 भाग		00	03.5	00	09
	378 भाग		00	31.0	00	77
	377/2 भाग		00	06.0	00	15
	371/4 भाग		00	00.5	00	01
	371/5 भाग		00	01.5	00	04
	435 भाग		00	52.0	01	29
	436 भाग		00	24.5	00	61
	437/1 भाग		00	15.5	00	38

[का.स. : आर-31015/13/95-ओ आर II]

के.सी. कटोरा, अवर सचिव

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3264.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 3126 dated the 22nd November, 1995 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh, by Hindustan Petroleum Corporation Limited ;

And whereas, copies of the said Gazette Notification were made available to the public on the 17th April, 1996 ;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government ;

And whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDE

District : Visakhapatnam

Mandal : Kotauratla

State : Andhra Pradesh

Name of Village (1)	Survey No./Sub. Division (2)	Area			
		Hectare (3)	Ares (4)	Acre (5)	Cents (6)
Jalluru	238 Part	00	13.5	00	33
	236/5 Part	00	32.0	00	79
	236/6 Part	00	02.5	00	06
	236/11 Part	00	11.5	00	29

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Jalluru (Contd.)					
	225	Part	00	17.5	00
	206	Part	00	06.5	00
	205	Part	00	07.5	00
	203	Part	00	28.5	00
	202/2	Part	00	05.5	00
Sunkapur					
	44/2	Part	00	06.0	00
	44/4	Part	00	00.5	00
	41/4	Part	00	14.0	00
	43	Part	00	18.5	00
	42	Part	00	53.5	01
	66	Part	00	09.0	00
	67/1	Part	00	05.0	00
	67/2	Part	00	03.0	00
	104	Part	00	01.0	00
	69/1	Part	00	07.0	00
	69/2	Part	00	17.5	00
	70/3	Part	00	01.5	00
	70/4	Part	00	14.5	00
	75	Part	00	17.5	00
	76/1	Part	00	14.0	00
	76/2A	Part	00	03.0	00
	76/3A	Part	00	00.5	00
	77/1	Part	00	06.5	00
	77/2	Part	00	01.5	00
	77/3	Part	00	07.5	00
	78	Part	00	02.5	00
	79/4	Part	00	04.5	00
	81	Part	00	07.5	00
	83	Part	00	11.0	00
	84/1	Part	00	10.0	00
	84/2	Part	00	13.5	00
	85	Part	00	08.5	00
	174	Part	00	26.5	00
	172/10A	Part	00	02.0	00
	172/10B	Part	00	04.0	00
	172/14	Part	00	03.0	00
	172/15	Part	00	03.0	30
	172/16	Part	00	06.5	00
	172/17	Part	00	00.5	00
	172/19	Part	00	05.0	00
	172/21A	Part	00	01.0	00
	172/21B	Part	00	05.5	00
	186/1A	Part	00	09.5	00
	170/1	Part	00	09.0	00
	170/2	Part	00	13.5	00
	187/1	Part	00	09.5	00
	187/2	Part	00	11.5	00
	187/3	Part	00	13.0	00
	190	Part	00	07.5	00
	191/1	Part	00	03.5	00
	191/2	Part	00	04.0	00
	191/3	Part	00	05.5	00
	198/2	Part	00	02.0	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Sunkapur (contd.)	198/3 Part	00	12.0	00	30
	197/1 Part	00	03.0	00	08
	201/1 Part	00	07.0	00	17
	201/2 Part	00	05.0	00	12
	201/3 Part	00	06.0	00	15
	201/4A Part	00	00.5	00	01
	201/5 Part	00	01.0	00	02
	203/1 Part	00	14.5	00	36
	203/2 Part	00	22.0	00	54
	228 Part	00	28.0	00	69
	230/3 Part	00	12.5	00	31
	231 Part	00	00.5	00	01
Thangedu	1 Part	00	32.5	00	80
Pamulavaka	240/2A/BPart	00	09.0	00	22
	240/2A/B 1 Part	00	20.5	00	51
	240/2B Part	60	50.5	01	29
	240/2C/2Part	00	21.5	00	52
	240/3 Part	00	05.0	00	12
	240/5 Part	00	09.0	00	22
	239/5F2 Part	00	05.5	00	13
	239/6A Part	00	04.0	00	10
	239/6B Part	00	53.5	01	32
	242/2 Part	00	29.0	00	72
	208/1 Part	00	23.5	00	58
	208/2 Part	00	13.0	00	32
	208/3 Part	00	01.5	00	04
	206/2 Part	00	24.5	00	60
	204 Part	00	00.5	00	01
	201/3 Part	00	00.5	00	01
	212/2C Part	00	00.5	00	01
	231/1A Part	00	16.0	00	40
	92/1 Part	00	23.0	00	57
	92/2 Part	00	20.0	00	50
	92/3B Part	00	15.5	00	38
	102 Part	00	28.0	00	69
	107 Part	00	45.5	01	13
	109/9 Part	00	07.5	00	18
	69/1 Part	00	01.0	00	03
	67 Part	00	24.0	00	59
	66 Part	00	09.5	00	24
	76/1 Part	00	09.0	00	22
	77 Part	00	18.5	00	46
Bapiraju Kothapalli	329 Part	00	06.0	00	15
	331/1 to 2 Part	00	43.5	01	07
	333/2 Part	00	07.5	00	18
	333/4 Part	00	19.0	00	47
	333/5 Part	00	02.0	00	05
	334/1 Part	00	17.5	00	43
	334/2 Part	00	03.5	00	09
	378 Part	00	31.0	00	77
	377/2 Part	00	06.0	00	15

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Bipiraju Kathapalli (Contd.)	371/4 Part	00	00.5	00	01
	371/5 Part	00	01.5	00	04
	435 Part	00	52.0	01	29
	436 Part	00	24.5	00	61
	437/1 Part	00	15.5	00	38

[F. No. R-31015/13/95-OR-II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1996

को. अ. 3265 केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारी का अर्जन) अधिसिव्यम, 1962 (1962 का 50) जिसे उसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) और (2) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस गंवातय की अधिसूचना संघर्ष का आ. 3127 तारीख 22 नवम्बर, 1995 द्वारा विशाखापट्टणम से, पेट्रोलियम का परिवहन और प्रदेश राज्य में विजयवाड़ा को करने के लिए, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन विलाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारी के अर्जन की, अपने प्राणय की घोषणा की थी :

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जमता को तारीख 1 अप्रैल, 1996 को उपलब्ध करायी गई थीं ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना ने संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाएँ।

अतः यद्य केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त अक्षियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमि में पाइप लाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित करनी है;

यह और कि, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अक्षियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए अभी विस्तरणों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

जिला : विशाखापट्टनम

राज्य : आनंद प्रदेश

मंडल : माक्कपालम

ग्राम (1)	सर्वे नं./ सब डिवीजन (2)	क्षेत्रफल			
		हेक्टेयर (3)	आर (4)	एकड़ (5)	सैन्ट (6)
बैंकभापालम	70/2 भाग	00	02.5	00	06
	80/1 भाग	00	02.5	00	06
	80/3 भाग	00	16.0	00	40
	72/4 भाग	00	11.5	00	29
	7 भाग	00	20.0	00	50
शेट्टिपालम	54/13 भाग	00	02.5	00	06
	16/3 भाग	00	06.0	00	15
	17 भाग	00	22.5	00	55
	21/8 भाग	00	03.0	00	08
	31/6 भाग	00	03.0	00	07
	31/8 भाग	00	02.5	00	06
	31/12 भाग	00	01.0	00	03
	31/13 भाग	00	00.5	00	01
	31/14 भाग	00	03.0	00	07

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
शोटिपालेम (जारी)	30/2	भाग	00	00.5	00
	30/5	भाग	00	07.0	00
	30/6	भाग	00	01.5	00
	30/7	भाग	00	00.5	00
	29/1	भाग	00	03.0	00
	29/2	भाग	00	03.0	00
	29/3	भाग	00	03.0	00
	29/4	भाग	00	01.5	00
	29/5	भाग	00	01.0	00
	29/6	भाग	00	01.0	00
	29/7	भाग	00	00.5	00
	29/8	भाग	00	02.5	00
	29/11	भाग	00	02.0	00
	29/12	भाग	00	00.5	00
	29/38	भाग	00	00.5	00
	29/39	भाग	00	00.5	00
	28/1	भाग	00	00.5	00
	28/3	भाग	00	06.0	00
	28/4	भाग	00	00.5	00
	28/12	भाग	00	10.5	00
	28/15	भाग	00	04.0	00
	25/4	भाग	00	08.0	00
	25/5	भाग	00	03.5	00
कीमबोइनापालेम	68/1एफ	भाग	00	01.0	00
	68/1जी	भाग	00	00.5	00
	68/1 एच	भाग	00	00.5	00
	68/1 आई	भाग	00	01.0	00
	68/1 एम	भाग	00	03.5	00
	68/1 पी	भाग	00	07.0	00
	68/4 आई	भाग	00	03.0	00
	68/4 जे	भाग	00	07.5	00
	68/4 एल	भाग	00	06.5	00
	68/4एम	भाग	00	02.0	00
	68/6ए	भाग	00	00.5	00
	68/6वी	भाग	00	01.5	00
	68/6सी	भाग	00	02.0	00
	68/6एफ	भाग	00	04.0	00
	68/6जी	भाग	00	05.5	00
	62/10	भाग	00	00.5	00
	60/5	भाग	00	07.0	00
	60/8	भाग	00	00.5	00
	60/9	भाग	00	01.0	00
	60/10	भाग	00	03.5	00
	60/11	भाग	00	03.5	00
	60/26	भाग	00	01.5	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
भीमबोइनापालेम (संतत्)	60/29	भाग	00	03. 0	00
	60/31	भाग	00	03. 0	00
	60/32	भाग	00	04. 5	00
	60/33	भाग	00	01. 0	00
	60/53	भाग	00	01. 5	00
	60/54	भाग	00	04. 0	00
	60/55	भाग	00	04. 0	00
	60/61	भाग	00	05. 5	00
	60/62	भाग	00	01. 5	00
	60/63	भाग	00	03. 5	00
	60/66	भाग	00	01. 0	00
	52/7	भाग	00	00. 5	00
	52/8	भाग	00	09. 0	00
	53/1	भाग	00	04. 5	00
	53/2	भाग	00	00. 5	00
	53/6	भाग	00	03. 0	00
	53/7	भाग	00	01. 0	00
	53/8	भाग	00	00. 5	00
	37/6	भाग	00	64. 5	00
	37/7	भाग	00	04. 0	00
	37/10	भाग	00	09. 0	00
	31/1	भाग	00	02. 5	00
	31/2	भाग	00	08. 0	00
	31/3	भाग	00	03. 0	00
	31/4	भाग	00	00. 5	00
	30/1	भाग	00	12. 0	00
	29/4	भाग	00	04. 0	00
	29/5	भाग	00	16. 0	00
	29/6	भाग	00	04. 0	00
	28/8	भाग	00	06. 0	00
	29/9	भाग	00	12. 0	00
	29/12	भाग	00	00. 5	00
	28/3	भाग	00	01. 0	00
	28/8	भाग	00	00. 5	00
	28/9	भाग	00	04. 5	00
	28/10	भाग	00	06. 0	00
	28/11	भाग	00	05. 5	00
	22	भाग	00	29. 0	00
	134/1, 2, 3	भाग	00	52. 5	01
	138/7	भाग	00	01. 5	00
	133/8	भाग	00	05. 5	00
	133/3	भाग	00	11. 0	00
	129/8	भाग	00	03. 0	00
	136/3	भाग	00	05. 5	00
तामरस	81	भाग	00	60. 5	01
	82	भाग	00	44. 6	01
	86/1	भाग	00	16. 5	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
ताम्रम (संतन)	86/3	भाग	00	24. 0	00
	90/2	भाग	00	39. 5	00
	91/2	भाग	00	11. 5	00
	97/1	भाग	00	38. 5	00
	98/4	भाग	00	00. 5	00
	101/4	भाग	00	10. 5	00
	101/5	भाग	00	01. 5	00
	101/13	भाग	00	05. 0	00
	102/1	भाग	00	00. 5	00
	102/3	भाग	00	10. 0	00
	102/6	भाग	00	01. 0	00
	102/7	भाग	00	08. 0	00
	102/8	भाग	00	07. 5	00
	102/9	भाग	00	01. 0	00
	102/10	भाग	00	07. 5	00
	102/11	भाग	00	00. 5	00
	103/13	भाग	00	03. 0	00
	103/15	भाग	00	09. 5	00
	103/16	भाग	00	03. 5	00
	103/17	भाग	00	05. 5	00
	132/7	भाग	00	02. 0	00
	141/1	भाग	00	25. 5	00
	141/2	भाग	00	01. 5	00
	141/3	भाग	00	21. 5	00
	318/1	भाग	00	13. 5	00
	318/2	भाग	00	01. 5	00
	318/3	भाग	00	02. 0	00
	318/11	भाग	00	02. 5	00
	317/7	भाग	00	00. 5	00
	317/8	भाग	00	00. 5	00
	317/9	भाग	00	02. 0	00
	317/10	भाग	00	02. 5	00
	317/11	भाग	00	01. 5	00
	317/12	भाग	00	02. 0	00
	317/13	भाग	00	03. 0	00
	317/14	भाग	00	01. 0	00
	316/6	भाग	00	00. 5	00
	316/7	भाग	00	01. 5	00
	316/8	भाग	00	01. 5	00
	316/9	भाग	00	02. 0	00
	316/10	भाग	00	00. 5	00
	316/15	भाग	00	01. 5	00
	316/16	पूरा	00	01. 5	00
	316/17	भाग	00	01. 0	00
	316/18	भाग	00	00. 5	00
	315/28	भाग	00	00. 5	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
तमरस् (संतत)	323/4	भाग	00	03.0	00
	323/5	भाग	00	00.5	00
	323/6	भाग	00	01.0	00
	323/7	भाग	00	03.5	00
	323/9	भाग	00	01.0	00
	323/10	भाग	00	03.0	00
	323/11	भाग	00	01.0	00
	323/21	भाग	00	02.0	00
	323/24	भाग	00	00.5	00
	324/1	भाग	00	02.0	00
	324/2	भाग	00	01.0	00
	324/11	भाग	00	00.5	00
	312/2	भाग	00	00.5	00
	312/3	भाग	00	05.5	00
	312/5	भाग	00	00.5	00
	312/10	भाग	00	01.0	00
	312/11	भाग	00	04.5	00
	312/12	भाग	00	04.0	00
	312/14	भाग	00	01.5	00
	325/1	भाग	00	17.5	00
	311/3	भाग	00	00.5	00
	311/5	भाग	00	02.5	00
	311/8	भाग	00	01.0	00
	311/9	भाग	00	03.0	00
	311/10	भाग	00	05.0	00
	311/11	भाग	00	02.0	00
	311/13	भाग	00	06.0	00
	311/14	भाग	00	07.0	00
	311/15	भाग	00	01.0	00
	311/16	भाग	00	00.5	00
	305/1	भाग	00	00.5	00
	308/6	भाग	00	01.5	00
	308/11	भाग	00	17.5	00
	199/2	भाग	00	04.5	00
	200/7	भाग	00	01.0	00
	200/9	भाग	00	01.5	00
	200/10	भाग	00	01.0	00
	200/11	भाग	00	01.0	00
	200/15	भाग	00	01.0	00
	200/16	भाग	00	06.5	00
	200/18	भाग	00	00.5	00
	200/26	भाग	00	01.0	00
	204/6	भाग	00	00.5	00
	204/7	भाग	00	00.5	00
	204/11	भाग	00	01.0	00
	204/12	भाग	00	03.0	00
	204/13	भाग	00	01.5	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
तमरम् (सतत)	204/15	भाग	00	02.0	00
	204/16	भाग	00	03.5	00
	204/17	भाग	00	00.5	00
	204/18	भाग	00	00.5	50
	202/30	भाग	00	01.0	00
	202/31	पूरा	00	01.0	00
	202/32	पूरा	00	01.0	00
	203/5	भाग	00	00.5	00
	203/6	भाग	00	00.5	00
	203/7	भाग	00	00.5	00
	203/8	भाग	00	03.0	00
	203/9	भाग	00	02.0	00
	203/10	भाग	00	00.5	00
	203/11	भाग	00	00.5	00
	203/12	पूरा	00	02.0	00
	203/13	भाग	00	01.0	00
	203/15	भाग	00	01.0	00
	203/16	भाग	00	00.5	00
	203/27	भाग	00	00.5	00
	203/28	भाग	00	03.0	00
	203/29	भाग	00	00.5	00
	203/30	भाग	00	01.0	00
	203/31	पूरा	00	01.0	00
	203/32	भाग	00	02.5	00
	293/1	भाग	00	01.0	00
	293/2	भाग	00	01.0	00
	263/3	भाग	00	03.0	00
	263/4	भाग	00	00.5	00
	263/5	भाग	00	03.0	00
	263/6	भाग	00	01.0	00
	263/8	भाग	00	05.5	00
	263/10	भाग	00	01.5	00
	264/1	भाग	00	03.5	00
	264/2	भाग	00	05.5	00
	262/3	भाग	00	01.5	00
	262/8	भाग	00	02.0	00
	262/9	भाग	00	04.0	00
	262/10	भाग	00	13.5	00
	262/11	भाग	00	01.0	00
	261/1	भाग	00	01.0	00
	261/2	भाग	00	03.5	00
	261/7	भाग	00	06.5	00
	261/9	भाग	00	03.0	00
	260/1	भाग	00	01.5	00
	260/2	भाग	00	02.0	00
	260/4	भाग	00	05.0	00
					12

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
तमरम् (संतत)					
	260/5.	भाग	00	02. 5	00
	260/6	भाग	00	00. 5	00
	260/7	भाग	00	00. 5	00
	238/19	भाग	00	01. 5	00
	238/20	भाग	00	03. 0	00
	239/3	भाग	00	00. 5	00
	239/4	भाग	00	00. 5	00
	239/5	भाग	00	05. 5	00
	239/6	भाग	00	01. 5	00
	239/7	भाग	00	04. 5	00
	239/8	भाग	00	01. 0	00
	239/9	भाग	00	00. 5	00
	239/10	भाग	00	02. 5	00
	239/11	भाग	00	01. 0	00
	239/12	भाग	00	01. 0	00
	239/13	भाग	00	00. 5	00
	240/1	भाग	00	04. 5	00
	240/2	भाग	00	05. 0	00
	240/5	भाग	00	01. 0	00
	241/21	भाग	00	00. 5	00
	241/22	भाग	00	02. 5	00
	241/23	भाग	00	01. 5	00
	241/24	भाग	00	03. 0	00
	242/3	भाग	00	16. 0	00
	244/1	भाग	00	06. 0	00
	244/2	भाग	00	06. 0	00
	244/6	भाग	00	01. 0	00
	243/9	भाग	00	14. 0	00
	243/10	भाग	00	01. 5	00
वप्पाखरम्					
	194/1	भाग	00	32. 0	00
	194/2	भाग	00	09. 0	00
	192/5	भाग	00	01. 0	00
	189/1	भाग	00	06. 0	00
	189/2	भाग	00	14. 5	00
	190/6	भाग	00	00. 5	00
	190/8	भाग	00	07. 0	00
	190/9	भाग	00	02. 0	00
	188/1 से 6	भाग	00	37. 5	00
	186/2	भाग	00	20. 5	00
	185	भाग	00	01. 5	00
	184	भाग	00	17. 0	00
	183	भाग	00	17. 0	00
	178/1	भाग	00	00. 5	00
	179/1	भाग	00	20. 0	00
	179/2	भाग	00	18. 5	00
	179/3	भाग	00	19. 0	00
					47

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बन्धवरम्—जारी	176	भाग	00	11.0	00
	175	भाग	00	26.0	00
गिरुत्तु	200/2	भाग	00	25.5	00
	200/3	भाग	00	26.0	00
	201/2	भाग	00	02.5	00
	203/2	भाग	00	30.0	00
	205/1	भाग	00	09.5	00
	205/2	भाग	00	11.5	00
	205/3	भाग	00	03.0	00
	205/4	भाग	00	18.5	00
	204/2	भाग	00	05.5	00
	145/2	भाग	00	07.0	00
	145/3	भाग	00	01.0	00
	143/1	भाग	00	10.0	00
	143/3	भाग	00	08.5	00
	129/1	भाग	00	10.0	00
	129/5	भाग	00	05.5	00
	129/7	भाग	00	01.0	00
	129/8	भाग	00	02.0	00
	128/1	भाग	00	02.0	00
	128/3	भाग	00	02.5	00
	127/6	भाग	00	03.0	00
	127/7	भाग	00	11.5	00
	125/18	भाग	00	07.0	00
	125/20	भाग	00	04.5	00
	124/1	भाग	00	03.0	00
	124/2	भाग	00	01.0	00
	124/3	भाग	00	11.5	00
	124/5	भाग	00	03.0	00
	124/7	भाग	00	08.5	00
	92/2	भाग	00	03.0	00
	93/4	भाग	00	02.5	00
	92/2	भाग	00	01.0	00
	102/1	भाग	00	16.5	00
	101/2	भाग	00	20.0	00
राष्ट्रपति	877	भाग	00	28.5	00
	138/1	भाग	00	05.5	00
	138/2	भाग	00	03.0	00
	138/3	भाग	00	02.0	00

[क. सं. आर-31015/12/95—ओ भार II]

के. सी. कटोष, प्रबन्ध सचिव

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3265.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 3127 dated the 22nd November, 1995 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh, by Hindustan Petroleum Corporation Limited ;

And whereas, copies of the said Gazette Notification were made available to the public on the 16th April, 1996 :

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government ;

And whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Sec. 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

District : Visakhapatnam

Mandal : Makavarapalem

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No.	Sub-Division	Area		
			Hectare	Ares	Acre Cents
1	2	3	4	5	6
Venkannapalem	70/2	Part	00	02.5	00 06
	80/1	Part	00	02.5	00 06
	80/3	Part	00	16.00	00 40
	72/4	Part	00	11.5	00 29
	7	Part	00	20.0	00 50
Sattipalem	54/13	Part	00	02.5	00 06
	16/3	Part	00	06.0	00 15
	17	Part	00	22.5	00 55
	21/8	Part	00	03.0	00 08
	31/6	Part	00	03.0	00 07
	31/8	Part	00	02.5	00 06
	31/12	Part	00	01.0	00 03
	31/13	Part	00	00.5	00 01
	31/14	Part	00	03.0	00 07
	30/2	Part	00	00.5	00 01
	30/5	Part	00	07.0	00 17
	30/6	Part	00	01.5	00 04
	30/7	Part	00	00.5	00 01
	29/1	Part	00	03.0	00 08
	29/2	Part	00	03.0	00 08
	29/3	Part	00	03.0	00 07
	29/4	Part	00	01.5	00 04
	29/5	Part	00	01.0	00 03
	29/6	Part	00	01.0	00 03
	29/7	Part	00	00.5	00 01

1	2	3	4	5	6	7
Settipalem (Contd.)	29/8	Part	00	02.5	00	06
	29/11	Part	00	02.0	00	05
	29/12	Part	00	00.5	00	01
	29/38	Part	00	00.5	00	01
	29/39	Part	00	00.5	00	01
	28/1	Part	00	00.5	00	01
	28/3	Part	00	06.0	00	15
	28/4	Part	00	00.5	00	01
	28/12	Part	00	10.5	00	26
	28/15	Part	00	04.0	00	10
	25/4	Part	00	08.0	00	20
	25/5	Part	00	03.5	00	09
Bheemaboyinapalem	68/1F	Part	00	01.0	00	03
	68/1G	Part	00	00.5	00	01
	68/1H	Part	00	00.5	00	01
	68/1I	Part	00	01.0	00	03
	68/1M	Part	00	03.5	00	09
	68/1P	Part	00	07.0	00	17
	68/4I	Part	00	03.0	00	08
	68/4J	Part	00	07.5	00	18
	68/4L	Part	00	06.5	00	16
	68/4M	Part	00	02.0	00	05
	68/6A	Part	00	00.5	00	01
	68/6B	Part	00	01.5	00	04
	68/6C	Part	00	02.0	00	05
	68/6F	Part	00	04.0	00	10
	68/6G	Part	00	05.5	00	13
	62/10	Part	00	00.5	00	01
	60/5	Part	00	07.0	00	17
	60/8	Part	00	00.5	00	01
	60/9	Part	00	01.0	00	03
	60/10	Part	00	03.5	00	09
	60/11	Part	00	03.5	00	09
	60/26	Part	00	01.5	00	04
	60/29	Part	00	03.0	00	08
	60/31	Part	00	03.0	00	08
	60/32	Part	00	04.5	00	11
	60/33	Part	00	01.0	00	02
	60/53	Part	00	01.5	00	04
	60/54	Part	00	04.0	00	10
	60/55	Part	00	04.0	00	10
	60/61	Part	00	05.5	00	13
	60/62	Part	00	01.5	00	04
	60/63	Part	00	03.5	00	09
	60/66	Part	00	01.0	00	02
	52/7	Part	00	00.5	00	01
	52/8	Part	00	09.0	00	22
	53/1	Part	00	04.5	00	11
	53/2	Part	00	00.5	00	01
	53/6	Part	00	03.0	00	08

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

Bheemaboyinapalem (Contd.)

53/7	Part	00	01.0	00	03
53/8	Part	00	00.5	00	01
37/6	Part	00	04.5	00	11
37/7	Part	00	04.0	00	10
37/10	Part	00	09.0	00	22
31/1	Part	00	02.5	00	06
31/2	Part	00	08.0	00	20
31/3	Part	00	03.0	00	08
31/4	Part	00	00.5	00	01
30/1	Part	00	12.0	00	30
29/4	Part	00	04.0	00	10
29/5	Part	00	16.0	00	40
29/6	Part	00	04.0	00	10
29/8	Part	00	06.0	00	15
29/9	Part	00	12.0	00	30
29/11	Part	00	00.5	00	01
23/3	Part	00	01.0	00	03
23/8	Part	00	00.5	00	01
23/9	Part	00	04.5	00	11
23/10	Part	00	06.0	00	15
23/11	Part	00	05.5	00	13
22	Part	00	29.0	00	72
134/1,2,3	Part	00	52.5	01	30
133/7	Part	00	01.5	00	04
133/8	Part	00	05.5	00	13
133/3	Part	00	11.0	00	27
129/8	Part	00	03.0	00	08
136/3	Part	00	05.5	00	14

Tamaram

81	Part	00	60.5	01	49
82	Part	00	44.5	01	10
86/1	Part	00	16.0	00	40
86/3	Part	00	24.0	00	59
90/2	Part	00	39.5	00	97
91/2	Part	00	11.5	00	28
97/1	Part	00	38.5	00	95
98/4	Part	00	00.5	00	01
101/4	Part	00	10.5	00	26
101/5	Part	00	01.5	00	04
101/13	Part	00	05.0	00	12
102/1	Part	00	00.5	00	01
102/3	Part	00	10.0	00	25
102/6	Part	00	01.0	00	03
102/7	Part	00	08.0	00	20
102/8	Part	00	07.5	00	19
102/9	Part	00	01.0	00	03
102/10	Part	00	07.5	00	19
102/11	Part	00	00.5	00	01
103/13	Part	00	03.0	00	08
103/15	Part	00	09.5	00	23
103/16	Part	00	03.5	00	09

1	2	3	4	5	6
Tamaram Contd.	103/17	Part	00	05.5	00
	132/7	Part	00	02.0	00
	141/1	Part	00	25.5	00
	141/2	Part	00	01.5	00
	141/3	Part	00	21.5	00
	318/1	Part	00	13.5	00
	318/2	Part	00	01.5	00
	318/3	Part	00	02.0	00
	318/11	Part	00	02.5	00
	317/7	Part	00	00.5	00
	317/8	Part	00	00.5	00
	317/9	Part	00	02.0	00
	317/10	Part	00	02.5	00
	317/11	Part	00	01.5	00
	317/12	Part	00	02.0	00
	317/13	Part	00	03.0	00
	317/14	Part	00	01.0	00
	316/6	Part	00	00.5	00
	316/7	Part	00	01.5	00
	316/8	Part	00	01.5	00
	316/9	Part	00	02.0	00
	316/10	Part	00	00.5	00
	316/15	Part	00	01.5	00
	316/16	Full	00	01.5	00
	316/17	Part	00	01.0	00
	316/18	Part	00	00.5	00
	315/28	Part	00	00.5	00
	323/4	Part	00	03.0	00
	323/5	Part	00	00.5	00
	323/6	Part	00	01.0	00
	323/7	Part	00	03.5	00
	323/9	Part	00	01.0	00
	323/10	Part	00	03.0	00
	323/11	Part	00	01.0	00
	323/21	Part	00	02.0	00
	323/24	Part	00	00.5	00
	324/1	Part	00	02.0	00
	324/2	Part	00	01.0	00
	324/11	Part	00	00.5	00
	312/2	Part	00	00.5	00
	312/3	Part	00	05.5	00
	312/5	Part	00	00.5	00
	312/10	Part	00	01.0	00
	312/11	Part	00	04.5	00
	312/12	Part	00	04.0	00
	312/14	Part	00	01.5	00
	325/1	Part	00	17.5	00
	311/3	Part	00	00.5	00
	311/5	Part	00	02.5	00
	311/8	Part	00	01.0	00
	311/9	Part	00	03.0	00
	311/10	Part	00	05.0	00
	311/11	Part	00	02.0	00
	311/13	Part	00	06.0	00
	311/14	Part	00	07.0	00
	311/15	Part	00	01.0	00

1	2	3	4	5	6
Tamaram (Contd.)					
	311/16	Part	00	00.5	00
	305/1	Part	00	00.5	00
	308/6	Part	00	01.5	00
	308/11	Part	00	17.5	00
	199/2	Part	00	04.5	00
	200/7	Part	00	01.0	00
	200/9	Part	00	01.5	00
	200/10	Part	00	01.0	00
	200/11	Part	00	01.0	00
	200/15	Part	00	01.0	00
	200/16	Part	00	06.5	00
	200/18	Part	00	00.5	00
	200/26	Part	00	01.0	00
	204/6	Part	00	00.5	00
	204/7	Part	00	00.5	00
	204/11	Part	00	01.0	00
	204/12	Part	00	03.0	00
	204/13	Part	00	01.5	00
	204/15	Part	00	02.0	00
	204/16	Part	00	03.5	00
	204/17	Part	00	00.5	00
	204/18	Part	00	00.5	00
	202/30	Part	00	01.0	00
	202/31	Full	00	01.0	00
	202/32	Full	00	01.0	00
	203/5	Part	00	00.5	00
	203/6	Part	00	00.5	00
	203/7	Part	00	00.5	00
	203/8	Part	00	03.0	00
	203/9	Part	00	02.0	00
	203/10	Part	00	00.5	00
	203/11	Part	00	00.5	00
	203/12	Full	00	02.0	00
	203/13	Part	00	01.0	00
	203/15	Part	00	01.0	00
	203/16	Part	00	00.5	00
	203/27	Part	00	00.5	00
	203/28	Part	00	03.0	00
	203/29	Part	00	00.5	00
	203/30	Part	00	01.0	00
	203/31	Full	00	01.0	00
	203/32	Part	00	02.5	00
	293/1	Part	00	01.0	00
	293/2	Part	00	01.0	00
	263/3	Part	00	03.0	00
	263/4	Part	00	00.5	00
	263/5	Part	00	03.0	00
	263/6	Part	00	01.0	00
	263/8	Part	00	05.5	00
	263/10	Part	00	01.5	00
	264/1	Part	00	03.5	00
	264/2	Part	00	05.5	00
	262/3	Part	00	01.5	00
	262/8	Part	00	02.0	00
	262/9	Part	00	04.0	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Tamaram (Contd.)					
	262/10	Part	00	13.5	00
	262/11	Part	00	01.0	00
	261/1	Part	00	01.0	00
	261/2	Part	00	03.5	00
	261/7	Part	00	06.5	00
	261/9	Part	00	03.0	00
	260/1	Part	00	01.5	00
	260/2	Part	00	02.0	00
	260/4	Part	00	05.0	00
	260/5	Part	00	02.5	00
	260/6	Part	00	00.5	00
	260/7	Part	00	00.5	00
	238/19	Part	00	01.5	00
	238/20	Part	00	03.0	00
	239/3	Part	00	00.5	00
	239/4	Part	00	00.5	00
	239/5	Part	00	05.5	00
	239/6	Part	00	01.5	00
	239/7	Part	00	04.5	00
	239/8	Part	00	01.0	00
	239/9	Part	00	00.5	00
	239/10	Part	00	02.5	00
	239/11	Part	00	01.0	00
	239/12	Part	00	01.0	00
	239/13	Part	00	00.5	00
	240/1	Part	00	04.5	00
	240/2	Part	00	05.0	00
	240/5	Part	00	01.0	00
	241/21	Part	00	00.5	00
	241/22	Part	00	02.5	00
	241/23	Part	00	01.5	00
	241/24	Part	00	03.0	00
	242/3	Part	00	16.0	00
	244/1	Part	00	06.0	00
	244/2	Part	00	06.0	00
	244/6	Part	00	01.0	00
	243/9	Part	00	14.0	00
	243/10	Part	00	01.5	00
Bayyavaram	194/1	Part	00	32.0	00
	194/2	Part	00	09.0	00
	192/5	Part	00	01.0	00
	189/1	Part	00	06.0	00
	189/2	Part	00	14.5	00
	190/6	Part	00	00.5	00
	190/8	Part	00	07.0	00
	190/9	Part	00	02.0	00
	188/ITO6	Part	00	37.5	00
	186/2	Part	00	20.5	00
	185	Part	00	01.5	00
	184	Part	00	17.0	00
	183	Part	00	17.0	00
	178/1	Part	00	00.5	00
	179/1	Part	00	20.0	00
	179/2	Part	00	18.5	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Bayyavaram (contd.)	179/3	Part	00	19.0	00
	176	Part	00	11.0	00
	175	Part	00	26.0	00
Giduthuru	200/2	Part	00	25.5	00
	200/3	Part	00	26.0	00
	201/2	Part	00	02.5	00
	203/2	Part	00	30.0	00
	205/1	Part	00	09.5	00
	205/2	Part	00	11.5	00
	205/3	Part	00	03.0	00
	205/4	Part	00	18.5	00
	204/2	Part	00	05.5	00
	145/2	Part	00	07.0	00
	145/3	Part	00	01.0	00
	143/1	Part	00	10.0	00
	143/3	Part	00	08.5	00
	129/1	Part	00	10.0	00
	129/5	Part	00	05.5	00
	129/7	Part	00	01.0	00
	129/8	Part	00	02.0	00
	128/1	Part	00	02.0	00
	128/3	Part	00	02.5	00
	127/6	Part	00	03.0	00
	127/7	Part	00	11.5	00
	125/18	Part	00	07.0	00
	125/20	Part	00	04.5	00
	124/1	Part	00	03.0	00
	124/2	Part	00	01.0	00
	124/3	Part	00	11.5	00
	124/5	Part	00	03.0	00
	124/7	Part	00	08.5	00
	92/2	Part	00	03.0	00
	92/4	Part	00	02.5	00
	93/2	Part	00	01.0	00
	102/1	Part	00	16.5	00
Rachapalli	101/2	Part	00	20.0	00
	377	Part	00	28.5	00
	133/1	Part	00	05.5	00
	133/2	Part	00	03.0	00
	133/3	Part	00	02.0	00

[F.No. R-31015/12/95-OR-II]
K.C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1996

अधिसूचना

का. आ. 3266 केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 3 की उपधारा (1) और (2) के अधीन आरी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 233 तारीख 11 अक्टूबर, 1996 द्वारा विज्ञापनहट्टण से, पेट्रोलियम का परिवहन प्रान्त प्रवेश राज्य में विजयवाड़ा को करने के

लिए, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पालामुद्रा विभान के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन की, अपने आशय की घोषणा की थी:

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 30 अप्रैल, 1996 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की भारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रेपोर्ट दें थी है—

और केन्द्रीय सरकार का उस स्पोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में

विविक्षिण्ट भूमि में उपयोग के प्रबिकार का घटने किया जाए;

अतः धर्म केन्द्रीय सरकार उक्त प्रबिकारों की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विविक्षिण्ट भूमि में पाइप लाइन बिछाने के लिए उपयोग का प्रबिकार अन्वित करने की घोषणा करती है;

यह और कि, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के प्रबिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की वजाय सभी विस्तारों से भूक्त होकर हिन्दूस्तान प्रोलियम कॉमोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

मंडल : टी नरसापुरम्

जिला : पश्चिमी गोदावरी

राज्य : आनंद प्रदेश

ग्राम	सर्वे नं०, सब डिविजन	लेवल			
		हैक्टेयर	आर०	एकड़	सेन्ट.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
टेडलाम	100/11 भाग	00	12.5	00	31
	124/2जे भाग	00	11.5	00	28
	124/2सी भाग	00	07.5	00	18
	124/2झी भाग	00	02.0	00	05
	123 भाग	00	19.0	00	47
	122/1ए भाग	00	06.5	00	16
	122/1झी भाग	00	12.5	00	31
	122/1एफ भाग	00	10.5	00	26
	121/1 भाग	00	11.5	00	28
	120/3 भाग	00	20.0	00	50
	120/4 भाग	00	03.5	00	09
	118/2 भाग	00	24.5	00	60
	116/4 भाग	00	21.5	00	53
	130 भाग	00	12.0	00	30
	131/9 भाग	00	10.5	00	26
लिंगरावपालम्	4/1 भाग	00	09.5	00	24
	4/2 भाग	00	00.5	00	01
	3/7 भाग	00	07.5	00	18
	3/5 भाग	00	07.0	00	17
	3/1 भाग	00	13.0	00	32
	1/3 भाग	00	26.5	00	65
	1/4 भाग	00	01.0	00	03
श्रीरामवरम्	184/5 भाग	00	18.5	00	46
	186/4 भाग	00	34.5	00	85
	186/3 भाग	00	03.0	00	07
	175 भाग	00	12.0	00	30
	173/5 भाग	00	14.0	00	35
	173/3ए भाग	00	15.5	00	38
	173/2 भाग	00	01.0	00	02
	173/1 भाग	00	16.5	00	41
	168/2 भाग	00	07.5	00	18
	168/3 भाग	00	07.0	00	17

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
श्रीरामवर्म	168/4 भाग	00	23.0	00	57
	161/2 भाग	00	02.5	00	06
	1611/वी भाग	00	24.5	00	60
	160/3 भाग	00	20.0	00	50
कृष्णरावपलिम	3 भाग	00	33.0	00	82
	11/1 भाग	00	10.0	00	25
	11/2 भाग	00	15.0	00	37
	11/3 भाग	00	26.5	00	66
	11/4 भाग	00	05.0	00	12
	1/1 भाग	00	04.0	00	10
	1/4 भाग	00	15.0	00	37

[फा.सं. : आर-31015/14/95-भो आर-II)]

के.सी. कट्टम, अधिकारी सचिव

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3266.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 233 dated the 11th January, 1996 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh, by Hindustan Petroleum Corporation Limited ;

And whereas, copies of the said Gazette Notification were made available to the public on the 30th April, 1996 ;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government

And whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : T. Narasapuram

State : Andhra Pradesh

District : West Godavari

Name of Village	Survey No./ Sub. Division	Area			
		Hectare	Ares	Acre	Cents
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Tedlam	100/11 Part	00	12.5	00	31
	124/2J Part	00	11.5	00	28
	124/2C Part	00	07.5	00	18
	124/2D Part	00	02.0	00	05
	123 Part	00	19.0	00	47
	122/1A Part	00	06.5	00	16

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Tedlam (Contd.)	122/1D	Part	00	12.5	00
	122/1F	Part	00	10.5	00
	121/1	Part	00	11.5	00
	120/3	Part	00	20.0	00
	120/4	Part	00	03.5	00
	118/2	Part	00	24.5	00
	116/4	Part	00	21.5	00
	130	Part	00	12.0	00
	131/9	Part	00	10.5	00
Lingaraopalem	4/1	Part	00	09.5	00
	4/2	Part	00	00.5	00
	3/7	Part	00	07.5	00
	3/5	Part	00	07.0	00
	3/1	Part	00	13.0	00
	1/3	Part	00	26.5	00
	1/4	Part	00	01.0	00
Sree Ramavaram	184/5	Part	00	18.5	00
	186/4	Part	00	34.5	00
	186/3	Part	00	03.0	00
	175	Part	00	12.0	00
	173/5	Part	00	14.0	00
	173/3A	Part	00	15.5	00
	173/2	Part	00	01.0	00
	173/1	Part	00	16.5	00
	168/2	Part	00	07.5	00
	168/3	Part	00	07.0	00
	168/4	Part	00	23.0	00
	161/2	Part	00	02.5	00
	161/1B	Part	00	24.5	00
	160/3	Part	00	20.0	00
Krishnaraopalem	3	Part	00	33.0	00
	11/1	Part	00	10.0	00
	11/2	Part	00	15.0	00
	11/3	Part	00	26.5	00
	11/4	Part	00	05.0	00
	1/1	Part	00	04.0	00
	1/4	Part	00	15.0	00

[F. No. R-31015/14/95—OR-II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई विल्सो, 14 नवम्बर, 1996
का. ना. 3262 के द्वारा सरकार ने, पेट्रोलियम और जैविक पाइपलाइन (बूजि में उपयोग के अधिकारी का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का. 60) जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है (की धारा 3 की उपधारा (1) और (2) के अधीन जारी की गई भारत का. ना. 234 तारीख 11 जनवरी, 1996 द्वारा विशेषापटणम से, पेट्रोलियम का परिवहन आंदोलन प्रबोध राज्य में विजयवाढ़ा को केरले के लिए, हिम्मतान पेट्रोलियम कौगोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन वित्ती के व्योजनार्थ उक्त अधिकृता से संलग्न घनुसूची में विविष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारी के अर्जन की, अपने वालय की ओरु की

और उक्त राज्यपत्र अधिकृता की प्रतियोगता को तारीख 13 मई 1996 को उपलब्ध करावी गई थी;

और संक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) के प्रधीन केन्द्रीय सरकार को प्रपत्ति दियोर्देवी दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समझल हो गय, है कि इस अधिकृता से संबंधित घनुसूची में विनियोजित भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

प्रत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रविधियम की ओरा 6 की उपधारा
(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस प्रविधिभूमि से संलग्न भूमि सूची में विनियोग भूमि में पाइप लाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार प्राप्ति करने की प्रोषणा करती है;

यह और कि, केन्द्रीय सरकार उक्त ओरा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह विवेंश ऐसी है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की वजाय सभी विस्तरणों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पैट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

मंडल : कोटामंडूरु

राज्य : आनंद प्रदेश

जिला : पूर्व गोदावरी

ग्राम	सर्वे नं., सब डिविजन	स्थेत्रफल			
		हेक्टेयर	आर.	एकड़	सेम्ट.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
कोटामंडूरु	18/1 भाग	00	14.5	00	36
	18/2ए भाग	00	03.0	00	08
	17/1 भाग	00	04.0	00	10
	17/2 भाग	00	27.5	00	68
	5/1बी भाग	00	10.0	00	25
	5/3 भाग	00	00.5	00	01
	5/4 भाग	00	06.0	00	15
	5/5 भाग	00	07.5	00	18
	5/6ए भाग	00	19.5	00	48
	6/1 भाग	00	13.5	00	33
	4/4 भाग	00	01.5	00	04
	3/1ई भाग	00	00.5	00	01
	3/1एफ भाग	00	00.5	00	01
	3/1जी भाग	00	01.0	00	02
	3/2ए भाग	00	01.0	00	03
	3/2सी भाग	00	03.5	00	09
	3/2डी भाग	00	00.5	00	01
	3/3 भाग	00	01.5	00	04
	3/4 भाग	00	03.0	00	08
	3/5 भाग	00	14.5	00	36
	93/2 भाग	00	09.5	00	23
	93/3 भाग	00	06.0	00	15
	94 भाग	00	10.0	00	25
	95/3 भाग	00	03.0	00	07
	95/4ए भाग	00	01.5	00	04
	95/4बी भाग	00	05.5	00	13
	95/5ए भाग	00	06.5	00	16
	95/5बी भाग	00	03.0	00	08
ग्रामपूर्डि	148 भाग	00	02.0	00	05
	343 भाग	00	08.0	00	20
	340/2 भाग	00	05.0	00	12
	339/1 भाग	00	07.5	00	18
	339/2 भाग	00	19.5	00	48

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
(अधिकृति (जारी))	338/1 भाग	00	09.5	00	24
	337/1 भाग	00	03.5	00	09
	310/1 भाग	00	07.5	00	18
	293/2 भाग	00	08.0	00	20
	311/1 भाग	00	19.0	00	47
	292/1 भाग	00	29.0	00	72
	294/2 भाग	00	09.5	00	24
	294/3 भाग	00	05.0	00	12
	295/3 भाग	00	12.5	00	31
	295/4 भाग	00	06.0	00	14
	296/4 भाग	00	07.5	00	19
	286/2 भाग	00	10.0	00	25
	285/2 भाग	00	26.5	00	66
	266/3ए भाग	00	11.5	00	29
लक्ष्मीवेंकिटा	27/1 भाग	00	12.0	00	30
	27/3डी भाग	00	39.5	00	97
	20/8 भाग	00	19.5	00	48
	20/5सी भाग	00	20.0	00	49
	20/5ए भाग	00	05.5	00	14
	20/2 भाग	00	07.5	00	18
	2/3 भाग	00	06.5	00	16
	2/4 भाग	00	11.0	00	27
	2/3 भाग	00	07.5	00	18
	2/1डी भाग	00	14.0	00	35
	1/2० भाग	00	32.0	00	79
के.इ. चिन्नय्यपालम्	26/2 भाग	00	15.0	00	37
	27/1ई भाग	00	22.5	00	55
	27/1डी भाग	00	11.0	00	27
	30/1 भाग	00	33.5	00	83
	30/2 भाग	00	00.5	00	01
	31/1 भाग	00	12.0	00	30
	65/2 भाग	00	09.0	00	22
	66/1 भाग	00	29.0	00	72
	66/2 भाग	00	07.5	00	19
	62/3 भाग	00	03.0	00	07
	84/3 भाग	00	05.5	00	13
	84/4 भाग	00	37.0	00	92
	86 भाग	00	27.0	00	67
	93/4 भाग	00	04.5	00	11
	95/1 भाग	00	07.5	00	19
	110/1 भाग	00	01.5	00	04
	110/2 भाग	00	22.0	00	54
	111/1 भाग	00	12.0	00	30
	111/2 भाग	00	21.0	00	52
	123 भाग	00	13.5	00	33
	127/1 भाग	00	01.0	00	03

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
के. इ. चिन्तयापालम् (जारी)	127/2 भाग	00	21. 5.	00	53
	132 भाग	00	51. 5.	01	27
	133/1 भाग	00	02. 0.	00	05
	138/1 भाग	00	00. 0.	00	22
	138/2 भाग	00	11. 0.	00	27
	141 भाग	00	14. 0.	00	35
राजावरम्	185/2 भाग	00	20. 0	00	49
	186 भाग	00	00. 5	00	01
	187 भाग	00	11. 5	00	28
	189/2 भाग	00	03. 5	00	09
	189/5 भाग	00	04. 5	00	11
	189/6 भाग	00	06. 5	00	16
	189/7 भाग	00	01. 0	00	02
	189/8 भाग	00	02. 5	00	06
	190/2 भाग	00	12. 0	00	30
	191 भाग	00	19. 0	00	47
	196/3 भाग	00	42. 5	01	05
	197/2 भाग	00	05. 5	00	14
	198/1 भाग	00	05. 0	00	12
	198/2 भाग	00	11. 5	00	29
	199 भाग	00	12. 5	00	31
संग्रहरम्	55/4 भाग	00	13. 5	00	33
	80/1 भाग	00	08. 0	00	07
रामकृष्णापुरम्	116/1 भाग	00	02. 0	00	05
	116/2 भाग	00	05. 5	00	13
	116/3 भाग	00	06. 5	00	16
	117/1 भाग	00	07. 5	00	18
	117/3 भाग	00	06. 0	00	15
	120/1 भाग	00	20. 0	00	49
	120/2 भाग	00	13. 0	00	32
प्रार. वेंकटनगरम्	87 भाग	00	48. 5	01	20
	95 भाग	00	04. 0	00	10
कोल्काता	137/1 भाग	00	07. 0	00	17
	137/2 भाग	00	01. 0	00	02
	137/5 भाग	00	01. 0	00	02
	148/4 भाग	00	23. 0	00	57
	148/5 भाग	00	09. 0	00	22
मुम्पायूडि	87/3 भाग	00	10. 0	00	25
	88/2 भाग	00	02. 0	00	05
	88/3 भाग	00	05. 5	00	14
	88/4 भाग	00	05. 0	00	12
	95/1 भाग	00	15. 5	00	38
	97 भाग	00	11. 5	00	28

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
मूल्यांकित (संतत)	140	भाग	00	18. 0	00
	141	भाग	00	24. 5	00
	145	भाग	00	30. 5	00
	146	भाग	00	09. 0	00
	154	भाग	00	07. 0	00
	157/1	भाग	00	05. 0	00
	185/1	भाग	00	00. 5	00
	185/2	भाग	00	07. 5	00
	185/3	भाग	00	02. 5	00
	185/4	भाग	00	08. 5	00
	189	भाग	00	50. 0	01
	192/1	भाग	00	21. 0	00
	204/2	भाग	00	28. 5	00
	204/3	भाग	00	35. 0	00
	205/1सी	भाग	00	07. 5	00
बलरामपुर	71/1	भाग	00	22. 0	00
	73/5	भाग	00	06. 5	00
	74/1	भाग	00	09. 5	00
	74/4	भाग	00	09. 5	00
	74/5	भाग	00	10. 5	00
	75/1बी	भाग	00	14. 0	00
	75/2	भाग	00	14. 5	00
गुम्मरेगुल	28	भाग	00	31. 0	00
	29/2	भाग	00	18. 0	00
	30	भाग	00	34. 5	00
	36/2	भाग	00	03. 5	00
	37	भाग	00	20. 5	00
	38/2	भाग	00	19. 0	00
	39/2	भाग	00	00. 5	00
	39/3	भाग	00	12. 0	00
	57/2	भाग	00	29. 5	00

[का.सं. आर-31015/15/95-ओ आर-II]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

nam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh, by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said Gazette Notification were made available to the public on the 13th May, 1996.

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3267.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 234 dated the 11th January, 1996 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh, by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

2801 GT/96—15.

acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Kotananduru

State : Andhra Pradesh

District : East Godavari

Name of Village	Survey No./ Sub. Division	Area				
		Hectare	Ares	Acre	Cents	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Kotananduru	18/1	Part	00	14.5	00	36
	18/2A	Part	00	03.0	00	08
	17/1	Part	00	04.0	00	10
	17/2	Part	00	27.5	00	68
	5/1B	Part	00	10.0	00	25
	5/3	Part	00	00.5	00	01
	5/4	Part	00	06.0	00	15
	5/5	Part	00	07.5	00	18
	5/6A	Part	00	19.5	00	48
	6/1	Part	00	13.5	00	33
	4/4	Part	00	01.5	00	04
	3/1E	Part	00	00.5	00	01
	3/1F	Part	00	00.5	00	01
	3/1G	Part	00	01.0	00	02
	3/2A	Part	00	01.0	00	03
	3/2C	Part	00	03.5	00	09
	3/2D	Part	00	00.5	00	01
	3/3	Part	00	01.5	00	04
	3/4	Part	00	03.0	00	08
	3/5	Part	00	14.5	00	36
	93/2	Part	00	09.5	00	23
	93/3	Part	00	06.0	00	15
	94	Part	00	10.0	00	25
	95/3	Part	00	03.0	00	07
	95/4A	Part	00	01.5	00	04
Allipudi	95/4B	Part	00	05.5	00	13
	95/5A	Part	00	06.5	00	16
	95/5B	Part	00	03.0	00	08
	148	Part	00	02.0	00	05
	343	Part	00	08.0	00	20
	340/2	Part	00	05.0	00	12
	339/1	Part	00	07.5	00	18
	339/2	Part	00	19.5	00	48
	338/1	Part	00	09.5	00	24
	337/1	Part	00	03.5	00	09

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Allipudi (Contd.)					
	310/1	Part	00	07.5	00 18
	293/2	Part	00	08.0	00 20
	311/1	Part	00	19.0	00 47
	292/1	Part	00	29.0	00 72
	294/2	Part	00	09.5	00 24
	294/3	Part	00	05.0	00 12
	295/3	Part	00	12.5	00 31
	295/4	Part	00	06.0	00 14
	296/4	Part	00	07.5	00 19
	286/2	Part	00	10.0	00 25
	285/2	Part	00	26.5	00 66
	266/3A	Part	00	11.5	00 29
Lakshmidevipcta					
	27/1	Part	00	12.0	00 30
	27/3B	Part	00	39.5	00 97
	20/8	Part	00	19.5	00 48
	20/5C	Part	00	20.0	00 49
	20/5A	Part	00	05.5	00 14
	20/2	Part	00	07.5	00 18
	2/5	Part	00	06.5	00 16
	2/4	Part	00	11.0	00 27
	2/3	Part	00	07.5	00 18
	2/1B	Part	00	14.0	00 35
	1/2A	Part	00	32.0	00 79
K.E. Chinnaiahpalem					
	26/2	Part	00	15.0	00 37
	27/1E	Part	00	22.5	00 55
	27/1D	Part	00	11.0	00 27
	30/1	Part	00	33.5	00 83
	30/2	Part	00	00.5	00 01
	31/1	Part	00	12.0	00 30
	65/2	Part	00	09.0	00 22
	66/1	Part	00	29.0	00 72
	66/2	Part	00	07.5	00 19
	82/3	Part	00	03.0	00 07
	84/3	Part	00	05.5	00 13
	84/4	Part	00	37.0	00 92
	86	Part	00	27.0	00 67
	93/4	Part	00	04.5	00 11
	95/1	Part	00	07.5	00 19
	110/1	Part	00	01.5	00 04
	110/2	Part	00	22.0	00 54
	111/1	Part	00	12.0	00 30
	111/2	Part	00	21.0	00 52
	123	Part	00	13.5	00 33
	127/1	Part	00	01.0	00 03
	127/2	Part	00	21.5	00 53
	132	Part	00	51.5	01 27
	133/1	Part	00	02.0	00 05
	138/1	Part	00	09.0	00 22
	138/2	Part	00	11.0	00 27
	141	Part	00	14.0	00 35

1	2	3	4	5	6
Rajavaram	185/2	Part	00 20.0	00	49
	186	Part	00 00.5	00	01
	187	Part	00 11.5	00	28
	189/2	Part	00 03.5	00	09
	189/5	Part	00 04.5	00	11
	189/6	Part	00 06.5	00	16
	189/7	Part	00 01.0	00	02
	189/8	Part	00 02.5	00	06
	190/2	Part	00 12.0	00	30
	191	Part	00 19.0	00	47
	196/3	Part	00 42.5	01	05
	197/2	Part	00 05.5	00	14
	198/1D	Part	00 05.0	00	12
	198/2	Part	00 11.5	00	29
	199	Part	00 12.5	00	31
Gangavaram	55/4	Part	00 13.5	00	33
	80/1B	Part	00 03.0	00	07
Ramakrishnapuram	116/1B	Part	00 02.0	00	05
	116/2B	Part	00 05.5	00	13
	116/3B	Part	00 06.5	00	16
	117/1B	Part	00 07.5	00	18
	117/3B	Part	00 06.0	00	15
	120/1A	Part	00 20.0	00	49
	120/2B	Part	00 13.0	00	32
R. Venkatanagaram	87	Part	00 48.5	01	20
	95	Part	00 04.0	00	10
Kotturu	137/1	Part	00 07.0	00	17
	137/2	Part	00 01.0	00	02
	137/5	Part	00 01.0	00	02
	148/4	Part	00 23.0	00	57
	148/5	Part	00 09.0	00	22
Mulagapudi	87/3	Part	00 10.0	00	25
	88/2	Part	00 02.0	00	05
	88/3	Part	00 05.5	00	14
	88/4	Part	00 05.0	00	12
	95/1	Part	00 15.5	00	38
	97	Part	00 11.5	00	28
	140	Part	00 18.0	00	44
	141	Part	00 24.5	00	61
	145	Part	00 30.5	00	75
	146	Part	00 09.0	00	22
	154	Part	00 07.0	00	17
	157/1	Part	00 05.0	00	12
	185/1	Part	00 00.5	00	01
	185/2	Part	00 07.5	00	19
	185/3	Part	00 02.5	00	06
	185/4	Part	00 08.5	00	21
	189	Part	00 50.0	01	23
	192/1	Part	00 21.0	00	52
	204/2	Part	00 28.5	00	70
	204/3	Part	00 35.0	00	86
	205/1C	Part	00 07.5	00	19

1	2	3	4	5	6
Balaramapuram	71/1	Part	00	22.0	00
	73/5	Part	00	06.5	00
	74/1	Part	00	00.5	00
	74/4	Part	00	09.5	00
	74/5	Part	00	10.5	00
	75/1B	Part	00	14.0	00
	75/2	Part	00	14.5	00
Gummaregula	28	Part	00	31.0	00
	29/2	Part	00	18.0	00
	30	Part	00	34.5	00
	36/2	Part	00	03.5	00
	37	Part	00	20.5	00
	38/2	Part	00	19.0	00
	39/2	Part	00	00.5	00
	39/3	Part	00	12.0	00
	57/2	Part	00	29.5	00
					73

[F.No. R-31015/15/95—OR-II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

लौह दिल्ली, 14 नवम्बर, 1996

का. घा. 3268:—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और अन्यजि-
प्राइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारी का भर्जन) अधिनियम,
1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपचारा (1) और (2) के
प्रधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राइवेट गैस
मंड़ालय की अधिसूचना संबंधी। का. घा. 237 तारीख 11 जनवरी,
1996 द्वारा विज्ञापनपट्टनम से, पेट्रोलियम का परिवहन प्रान्त
प्रदेश राज्य में विज्ञापन को करने के लिए, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पो-
रेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन विभाग के प्रधीननार्थ उक्त अधिनियम सूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों
के भर्जन की, भर्जने की प्रोत्तरा की थी।

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियो जनता को तारीख
11 मई, 1996 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और सक्रम प्राधिकारों ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपचारा
(1) के प्रधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट देती है;

और केन्द्रीय सरकार का उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्
यह समझाया हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में
विनियिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का भर्जन किया जाए;

प्रतः प्रब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 को उपचारा
(1) द्वारा प्रबत अन्तियों का प्रयोग करने हुए, इस अधिसूचना से
संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमि में पाइपलाइन विभाग के लिए
उपयोग का अधिकार अधिन फरने की घोषणा करती है;

यह और कि, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपचारा (4)
द्वारा प्रबत अन्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त
भूमि में उपयोग के अधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए
मरी विलंगमों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमि-
टेड में निहित होगा।

अनुसूची

भंडल : कामवरपुरोटा

राज्य : आनन्द प्रदेश

जिला : पश्चिम गोदावरी

आम	सर्वे नं./ सब विभिन्न	क्षेत्रफल			
		हेक्टेयर	आर	एकड़	सेट्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
स्विकंपाडु	94/1 भाग	00	17.0	00	42
	98/1 भाग	00	05.5	00	14
	100/1 भाग	00	14.5	00	36
	100/2 भाग	00	05.0	00	12
	99 भाग	00	01.0	00	03

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रंगिक्षपादु—(जारी)	106	भाग	00	01. 0	00
	166	भाग	00	04. 5	00
	160/20	भाग	00	01. 5	00
	160/21	भाग	00	16. 5	00
	161/1	भाग	00	28. 0	00
	162	भाग	00	27. 0	00
	152	भाग	00	12. 5	00
	183/1	भाग	00	00. 5	00
	183/2	भाग	00	12. 0	00
	184	भाग	00	24. 0	00
	189/1	भाग	00	11. 5	00
	189/2	भाग	00	08. 0	00
	234/1	भाग	00	18. 0	00
	234/2	भाग	00	19. 5	00
	233/1	भाग	00	14. 5	00
	257/1	भाग	00	14. 0	00
	257/2	भाग	00	16. 0	00
	257/3	भाग	00	02. 0	00
	262/1	भाग	00	01. 0	00
	262/2	भाग	00	06. 0	00
	258	भाग	00	23. 5	00
	252/2	भाग	00	29. 0	00
	280	भाग	00	00. 5	00
	281/1	भाग	00	14. 5	00
	294/2ए	भाग	00	12. 5	00
	292/2	भाग	00	18. 5	00
	292/3	भाग	00	08. 5	00
	288	भाग	00	05. 0	00
	290/2	भाग	00	01. 0	00
	291	भाग	00	22. 0	00
	302/4	भाग	00	10. 5	00
	301/1ए	भाग	00	01. 0	00
	301/1बी	भाग	00	13. 0	00
	301/1डी	भाग	00	15. 5	00
	492/4	भाग	00	01. 0	00
	491/2	भाग	00	21. 5	00
	491/3ए	भाग	00	14. 5	00
	345/1	भाग	00	07. 5	00
	345/3	भाग	00	07. 5	00
	346/बी 1	भाग	00	08. 5	00
	346/बी 2	भाग	00	06. 5	00
	362/2	भाग	00	05. 5	00
	361	भाग	00	48. 0	01
	360	भाग	00	13. 5	00
	555/1	भाग	00	16. 0	00
	556/1	भाग	00	18. 0	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
उण्ठलपाड़ु	223/3ए भाग	00	00.5	00	01
	223/3बी भाग	00	18.0	00	44
	224/4 भाग	00	03.0	00	07
	224/5 भाग	00	03.0	00	07
	225/2ए भाग	00	09.5	00	21
	225/2बी भाग	00	10.0	00	25
	225/3 भाग	00	13.5	00	33
	226/1सी भाग	00	02.0	00	05
	293/2ए भाग	00	24.5	00	61
	292/2 भाग	00	26.5	00	66
	237/5 भाग	00	09.0	00	22
	268/3 भाग	00	20.0	00	50
	272/1 भाग	00	09.5	00	23
	271/2 भाग	00	04.5	00	11
	271/3 भाग	00	05.5	00	13
	271/4 भाग	00	06.5	00	16
	274/2 भाग	00	07.0	00	17
	275/1 भाग	00	00.5	00	01
	275/2 भाग	00	07.5	00	18
	275/4 भाग	00	07.5	00	18
	275/5 भाग	00	07.5	00	19
	275/6 भाग	00	00.5	00	01
	278/1 भाग	00	09.5	00	24
	278/2 भाग	00	04.5	00	11
	278/3 भाग	00	07.5	00	19
	278/4 भाग	00	04.0	00	10
	278/5 भाग	00	00.5	00	01
	259/2 भाग	00	14.5	00	36
	260/5 भाग	00	00.5	00	01
	260/6 भाग	00	05.0	00	12
	258/1 भाग	00	08.0	00	20
	258/2 भाग	00	05.5	00	14
	258/3 भाग	00	09.5	00	23
	258/4 भाग	00	06.0	00	15
रामन्नपालेम्	27/2 भाग	00	48.0	01	19
	25/2 भाग	00	13.0	00	31
	25/3 भाग	00	08.0	00	20
कासवरपुकोटा	653/1 भाग	00	18.5	00	46
	653/2 भाग	00	05.0	00	12
	653/3 भाग	00	12.5	00	31
	653/4 भाग	00	02.5	00	06
	654 भाग	00	32.5	00	80
	657/3 भाग	00	05.5	00	13
	656/2 भाग	00	05.5	00	14
	656/3 भाग	00	08.0	00	20
	695/1 भाग	00	11.5	00	28

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
कामवरपुकोटा—सतत	695/2 भाग	00	03.0	00	08
	694/1 भाग	00	11.5	00	28
	694/2 भाग	00	13.0	00	32
	693/2 भाग	00	02.0	00	05
	698/1 भाग	00	11.0	00	27
	699/1 भाग	00	01.0	00	03
	692/2 भाग	00	09.5	00	24
	692/3 भाग	00	10.5	00	26
	692/4 भाग	00	09.5	00	23
	677/2 भाग	00	26.5	00	65
	677/3 भाग	00	14.5	00	35
	677/4 भाग	00	08.0	00	20
	676/1 भाग	00	12.0	00	30
	676/2 भाग	00	03.5	00	09
	679/2 भाग	00	01.0	00	02
	684/2 भाग	00	00.5	00	01
	558/1 भाग	00	23.5	00	58
	559/1 भाग	00	26.5	00	65
	559/5 भाग	00	00.5	00	01
	350/3 भाग	00	18.5	00	46
	342/3 भाग	00	22.0	00	54
	491/2 भाग	00	02.5	00	06
	491/3 भाग	00	14.5	00	36
	491/4 भाग	00	08.0	00	20
	491/5 भाग	00	09.0	00	22
	491/7 भाग	00	05.5	00	13
	492/1 भाग	00	07.0	00	17
	492/2 भाग	00	25.0	00	62
	532 भाग	00	24.5	00	60
	531/1 भाग	00	13.0	00	32
	531/2 भाग	00	06.0	00	15
	531/3 भाग	00	07.5	00	18
	530/1 भाग	00	13.0	00	32
	529/8 भाग	00	01.0	00	02
	529/9 भाग	00	12.0	00	30
	529/11 भाग	00	11.5	00	29
	529/12 भाग	00	01.0	00	02
	520/1 भाग	00	05.5	00	13
	520/2 भाग	00	02.0	00	05
	94/1 भाग	00	03.0	00	08
	94/2 भाग	00	00.5	00	01
	94/4 भाग	00	03.0	00	08
	94/5 भाग	00	03.0	00	07
	94/6 भाग	00	03.0	00	07
	94/7 भाग	00	03.0	00	08
	94/8 भाग	00	05.5	00	14

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
कामबरसुकोटा (सतत ...)	94/9	भाग	00	05.5	00
	94/10	भाग	00	04.5	00
	94/12	भाग	00	10.5	00
	91/1	भाग	00	18.0	00
	91/2	भाग	00	22.0	00
	89/1	भाग	00	28.0	00
	83/1सी	भाग	00	02.5	00
	87/2	भाग	00	16.5	00
	85/1	भाग	00	20.5	00
मनिकापल्लि	19/2	भाग	00	07.5	00
	49/5	भाग	00	03.0	00
	49/6	भाग	00	05.5	00
	49/7	भाग	00	06.5	00
	49/8	भाग	00	11.5	00
	49/10	भाग	00	01.5	00
	50/1	भाग	00	13.0	00
	50/2	भाग	00	04.5	00
	52/5	भाग	00	01.0	00
	52/6	भाग	00	21.5	00
	52/10	भाग	00	03.5	00
	53/1	भाग	00	12.0	00
	53/2	भाग	00	07.5	00
	53/3	भाग	00	03.0	00
	27/4	भाग	00	04.0	00
	27/5	भाग	00	11.0	00
	27/6	भाग	00	05.5	00
	26/4	भाग	00	02.0	00
	148/1	भाग	00	18.0	00
	148/2	भाग	00	12.5	00
	147/1	भाग	00	09.0	00
	147/2	भाग	00	03.0	00
	143/3	भाग	00	05.5	00
	144	भाग	00	12.0	00
	142	भाग	00	16.5	00
	140/2	भाग	00	14.0	00
	139/3	भाग	00	11.5	00
	134/1	भाग	00	17.5	00
	134/2	भाग	00	08.5	00
	135	भाग	00	08.5	00
	101/1	भाग	00	08.0	00
	100	भाग	00	51.0	01
गंडपल्लि	145/2	भाग	00	05.5	00
	444	भाग	00	41.5	01
	391/3	भाग	00	17.0	00
	390/1	भाग	00	07.0	00
	390/2	भाग	00	14.5	00
	390/3	भाग	00	14.5	00

1	2	3	4	5	6
गुडपलि (सतत . . .)	389/1	भाग	00	03.5	00
	389/2	भाग	00	03.0	00
	389/3	भाग	00	04.5	00
	389/4	भाग	00	07.5	00
	389/5	भाग	00	03.0	00
	389/6	भाग	00	03.0	00
	387	भाग	00	16.0	00
	369/5	भाग	00	26.5	00
	368/7	भाग	00	09.5	00
	370/2	भाग	00	13.5	00
	370/3	भाग	00	09.5	00
	372/1	भाग	00	16.0	00
	372/2	भाग	00	15.5	00
	356/1	भाग	00	02.5	00
	355/4	भाग	00	00.5	00
	355/5	भाग	00	15.0	00
	354/1	भाग	00	14.5	00
	354/2	भाग	00	06.0	00
	354/3	भाग	00	00.5	00
	354/4	भाग	00	00.5	00
	347/3	भाग	00	28.5	00
	346/3	भाग	00	05.5	00
	345/1	भाग	00	11.0	00
	345/2	भाग	00	08.0	00
	345/3	भाग	00	00.5	00
	339/5	भाग	00	10.0	00
	339/6	भाग	00	03.5	00
	339/8	भाग	00	00.5	00
	339/9	भाग	00	16.0	00
	339/10	भाग	00	07.5	00
	303/2	भाग	00	04.0	00
	303/3	भाग	00	04.5	00
	303/4	भाग	00	00.5	00
	303/5	भाग	00	06.0	00
	303/6	भाग	00	02.5	00
	303/7	भाग	00	00.5	00
	302/2	भाग	00	01.0	00
	302/3	भाग	00	05.5	00
	302/4	भाग	00	22.0	00
	86/3	भाग	00	01.5	00
	86/4	भाग	00	05.5	00
	166/1	भाग	00	03.0	00
	165/1	भाग	00	28.5	00
	163	भाग	00	38.0	00
	160/2	भाग	00	00.5	00
	160/3	भाग	00	14.5	00
	160/4	भाग	00	11.5	00
					28

T	2	3	4	5	6
गंटुपहिंज (संतत . . .)					
	161/1	भाग	00	01.0	00
	162	भाग	00	01.5	00
	159/1	भाग	00	09.0	00
	159/2	भाग	00	13.0	00
	158/2	भाग	00	01.5	00
	158/4	भाग	00	15.5	00
	149/1	भाग	00	09.5	00
	149/2	भाग	00	01.0	00
	153/2	भाग	00	10.0	50
	153/3	भाग	00	05.0	00
	122/5	भाग	00	16.0	00
	121/4	भाग	00	00.5	00
	123/3	भाग	00	10.5	00
	123/7	भाग	00	05.0	00
	119/2	भाग	00	10.0	00
	119/3	भाग	00	09.5	00
	119/4	भाग	00	04.5	00
	125/1	भाग	00	15.5	00
	125/2	भाग	00	03.0	00
	126/2	भाग	00	18.0	00
	127/1	भाग	00	13.0	00
	127/6	भाग	00	02.5	00
	115	भाग	00	31.0	00
	114/3	भाग	00	00.5	00
	114/4	भाग	00	07.0	00
मेसप्रगूड़म्	47/4	भाग	00	01.5	00
	39/3	भाग	00	00.5	00
राज्यसभागुलपहिल	130	भाग	00	08.5	00
	110/2 दी	भाग	00	02.5	00
	113/2	भाग	00	00.5	00
	113/3	भाग	00	01.0	00
	112/2	भाग	00	12.0	00
	107/5	भाग	00	04.5	00
	107/7 दी	भाग	00	00.5	00
	106	भाग	00	08.5	00
	32/1	भाग	00	11.5	00
	32/2	भाग	00	07.5	00
	32/3	भाग	00	07.5	00
	32/4	भाग	00	06.5	00
	32/5	भाग	00	04.0	00
	32/6	भाग	00	01.5	00
	32/7	भाग	00	01.5	00
	31/2 दी	भाग	00	19.5	00
	31/3	भाग	00	07.5	00
	30/1	भाग	00	20.0	00

[फा. सं. आर--31015/18, 95--ओ आर-II]

के. सी. कटोच अवर सचिव

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3268.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 237 dated the 11th January, 1996 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh, by Hindustan Petroleum Corporation Limited ;

And whereas, copies of the said Gazette Notification were made available to the public on the 11th May, 1996 ;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government ;

And whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of that section 6 of the Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines ;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Kamavarapukota

State : Andhra Pradesh

District : West Godava

Name of Village		Survey No. Sub. Division	Area			
			Hectare	Ares	Acre	Cents
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
Ravikampadu	94/1	Part	00	17.0	00	42
	95/1B	Part	00	05.5	00	14
	100/1D	Part	00	14.5	00	36
	100/2	Part	00	05.0	00	12
	99	Part	00	01.0	00	03
	106	Part	00	01.0	00	02
	166	Part	00	04.5	00	11
	160/20	Part	00	01.5	00	04
	160/21	Part	00	16.5	00	41
	161/1	Part	00	28.0	00	69
	162	Part	00	27.0	00	67
	152	Part	00	12.5	00	31
	183/1	Part	00	00.5	00	01
	183/2	Part	00	12.0	00	30
	184	Part	00	24.0	00	59
	189/1	Part	00	11.5	00	29
	189/2	Part	00	08.0	00	20
	234/1	Part	00	18.0	00	45
	234/2	Part	00	19.5	00	48
	233/1	Part	00	14.5	00	36
	257/1	Part	00	14.0	00	35
	257/2	Part	00	16.0	00	39
	257/3	Part	00	02.0	00	05
	262/1	Part	00	01.0	00	02
	262/2	Part	00	06.0	00	15

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Ravikampadu—(Contd.)					
	258	Part	00	23.5	00
	252/2	Part	00	29.0	00
	280	Part	00	00.5	00
	281/1	Part	00	14.5	00
	294/2A	Part	00	12.5	00
	292/2	Part	00	18.5	00
	292/3	Part	00	08.5	00
	288	Part	00	05.0	00
	290/2	Part	00	01.0	00
	291	Part	00	22.0	00
	302/4	Part	00	10.5	00
	301/1A	Part	00	01.0	00
	301/1B	Part	00	13.0	00
	301/1D	Part	00	15.5	00
	492/4	Part	00	01.0	00
	491/2	Part	00	21.5	00
	491/3A	Part	00	14.5	00
	345/1	Part	00	07.5	00
	345/3	Part	00	07.5	00
	346/B1	Part	00	08.5	00
	346/B2	Part	00	06.5	00
	362/2	Part	00	05.5	00
	361	Part	00	48.0	01
	360	Part	00	13.5	00
	555/1	Part	00	16.0	00
	556/1	Part	00	18.0	00
					45
Uppalapadu					
	223/3A	Part	00	00.5	00
	223/3B	Part	00	18.0	00
	224/4	Part	00	03.0	00
	224/5	Part	00	03.0	00
	225/2A	Part	00	09.5	00
	225/2B	Part	00	10.0	00
	225/3	Part	00	13.5	00
	226/1C	Part	00	02.0	00
	293/2A	Part	00	24.5	00
	292/2	Part	00	26.5	00
	237/5	Part	00	09.0	00
	268/3	Part	00	20.0	00
	272/1	Part	00	09.5	00
	271/2	Part	00	04.5	00
	271/3	Part	00	05.5	00
	271/4	Part	00	06.5	00
	274/2	Part	00	07.0	00
	275/1	Part	00	00.5	00
	275/2	Part	00	07.5	00
	275/4	Part	00	07.5	00
	275/5	Part	00	07.5	00
	275/6	Part	00	00.5	00
	278/1	Part	00	09.5	00
	278/2	Part	00	04.5	00
	278/3	Part	00	07.5	00
	278/4	Part	00	04.0	00
	278/5	Part	00	00.5	00
	259/2	Part	00	14.5	00
	260/5	Part	00	00.5	00
					01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Uppalapadu—(Contd.)	260/6	Part	00	05.0	00
	258/1	Part	00	08.0	00
	258/2	Part	00	05.5	00
	258/3	Part	00	09.5	00
	258/4	Part	00	06.0	00
Ramannapalem	27/2	Part	00	48.0	01
	25/2	Part	00	13.0	00
	25/3	Part	00	08.0	00
Kamavarapukota	653/1	Part	00	18.5	00
	653/2	Part	00	05.0	00
	653/3	Part	00	12.5	00
	653/4	Part	00	02.5	00
	654	Part	00	32.5	00
	657/3	Part	00	05.5	00
	656/2	Part	00	05.5	00
	656/3	Part	00	08.0	00
	695/1	Part	00	11.5	00
	695/2	Part	00	03.0	00
	694/1	Part	00	11.5	00
	694/2	Part	00	13.0	00
	693/3	Part	00	02.0	00
	698/1	Part	00	11.0	00
	699/1	Part	00	01.0	00
	692/2	Part	00	09.5	00
	692/3	Part	00	10.5	00
	692/4	Part	00	09.5	00
	677/2	Part	00	26.5	00
	677/3	Part	00	14.5	00
	677/4	Part	00	08.0	00
	676/1	Part	00	12.0	00
	676/2	Part	00	03.5	00
	679/2	Part	00	01.0	00
	684/2	Part	00	00.5	00
	558/1	Part	00	23.5	00
	559/1	Part	00	26.5	00
	559/5	Part	00	00.5	00
	550/3	Part	00	18.5	00
	542/3	Part	00	22.0	00
	491/2	Part	00	02.5	00
	491/3	Part	00	14.5	00
	491/4	Part	00	08.0	00
	491/5	Part	00	09.0	00
	491/7	Part	00	05.5	00
	492/1	Part	00	07.0	00
	492/2	Part	00	25.0	00
	532	Part	00	24.5	00
	531/1	Part	00	13.0	00
	531/2	Part	00	06.0	00
	531/3	Part	00	07.5	00
	530/1	Part	00	13.0	00
	529/8	Part	00	01.0	00
	529/9	Part	00	12.0	00
	529/11	Part	00	11.5	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
Kamavarapukota (Contd.)	529/12	Part	00	01.0	00	02
	520/1	Part	00	05.5	00	13
	520/2	Part	00	02.0	00	05
	94/1	Part	00	03.0	00	08
	94/2	Part	00	00.5	00	01
	94/4	Part	00	03.0	00	08
	94/5	Part	00	03.0	00	07
	94/6	Part	00	03.0	00	07
	94/7	Part	00	03.0	00	08
	94/8	Part	00	05.5	00	14
	94/9	Part	00	05.5	00	14
	94/10	Part	00	04.5	00	11
	94/12	Part	00	10.5	00	26
	91/1	Part	00	18.0	00	44
	91/2	Part	00	22.0	00	54
	89/1	Part	00	28.0	00	69
	83/1C	Part	00	02.5	00	06
	87/2	Part	00	16.5	00	41
	85/1	Part	00	20.5	00	51
Mankinapalli	49/2	Part	00	07.5	00	18
	49/5	Part	00	03.0	00	08
	49/6	Part	00	05.5	00	14
	49/7	Part	00	06.5	00	16
	49/8	Part	00	11.5	00	28
	49/10	Part	00	01.5	00	04
	50/1	Part	00	13.0	00	32
	50/2	Part	00	04.5	00	11
	52/5	Part	00	01.0	00	03
	52/6	Part	00	21.5	00	53
	52/10	Part	00	03.5	00	09
	53/1	Part	00	12.0	00	30
	53/2	Part	00	07.5	00	18
	53/3	Part	00	03.0	00	07
	27/4	Part	00	04.0	00	10
	27/5	Part	00	11.0	00	27
	27/6	Part	00	05.5	00	13
	26/4	Part	00	02.0	00	05
	148/1	Part	00	18.0	00	44
	148/2	Part	00	12.5	00	31
	147/1	Part	00	09.0	00	22
	147/2	Part	00	03.0	00	07
	143/3	Part	00	05.5	00	13
	144	Part	00	12.0	00	30
	142	Part	00	16.5	00	41
	140/2	Part	00	14.0	00	34
	139/3	Part	00	11.5	00	28
	134/1	Part	00	17.5	00	43
	134/2	Part	00	08.5	00	21
	135	Part	00	08.5	00	21
	101/1	Part	00	08.0	00	20
	100	Part	00	51.0	01	26
Guntupalli	445/2	Part	00	05.5	00	13
	444	Part	00	41.5	01	03

1	2	3	4	5	6	7
Guntupalli(Contd.)	391/3	Part	00	17.0	00	42
	390/1	Part	00	07.0	00	17
	390/2	Part	00	14.5	00	36
	390/3	Part	00	14.5	00	36
	389/1	Part	00	05.5	00	13
	389/2	Part	00	03.0	00	08
	389/3	Part	00	04.5	00	11
	389/4	Part	00	07.5	00	19
	389/5	Part	00	03.0	00	08
	389/6	Part	00	03.0	00	08
	387	Part	00	16.0	00	40
	369/5	Part	00	26.5	00	66
	368/7	Part	00	09.5	00	24
	370/2	Part	00	13.5	00	33
	370/3	Part	00	09.5	00	23
	372/1	Part	00	16.0	00	40
	372/2	Part	00	15.5	00	3
	356/1	Part	00	02.5	00	06
	355/4	Part	00	00.5	00	01
	355/5	Part	00	15.0	00	37
	354/1	Part	00	14.5	00	36
	354/2	Part	00	06.0	00	15
	354/3	Part	00	00.5	00	01
	354/4	Part	00	00.5	00	01
	347/3	Part	00	28.5	00	70
	346/3	Part	00	05.5	00	14
	345/1	Part	00	11.0	00	27
	345/2	Part	00	08.0	00	20
	345/3	Part	00	00.5	00	01
	339/5	Part	00	10.0	00	25
	339/6	Part	00	03.5	00	09
	339/8	Part	00	00.5	00	01
	339/9	Part	00	16.0	00	39
	339/10	Part	00	07.5	00	18
	303/2	Part	00	04.0	00	10
	303/3	Part	00	04.5	00	11
	303/4	Part	00	00.5	00	01
	303/5	Part	00	06.0	00	15
	303/6	Part	00	02.5	00	06
	303/7	Part	00	00.5	00	01
	302/2	Part	00	01.0	00	02
	302/3	Part	00	05.5	00	14
	302/4	Part	00	22.0	00	54
	86/3	Part	00	01.5	00	04
	86/4	Part	00	05.5	00	13
	166/1	Part	00	03.0	00	08
	165/1	Part	00	28.5	00	70
	163	Part	00	38.0	00	91
	160/2	Part	00	00.5	00	01
	160/3	Part	00	14.5	00	36
	160/4	Part	00	11.5	00	28
	161/1	Part	00	01.0	00	03
	162	Part	00	01.5	00	04

1	2	3	4	5	6	7
Guntupalli (Contd.)						
	159/1	Part	00	09.0	00	22
	159/2	Part	00	13.0	00	32
	158/2	Part	00	01.5	00	04
	158/4	Part	00	15.5	00	38
	149/1	Part	00	09.5	00	24
	149/2	Part	00	01.0	00	03
	153/2	Part	00	10.0	00	25
	153/3	Part	00	05.0	00	12
	122/5	Part	00	16.0	00	40
	121/4	Part	00	00.5	00	01
	123/3	Part	00	10.5	00	26
	123/7	Part	00	05.0	00	12
	119/2	Part	00	10.0	00	25
	119/3	Part	00	09.5	00	23
	119/4	Part	00	04.5	00	11
	125/1	Part	00	15.5	00	38
	125/2	Part	00	03.0	00	07
	126/2	Part	00	18.0	00	45
	127/1	Part	00	13.0	00	32
	127/6	Part	00	02.5	00	06
	115	Part	00	31.0	00	76
	114/3	Part	00	00.5	00	01
	114/4	Part	00	07.0	00	17
Mysannagudem						
	47/4	Part	00	01.5	00	04
	39/3	Part	00	00.5	00	01
Rajunagulapall						
	130	Part	00	08.5	00	21
	110/2D	Part	00	02.5	00	06
	113/2	Part	00	00.5	00	01
	113/3	Part	00	01.0	00	02
	112/2	Part	00	12.0	00	30
	107/5	Part	00	04.5	00	11
	107/7B	Part	00	00.5	00	01
	106	Part	00	08.5	00	21
	32/1	Part	00	11.5	00	29
	32/2	Part	00	07.5	00	19
	32/3	Part	00	07.5	00	19
	32/4	Part	00	06.5	00	16
	32/5	Part	00	04.0	00	10
	32/6	Part	00	01.5	00	04
	32/7	Part	00	01.5	00	04
	31/2B	Part	00	19.5	00	48
	31/3	Part	00	07.5	00	18
	30/1	Part	00	20.0	00	50

[F.No. R-31015/18/95 OR-II]
K.C. KATOCH, Under Secy.

नई विद्युती, 14 नवम्बर, 1996

का आ. 3269:-केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारी का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) कीधारा 3की अपधारा (1) और (2) के 2801 GI/96—17,

अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का, आ. 235 तारीख 11 जनवरी, 1996 द्वारा विणाकापटनम स, पेट्रोलियम का परिवहन अन्ध प्रवेश राज्य में विजयावादा कोकरने के लिए, हिन्दुस्तान पेट्रो-लियम कामोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिलाने के प्रयोजनार्थ

उक्त अधिसूचना से सलग अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के प्रधिकारों के अर्जन की, अपने आशय की पोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियो जनता को तारीख 27 अक्टूबर, 1996 को उपलब्ध करा दी रही थी।

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दी है—

और केन्द्रीय सरकार का उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के प्रधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः यदि केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्षियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइप लाइन विलास के लिए अपयोग का प्रधिकार अर्जित करने की पोषणा करती है:

यह और कि, केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्षियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के प्रधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए, सभी विद्यालयों से मुश्तक हांकर हिन्दुमत पैट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

मंडल : जंगारेल्डिगुडेम

राज्य : आनंद प्रदेश

जिला : पश्चिम गोदावरी

ग्राम	सर्वे नं/सब विविजन	क्षेत्रफल			
		हैक्टेयर	आर	एकड़	सेन्ट
1	2	3	4	5	6
केतावरम	564/1 दी भाग	00	00.5	00	01
	564/3 बीभाग	00	03.0	00	07
	563/1 एक भाग	00	17.0	00	42
	563/1जी भाग	00	08.5	00	21
	563/1एच भाग	00	05.5	00	13
	563/1एम भाग	00	12.0	00	30
	563/1एन भाग	00	11.0	00	27
	452/1ए भाग	00	10.0	00	25
	452/1बी भाग	00	07.0	00	17
	452/1सी भाग	00	08.0	00	20
	452/1टी भाग	00	06.0	00	15
	452/1ई भाग	00	02.5	00	06
	452/2 भाग	00	00.5	00	01
	455/1 भाग	00	35.5	00	88
	455/3 भाग	00	03.0	00	08
	456 भाग	00	03.0	00	08
	459 भाग	00	10.5	00	26
	470 भाग	00	27.5	00	69
	471/1 भाग	00	05.5	00	13
	471/2 भाग	00	12.0	00	30
	471/3 भाग	00	24.0	00	59
	471/4 भाग	00	11.0	00	27
	471/5 भाग	00	11.5	00	28
	473/1 भाग	00	07.5	00	18
	472/3 भाग	00	44.0	01	09
	472/4 भाग	00	02.5	00	06
	414/3 भाग	00	25.0	00	62
	415/13 भाग	00	13.5	00	33
	415/16 भाग	00	01.0	00	03
	415/17 भाग	00	11.0	00	27

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
केनावरम् (सेतु)	416/1 भाग	00	08.0	00	20
	416/5 भाग	00	01.5	00	04
	408/2 भाग	00	19.5	00	48
	408/3ए भाग	00	09.0	00	22
	406 भाग	00	01.0	00	02
	405 भाग	00	69.0	01	70
तिष्ठसलापुरम्	577 भाग	00	35.5	00	88
	567 भाग	00	02.5	00	06
	570/1 भाग	05	01.0	00	03
	570/2 भाग	00	11.0	00	27
	569 भाग	00	34.0	00	84
	548 भाग	00	20.0	00	50
	517 भाग	00	09.5	00	23
	511 भाग	00	14.5	00	36
	512 भाग	00	31.0	00	76
	515/2 भाग	00	10.5	00	26
	516 भाग	00	34.0	00	84
	517 भाग	00	30.0	00	74
	520 भाग	00	09.5	00	24
	518 भाग	00	10.0	00	25
	486/1 भाग	00	01.5	00	04
	486/2 भाग	00	44.5	01	10
	485/1 भाग	00	25.5	00	63
	484/1 भाग	00	24.5	00	61
	479/1 भाग	00	20.0	00	49
	362 भाग	00	48.0	01	18
	386 भाग	00	32.0	00	79
	357 भाग	00	04.0	00	10
	356 भाग	00	01.0	00	02
	353/1 भाग	00	14.0	00	35
	353/2 भाग	00	12.5	00	31
	354 भाग	00	19.0	00	47
	352/1ए भाग	00	26.5	00	65
	352/1बी भाग	00	00.5	00	01
	352/1सी भाग	00	03.5	00	09
	352/1डी भाग	00	00.5	00	01
	348/5एच पूरा	00	00.5	00	01
	348/5आई भाग	00	01.0	00	02
	348/5जे भाग	00	01.0	00	03
	348/5के भाग	00	02.0	00	05
	346/2सी भाग	00	02.5	00	06
	345/1ए भाग	00	20.0	00	49
	345/1बी भाग	00	01.5	00	04
	344 भाग	00	20.0	00	50
	337 भाग	00	14.0	00	34

1	2	3	4	5	6
तिरसलापुरम् (संनत)	341/1 भाग	00	21.5	00	53
	341/2 भाग	00	10.5	00	26
	404/1 भाग	00	10.0	00	25
गुरुश्राद्यिंगुडम	530/2 भाग	00	14.5	00	36
	526/2 भाग	00	09.5	00	24
	525 भाग	00	11.5	00	28
	521/1 भाग	00	34.0	00	84
	511 भाग	00	20.0	00	50
	509/3 भाग	00	12.5	00	31
	509/4 भाग	00	02.0	00	05
	509/5 भाग	00	09.5	00	23
	507/4 भाग	00	10.0	00	25
	507/6 भाग	00	15.5	00	38
	543 भाग	00	11.0	00	27
	563/1 भाग	00	15.5	00	38
	563/2 भाग	00	16.0	00	40
	401 भाग	00	20.0	00	49
लक्कावरम्	387 भाग	00	17.5	00	43
	388 भाग	00	20.0	00	50
	170/1 भाग	00	00.5	00	01
	170/2 भाग	00	00.5	00	01
	184 भाग	00	12.5	00	31
	182 भाग	00	23.5	00	58
	173/1 भाग	00	16.0	00	40
	173/2 भाग	00	09.5	00	23
	173/3 भाग	00	03.0	00	08
	174/1 भाग	00	02.0	00	05
	174/2 भाग	00	10.0	00	25
	174/3 तीव्र भाग	00	06.0	00	15
	174/4 भाग	00	01.0	00	02
	174/5 भाग	00	14.0	00	35
	175 भाग	00	41.0	01	01
	176 1 भाग	00	11.5	00	28
	141 भाग	00	20.0	00	49
	140 भाग	00	34.5	00	85
	138/1 भाग	00	05.0	00	12
	138/2 भाग	00	23.5	00	58
	138/3 भाग	00	02.0	00	05
	134/1 भाग	00	28.0	00	69
	135/2 भाग	00	07.5	00	19
	132/1 भाग	00	03.0	00	08
	132/2 भाग	00	09.5	00	24
	132/3 भाग	00	37.5	00	93
	131 भाग	00	46.0	01	14
	127 भाग	00	59.0	01	46
	124/2 भाग	00	01.0	00	02
	49/2 भाग	00	26.5	00	66

1	2	3	4	5	6
लक्षकावरम् (संतत)	50 भाग	00	21.5	00	53
	51/2 वी भाग	00	37.0	00	91
	53/2 भाग	00	06.0	00	15
	53/6 भाग	00	11.5	00	28
	53/8 भाग	00	17.0	00	42
	72/1 भाग	00	02.5	00	06
	73/2 भाग	00	02.0	00	05
	69/2 भाग	00	16.5	00	41
	69/3 भाग	00	07.5	00	18

[फ.सं. प्रार-31015/16/95-क्र। प्रार-2]

के.सी. कटाच, अवर सचिव

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3269.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 235 dated the 11th January, 1996 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transport of petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh, by Hindustan Petroleum Corporation Limited ;

And whereas, copies of the said Gazette Notification were made available to the public on the 17th April, 1996 ;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government ;

And whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines ;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Jangareddigudem

State : Andhra Pradesh

District : West Godavari

Name of Village	Survey No./Sub. Division	Area			
		Hectare	Ares	Acre	Cents
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Kethavaram	564/1B	Part	00	00.5	00
	564/3B	Part	00	03.0	00
	563/1F	Part	00	17.0	00
	563/1G	Part	00	08.5	00
	563/1H	Part	00	05.5	00
	563/1M	Part	00	12.0	00
	563/1N	Part	00	11.0	00
	452/1A	Part	00	10.0	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
Kethavaram (Contd.)						
	452/1B	Part	00	07.0	00	17
	452/1C	Part	00	08.0	00	20
	452/1D	Part	00	06.0	00	15
	452/1E	Part	00	02.5	00	06
	452/2	Part	00	00.5	00	01
	455/1	Part	00	35.5	00	88
	455/3	Part	00	03.0	00	08
	456	Part	00	03.0	00	08
	459	Part	00	10.5	00	26
	470	Part	00	27.5	00	69
	471/1	Part	00	05.5	00	13
	471/2	Part	00	12.0	00	30
	471/3	Part	00	24.0	00	59
	471/4	Part	00	11.0	00	27
	471/5	Part	00	11.5	00	28
	473/1	Part	00	07.5	00	18
	472/3	Part	00	44.0	01	09
	472/4	Part	00	02.5	00	06
	414/3	Part	00	25.0	00	62
	415/13	Part	00	13.5	00	33
	415/16	Part	00	01.0	00	03
	415/17	Part	00	11.0	00	27
	416/1	Part	00	08.0	00	20
	416/5	Part	00	01.5	00	04
	408/2	Part	00	19.5	00	48
	408/3A	Pdrt	00	09.0	00	22
	406	Part	00	01.0	00	02
	405	Part	00	69.0	01	70
Tirumalapuram	577	Part	00	35.5	00	88
	567	Part	00	02.5	00	06
	570/1	Part	00	01.0	00	03
	570/2	Part	00	11.0	00	27
	569	Part	00	34.0	00	84
	548	Part	00	20.0	00	50
	547	Part	00	09.5	00	23
	511	Part	00	14.5	00	36
	512	Part	00	31.0	00	76
	515/2	Part	00	10.5	00	26
	516	Part	00	34.0	00	84
	517	Part	00	30.0	00	74
	520	Part	00	09.5	00	24
	518	Part	00	10.0	00	25
	486/1	Part	00	01.5	00	04
	486/2	Part	00	44.5	01	10
	485/1	Part	00	25.5	00	63
	484/1	Part	00	24.5	00	61
	479/1	Part	00	20.0	00	49
	362	Part	00	48.0	01	18
	386	Part	00	32.0	00	79
	357	Part	00	04.0	00	10
	356	Part	00	01.0	00	02
	353/1	Part	00	14.0	00	35
	353/2	Part	00	12.5	00	31
	354	Part	00	19.0	00	47

Tirumalapuram (Contd.)	352/1A	Part	00	26.5	00	65
	352/1B	Part	00	00.5	00	01
	352/1C	Part	00	03.5	00	09
	352/1D	Part	00	00.5	00	01
	348/5H	Full	00	00.5	00	01
	348/5I	Part	00	01.0	00	02
	348/5J	Part	00	01.0	00	03
	348/5K	Part	00	02.0	00	05
	346/2C	Part	00	02.5	00	06
	345/1A	Part	00	20.0	00	49
	345/1B	Part	00	01.5	00	04
	344	Part	00	20.0	00	50
	337	Part	00	14.0	00	34
	341/1	Part	00	21.5	00	53
	341/2	Part	00	10.5	00	26
	404/1	Part	00	10.0	00	25
Guravaigudem	530/2	Part	00	14.5	00	36
	526/2	Part	00	09.5	00	24
	525	Part	00	11.5	00	28
	521/1	Part	00	34.0	00	84
	511	Part	00	20.0	00	50
	509/3	Part	00	12.5	00	31
	509/4	Part	00	02.0	00	05
	509/5	Part	00	09.5	00	23
	507/4	Part	00	10.0	00	25
	507/6	Part	00	15.5	00	38
	543	Part	00	11.0	00	27
	563/1	Part	00	15.5	00	38
	563/2	Part	00	16.0	00	40
	401	Part	00	20.0	00	49
	387	Part	00	17.5	00	43
	388	Part	00	20.0	00	50
Lakkavaram	170/1	Part	00	00.5	00	01
	170/2	Part	00	00.5	00	01
	184	Part	00	12.5	00	31
	182	Part	00	23.5	00	58
	173/1	Part	00	16.0	00	40
	173/2	Part	00	09.5	00	23
	173/3	Part	00	03.0	00	08
	174/1	Part	00	02.0	00	05
	174/2	Part	00	10.0	00	25
	174/3B	Part	00	06.0	00	15
	174/4	Part	00	01.0	00	02
	174/5	Part	00	14.0	00	35
	175	Part	00	41.0	01	01
	176/1	Part	00	11.5	00	28
	141	Part	00	20.0	00	49
	140	Part	00	34.5	00	85
	138/1	Part	00	05.0	00	12
	138/2	Part	00	23.5	00	58
	138/3	Part	00	02.0	00	05
	134/1	Part	00	28.0	00	69
	135/2	Part	00	07.5	00	19

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Lakkavaram (Contd.)	132/1	Part	00	03.0	00
	132/2	Part	00	09.5	00
	132/3	Part	00	37.5	00
	131	Part	00	46.0	01
	127	Part	00	59.0	01
	124/2	Part	00	01.0	00
	49/2	Part	00	26.5	00
	50	Part	00	21.5	00
	51/2B	Part	00	37.0	00
	53/2	Part	00	06.0	00
	53/6	Part	00	11.5	00
	53/8	Part	00	17.0	00
	72/1	Part	00	02.5	00
	73/2	Part	00	02.0	00
	69/2	Part	00	16.5	00
	69/3	Part	00	07.5	00
					18

[F. No. R-31015/16/95-OR-II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई विन्ली, 18 नवम्बर, 1996

का.आ. 3270.—चूंकि केन्द्रीय संस्कार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है कि नीचोदग ई.पी.एस. से आकाश सेरामिक भूजगत राज्य सर पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिये गाइपलाईन गैस अथॉरिटी और इंडिया लिमिटेड द्वारा बिकाई जानी चाहिये।

और चूंकि यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईन को बिकाने के प्रयोजन के लिये एक विपुल अनुमूली में विनियोग भूमि में जायोग का प्रधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, प्रबल पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय संस्कार उसमें उपयोग का प्रधिकार अर्जित करने का अपना आन्तरिक अतद्वारा घोषित करती है:

बास्ते कि उक्त भूमि में लिटरेट कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे गाइपलाईन बिकाने के लिये आक्षेप सक्षम प्रधिकारी, गैस अथॉरिटी और इंडिया लिमिटेड दर्पण विलेग, अलकापुरी बड़ीका को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विविदिष्टतः यह भी कथन करेगा कि वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की माफत।

भूमूली

लीम्बोदरा ई.पी.एस. से आकाश सेरामिक

राज्य: गुजरात नामका: कलोल जिला: मेहेसाना

गांव

प्रम. सं. नाम सं.

परिया

लीम्बोदरा	45	—00	—06	—36
[म. पल.-14016/11/96-जी.पी.]				

प्रधेन्दु सेन, निवेशक

New Delhi, the 18th November, 1996
S.O. 3270.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public in-

terest that for the transport of Petroleum and Natural Gas from Limbodra EPS to Akash Ceramics in Gujarat State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interest in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. Darpan Building, Alkapuri, Baroda.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

GAS AUTHORITY OF INDIA LTD.

BARODA

SCHEDULE

Limbodra EPS to Akash Ceramics

State : Gujarat Tal : Lalol Dist. : Mehesana

Village Survey No. Area of R.O.U.

Block No.

Hec-tare

Are

Certi-are

Limbodra 45 —00 —06 —36

]No. L-14016/11/96-GP.]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 1996

का.प्रा. 3271 चूंकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है कि लीम्बोदरा ई.पी.एस., से आकाश सेरामिक तक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के लिये पाइपलाईन गैस प्रथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिलाई जानी जाहिये।

और चूंकि यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईन को बिछाने के प्रयोजन के लिये एटुड़ीबॉर्ड अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्कितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एलेक्ट्रोरा ओपरेटर करती है।

वर्तमान में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के सीधे पाइपलाईन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस प्रथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड दर्शन विलिंग, भलकापुरी, बड़ौदा को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्ट है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की भारत।

मनुसूची

लीम्बोदरा ई.पी.एस., से आकाश सेरामिक

राज्य : गुजरात तालुका : कलोल जिला : मेहसाना

पांच	हैक्टेयर	आरे	सेटीम्सारे	
राजपुरा	63 पी०	00	10	98
	64/3	00	06	59
	64/2	00	04	91
	65	00	00	12
	60 पी०	00	02	86
		00	25	46

[सं. एल.-14016/11/96-जी पी]

अर्वदु सेन, निवेशक

New Delhi; the 18th November, 1996

S.O. 3271.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas from Limbodra EPS to Akash Ceramics in Gujarat State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right

2801 GI/96—18.

of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interest in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. Darpan Building, Alkapuri, Baroda.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

GAS AUTHORITY OF INDIA LTD.

BARODA
SCHEDULE
LIMBODRA EPS TO AKASH CERAMICS

State : Gujarat Tal : Vijapur Dist. : Mahesana

Village	Survey No/ Block No.	Area of R.O.U.		
		Hec- tare	Are	Certi- are
Rajpura	63.P	00	10	98
	64/3	00	06	59
	64/2	00	04	91
	65	00	00	12
	60.P	00	02	86
		00	25	46

[No. L-14016/11/96-G..]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 1996

का.प्रा. 3272 चूंकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है कि आसना ई.पी.एस., से स्टरलिंग कैमोकल्स गुजरात राज्य तक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिये पाइपलाईन गैस प्रथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिलाई जानी जाहिये।

और चूंकि यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईन को बिछाने के प्रयोजन के लिये एटुड़ीबॉर्ड अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्कितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एलेक्ट्रोरा ओपरेटर करती है।

वर्तमान में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के सीधे पाइपलाईन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस प्रथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड, दर्शन विलिंग, अनंकपुरी, बड़ौदा को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्री ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्ट है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की भारत।

अनुसूची

वासना ई.पी.एस. से स्टर्लिंग कैमिकल्स
राज्य: गुजरात तालुका: मेहमदाबाद ज़िला: खेडा

गांव	क्रम सं. छालाक नं.	परिया	हैटेयर आरे सेन्ट आरे		
माहिज	वासना ई.पी.एस.	00 07 32			
1329		00 15 78			
1328		00 08 75			
1319		00 09 04			
1318		00 05 07			
सब-माइनर		00 00 65			
		00 46 61			

अनुसूची

वासना ई.पी.एस. से स्टर्लिंग कैमिकल्स
राज्य: गुजरात तालुका: मेहमदाबाद ज़िला: खेडा

गांव	क्रम सं. छालाक नं.	परिया	हैटेयर आरे		
माहिज	160	00 09 43			
161		00 12 74			
189		00 00 02			
157		00 14 17			
फिल्ड फैनल		00 80 65			
155		90 69 74			
ओ.एन.जी.सी. रोड	00	01 70			
145		00 21 99			
कार्ट्रैक		00 01 30			
152		00 01 05			
151		00 11 88			
149		00 09 10			
148		00 01 43			
भाला		00 05 98			
		00 66 13			

अनुसूची

वासना ई.पी.एस. से स्टर्लिंग कैमिकल्स
राज्य: गुजरात तालुका: मेहमदाबाद ज़िला: खेडा

गांव	क्रम सं. छालाक नं.	परिया	हैटेयर आरे सेन्ट आरे		
सारसा	48	00 00 15			
39		00 23 25			
40		00 04 74			
31		00 04 64			
33		00 07 76			
32		00 20 67			

(2) (3) (4) (5) (6)

सरसद जारी	रोड	00	02	99
ताला	466 पी प्रय	00	01	17
486	486	00	28	13
488		00	01	10
487		00	10	01
कार्ट्रैक		00	01	17
428		00	03	44
427/2		00	00	09
427/1		00	04	78
429		00	02	93
432/2		00	02	80
431/2		00	05	16
431/1		00	08	84
434		00	08	67
418		00	04	35
417		00	04	11
416		00	05	68
415		00	14	10
394		00	15	69
रोड		00	02	34
381		00	09	97
379		00	00	34

अनुसूची

वासना ई.पी.एस. से स्टर्लिंग कैमिकल्स
राज्य: गुजरात तालुका: मेहमदाबाद ज़िला: खेडा

गांव	क्रम सं. छालाक नं.	परिया	हैटेयर आरे सेन्ट आरे		
मीवज	1111		00	01	95
			00	01	95

[सं. एल-14016/11/96-प्रजी.पी.]

प्रधानमंत्री सेव, निवेशक

New Delhi, the 18th November, 1996

GAS AUTHORITY OF INDIA LTD.

BARODA

SCHEDULE

VASANA EPS TO STERLING CHEMICALS
 STATE : GUJARAT TAL : MAHEMADABAD
 DIST. KHEDA

S.O. 3272.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas from Vasana EPS to Sterling Chemicals in Gujarat State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interest in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., Darpan Building, Alka Puri, Baroda.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

GAS AUTHORITY OF INDIA LTD.

BARODA

SCHEDULE

VASANA EPS TO STERLING CHEMICALS

STATE : GUJARAT TAL : MAHEMADABAD

DIST. KHEDA

Village	Survey No/ Block No.	Area of R.O.U.		
		Hectare	Are	Centiare
Mahij	Vasana EPS	—00	07	32
	1329	—00	15	78
	1320	—00	08	75
	1319	—00	09	04
	1318	—00	05	07
	Sub-Minor	—00	00	65
		—00	46	61

Villag	Survey No/ Block No.	Area of R.O.U.		
		Hectare	Are	Centiar
Vasana Margiya	160	—00	09	43
	161	—00	12	74
	189	—00	00	02
	157	—00	14	17
Field Channel		—00	00	65
	155	—00	74	69
ONGC Road		—00	01	70
	145	—00	21	99
Cart Track		—00	01	30
	152	—00	01	05
	151	—00	11	88
	149	—00	09	10
	148	—00	01	43
Nalla		—00	05	98
		—00	66	13

GAS AUTHORITY OF INDIA LTD.

BARODA

SCHEDULE

VASANA EPS TO STERLING CHEMICALS

State : Gujarat Tal : Mahemadabad Dist. : Kheda

Village	Survey No./ Block No.	Area of R.O.U.		
		Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Sarasa	48	00	00	15
	39	00	23	25
	40	00	04	74
	31	00	04	64
	33	00	07	76
	32	00	20	67
Road		00	02	99
Nalla		00	01	17
466P		00	07	41
	486	00	28	13
	488	00	01	10
	487	00	10	81
Cart Track		00	01	17
	428	00	03	44
	427/2	00	00	09
	427/1	00	04	78
	429	00	02	93
	432/2	00	02	80
	431/2	00	05	16
	431/1	00	08	84
	434	00	08	67
	418	00	04	35
	417	00	04	.1
	416	00	05	68
	415	00	14	10
	394	00	5	69

1	2	3	4	5
Surasa—Contd.	Road	00	02	34
381		00	09	97
379		00	00	34
380		00	19	87
Minor		00	01	30
366		00	10	72
367		00	12	29
365		00	00	20
360/2		00	01	30
Cart Track		00	00	39
355/1		00	08	73
359/2		00	11	28
		02	73	36

GAS AUTHORITY OF INDIA LTD.

BARODA

SCHEDEULE

VASANA EPS TO STERLING CHEMICALS

State : Gujarat Tal : Mahemadabad Dist. : Kheda

Village	Survey No./ Block No.	Area of R.O.U.		
		Hectare	Are	Centiare
Bidaj	1111	—00	—01	—95

[No. L-14016/11/96-GP]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 1996

का० आ० 3273.—चूंक केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनर्हित में यह आवश्यक है कि नन्नीलम अरसी प्रोडक्शन सिस्टम से आधिकारिक अधिकारी और प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिये पाइपलाइन गैस अर्थात् ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिलाई जानी चाहिये।

और चूंक यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को बिलाने के प्रयोजन के लिए एतत्पुरावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अधित करना आवश्यक है।

अतः, अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अवृत्त) अधिकारियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त वार्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उसमें उपयोग का अधिकार अधित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित करती है।

बास्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिलाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राकृतिक गैस अर्थात् ऑफ इंडिया लिमिटेड, नागर्पाटिनम को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विरामिदृष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी दुनिया व्यापितयत हो या किसी विधि व्यवसायी की माफत।

अनुसूची

नन्नीलम अरसी प्रोडक्शन सिस्टम से आधिकारिक अधिकारी एवं गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

राज्य	जिला	तालुक	ग्राम संख्या तथा नाम	सर्वे नं०	क्षेत्रफल			टिप्पणी
					हेक्टे० में	एकड़ सैन्ट में		
तमिलनाडु	नारायणपेट-मिल्लैथ	कोडावसाल	104 पेरुनथारा	166.3	0.07.5	0.18		
			कुड़ी	167	0.23.0	0.57		
				168	0.28.5	0.70		
				169	0.17.0	0.42		
				174.1	0.27.5	0.68		
				174.3	0.06.0	0.15		
				194.2	0.08.0	0.12		
				194.3	0.01.0	0.02		
				194.4	0.00.3	0.01		
				194.6	0.00.5	0.01		
				194.7	0.03.5	0.06		
				199.5ए	0.05.0	0.12		
				199.5टी	0.09.0	0.22		
				201.2	0.05.0	0.12		

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(8)
तमिलनाडु	नागर्द-क्वेड-ई-मिलसैथ	फोडावसाल	104 एहतथारा कुटी	201.3 201.4 202.2 202.3 209.1 209.2 210.1 210.2ए 213.2 213.3ए 195.9 195.10 195.11	0.04.5 0.04.5 0.06.0 0.05.0 0.05.5 0.07.5 0.07.0 0.06.0 0.10.0 0.01.0 0.09.0 0.02.0 0.02.0	0.11 0.11 0.15 0.12 0.13 0.18 0.17 0.15 0.25 0.02 0.22 0.04 0.04
तमिलनाडु	नागर्द-क्वेड-ई-मिलसैथ	फोडावसाल	103 कुलीकराई	76.10 76.12 76.13 87.1ए 87.1टी 87.2ए 87.2टी1 87.2टी3 89.4 89.5 89.6 89.7ए 89.7टी 90.1 90.4 91.1टी 91.4सी 91.14ए 91.14टी 91.16 94.1 94.2टी 94.3 094.4 96.1ए1 96.1ए2 96.2ए 96.2टी 97.1ए 97.1टी 100.2 100.3ए 100.09	0.03.5 0.04.0 0.04.5 0.02.0 0.00.9 0.08.0 0.12.5 0.05.5 0.00.5 0.01.0 0.06.0 0.06.0 0.01.0 0.00.5 0.07.0 0.00.5 0.00.5 0.00.5 0.06.5 0.00.5 0.00.5 0.00.5 0.03.5 0.03.5 0.03.5 0.03.5 0.06.5 0.03.5 0.01.5 0.11.0 0.01.0 0.00.5 0.03.0 0.00.5 0.00.5	0.09 0.10 0.11 0.05 0.22 0.20 0.31 0.13 0.01 0.02 0.15 0.02 0.01 0.01 0.01 0.01 0.01 0.16 0.01 0.16 0.01 0.09 0.09 0.09 0.09 0.16 0.09 0.04 0.27 0.02 0.01 0.01 0.08 0.01 0.01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
தமில்நாடு	நாங்கூர்-கவை-ஈ-மித்தைய	கோட்டாவசால	101 பியார் ராஜாபுரம்	100.11 100.12 104.1 104.4 104.5 104.9 104.10 104.12 104.13 104.14 ^ए 104.14 ^{கி} 104.14 ^{ஸி} 105.3 106.1 114.2 114.3 114.5	0.04.0 0.08.0 0.03.0 0.00.5 0.05.5 0.91.0 0.03.0 0.02.05 0.01.0 0.00.5 0.01.0 0.02.0 0.10.5 0.01.0 0.09.0 0.10.5 0.10.5	0.10 0.20 0.08 0.01 0.01 0.02 0.21 0.02 0.22 0.26 0.26	
தமில்நாடு	நாங்கூர்-கவை-ஈ-மித்தைய	கோட்டாவசால	101. பியார்- ராஜாபுரம்	50.1 51.1 51.3 51.10 51.11 52.2 57.2 58.4 64.2 65.2 ^{கி} 99.2 ^ए 99.3 99.6 106.2 ^ए 106.2 ^{கி} 106.2 ^ஈ 106.2 ^{ஏக்} 106.3 ^ए 106.3 ^{கி} 106.3 ^{ஸி} 106.3 ^{ஜி} 106.3 ^{ஏஞ்} 107.2 107.3 108.5 ^ए 108.5 ^{ஸி} 106.3 ^{ஜி}	0.11.0 0.00.5 0.11.0 0.05.0 0.04.0 0.21.0 0.02.0 0.16.5 0.19.5 0.02.5 0.07.5 0.05.5 0.06.0 0.01.0 0.02.5 0.06.0 0.04.0 0.01.5 0.01.5 0.04.0 0.04.5 0.06.0 0.01.5 0.10.0 0.05.0 0.05.0 0.06.0	0.27 0.01 0.27 0.12 0.10 0.52 0.04 0.41 0.48 0.06 0.18 0.13 0.15 0.02 0.06 0.15 0.10 0.04 0.04 0.10 0.11 0.15 0.04 0.25 0.12 0.12 0.15	

1	2	3	4	5	6	7
तर्मिलनाङ्कु	लागई-मर्वेज-ही-मिस्ट्रीथ	कोड़ावसाल	101. थियाग-यजापुरम	109. २ए 109. २बी 109. ३ए 109. ४बी 109. ६ 111. ३ 112. ६ 112. ७ 115. २बी 115. ३ 116. २ 118. २ 120. १बी 120. ५बी 122. २	०.०३.० ०.०२.० ०.०५.० ०.०४.० ०.०७.० ०.१७.० ०.०६.० ०.०५.५ ०.०५.० ०.०६.० ०.२०.५ ०.०६.० ०.०८.० ०.०२.० ०.०३.०	०.०८ ०.०४ ०.१२ ०.१० ०.१७ ०.४२ ०.१५ ०.१३ ०.१५ ०.५१ ०.१५ ०.२० ०.०४ ०.०८
			100. पारलथियूर	७. २ए ७. २बी ७. २सी ७. २षी १०. ४ १०. ५ १०. ६ ११. २ए ११. २बी ११. २सी	०.१०.० ०.०७.० ०.०४.५ ०.२२.५ ०.००.५ ०.०१.० ०.०२.५ ०.११.० ०.०४.० ०.०५.५	०.२५ ०.१७ ०.११ ०.५६ ०.०१ ०.०२ ०.०६ ०.२७ ०.१० ०.१४
			97. कनकोयूथावनीथम	२. १ २. २ए २. २बी ३. १ए ३. १बी ३. १सी ४. -	०.०३.० ०.०३.५ ०.०४.० ०.०७.५ ०.१३.० ०.१२.० ०.०७.०	०.०८ ०.९० ०.१० ०.१८ ०.३२ ०.३० ०.१७
			89. मैलाथिस-माशीकुन्नम	३६. १८ ३७. ४ए ३७. ४बी ३७. ९बी ३७. १२ ३७. १५ ३७. १६ ३८. ५ए ३८. ५बी ४२. २ ४२. ३ ४२. ४ ४२. ७बी ४३. ३	०.००.५ ०.३०.० ०.०३.० ०.००.५ ०.०५.० ०.००.५ ०.०६.० ०.०८.० ०.०६.० ०.००.५ ०.०६.० ०.०२.० ०.०८.५ ०.००.५	०.०१ ०.०८ ०.०८ ०.०१ ०.१२ ०.०१ ०.१५ ०.२० ०.१५ ०.०१ ०.१५ ०.०५ ०.२१ ०.०१

1	2	3	4	5	6	7
तमिलनाडु (जारो)	नागर्ह-कैड-ई-मिललैथ (जारो)	कोडावसाल (जारो)	89. मैलायिरुमाथी कुन्नम (जारो)	43. 4ए 43. 4बी 44. 5ए 44. 5बी 60. 1 60. 2 61. 4बी 61. 5 62. 1 63. 3 63. 4	0. 04. 5 0. 02. 0 0. 09. 0 0. 02. 5 0. 06. 0 0. 19. 5 0. 04. 0 0. 06. 0 0. 07. 5 0. 02. 0 0. 06. 0	0. 11 0. 05 0. 22 0. 06 0. 15 0. 49 0. 10 0. 15 0. 18 0. 15 0. 15
90. नालिलओन्यु				64. 1 67. 1 67. 3. 67. 5बी 67. 5सी 68. 1 68. 3ए 68. 8 69. 2सी 70. 1 70. 2 70. 3 70. 4 70. 7 71. 2 71. 5बी	0. 08. 5 0. 05. 5 0. 05. 5 0. 07. 5 0. 00. 5 0. 05. 5 0. 00. 5 0. 01. 0 0. 00. 5 0. 07. 0 0. 03. 0 0. 06. 0 0. 01. 0 0. 07. 0 0. 09. 0 0. 09. 0	0. 21 0. 13 0. 13 0. 18 0. 01 0. 13 0. 01 0. 02 0. 01 0. 17 0. 08 0. 15 0. 02 0. 17 0. 22 0. 22
87. आर्थी				119. 1बी 119. 2 119. 3ए1 119. 3ए2 119. 3ए3 119. 4ए 119. 5 119. 6ए 119. 6बी 127. 1 127. 2 127. 4 127. 5ए 127. 5बी 127. 6ए 127. 6बी 127. 6जी 127. 7ट 127. 7बी	0. 07. 0 0. 03. 0 0. 00. 5 0. 02. 5 0. 05. 0 0. 02. 5 0. 06. 0 0. 05. 0 0. 04. 5 0. 03. 0 0. 08. 0 0. 05. 5 0. 03. 0 0. 01. 5 0. 01. 0 0. 03. 0 0. 03. 0 0. 03. 0	0. 17 0. 08 0. 01 0. 06 0. 12 0. 06 0. 15 0. 12 0. 11 0. 08 0. 20 0. 13 0. 08 0. 08 0. 04 0. 02 0. 08 0. 08 0. 08

1	2	3	4	5	6	7	8
				136. 1	0. 08. 5	0. 21	
				136. 2	0. 09. 0	0. 22	
				136. 3	0. 09. 0	0. 22	
				136. 4	0. 07. 0	0. 17	
				136. 5	0. 03. 0	0. 08	
				137. 6	0. 08. 0	0. 20	
तमில்நாடு	நாகரை-குவெட்-இ-மில்லை கோட்டுரமான	86, குண்ணா கோட்டேஜ்	151. 1கி	0. 06. 5	0. 16		
			151. 2கி ²	0. 05. 0	0. 12		
			151. 2கி ²	0. 02. 0	0. 05		
			151. 2கி ²	0. 03. 0	0. 08		

[सं. पल-14016/12//96-जी०प०]

அவைந்து ஸென, நிதேஷக்

New Delhi, the 18th November, 1996

S.O. 3273.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas from Namilam Early Production System to Adiyakamangalam, G.G.S. in A.P. State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. Nagapattinam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

NANNILAM EARLY PRODUCTION SYSTEM TO ADIYAKAMANGALAM, G.G.S. GAS PIPELINE

PROJECT

State	District	Taluk	Village No. & Name	Survey Number	Area		Remarks
					In Hectares	In Acre cent	
Tamil Nadu	Nagai Quaid-E-Milleth	Kodavasal	104	166.3	0.07.5	0.18	
			Perunthara Kudi	167	0.23.0	0.57	
				168	0.28.5	0.70	
				169	0.17.0	0.42	
				174.1	0.27.5	0.68	
				174.3	0.06.0	0.15	
				194.2	0.05.0	0.12	
				194.3	0.01.0	0.02	
				194.4	0.00.5	0.01	
				194.6	0.00.5	0.01	
				194.7	0.03.5	0.06	
				199.5A	0.05.0	0.12	
				199.5B	0.09.0	0.22	
				201.2	0.05.0	0.12	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Tamil Nadu	Nagai Quaid-E-Milletta	Kodavasal	201.3	0.04.5	0.11
			201.4	0.04.5	0.11
			202.2	0.06.0	0.15
			202.3	0.05.0	0.12
			209.1	0.05.5	0.13
			209.2	0.07.5	0.18
			210.1	0.07.0	0.17
			210.2A	0.06.0	0.15
			213.2	0.10.0	0.25
			213.3A	0.01.0	0.02
			195.7	0.09.0	0.22
			195.10	0.02.0	0.04
			195.11	0.02.0	0.04
	103 Kulikarai		76.10	0.03.5	0.09
			76.12	0.04.0	0.10
			76.13	0.04.5	0.11
			87.1A	0.02.0	0.05
			87.1D	0.09.0	0.22
			87.2A	0.08.0	0.20
			87.2B1	0.12.5	0.31
			89.2B3	0.05.5	0.13
			89.4	0.00.5	0.01
			89.5	0.01.0	0.02
			89.6	0.06.0	0.15
			89.7A	0.06.0	0.15
			89.7B	0.01.0	0.02
			90.1	0.09.5	0.01
			90.4	0.07.0	0.17
			91.1B	0.00.5	0.01
			91.4C	0.00.5	0.01
			91.14A	0.00.5	0.01
			91.14B	0.06.5	0.16
			91.16	0.00.5	0.01
			94.1	0.03.5	0.09
			94.2B	0.03.5	0.09
			94.3	0.03.5	0.09
			94.4	0.03.5	0.09
			96.1A1	0.06.5	0.16
			96.1A2	0.03.5	0.09
			96.2A	0.01.5	0.04
			96.2B	0.11.0	0.27
			97.1A	0.01.0	0.02
			97.1B	0.00.5	0.01
			100.2	0.03.0	0.08
			100.3A	0.00.5	0.01
			100.9	0.00.5	0.01
			100.11	0.04.0	0.10
			100.12	0.08.0	0.20
			104.1	0.03.0	0.08
			104.4	0.00.5	0.01
			104.5	0.00.5	0.01
			104.9	0.01.0	0.02
			104.10	0.03.0	0.08
			104.12	0.02.5	0.06

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Tamil Nadu	Nagai Qutid-E-Milleth	Kodavasal	101	50.1	0.11.0
			Thiyagaraja-puram	51.1	0.00.5
				51.3	0.11.0
				51.10	0.05.0
				51.11	0.04.0
				52.2	0.21.0
				57.2	0.02.0
				58.4	0.16.5
				64.2	0.19.5
				65.2B	0.02.5
				99.2A	0.07.5
				99.3	0.05.5
				99.6	0.06.0
				106.2A	0.01.0
				106.2B	0.02.5
				106.2D	0.06.0
				106.2E	0.04.0
				106.2F	0.01.5
				106.3A	0.01.5
				106.3C	0.04.0
				106.3G	0.04.5
				106.3H	0.06.0
				107.2	0.01.5
				107.3	0.10.0
				108.5A	0.05.0
				108.5C	0.05.0
				106.3D	0.06.0
				109.2A	0.03.0
				109.2B	0.02.0
				109.3A	0.05.0
				109.4B	0.04.0
				109.6	0.07.0
				111.3	0.17.0
				112.6	0.06.0
				112.7	0.05.5
				115.2D	0.05.0
				115.3	0.06.0
				116.2	0.20.5
				118.2	0.06.0
				120.1B	0.08.0
				120.15B	0.02.0
				122.2	0.03.0
		100 Paruthiyur	7.2A	0.10.0	0.25
			7.2B	0.07.0	0.17

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
Tamil Nadu	NagaiQuaid-E-Milleth	Kodavasal	7.2C	0.04.5	0.11	
			7.2D	0.22.5	0.56	
			10.4	0.00.5	0.01	
			10.5	0.01.0	0.02	
			10.6	0.02.5	0.06	
			11.2A	0.11.0	0.27	
			11.2B	0.04.0	0.10	
			11.2C	0.05.5	0.14	
	97		2.1	0.03.0	0.08	
	Kankoduthavanitham		2.2A	0.03.5	0.09	
			2.2B	0.04.0	0.10	
			3.1A	0.07.5	0.18	
			3.1B	0.13.0	0.32	
			3.1C	0.12.0	0.30	
			4.---	0.07.0	0.17	
	89		36.18	0.00.5	0.01	
	Mela Thirumathi	37.4A2		0.03.0	0.08	
	Kunnam	37.8B		0.03.0	0.08	
		37.9B		0.00.5	0.01	
		37.12		0.05.0	0.12	
		37.15		0.00.5	0.01	
		37.16		0.06.0	0.15	
		38.5A		0.08.0	0.20	
		38.5B		0.06.0	0.15	
		42.2		0.00.5	0.01	
		42.3		0.06.0	0.15	
		42.4		0.02.0	0.05	
		42.7B		0.08.5	0.21	
		43.3		0.00.5	0.01	
		43.4A		0.04.5	0.11	
		43.4B		0.02.0	0.05	
		44.5A		0.09.0	0.22	
		44.5B		0.02.5	0.06	
		60.1		0.06.0	0.15	
		60.2		0.19.5	0.49	
		61.4B		0.04.0	0.10	
		61.5		0.06.0	0.15	
		62.1		0.07.5	0.18	
		63.3		0.02.0	0.05	
		63.4		0.06.0	0.15	
	90		64.1	0.08.5	0.21	
	Nalil Onnu	67.1		0.05.5	0.13	
		67.3		0.05.5	0.13	
		67.5B		0.07.5	0.18	
		67.5C		0.00.5	0.01	
		68.1		0.05.5	0.13	
		68.3A		0.00.5	0.01	
		68.8		0.01.0	0.02	
		69.2C		0.00.5	0.01	
		70.1		0.07.0	0.17	
		70.2		0.03.0	0.08	
		70.3		0.06.0	0.15	
		70.4		0.01.0	0.02	

1	2	3	4	5	6	7
Tamil Nadu	Nagai Quaid-E-Milleth	Kodavasal	87	70.7	0.07.0	0.17
		Athichola-	119.1B	71.2	0.09.0	0.22
		mangalam	119.2	71.5B	0.09.0	0.22
			119.3A1	0.00.5	0.01	
			119.3A2	0.02.5	0.06	
			119.3A3	0.05.0	0.12	
			119.4A	0.02.5	0.06	
			119.5	0.06.0	0.15	
			119.6A	0.05.0	0.12	
			119.6B	0.04.5	0.11	
			127.1	0.03.0	0.08	
			127.2	0.08.0	0.20	
			127.4	0.05.5	0.13	
			127.5A	0.03.0	0.08	
			127.5B	0.03.0	0.08	
			127.6A	0.01.5	0.04	
			127.6B	0.01.0	0.02	
			127.6D	0.03.0	0.08	
			127.7A	0.03.0	0.08	
			127.7B	0.03.0	0.08	
			136.1	0.08.5	0.21	
			136.2	0.09.0	0.22	
			136.3	0.09.0	0.22	
			136.4	0.07.0	0.17	
			136.5	0.03.0	0.08	
			137.6	0.08.0	0.20	
Tamil Nadu	Nagai Quaid-E-Milleth	Kodavasal	86	151.1B	0.06.5	0.16
		Krishna	151.2A2	0.05.0	0.12	
		Kottagam	151.2B2	0.02.0	0.05	
			151.2C2	0.03.0	0.08	

[No. L-14016/12/96-G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 1996

का.आ. 3574.—पैट्रोलियम और खनिज पार्श्व लाईन (भूमि के उपयोग के प्रधिकार का अधीन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा-3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. 1518 तारीख 1-6-96 द्वारा भारत सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमियों के प्रधिकार को पार्श्वलाईन विभाने के लिये अधित करने का अपना आपात घोषित किया था।

अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देयो है।

तत्पश्चात् भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमियों के उपयोग का प्रधिकार अधित करने का विनियधन किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एवं द्वारा घोषित करता है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पार्श्वलाईन विभाने के प्रयोजन के लिये एकदृश्य

की जाता है।

इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में प्रधिकार भारत सरकार में निहित होने के अधाय गैस अधिकारियों द्वारा इंडिया लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त स्वयं संख्या के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

नन्दासन ई.पी.एस. से जे.पी. कैमिकल्स
राज्य : गुजरात जिला : मेहसाणा तालुका : कट्टी

गाँव	क्रम सं. छात्रक नं.	क्षेत्र	हेटेपर	आर	सेंट्रोएजर
नन्दासन	1176		00	09	36
	1174		00	07	18
	1167		00	03	51
	1173/1		00	09	06
	राड		00	07	93
			00	36	01

ग्रन्ती

महासन ई.पी.एस. वे.जे.पी. बैमिकल्स

राज्य: गुजरात

जिला: मेहसाना

तालुका: कडी

पांच	क्रम सं. अनुक्रम.	क्षेत्र		
		हेक्टेडर	आर	सेंटीलयप
वार्तानाम	825/पी	00	09	40
	रोड	00	01	95
	825/पी	00	03	38
	550	00	13	52
	549	00	11	64
	524	00	11	12
	523	00	11	38
	521	00	20	54
	520	00	07	22
	511	00	24	96
	508	00	12	16
	502	00	16	38
	500/1	00	06	12
	499	00	15	97
	497	00	11	83
	488	00	15	28
	486	00	10	01
	485	00	11	26
	482	00	08	07
	481	00	05	49
	457	00	02	21
	458	00	09	75
	459	00	13	65
	460	00	26	91
		02	80	19

[S. एक-14016/02/96-जी.पी.]

ग्राहनु सेन, नियोगक

New Delhi, the 18th November, 1996

S.O. 3274.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 1518 dated 1-6-96 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And, further, whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule to this appended notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE NANDASAN EPS TO J.P.C. CHEMICALS

State : Gujarat	Dist. : Mehsana	Taluka : Kadi	
Village	Sr. No. Block No.	Area	
	Hectare	Are	Centiare
Nandasan	1176	00	09 36
	1174	00	07 15
	1167	00	03 51
	1173/1	00	08 06
Road		00	07 93
		00	36 01

SCHEDULE NANDASAN EPS TO J. P. CHEMICALS

State : Gujarat	Dist. : Mehsana	Taluka : Kadi	
Village	Sr. No. Block No.	Area	
	Hectare	Are	Centiare
Kaiyol	825/P	00	09 40
	Road	00	01 95
	825/P	00	03 38
	550	00	13 52
	549	00	11 64
	524	00	11 12
	523	00	11 38
	521	00	20 54
	520	00	07 22
	511	00	24 96
	508	00	12 16
	502	00	16 38
	500/1	00	06 12
	499	00	15 97
	497	00	11 83
	488	00	15 28
	486	00	10 01
	495	00	11 25
	482	00	08 07
	481	00	05 49
	457	00	02 21
	458	00	09 75
	459	00	13 65
	460	00	26 91
		02	80 19

[No. L-14016/02/96-G.P. 1]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 20 नवम्बर, 1956

का० आ० 3275.—चूंकि केन्द्रीय सरकार ने यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आदर्शक है कि धिल्डाहर अरणी प्रोडक्शन सिस्टम में नरीमानम जी०सो०एल० आध प्रदेश तक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए पाइपलाइन गैस आर्थोरिटी और इंडिया लिमिटेड द्वारा विभाइ जानी चाहिये।

और चूंकि यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन का बिलाने के प्रयोजन के लिए एन्ड्रेपार्क अनुसूची में विभिन्न भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आदर्शक है।

अतः, अब नेट्रोलियम और अनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आण्डा एन्ड्रेपार्क धोखित करती है।

बासंत कि उक्त भूमि में हिन्दूढ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिलाने के लिए आवेदन सत्रम प्राधिकारी, गैस आर्थोरिटी और इंडिया लिमिटेड नामांगितनम को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आखेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टमः यह भी कथन करेगा कि क्या वह नाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि अवश्यकी की मार्फत।

अनुसूची

धिल्डाहर अरणी प्रोडक्शन ने नरीमानम जी०सी०एल० गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

राज्य	जिला	तालूक	ग्राम संख्या तथा नाम	संख्या सं.	संतुलन		
					फैट० में	एकड़ मेन्ट० में	रिप्र०
1	2	3	4	5	6	7	8
तमिलनाडु	नागर्ह-कर्ण०-मिल०	धिल्डाहर	026 ओकूर	252.65	0.06.0	0.15	
				253.1वी	0.14.5	0.30	
				254.1वी	0.00.5	0.01	
				220.1	0.00.5	0.00	
				220.3वी	0.02.0	0.05	
				220.4०	0.05.5	0.14	
				220.4वी	0.05.0	0.12	
				220.4सी	0.03.0	0.08	
				221.2	0.14.0	0.35	
				221.3	0.02.0	0.05	
				221.4	0.03.0	0.08	
				218.2	0.17.0	0.42	
				218.3०	0.02.0	0.05	
				209.2०	0.03.0	0.08	
				209.2वी	0.02.0	0.05	
				210.2	0.00.5		
				216.1	0.08.0	0.20	
				216.2	0.06.0	0.15	
				216.3	0.07.5	0.19	
				211.1	0.04.5	0.11	
				213—	0.05.0	0.12	
				212.2	0.02.5	0.06	
				212.3	0.06.5	0.16	

1	2	3	4	5	6	7	8
तमिलनाडू	नामर्ट-बड़-ई-गिर्जे॒	थिरुवाहर	026 ओक्टू	212.4	0.03.0	0.08	
				131--	0.18.0	0.44	
				132--	0.12.0	0.30	
				126.1 बी	0.08.0	0.20	
				127.1	0.12.0	0.30	
				127.2	0.01.5	0.04	
				112--	0.15.0	0.37	
				111.1	0.02.5	0.06	
				111.2	0.06.0	0.15	
				110--	0.20.0	0.50	
				107.2	0.03.0	0.08	
				108.2	0.02.0	0.05	
				71.1	0.02.0	0.05	
				71.2	0.06.0	0.15	
				71.3	0.05.0	0.12	
				71.4	0.00.5	0.01	
				74.1	0.10.5	0.26	
				75.2	0.03.0	0.08	
				76--	0.15.0	0.37	
				81.1	0.03.0	0.08	
				81.3	0.17.0	0.42	
				82.2	0.16.5	0.41	
				20.3 ^० 1	0.07.0	0.18	
				20.1 ^०	0.02.0	0.05	
				20.1 ^० मी	0.02.0	0.05	
				20.1 ^० टी	0.10.5	0.26	
वही	वही	वही	027 वगांदगल	110.--	0.03.0	0.08	
				104.1	0.07.0	0.18	
				104.2	0.05.0	0.12	
				97.2 बी	0.05.0	0.01	
				97.3	0.13.5	0.35	
				95.1	0.01.0	0.02	
				96.1	0.08.0	0.20	
				96.3	0.14.0	0.35	
				93.1	0.13.0	0.32	
				93.2 ए	0.00.5	0.01	
				73.1	0.02.5	0.06	
				40.4	0.02.0	0.04	
				38.1 ए	0.07.0	0.18	
				38.1 बी	0.07.5	0.19	
				36.2	0.00.5	0.01	
				36.3	0.09.0	0.22	
				36.4	0.07.0	0.18	
				36.5	0.01.0	0.02	
				34.2 ए	0.00.5	0.01	
				34.2 बी	0.07.5	0.19	

तमिळनाडु	नागाई-क्वाइ-मिल्लेथ	मिल्लेव थिरुवारूर	027 वैगदंगल	34. 2सी	0. 00. 5	0. 01
				28. 1ए	0. 05. 0	0. 12
				2. 3	0. 01. 0	0. 02
				2. 5	0. 02. 5	0. 06
				2. 6	0. 05. 0	0. 12
				2. 7प	0. 01. 5	0. 04
				2. 7सी	0. 00. 5	0. 01
				33. 2प1	0. 03. 5	0. 09
				33. 2प2	0. 07. 0	0. 18
				33. 2पी1	0. 11. 0	0. 27
				33. 2पी2	0. 00. 5	0. 01
				33. 2पी3	0. 01. 0	0. 02
				32. 3	0. 04. 0	0. 02
				32. 2पी	0. 12. 0	0. 30
				32. 8	0. 01. 5	0. 04
				32. 9प	0. 01. 0	0. 02
				32. 10प	0. 01. 0	0. 02
				32. 11	0. 01. 5	0. 02
				31. 1	0. 06. 0	0. 15
				31. 2	0. 13. 0	0. 32
				14. 3पी	0. 01. 5	0. 04
				15. 6	0. 13. 5	0. 34
				15. 7	0. 14. 5	0. 37
				24. 1	0. 03. 0	0. 08
				16. 2	0. 03. 5	0. 09
				15. 3प	0. 13. 5	0. 31
				16. 3पी	0. 12. 5	0. 31

[मं प्रम-14016/13/96-जीर्णी]

अधिनियम सेन, निदेशक

New Delhi, the 20th November, 1996

S.O. 3275.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas from Thiruvarur Early Production System to Narimanam G.C.S. in A.P. State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

SCHEDULE

Thiruvarur Early Production System to Narimanam G.C.S. Gas Pipe Line Project

State	District	Taluk	Village No. & Name	Survey Number	Area			Remarks
					In Hectares	In Acre	In Cent	
					6	7	8	
Tamil Nadu	Nagai Quaid-E-Milleth	Thiruvarur	026 Okkur	252.6A	0.06.0	0.15		
				253.1B	0.14.5	0.36		
				254.1	0.00.5	0.01		
				220.1	0.00.5	0.01		

1	2	3	4	5	6	7	8
Tamil Nadu	Nagai Quaid-E-Milleth	Thiruvarur	026	220.3C	0.02.0	0.05	
			Okkur	220.4A	0.05.5	0.14	
				220.4B	0.05.0	0.12	
				220.4C	0.03.0	0.08	
				221.2	0.14.0	0.35	
				221.3	0.02.0	0.05	
				221.4	0.03.0	0.08	
				218.2	0.17.0	0.42	
				218.3A	0.02.0	0.05	
				209.2A	0.03.0	0.08	
				209.2B	0.02.0	0.05	
				210.2	0.00.5		
				216.1	0.08.0	0.20	
				216.2	0.06.0	0.15	
				216.3	0.07.5	0.19	
				211.1	0.04.5	0.11	
				213.-	0.05.0	0.12	
				212.2	0.02.5	0.06	
				212.3	0.06.5	0.16	
				212.4	0.03.0	0.08	
				131.-	0.18.0	0.44	
				132.-	0.12.0	0.30	
				126.1B	0.08.0	0.20	
				127.1	0.12.0	0.30	
				127.2	0.01.5	0.04	
				112.-	0.15.0	0.37	
				111.1	0.02.5	0.06	
				111.2	0.06.0	0.15	
				110.-	0.20.0	0.50	
				107.2	0.03.0	0.08	
				108.2	0.02.0	0.05	
				71.1	0.02.0	0.05.	
				71.2	0.06.0	0.15	
				71.3	0.05.0	0.12	
				71.4	0.00.5	0.01	
				74.1	0.10.5	0.26	
				75.2	0.03.0	0.08	
				76.-	0.15.0	0.37	
				81.1	0.03.0	0.08	
				81.3	0.17.0	0.42	
				82.2	0.16.5	0.41	
				20.3A1	0.07.0	0.18	
				20.1A	0.02.0	0.05	
				20.1C	0.02.0	0.05	
				20.1B	0.10.5	0.26	
Tamil Nadu	Nagai Quaid-E-Milleth	Thiruvarur	027	110.-	0.03.0	0.08	
				104.1	0.07.0	0.18	
				Vengadangal	0.05.0	0.12	
				97.2B	0.05.0	0.01	
				97.3	0.13.5	0.35	
				95.1	0.01.0	0.02	
				96.1	0.08.0	0.20	
				96.3	0.14.0	0.35	
				93.1	0.13.0	0.32	

1	2	3	4	5	6	7	8
Tamil Nadu	Nagai Quaid-E-Milith	Thiruvarur	027	93.2A	0.00.5	0.01	
		Vengadangal	73.1	0.02.5	0.06		
			40.4	0.02.0	0.04		
			38.1A	0.07.0	0.18		
			38.1B	0.07.5	0.19		
			36.2	0.00.5	0.01		
			36.3	0.09.0	0.22		
			36.4	0.07.0	0.18		
			36.5	0.01.0	0.02		
			34.2A	0.00.5	0.01		
			34.2B	0.07.5	0.19		
			34.2C	0.00.5	0.01		
			28.1A	0.05.0	0.12		
			2.3	0.01.0	0.02		
			2.5	0.02.5	0.06		
			2.6	0.05.0	0.12		
			2.7A	0.01.5	0.04		
			2.7B	0.00.5	0.01		
			33.2A1	0.03.5	0.09		
			33.2A2	0.07.0	0.18		
			33.2B1	0.11.0	0.27		
			33.2B2	0.00.5	0.01		
			33.2B3	0.01.0	0.02		
			32.3	0.04.0	0.02		
			32.2B	0.12.0	0.30		
			32.8	0.01.5	0.04		
			32.9A	0.01.0	0.02		
			32.10A	0.01.0	0.02		
			32.11	0.01.5	0.02		
			31.1	0.06.0	0.15		
			31.2	0.13.0	0.32		
			14.3B	0.01.5	0.04		
			15.6	0.13.5	0.34		
			15.7	0.14.5	0.37		
			24.1	0.03.0	0.08		
			16.2	0.03.5	0.09		
			16.3A	0.13.5	0.34		
			16.3B	0.12.5	0.31		

[No. L-14016/13/96-G.P.]
ARDHENDU SEN, Director,

नई दिल्ली, 20 नवम्बर, 1996

का, आ० 3276.—चूंकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनकित में यह आवश्यक है कि विस्वास्त्र अरनी प्रोडक्शन सिस्टम से नरीमानम जी०सी०ए० आन्य प्रदेश तक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिये पाइपलाइन गैस अँथार्गटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिल्ड जानी चाहिये।

और चूंकि यह प्रतीत होता है कि एम्पी लाइन को बिल्ड के प्रयोग के लिए एन्ड्रेप्रावड अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अब पेट्रोलियम और भूमिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का आशय एन्ड्रेप्रावड ओपित करती है।

बास्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिये आक्षेप सभ्य संघिकारी, जैस अर्थात् अँक हड्डिया लिमिटेड, नागापट्टनम को उस अधिसूचना की तारीख में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हूँ व्यक्ति विनिर्दिष्ट : यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनावाई व्यक्तिगत ही वा किसी विश्व अवसायी की मार्फत्।

शनूसूची
थिरुवावूर अरली प्रोडक्शन सिस्टम में नरीमानम जी०८०००८० रैम पाइप लाइन प्रोजेक्ट

गण्ड	जिला	तालुक	ग्राम संख्या तथा नाम सर्व नं०	क्षेत्रफल		उपग्रही
				हेक्टर में	एकड़ सन्टमें	
तमिलनाडु	नागर्ह-अवैड-ई-मिल्लैथ	नन्नीलम	122 नरीमानम	2.3	0.01.5	0.03
				2.4	0.70.5	0.18
				7.1	0.05.5	0.13
				6.3	0.03.0	0.08
				6.4	0.11.0	0.27
				6.5	0.08.5	0.21
				5.1	0.01.5	0.03
तमिलनाडु	नागर्ह-अवैड-ई-मिल्लैथ	नन्नीलम	120 कुथालम	128.38	0.04.5	0.11
				128.4.	0.07.0	0.17
				128.5	0.06.5	0.16

[सं० एल-14016/13/96-जी पी]
आर्जु सेम, निवेशक

New Delhi, the 20th November, 1996

S.O. 3276.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas from Thiruvanur Early Production System to Narimanam G.C.S. in A.P. State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., Nagapallinam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDELE

Thiruvanur Early Production System To Narimanam G.C.S. Gas Pipe Line Project

State	Districts	Taluk	Village No. & Name	Survey Number	Area		Remarks
					In Hectares	In Acre Cent	
1	2	3	4	5	6	7	8
Tamil Nadu	Nagai Qtaid- E-Milleth	Nannilam	122	2.3	0.01.5	0.03	
			Narimanam	2.4	0.07.5	0.18	
				7.1	0.05.5	0.13	
				6.3	0.03.0	0.08	
				6.4	0.11.0	0.27	
				6.5	0.08.5	0.21	
				5.1	0.01.5	0.03	

SCHEDELE

Thiruvvarur Early Production System To Narimanam G.C.S. Gas Pipe Line Project

State	District	Taluk	Village No. & Name	Survey Number	Area		Remarks
					In Hectares	In Acre Cent	
Tamil Nadu	Nagai Quaid-	Naunilam	120	128.3B	0.04.5	0.11	
			E-Milleth	Kuthalam	0.07.0	0.17	
				128.5	0.06.5	0.16	

[No. L-14016/13/96-G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

नामांकित पूर्ति, उपभोक्ता मामले और

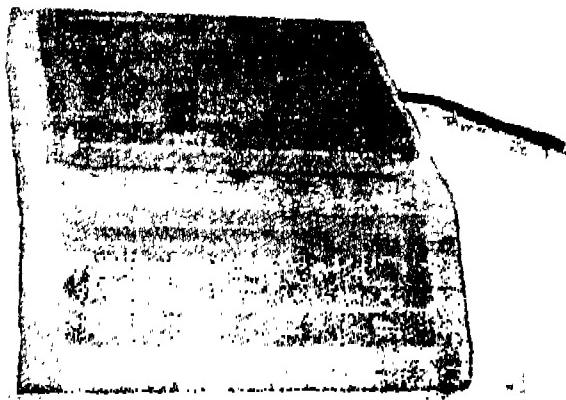
सार्वजनिक वितरण संबंधी

वर्ष दिल्ली, 11 नवम्बर, 1996

का.आ. 3277 :— केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत की गई रिपोर्ट (नीचे आँकड़ि देखिए) पर विचार करने, समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित माडल बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1977 का 60) और बाट क्षेत्र माप मानक (माडल का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपक्रमों के अनुरूप हैं और इस बात की समाक्षण है कि वह भवातार प्रयोग की अवधि में यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा देता रहेगा ;

आतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च यथार्थता वर्ग II के ओ सी-51 टाइप के अंकीय सप्रवर्णनालै स्कैन सूचक जैस्ट्रेचरलिट टेबलटाप तोलन उपकरण के माडल का (जिसे इसमें इसके पश्चात माडल कहा गया है) जिसका विनिर्माण ऐससे एवं इंडिया लिमिटेड, 50-54 सेक्टर 25 बल्लभगढ़ हृषिकेश द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन जिल्ला आई.एन.डी./09/96/01 समन्वेति किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है ;

माडल (आँकड़ि देखिए) (एक उच्च यथार्थता वर्ग II) का तोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 5 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 5 ग्राम है। सत्यापन मापमान अल्लर (ई) 100 मिली ग्राम है। इसमें एक टेयर मुक्ति है जिसका अपकलनात्मक प्रतिधारण टेयर प्रभाव 100 प्रतिशत है। आस्थाही ध्रुवताकार सेक्सेन का है जिसका अपकल 215-17.9 मी.मी. है। प्रकरण उत्सर्जन डायोड सप्रवर्धी तोल परिणाम उपर्युक्त करता है। यह उपकरण 230 थोलट, 50 हर्टज के प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय और प्रकाशित होता है।



आगे, केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि माडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माण द्वारा उसी सिद्धान्त के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदन भाड़ल का विनिर्माण किया गया है विनिर्मित 1 कि.ग्रा./0.1 ग्राम की अधिकतम क्षमता वाले समरूप मेक, यथार्थता और वी भिरीज के कार्यकरण वाले तोलन उपकरण भी हैं।

[फाइल सं. इस्यू एम 21 (22)/90]
राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS
AND PUBLIC DISTRIBUTION

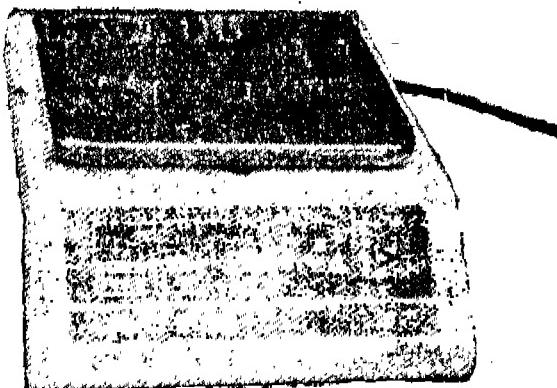
New Delhi, the 11th November, 1996

S.O. 3277.—Whereas the Central Government after considering the report submitted to it by the prescribed authority, (see figure below) is satisfied that the Model described in the said report is in conformity to the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the model of the self-indicating non-automatic table top weighing instrument with digital display of type OC-51 of class II High Accuracy (hereinafter called the Model) manufactured by M/s. Avery India Ltd., 50-54, Sector 25, Ballabagh, Haryana, and which is assigned the approval mark ID/09/96/01;

The Model (see figure) is a high accuracy (accuracy class II) weighing instrument with a maximum capacity of 5 kg and minimum capacity of 5 g. The verification scale interval (e) is 100 milligram. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The load receptor is of rectangular section of size 215 × 179 millimetres. The 12 millimetre LED display indicates the weighing result. The instrument

operates on 230 volts, 50 Hertz alternate current power supply.



(figure)

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of OB series with maximum capacity of 1 kg/0.01 g manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[File No. WM-21(22)90]
RAJIV SRIVASTAVA, Lt. Secy.

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक विवरण मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 1996

का.आ. 3278:- केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा निश्चेदित रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित (नीचे आँकृति देखिए) माडल बाट और माप मानक अधिनियम 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (माडल का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुसृत हैं और इस बात की संभावना है कि वह लगातार प्रयोग की प्रवृत्ति में यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त भेदा देता रहेगा;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "एवरी" बाट नाम बाले मध्यम यथार्थता वर्ग III के टाइप एल-250 मिलीच के स्वतः सुचक गैर-स्वचालित रूपान्तरण किट की तुला चौकी के माडल का (जिसमें इसके पश्चात माडल कहा गया है) जिसका विनिर्माण मैसर्स एवरी इंडिया लिमिटेड, प्लाट सं. 50-54 सेक्टर-25, बल्लभगढ़-121004 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई.एन.डी./09/95/19 समनुदिष्ट किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र प्रकाशित करती है।

माडल (आँकृति देखिए) एक मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) का तोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 3000 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 20 किलोग्राम है। सत्यापन मापमान अंतर (ई) 5 किलोग्राम है। इसमें एक टेयर युक्ति है जिसका व्यक्तिगत लाभान्तरण टेयर प्रभाव 100 प्रतिशत है। हाइड्रिड (संकर) निट का उपयोग 51 एच.बी. टाइप की तुलाचौकी कियों को एकल भार मेल के माध्यम से यांत्रिकी में बलदान के लिए किया जाएगा। यह 13 मिलीमीटर आकार का छोड़दीय संप्रतीक प्रकाश उत्सर्जन डायोड सप्रदर्शी तोल परिणाम उपदर्शित करता है। यह उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्टज के प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर प्रचालित होता है।



आगे, केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा को उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह व्यापार कर्त्ता है की माडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माण द्वारा उसी मिडिल के अनुसार और उसी सामग्री से, जिसमें अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है विनिर्मित 5 टन / 2 किलोग्राम, 10 टन / 5 किलोग्राम, 15 टन / 5 किलोग्राम 20 टन / 5 किलोग्राम, 30 टन / 5 किलोग्राम, 40 टन / 10 किलोग्राम, 50 टन / 10 किलोग्राम, 60 टन / 20 किलोग्राम, 100 टन / 50 किलोग्राम और 150 टन / 50 किलोग्राम की अधिकतम अमता वाले समरूप मैक्रो, यथार्थता और उसी मिरीज के कार्यकरण वाले तोलन उपकरण भी हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू.एम. 21(21) 93]

राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त राज्यव

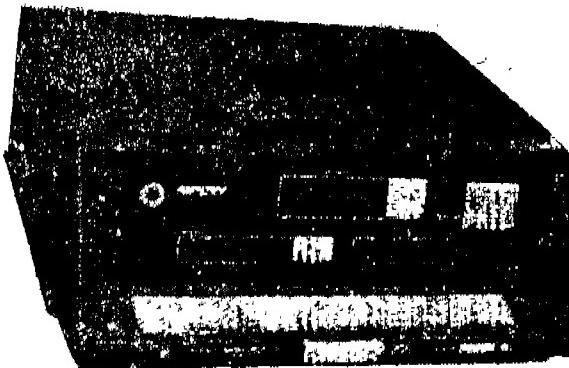
New Delhi, the 18th November, 1996

S.O. 3278.—Whereas, the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the Model of the self-indicating, non-automatic weighbridge of conversion kit type L-205 series of class III Medium accuracy and with a brand name "AVERY" (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s. Avery India Ltd., Plot No. 50—54, Sector-25, Ballabgarh-121004, and which is assigned the approval mark IND/09/95/19;

The Model (see figure) is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with a maximum capacity of 3000 kg and minimum capacity of 20 kilogram. The verification scale interval (ϵ) is 5 kg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The hybrid kit would be used to convert mechanical weighbridge of type 51 HV and 52 HV through single local cell. The 6 character 13 millimetre LED display indicates the weighing result. The

instrument operates on 230 volts, 50 hertz alternate current power supply.



(figure)

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity of 5t/2kg, 10t/5kg, 15t/5kg, 20t/5kg, 30t/5kg, 40t/10kg, 5t/10kg, 60t/20kg, 100t/50kg and 150t/50kg manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(21)/93]
RAJIV SRIVASTAVA, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 1996

का.आ. 3279:- केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा निर्वाचित रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात, समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित (नीचे आकृति देखिए) माडल वाट और माप मानक (माडल का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबोरों के अनुस्पृष्ट हैं और इस बात की संभावना है कि वह लगातार प्रयोग की अवधि में यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त मेंब्रा देता रहेगा ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मध्यम यथार्थता वर्ग III की "अम्ब" मिरीज टाइप के और अविका ट्रेड मार्क वाले अक्षीय संप्रदायी वाले स्वतंसूचक गैर-स्वतंसूचक इलेक्ट्रोनिक स्वातंत्र्य टाइप उपकरण तुला चौकी के माडल का (जिसे इसमें इसके पात्रात माडल वहा गया है) जिसका विनिर्माण भौमिका स्केल मैटुफैब्रिचरिंग वर्क्स, 218, आनंद कलात्मक मार्केट, निकट सारंगपुर ब्रिज, सारंगपुर, अहमदाबाद-380009 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन विहित आई.एन.डी./09/95/64 समन्वित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है ;

माडल (आकृति देखिए) एक मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) का स्वातंत्र्य टाइप उपकरण की तुला चौकी है जिसकी अधिकतम अमता 3000 किलोग्राम और न्यूनतम अमता 20 किलोग्राम है। मध्यात्मन मापमान अंतर (ई) 1 किलोग्राम है। इसमें एक ट्रेयर्स युक्त है जिसका व्यक्तिगत्यन् प्रतिश्वारण टेपर प्रशास्त 100 प्रतिशत है। आधार और लेटकार्प प्रतिविक है। भारप्राहो

आयताकार अंकुरि का ऋस सेक्षन है जिसके पार्श्व 1500×1800 मिलीमीटर है। प्रकाश उत्सर्जन डायोड संप्रदर्श तील परिणाम उपर्दर्शित करता है। यह उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्टज के प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय प्रबलित होता है।



(Figure)

अग्रे, केन्द्रीय सरकार, उभा धारा की उथधारा (12) द्वारा प्रदत्त गविन्दियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि माडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अन्तर्गत उसी विनियोग द्वारा उसी सिद्धान्त के अनुसार और उसी सामग्री से जिसमें अनुमोदित मोडल का विस्तरण किया गया है विविहित 5 टन/1 किलोग्राम, 10 टन/2 किलोग्राम, 15 टन/5 किलोग्राम, 20 टन/5 किलोग्राम, 25 टन/5 किलोग्राम, 30 टन/5 किलोग्राम, 40 टन/5 किलोग्राम, 50 टन/10 किलोग्राम, 60 टन/20 किलोग्राम और 100 टन/20 किलोग्राम वाले समलग्न मैन, यथायता और उसी सिरीज के कार्यकरण बाले तोलन स्वर्करण भी हैं।

[फा. नं.: फँड़पू. एम 21(6)/96]

राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 18th November, 1996

S.O. 3279.—Whereas the Central Government after considering the report submitted to it by the prescribed authority, (see figure below) is satisfied that the Model described in the said report is in 'conformity' with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of appro-

val of the Model of the self-indicating, non-automatic, electronic, weighbridge conversion type instrument with digital display of type "AMB" series of class III-medium accuracy and with the trade mark "AMBIKA" (hereinafter called the model) manufactured by M/s. Sri Ambika Scale Mfg. Works, 218, Anand Cloth Market, Nr. Sarangpur Bridge, Sarangpur, Ahmedabad-380009, and which is assigned the approval mark IND/09/95/64:

The Model (see figure) is a medium accuracy (accuracy class III) weighbridge of conversion type instrument with a maximum capacity of 3000 kg and minimum capacity of 20 kg. The verification scale interval (e) is 1 kg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The base and the platform are metallic. The load

receptor is of rectangular cross section of sides 1500X1800 millimetre. The LED display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts, 50 Hertz alternate current power supply.



(figure)

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with 5t/1kg, 10t/2kg, 15t/5kg, 20t/5kg, 25t/5kg, 30t/5kg, 30t/10kg, 50t/10kg, 60t/20kg and 100t/20kg manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[File No. WM 21(6)/95]
RAJIV SRIVASTAVA, Jt. Secy.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर, 1996

का.प्रा. 3280.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डल्टन् सी.एल. के प्रबंधनत्त्व के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बम्बई नं. 2 के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं.एल. 22012/26/92-आई०आर० (सी.-II)]
राजा लाल, डैस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 22nd October, 1996

S.O. 3280.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Bombay No. 2, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of W. C. Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on the 16-10-1996.

[No. L-22012/26/92-IR. (C-II)]
RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2 MUMBAI
2801 GI/96—21.

PRESENT :

Shri S. B. PANSE, Presiding Officer.

REFERENCE NO. CGIT-2/32 OF 1992.

Employers in relation to the Management of Hindusthan Lalpath Colliery of W. C. L. Ltd.,

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Employer : Shri G. S. Kapoor Advocate.

For the Workmen : Shri S.R. Pendre Representative.

Mumbai, dated 19th September, 1996.

AWARD - PART-II

On 6-12-1995 I passed Award Part—I and answered issues Nos. 1 to 5 which were treated as preliminary issues. By this award I will answer the remaining issues.

2. Before dealing with the issues and findings there on it will be better to give in nut shell the facts of this case.

3. Ramsurat Ramnarayan Chavhan, was a worker in Nandgaon Incline which is under Sub-Area of Lalpath Colliery. He was entitled to Leave Travel Concession. He had twenty days of leave at his credit. He applied for the said concession in Feb-

ruary, 1990. It is normal practice to look into these concessins for the last ten days of the month. Mr. D. Prasad, Assistant Manager was the sanctioning authority. The worker was called in the office of Prasad on 20-3-1990. It is averred that when he went to the office of Prasad. Prasad refused to sanction the application. He drove the worker out of the cabin. The worker was insisting to get the sanction. It is the case of the management that at that time the worker was under the influence of alcohol, he abused Prasad, beat him with a chain and behaved disorderly. It is therefore a charge-sheet was issued to him for contravening the standing orders. A domestic inquiry was conducted against the worker. The inquiry officer found him guilty which was upheld by the disciplinary authority and he was dismissed from the service. His appeal was rejected.

4. Now the issues that fall for my consideration and my findings there on are as follows :

Issues	Findings
6. Whether the findings of the inquiry officer are not just and proper ?	Not just and proper.
7. Whether the dismissal from service of Shri Ram Surat Ram Narayan Chauhan, Coal Dresser w.e.f. 21st August, 1991 by the Sub-Area Manager, Hindustan Lalpath Colliery, W.C.L. Ltd., Chandrapur is legal and justified ?	No
8. If not, to what relief the workman is entitled ?	As per order below
9. What Award ?	As per order below

REASONS

5. The management and the union have not lead any oral evidence for getting findings on these issucs. They have filed purshis to that effect.

6. The worker had filed documents alongwith Exhibit-8. The management filed documents alongwith Ex-9 and also alongwith Exhibit-10. The documents which the worker filed are also produced by the management. For answering the above issues it is necessary to deal with the inquiry proceedings and other documents. Exhibit-8/1 is an applicating given by the worker for getting leave travel concession for his brothers mariage. This is an application which prompted the worker to attend the office of Prasad who was competent authority to sanction the same. He approached the office of Prasad on 20-3-1990. This fact is not in dispute.

7. The chargesheet which was given to the worker is at Exhibit-8/3, which is dated 20-3-1990. It states that "On 20-3-1990 at about 9.45 A.M. Shri Ram Surat Ram Narayan Chavhan went into the office of Acting Manager Shri D. Prasad, Nandgaon Incline in drunken state and started abusing him (Shri Prasad) without any rhyme and reason.

Shri Prasad advised him not to abuse and to leave the office as he (Shri Chavhan) is under influence of alcohol. He did not listen rather he bolted the door of the Chamber from inside and started threatening him (Shri Prasad). Due to threatening he (Shri Prasad) became perpixed and wanted to open the door and to go out of the chamber but he (Shri Chavhan) scuffled with him and took out iron chair from his (Shri Chavhan's) waist and assaulted him (Shri Prasad). As a result of which Shri Prasad got injury in the finger of left hand. He (Shri Chavhan) also tore away the shirt of Shrt Prasad. Prasad.

He has been chargesheeted under S.O. 17(i)—(e) 17 (i) (r) and 17 (i) (t) of the standing orders."

8. 17(c) of the standing order reads as drunkenness, fighting or riotous, disorderly or indecent behaviour while on duty at the place of work. 17(r) reads that threatening, abusing or assaulting any superior or a co-worker and 17(t) reads that approachng of/or anxieting to violence. Now it has to be seen whether the evidence which was lead before the inquiry officer is sufficient to prove these charges against the worker.

9. The management examined Bhaskar Rao, Under Manager, Nandgaon Incl'ne, R. R. Meshram, clerk B. Prasad Senior Under Manager and Dr. P. Suggnakar to bolster up its case. The worker gave his statement but has not examined any witnesses. He relied upon the documents produced before the inquiry officer.

10. Prasad had given a complaint Ex-8/2 to his superiors in respect of the incident dated 20-3-1991. This complaint was given by him on 20-3-1990. It can be seen that before the receipt of the said complaint itself the worker was chargesheeted as the chargesheet is dated 20-3-1990. It appears to me that after receiving the phone call from Prasad the office prepared a chargesheet against the worker on the same date and it was issued to him on the next date i.e. on 21-3-1990, which was replied by the worker on 23-3-1990 (Exhibit-8/4). He denied all the charges against him. Shri M. Subharao was appointed as the inquiry officer (Ex-8/6) who conducted the inquidy. The inquiry proceeding is at Exhibit-9/E. Prasad and Bhaskar Rao were sitting in the cabin of Prasad the Acting Manager. They affirmed that at that time the worker came for sanciton of L.T.C. It was about 9.15 A.M. on 20-3-90. They corroborated each other and stated that the worker told that his sister is getting married at his native place for that purpose he wants the L.T.C. Prasad asked for the proof of the same. The worker had no proof of the marriage but said that he had railway reservations and after reaching there the marriage will be settled. Then Prasad informed him that as he can avail the L. T. C. at a latter date and the others whose block is likely to be over are to be given L. T. C. He further stated that as there is no proof of the marriage he is not inclined to grant it. They affirmed that thereafter the worker was disturbed and said that he would not go out of the cabin unless it is sanctioned. He started abusing. When he opened his mouth there was smell

of alcohol. They came to the conclusion that he is drunk. Prasad then asked him to get out of the cabin but instead of going out he bolted the door. Prasad opened it and asked him to go out. But instead of doing so he took out the chain from his belt and tried to assault Prasad with it. Prasad saved himself but had injury to his finger. Ultimately he could be taken out by the other workers. He was abusing them. Then the security guards were called.

11. It is not in dispute that one Meshram clerk came there at the relevant time. He was in the office. In fact this witness is of the management. But he had not supported the management on the point that the worker had consumed alcohol, that he abused Prasad, that he took out the chain and beat Prasad by the same. The inquiry officer had in his report has narrated what he said. At the most from his testimony it appears he supports the management on the point that the worker bolted the cabin of Prasad. He saw Prasad getting up for sending Chavhan out of the office. He accepted that Chavhan was shouting. In other words from his testimony at the most it can be said that the behaviour of Chavhan was indecent, while he was on duty at the place of work. He corroborates other two witnesses on the point of indecent behaviour of the worker.

12. Prasad affirmed that he had been to the doctor for medical treatment. Dr. Sunagaonkar had treated him. He affirmed that Prasad had been to him for a minor injury. He had injury on his shoulder. But the case which is tried to be made out by Prasad and that of Bhaskar Rao that Prasad had injury to his finger. That itself goes to show that he did not sustain the injury because of the worker. It can be further seen that when the cycle chain is used as per the version of Prasad for beating him thrice then there would have been far more injuries. I am not inclined to accept that worker tried to beat Prasad by a cycle chain. The testimony of doctor does not support him.

13. It is not in dispute that when the worker came there, there was a que of workmen. It has come on the record that the worker was out of control and about ten to twelve workers caught hold of him. In other words all these persons were outside the cabin when the incident took place. If really the worker would have behaved indecently, abused Prasad, had consumed Alcohol any of the workers could have been the best witness in the matter. But none of them are examined by the management.

14. The worker in his application for getting LTC had referred to his brother's marriage. Prasad and Bhaskar Rao has referred to the sister's marriage. It is tried to submit on behalf of the Union that this is a major contradiction. I am not inclined to accept this. The main point was of the marriage. These witnesses have committed a mistake in referring to the marriage to be of a sister's marriage instead of brothers marriage.

15. The worker and other employees in that area had given an application to the authorities against Prasad. They alleged that behaviour of Prasad is not proper and he is troublesome to everyone. So far as the allegation against Prasad are concerned Bhaskar Rao had not stated anything nor denied anything.

16. If really the worker would have been in a drunken conditions Prasad would have got him examined through doctor. The explanation given by him that he was panic and could not get the worker examined by the doctor cannot be accepted. It can be seen that he asked Meshram to call security guards and had given a phone call to the superiors. That itself goes to show that he was taking actions against the worker. If really the worker would have been drunk then he would have seen the worker for getting examined by the doctor. Further more Bhaskar Rao was there who is the senior officer who would have assisted him for doing so. As they have not got the worker examined medically I am not inclined to accept that he was drunken. It is tried to argue on behalf of the management that in the reply to the charge sheet the worker had denied the fact that he consume alcohol. But he in the cross examination admits that he consumes it. That does not mean that at the relevant time he was under the influence of alcohol or that he consumed the same. As there was no documentary evidence on the record he could have straight away denied the fact of consumption of alcohol. But he had chosen to give a true answer. I do not find that this answer leads to conclude that at the relevant time he consumed alcohol.

17. Bhaskar Rao & Prasad are from managerial cadre. They are supported by Meshram the clerk only on the point of indecent behaviour of the worker. The management had not examined any other witnesses and can be said to be not interested, in the result of the matter to support the case of the management. Under such circumstances the testimony of Bhaskar Rao and that of Prasad on the point of abusing, drunkenness of the worker and that of beating of Prasad cannot be said to be proved. So far as these allegations are concerned I do not rely upon them.

18. The inquiry officer in his report Exhibit-9/F had not given clear cut findings to the fact that which of the three charges are proved and which are not. But he had only observed that all charges are proved. This does not appear to be correct.

19. From the abovesaid discussion at the most it can be said that the workers behaviour was indecent as contemplated under order 17 'e' of the Industrial Employment Standing orders rules. But so far as the other charges namely that he was drunken, that he threatened, abused, assaulted or practiced violence are concerned they are not proved.

20. As I have come to the conclusion that the behaviour of the worker at that particular time was

indecent one. That itself goes to show that the findings of the inquiry officer are not correct. They are not based on the evidence which were lead before him. Now it has to be seen whether the punishment which is awarded to the worker is proper. Looking to the gravity of the charge which was proved against him it is not proper. He is not in employment for last five years. In other words he is not getting anything from the company. This punishment itself is sufficient so far as the charge is proved. Looking to that charge dismissal from the service is disproportionate. In the result I record my findings on the issues accordingly and pass the following order :

ORDER

The dismissal from service of Shri Ram Surat Ram Narayan Chauhan, Coal dresser w.e.f. 21st August, 1991 by the Sub-Area Manager, Hindustan Lalpath Colliery W. C. Ltd., Chandrapur, is not legal and justified. The management is directed to reinstate Ram Surat Ram Narayan Chauhan, Coal dresser forthwith.

The worker is not entitled to any of the monetary benefits during this period as he was found guilty for behaving indecently.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1996

का.प्रा. 3281.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुभवण में, केन्द्रीय सरकार एक सी आई के प्रबंधतत्त्व के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद नं. 1 के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17/10/96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या : एल 22012/419/एफ/११-माइमार (सी-II)]
राजा साल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 23rd October, 1996

S. O. 3281.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad No. I, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of FCI and their workmen, which was received by the Central Government on 17-10-96.

[No. I-22012/419/F./91-IR-C-II]
RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD
In the matter of a reference under section 10(1)(d)
of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 29 of 1992

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Food Corporation of India.

And

Their Workmen.

PRESENT :

Shri Tarkeshwar Prasad, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri A. Thakur, Authorised Representative.

For the Workmen—Shri V. Kumar, State Joint Secretary.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Food.

Dated, the 9th October, 1996

AWARD

By Order No. L-22012/419/F/91-I.R.(C-II) dated 24-3-1992 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-sec.(1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

“Whether the action of the management of Food Corporation of India, in terminating four casual workmen, viz., S/Sri Ram Kripal Singh, Saryug Choudhary, Satish Kumar and Anil Kumar, without complying with the provisions of Sec. 25-F of I.D. Act, 1947 and denying to take them back in employment from the date of their retrenchment with full back wages and regularisation in the time scale of Food Corporation of India was right and justified ? If no, to what relief the said workmen are entitled to ?”

2. The concerned workmen through the sponsoring union have appeared and filed written statement stating therein that they have worked for more than 240 days in 12 calendar months as per Section 25-B of the I.D. Act, 1947 and they were already paid their wages but they were stopped from work from the dates given below without any reason or notice given thereunder and their retrenchment as below was void as such.

Sl. No.	Name of the workmen	Date of retrenchment
1.	Sri Ram Kripal Singh	31-8-1987
2.	Sri Saryug Choudhary	31-8-1987

3.	Sri Satish Kumar	31-10-1982
4.	Sri Anil Kumar	31-10-1982

3. In view of circular dated 6-5-1987 of the F.C.I. Headquarters all casual workmen having completed 90 days of service on or before 2-5-1986 were to be regularised against entry level of Class III and IV posts as per their qualification and the concerned workmen had qualification for appointment against Class IV and their service ought to have been regularised. It is further said as many as 75 workmen were regularised as Watchmen, but the concerned workmen were not considered by the management in spite of regular request.

4. It is therefore, submitted that the concerned workmen having completed more than 240 days in 12 calendar months they were entitled for their regularisation and their retrenchment was in contravention of provisions under Sec. 25-F of the I.D. Act, 1947 and they were also entitled for their regularisation as per office circular dated 6-5-1987. It is finally said that the award be passed in favour of the workmen accordingly.

5. I, further find that the management of F.C.I. has appeared and filed written statement stating, inter alia, that the reference was not maintainable and the claim made by the workmen was at very belated stage and the sponsoring union could not sponsor the case of the workmen and they had not completed 240 days of continuous service. It is further said that the concerned workmen were working at Masauri depot of the management which was in hired building from February, 1978 till February, 1984 and they were engaged as and when required on the basis of daily wage and the principles of no work no pay. It is said that they did not complete 240 days of continuous service so as to attract provision under Section 25-F of the I.D. Act and there was no violation at all. There was also labour problem in the depot and it was closed from February, 1984 and was finally dehired on 31-8-1987, so the concerned workmen were not working at all.

6. It is, further said that a dispute was raised in the year 1985 by the FCI Workers' Union and an agreement was reached between the management and the workers Union and services of 56 labourers were regularised by the management and these workmen had not come forward to state their demand and now they are raising dispute after seven years which is not to be granted to them. It is finally said that they did not complete 240 days of regular continuous service and as such they are not entitled for their regularisation as claimed and award be passed accordingly.

7. I, further find a rejoinder to the written statement of the workmen has also been filed by the management denying specifically and parawise the contentions of the concerned workmen and it is said to be incorrect or not correct fully and the same has been specifically denied.

8. I further find that a rejoinder has also been filed by the workmen denying the contentions of the management in its written statement and the rejoinder

filed by the management and the same is said to be incorrect and misleading and the same being wrong in the face of facts and circumstances of the case.

9. On the basis of pleadings of the parties as taken in their respective written statement and rejoinder the point to be considered in this reference is—

(a) As to whether or not the concerned workmen are entitled of the provision under Section 25-F of the I. D. Act, 1947 ;

(b) As to whether or not the concerned workmen are entitled for regularisation of their service as per circular of the Headquarters of the management dated 6-5-1987; and

(c) To what relief or reliefs are the workmen entitled ?

10. All the above-noted three points are interlinked and as such taken together for their consideration.

11. I further find that two witnesses have been examined on behalf of the management being MW-1 Nauraangi Lal who is Asstt. Grade-I in FCI Depot at Baxur and MW-2 is Binod Kumar who was earlier posted at FCI, Masauri as Asstt. Grade-II since 1983 and he was Incharge of the depot since 1985 there. They have tried to support the case of the management and have also proved Ext. M-1 as per evidence of MW-1 about 25 employees were posted as Class-IV employees in the depot and he did not engage the concerned workmen as casual workers in the depot. MW-1 has further stated that attendance-cum-payment is under his signature marked Ext. M-2 which includes name of workmen Ram Kripal Singh and Satish Kumar and from this exhibit it was clear that the engagement of these two workmen were approved by the District Manager. However he could not say that his successor retained these casual workmen in service or not. MW-2 who was Incharge of Godown from 1985 onwards has stated that during his time godown was closed and no casual worker was engaged. He knew the workmen, Ram Kripal Singh and Sarju Choudhary but he did not know any workmen, Anil Kumar and Satish Kumar and above-noted two workmen were engaged by the office when required for working as watchmen or other works on daily wage basis. He has further proved Ext. W-2/1 and certificates granted by him Exts. W-1/1 and W-1/2. He admitted that Ram Kripal Singh and Sarju Choudhary had worked occasionally on daily wage basis after his joining there till 1987. But he denied that Satish Kumar and Anil Kumar were there during his tenure. He has further admitted that two workmen were paid full day wages for the days they worked and full day work was taken from them when they were so employed. He has also admitted that the workmen were put to work for six days in a week with one day break, but he could not say that these two workmen completed 240 days working a year or not.

12. Two witnesses have been examined on behalf of the workmen, namely, WW-1 Bhagirath Prasad Singh and WW-2 Lal Babu Singh. WW-1 is posted as Asstt. Grade-II at Patna FCI for last 18 years and WW-2 is posted at Fulbari Sarif Food Storage Depot as Asstt. Grade III and from 1978 to December, 1983 was posted as Watchman at Masaurhi Depot. He knew the concerned workmen and during the aforesaid period of posting they were working as casual workers and besides these four workmen 40 to 50 more casual workmen were working there and services of latter workmen have been regularised but these concerned workmen were left for regularisation and they were working for 18 to 22 days in a month and have completed more than 240 days attendance in a year. The concerned workmen were engaged as casual workers and carrying letters etc. and for putting spilled grains in the bags. No regular messenger or sweeper was posted at the godown at that time. He has also proved the circulars marked Ext. W-1 to W-1/5. He has denied that the work at Masaurhi godown was stopped from 1981 to 1987 and during his tenure six Assistants in Grade-I to Grade-III were working at the depot. He has seen the workmen working in the depot during day time when he was on leave as his quarter was nearby godown.

13. Evidence of WW-1 is on similar line. He has further proved letter marked Ext. W-2/1 which is in the writing of B. N. Prasad, the then AG-I, D who was Depot Incharge at Masaurhi and has also proved another letter Ext. W-3 and photo copy of chart under signature of S. K. Bhaumik, the then District Manager, marked Ext. W-4 and staff position statement in three pages under the signature of S. S. Rai marked Ext. W-5. He has further stated that Masaurhi Godown was running in a rented building and from February 1984 onwards there was labour problem. He has clearly stated that the present dispute was raised by the sponsoring union in the year 1991 and after regularisation of 56 workmen in the year 1988-89 the sponsoring union waited till 1991 on the verbal assurance given by the management regarding regularisation of service of the concerned four workmen and relying their assurance the sponsoring union waited for three more years and thereafter they raised dispute. There is no other witness in the case.

14. Some documents have been filed on behalf of the parties. Ext. M-1 is photo copy of lease agreement of the Godown at Masaurhi which was taken from Baijnath Prasad and Ext. M-2 is photo copy of attendance-cum-payment sheets which includes the name of the two concerned workmen, namely, Ram Kripal Singh and Satish Kumar. Ext. M-3 to M-8 are letters of different dates about shifting of godown and debiting at Masaurhi and it appears that finally in May 1987 the Godown was debited vide Ext. M-8. Ext. M-9 is settlement document by which 56 casual workers were regularised and transferred to other depot and Ext. M-9 is letter of the Headquarters of the FCI dated 6-5-1987 and as per clause 4

all the casual workers who completed more than 90 days work on or before 2-5-1986 were to be regularised. This Ext. M-9 has been explained by the workmen to place their position that in view of this circular 56 workers were regularised in service which is clear from Exts. M-7 and M-8 where these concerned fchr workmen were left and discriminated for the reason best known to the management.

15. Similarly, some documents have also been filed on behalf of the workmen which is Ex. W-1 series certificates granted in the name of the workmen to show that they have worked for a considerable period at Masaurhi Godown of FCI from 1979 to 1982 or upto 1987. Ext. W-2 goes to show that certificate issued by Depot Incharge to show Ram Kripal Singh completed more than 240 days continuous service in the depot as per official record. Similarly Ext. W-2/1 a letter written by the Depot Incharge to the District Manager, Patna about regularisation of services of the concerned workmen, Sarju Chaudhary and Ram Kripal Singh who were Class VII pass and worked at Masaurhi depot since 1979 till 1987. Ext. W-4 is chart showing that the concerned workmen have worked in between 202 to 211 days from April 1979 to May 1980 and in the year April 1975 to March 1980 this period was in between 202 to 211 days plus 52 Sundays in a year which is weekly paid holidays and adding to that it becomes more than 240 days. Ext. W-5 is statement of staff position as on 31-8-90 signed by Asstt. Manager (P), F.C.I. showing the vacancy position in Class III and Class IV posts.

16. On the basis of the above documents filed on behalf of the workmen it is submitted that from Ext. W-4 and also Ext. M-2 filed by the management it is clear that the concerned workmen have completed more than 240 days of continuous work in a year in 12 calendar months when added to 52 Sundays which is paid holiday and other paid holiday being the part. It is also submitted that in view of the circular Ext. M-9 their services ought to have been regularised as they have completed many more than 90 days as stipulated in column 4 of the said circular and in the light of the said circular 56 casual workers belonging to other union were regularised by the management in the year 1987-88 and were transferred to other depot and when these workmen approached to the management verbal assurance was given to them about considering their case favourably and for that they waited till 1991 when this dispute was raised. In this view of the matter it is submitted that the plea taken by the management that this dispute has been raised by the concerned workmen at a belated stage and due to such delay the parties defeated and they are not entitled for the relief as claimed. However, it is submitted that in view of the circular of the management Ext. M-9 it was incumbent upon the management to regularise the services of the concerned workmen as they have completed more than 90 days on 2-5-1986 and the management's witnesses have also admitted that they were working till 1987 for different works and it is also admitted case that no notice or retrenchment

compensation was given to the concerned workmen as per provision of under Sec. 25-F of the I.D. Act, 1947 and their stoppage from work or retrenchment becomes void ab-nitio. It is further submitted that in view of the vacancy existing with the management at different godowns and closure of dehiring of Masaurhi godown can't be said to be closure of the company or establishment rather Masaurhi depot is simply one unit of the FCI management which has more than 100 depots and Regional and Divisional offices of Bihar. It is further pointed out that vide Exts. M-7 and M-8 other 56 workmen whose services were regularised as per settlement with the management and who were working at Masaurhi depot and after regularisation of service in the year 1987-88 they were transferred to other depots of the management and no question of closure of Masaurhi depot raised in their case so this plea of closure of Masaurhi depot as envisaged under Sec. 25-FFF cannot be taken by the management in the case of the present concerned workmen also. I find much force in the contention of the sponsoring union and I am agreeable with their contention that in view of Ext. M-2 and Ext. W-4 and also Ext. M-9 it is clear that the concerned workmen had completed more than 240 days attendance in 12 calendar months in a year and had completed many more 90 days so as to cover under the circular dated 6-5-1987 (Ext. M-9) and it was for the management to regularise their services as they had minimum educational qualification for being absorbed under Class IV in Watchman post. MWs and WWs examined on behalf of the parties have admitted that payment for full days work was made to the workmen when they were engaged and worked for whole day was taken from them on the working days and they had worked throughout during the year 1987. Delay has also been explained that relying on the verbal assurance of the management they waited that their case also would be considered by the management about their regularisation but when it did not materialise the dispute was raised by the sponsoring union in the year 1991.

17. On the other hand, the plea has been taken on behalf of the management that there was abnormal delay on the part of the workmen or the union to raise the dispute and it goes against the workmen as per principles of law that delay defeated purpose and the case both and they are not entitled relief and that they have not completed 240 days regular service in 12 calendar month in a year and the workmen are not entitled for any notice or compensation under Sec. 25-F of the Industrial Disputes Act, 1947 nor they were covered under circular Ex. M-9 for completing 90 days against regular job and they were not entitled for regularisation. But in view of the discussion made above I do not find any merit in the plea taken by the management and it is absurd to say that if 56 co-workers of the same depot placed similarly like the present concerned workmen would be regularised vide Exts. M-8 and M-9 then there was no vacancy for these four concerned workmen because of the fact that they belonged to some other union and now the plea was taken that delay was made by them in not agitating the matter in time. However, there was no any such column in the circular

Ext. M-9 that the workman has to agitate for his absorption in view of this circular after completing 90 days continuous service on or before 2-5-1986 rather it was the incumbent upon the management to consider the case of the workmen individually and to regularise, finding the workman fit and qualified for the post in Grade-III or Grade IV as the case may be. It is also clear that the concerned workmen were qualified and fit for being absorbed under Class IV post similar to other 56 co-workers who were regularised and shifted to other depot by the management and as such the action of the management in not regularising the services of the concerned workmen was not justified. I also find that these 56 workers were regularised from June, 1987 as per agreement reached between the management and the sponsoring union and accordingly the present concerned workmen are entitled for their regularisation from the same date i.e. June, 1987, if not from any earlier date, with full back wage in Class IV post.

18. Accordingly all the points are decided in favour of the workmen.

19. In the result, my award is that the actoin of the management of Food Corporation of India in terminating four casual workmen, viz., S/Sri Ram Kripal Singh, Saryug Choudhary, Satish Kumar and Anil Kumar, without complying the provisions of Sec. 25-F of the I.D. Act, 1947 and denying to take them back in employment from the date of their retrenchment is not justified. The management is directed to re-instate the concerned workmen with effect from June, 1987 with full back wages and to regularise their service in Class IV post.

However, there will be no order so as to cost.

TARKESHWAR PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1996

का.आ.3282-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947(1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एक सी आई के प्रबंधतन्त्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक के विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22/10/96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या : एल-22012/324/एफ/93-आईआर(सी-II)]

राजा लाल, ईम्पक अधिकारी

New Delhi, the 23rd October, 1996

S.O. 3282.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Kanpur, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of

F.C.I. and their workman, which was received by the Central Government on the 22nd October, 1996.

[No. L-22012/324/F/93-JR (CII)]
RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUS-
TRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT
PANDU NAGAR, DEOKI PALACE ROAD
KANPUR

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 106 OF 1993

In the matter of dispute between :

State Secretary, Bhartiya Khadya Nigam
Karamchari Sangh, Habibulla Estate
Hazaratganj, Lucknow.

And

Sr. Regional Manager, Bhartiya Khadya Nigam
Habibulla Estate, Hazaratganj, Lucknow.

APPEARANCES :

Sri T. B. Singh for the Union.

Sri S. K. Nigam for the Management.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. 22012/324/F/93-I-R-(C II) dated 13-12-1993, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal—

Kya Varishta Kshetriya Prabandhak Bhartiya Khadya Nigam dwara Sri P. N. Sukhla TA ko varsh 1993-94 ki nirantar varshik barothari rok dene ki karyawahi kanuni vaidya hai? Yadi nahi to karmkar kis anutosh ka haqdar hai?

2. In the claim statement the concerned workman has challenged the fairness and propriety of enquiry report. However, on facts it was denied that the good grain which he had accepted was of sub-standard quality. Subsequently, it was also mentioned that there has been discrimination in awarding of punishment.

3. On the other hand the management maintained that the inquiry was fairly and properly held and on analysis it was found that food grain which was accepted by the concerned workman was of sub-standard quality. As regards inequality in meting out punishment it was submitted by the authorised representative of concerned management that the workman did not file any appeal. Had he filed appeal he too have been granted that benefit.

4. This tribunal framed a preliminary issue regarding domestic inquiry and by finding dated 2-2-1996 it was held that inquiry was not properly held hence management has been allowed to prove

the misconduct on merits. In support of their case the management examined Jitendra Bhushan AM(QC) M.W.1 and S. D. Jaiswal District Manager. The concerned workman examined himself as W.W.1.

5. It is not necessary to discuss the evidence as the authorised representative of the concerned workman has confined his arguments regarding discrimination in meting out punishment. The authorised representative of the management has filed copy of order of authority dated 19-9-1994 in the case of M. K. Saxena TA Gr. I and the copy of order dated 21-9-1994 of appellate authority in the case of Raunak Ali T A Gr. I, copy of order dated 21-9-1994 in the case of M. K. Saracen, TA, Gr. II, copy of order dated 21-9-1994 of Abrar Khan TA III and the copy of order dated 21-9-1994 of A. K. Gupta, TA II. All these papers go to show that these persons were also chargesheeted alongwith concerned workman. They too were found guilty by the enquiry officer and were awarded punishment. They preferred appeal and the appellate authority had exonerated by giving detailed reasons. It is submitted that by the authorised representative of the concerned workman that since these persons who were placed in similar circumstances like the concerned workman have been let off by the appellate authority, for the parity of reasons the concerned workman is also entitled for exoneration from the charges. There can be no manner of doubt that Article 14 of Constitution of India regarding equal treatment before law is also available to a delinquent in the case of punishment arising from disciplinary proceedings. Hence, keeping the principles of party and adopting reasoning of the appellate authority letting of Abrar Khan, TA III, I hold that the charge against the concerned workman is not proved. Consequently punishment imposed upon him is also not justified.

6. Hence, my award is that impugned order of punishment passed by the opposite party by way of stopping of two increments for the year 1983-84 with cumulative effect are not justified. Hence, the same is set aside and the concerned workman will be entitled for all consequential benefits.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1996

का. आ.—3283—श्रीधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुमति में केन्द्रीय सरकार स्टैडर्ड मर्केन्टाइल कम्पनी के प्रबंधसंघ के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निफिट श्रीधोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीधोगिक अधिकरण में 1 धनंगाव के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-10-96 को प्राप्त हुआ था।

सं. एन. 28012/31/94-ग्राइ. आर. (विविध)

बी. एम. डेविड, डैस्ट्रिक्ट अधिकारी

New Delhi, the 24th October, 1996

S.O. 3283.—In pursuance of Section II of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Standard Markentile Company and their workman, which was received by the Central Government on 23-10-96.

[No. L-28012/31/94-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 270 of 1994

PARTIES :

Employers in relation to the management of Standard Markentile Company.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri Tarkeshwar Prasad, Presiding Officer.

APPARANCES :

For the Employers : None.

For the Workmen : None.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Markentile.

Dated, the 14th October, 1996

AWARD

By Order No. L-28012/31/94-I.R. (Misc.) dated 25-11-94 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

“क्या प्रबंधन भैरव मार्केन्टिल कम्पनी, राजमहल द्वारा कर्मकार श्री मदानन्द साहा को नौकरी से हटा एवं देना पिछली मजदूरी सहित कार्य वापस लेने से छंकार करना कहाँ तक वाजिब एवं न्याय प्रद है? अगर नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?”

2. The order of reference was received in this Tribunal on 6-12-1994. Thereafter notices were sent to the parties to file written statement by the workman, but none appeared on behalf of the workman to take step in this case. Despite registered notice sent to the sponsoring union, which was duly received, neither the sponsoring union nor the concerned workman appeared and filed written statement. Even today no written statement has been filed on behalf of the workman. Therefore, it appears that the concerned workman is not interested to prosecute the present dispute.

3. In such circumstances, I pass a ‘No Dispute’ award in the present reference case.

TARKESHWAR PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1996

का.आ. 3284—श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य श्रीमा निगम के प्रबंधतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्विष्ट श्रौद्धोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रौद्धोगिक अधिकरण, 2801 GI/96—22.

नई दिल्ली के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-15012/02/96-श्राई आर (विविध)]

बी. एम. डेविड, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 28th October, 1996

S.O. 3284.—In pursuance of Section II of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of ESIC and their workman, which was received by the Central Government on 28-10-96.

[No. L-15012/02/96-IR(D.U.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I.D. No. 55/96

In the matter of dispute between :

Shri Hari Chand, Safai Karamchari at ESIC Hospital through General Secretary, Akhil Bhartiya Engineer and General Mazdoor Sangh, E-127, Karampura, New Delhi-15.

Versus

General Secretary, Karamchari Rajya Bima Nigam, Basai Darapur, Ring Road, New Delhi-110015.

APPEARANCES :

None for the workman.

Shri Mahinder Kumar for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-15012/02/96-I.R.(D.U.) dated 9-5-96 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the Management of ESIC in terminating the service of Shri Hari Chand, Safai Karamchari at ESIC Hospital Bazaridarpur w.e.f. 24-8-94 is Legal and justified? If not, what relief the workman is entitled to?”

2. Notice for the reference was sent to the workman five times, in the ordinary way as well as by registered post but none appeared on behalf of the workman while the management was represented by S. K. Vyas. It appears that the workman is not interested in the dispute and no dispute exist for adjudication by this court. As there is no statement of claim in this case. A no dispute award is given in this case leaving the parties to bear their own costs.

1st October, 1996.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1996

का.आ.—3285—श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं इंडिया के प्रबंधतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्विष्ट श्रौद्धोगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार श्रौद्धोगिक अधिकरण, 2801 GI/96—22.

के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-11012/13/79-आई आर (कोल-I)]
ब्रज मोहन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th October, 1996

S.O. 3285.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Air India and their workmen, which was received by the Central Government on 29-10-1996.

[No. L-11012/13/89-IR(Coal-I)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA : PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL : NEW DELHI

I. D. No. 26/1990

In the matter of dispute between :

Shri Mohan Lal,

Office Asstt. represented by the Asstt. Secy.,
Air Corporation Employees' Union,
Jeevan Bharti Building,
C/o Air India Booking Office,
New Delhi-110001.

Versus

The Personnel Manager.
Air India,
Himalaya House,
23, K. G. Marg,
New Delhi-110001.

APPEARANCES :

Shri Ashok Arya, for the workman.
Shri Sanjay Sharma, for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-11012/13/89-IR (Misc.) dated 11. 1990 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Air India, New Delhi, in not giving promotion to Shri Mohan Lal, Office Assistant, w.e.f. 1-7-81 on supernumerary

basis, while giving promotion to Shri C. S. Mehra, Office Assistant w.e.f. 1-6-80 on supernumerary basis was justified? If not, what relief is the workman entitled to?"

2. The workman concerned, Shri Mohan Lal, joined Air India as a Typist/Clerk w.e.f. 28-11-75 and was posted in the Stores and Purchase Department at Delhi. He belongs to Scheduled Caste community.

In his statement of claim, the workman has stated that one post of Office Assistant, was created on the standard force of Stores and Purchase Department of Air India in the month of June, 1981 and Shri C. S. Mehra was promoted against the same vide letter No. EMP-1/PROM/13011 dated 1-12-81. Shri C. S. Mehra was senior to the workman and also belongs to Scheduled Caste community. The said post of Office Assistant was created in the Stores and Purchase Department of Air India on the recommendations of the Committee consisting of Mr. M. K. Karmarkar, Senior Deputy Controller of Stores and Purchases and Shri H. K. Gupta, Chief Establishment Manager, Head Quarters by abolishing the existing post of a Clerk, which decision was communicated to the Controller of Stores and Purchase, Santa Cruz, vide Head Office letter No. HQ/50-13/2349 dated 10/12-6-81.

4. It is averred by the workman that on creation of one more post of Office Assistant by abolishing the existing post of Clerk in the month of June, 1981, as per recommendations of the Committee mentioned above, the strength of the Office Assistant in Stores and Purchase Department, Air India New Delhi, increased to two. Out of these two posts one was filled up by promotion of Mr. C. S. Mehra w.e.f. 1-6-80 and one post was to be filledup by promoting the senior-most Typist/Clerk in Stores and Purchase Department at New Delhi, i.e., the workman concerned. He has been declined the same by the management on the plea that the promotion of Shri C. S. Mehra has since been done on supernumerary basis, subject to adjustment on regular post in future as per understanding arrived at with the Union, the said Shri Mehra has been adjusted against the same.

5. The contention of the workman is that the plea of supernumerary promotion, as alleged, is after thought and intended to deprive him of his promotion. He has further contended that the so called understanding arrived at with the Union is not a valid agreement under the I.D. Act, 1947 and is not binding. He has thus claimed his promotion to the post of Office Assistant w.e.f. 1-7-81.

6. The management has denied all allegations and contentions of the workman.

7. The plea of the management is that there was only one post of Office Assistant against which Shri C. S. Mehra, who had been promoted on the post of Office Assistant on supernumerary basis, had been adjusted on the strength of understanding arrived at with the Union, which was being followed for the last so many years. It is further averred by the management that Shri Mohan Lal has already been promoted, as Office Assistant, w.e.f. 1-10-83. It is stated by the management that the workman concerned is not entitled to be promoted w.t.f. 1-7-81, as Office Assistant as claimed.

8. The workman has filed 9 documents, while the management has filed 11 documents, as per Annexure-A collectively.

9. Shri D. S. Kohli, Deputy Personnel Manager, has been examined as MWI, while Shri Radhey Shyam, Secretary of Air Corporation Scheduled Caste/Scheduled Tribe Employees Association, Delhi Region, has been examined as WW-I.

10. I have heard the representatives for the parties and have gone through the evidence on record.

11. The workman has filed certain documents with his statement of claim. Annexure-A is a letter dated 1-12-81, issued by Deputy Personnel Manager, Air India. By this letter, Shri C. S. Mehra, Typist/Clerk, Stores Department, Delhi, was promoted as Office Assistant in the Stores Department at Delhi w.e.f. 1-11-81 on probation of 6 months. Annexure 'D' is a letter dated 11-3-1983. By this letter, the said Shri Mehra was given promotion as Office Assistant in the Stores and Purchase Department w.e.f. 1-6-80. The said letter also discloses that he had been deemed confirmed as Office Assistant w.e.f. 1-12-80. Then there is a letter dated 6-5-83 (Annexure-F to the statement of claim) written to Controller of Stores and Purchases, Santa Cruz, by the Supplies Manager, Air India, New Delhi, forwarding workman representation dated 5-5-83, for favourable decision.

12. The letter dated 1-12-81 referred to here-in-above, does not mention that the said Shri Mehra had been promoted on supernumerary basis, subject to adjustment of standard force vacancy of Office Assistant in future.

13. There is a letter dated 10/12/6/1981 from the Chief Establishment Manager, Head Quarters, to Controller of Stores and Purchases, Santa Cruz, which shows creation of a post of Office Assistant in Delhi Purchase Office by abolishing existing post of Clerk. This fact has also not been denied by either of the parties in the present case.

14. Now, from the documents referred to here-in-above, it is clear that the promotion of Shri C. S. Mehra as Office Assistant made w.e.f. 1-6-80 was not on supernumerary basis subject to adjustment

against future vacancy and the workman concerned ultimately, being senior-most next to the said Shri C. S. Mehra, was entitled to be promoted as Office Assistant in the vacancy created and approved as is mentioned in the letter dated 10/12/6/1981, denial of which, is, of course, discriminatory, and unjustified.

15. Hence, held that the action of the management of Air India, New Delhi in not giving promotion to Shri Mohan Lal, Office Assistant on the vacancy of Office Assistant created on the Standard Force of Stores and Purchase Department of Air India in June, 1981, w.e.f. 1-7-81, is not justified. As a result, the workman concerned is entitled to his promotion as Office Assistant w.e.f. 1-7-81 with all consequential benefits, which would have accrued to him, had he been so promoted.

16. Award is given accordingly.
22nd July, 1996.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1996

का.आ. 3286-श्रीदोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 173 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सीनीयर सुपरिंटेंड, ऑफ पोस्ट शॉफ्स, गोरखपुर डिविजन, गोरखपुर के प्रबंधता के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीदोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीदोगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[स. ए.ल.-40011/25/95-आई आर (दीयू)]
के.वी.वी.उण्णी, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th October, 1996

S.O. 3286.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Sr. Supdt. of Post Office, Gorakhpur and their workman, which was received by the Central Government on 22-10-96.

[No. L-40011/25/95-IR(DU)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, DEOKI PALACE ROAD, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 64/96

In the matter of dispute between.

Shri Dinesh Dhar Dewedi,
Sachiv E. D. Dakkhna Sangh,
Gorakhpur Division,

Gorakhpur.

Industrial Dispute No. 67 of 1993

AND

Varish Adhikari,
Dak Vibhag,
Gorakhpur Division, Gorakhpur.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its notification No. 40011/25/95, dated 27-6-96 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

Whether the action of the management of Sr. Supdt. of Post Office, Gorakhpur Divn., Gorakhpur is not providing Group D post to the 4 ED Employees S/Shri Haisiyat Ali, Ram Deo, Narvadeshwar Tiwari and Ram Dakhan and not providing the allowance etc. to the ED Packers for their full 5 hours of work and indulging in unfair labour practices by way of putting the union leaders off from duty for their activity of trade union and referring their matters to the conciliation officer for conciliation proceeding is just and legal? If not, to what relief the workmen are entitled to?

2. It is not necessary to give details of the case as the concerned workmen have not filed claim statement in spite of sufficient service. Hence the reference is answered against the concerned workman for want of prosecution and proof and the concerned workmen are not entitled for any relief.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नहीं दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1996

का.आ. 3287-श्रीधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेन्ट्रल सोल एंड बाटर कम्पनीवेशन रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट के प्रबंधतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीधोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीधोगिक अधिकरण, कानपुर केपच टट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-42012/166/91-आई आर (डी.यू.)]
के.वी.बी. उष्णी, ईस्ट अधिकारी

New Delhi, the 24th October, 1996

S.O. 3287.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of CSWCRTI and their workman, which was received by the Central Government on 22-10-96.

[No. L-42012/166/91-IR(DU)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR

In the matter of dispute between :

District President,
I.N.T.U.C. 2/236, Namneir, Agra.

AND

Officer-in-Charge.

Kendriya Bhumi avam Tal Sarankshan Anusandhan,
F-27, Kamla Nagar, Agra.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its notification No. I-42012/166/91-I.R. (D.U.) dated 26-8-92 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal—

"Whether the action of the management of Central Soil and Water Conservation Research and Training Institute, Agra is not regularising Sri Virendra Pal, son Sri Gaya Prasad Sharma as Lab Attendant in class III is justified? If not, to what relief he is entitled to?

2. The case of the concerned workman Virendra Pal is that he was working in class III category with the opposite party Central Soil and Water Conservation and Training Institute, Agra. Although he was doing the work of class III scale he was not being given wages of that category, hence he moved an application under section 33C(2) of I.D. Act, claiming difference of wages on the principles of equal pay for equal work. It was registered as LCA No. 79 of 88 and this application was allowed on 8-6-89. Writ petition filed against this judgment was also dismissed. Yet the opposite party has not regularised him. He is entitled for regularisation on the post of Lab. Assistant.

3. The opposite party has filed reply in which it is alleged that the concerned workman has not worked at the post of Lab. Assistant as there is no such post at all. He is still as casual daily rated labour from whom work is being taken accordingly to exigency. No rejoinder has been filed.

4. The concerned workman has filed copy of order of LCA No. 79 of 88 which goes to prove that the concerned workman has been rewarded difference of wages on the basis that he was working in class III scale. The concerned workman has also filed copy of writ petition which would go to show that the writ filed against this order was also dismissed. Hence it has become final between the parties, that the concerned workman has been performing duties in class III. The management has filed extract of rules containing the nature of job available with the opposite party in which the post of Lab. Attendant is wanting. In its absence the concerned workman cannot be regularised on the post of Lab. Attendant as obviously no one can be regularised at non-existing post. Any way the concerned workman will be entitled for regularisation in class III category. Hence my award is that concerned workman will be entitled for regularisation in class III but not as Lab. Attendant as that post is not in existence. He is also entitled for cost of Rs. 100.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1996

का.आ. 3288—श्रोतोगिक विवाद अधिनियम, 1947
(1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डिविजनल इंजिनीयर, कोक्सियल केबिल प्रोसेस, मैकाबाद, हैदराबाद के प्रबंधतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रोतोगिक विवाद में श्रोतोगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/11/93-आई आर (डोपू)]
के.वी.बी. उण्णी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th October, 1996

S.O. 3288.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Coaxial Cable Project, Hyderabad and their workman, which was received by the Central Government on 23-10-1996.

[No. L-30012/11/93-IR(DU)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT HYDERABAD

PRESENT:

Sri V. V. Raghavan, B.A., I.L.B., Industrial Tribunal-I.
Dated, 10th day of October, 1996
Industrial Dispute No. 44 of 1995

BETWEEN

Sri K. Prasada Rao S/o Sri K. Tirupalu,
Amarareddinagar, Tadepalli,
Guntur (Distt.)-522501, (AP). ..Petitioner.
AND

The Divisional Engineer,
Coaxial Cable Project, Saifabad,
Hyderabad-500004. ..Respondent.

APPEARANCES :

Sri P. Damodar Reddy, Advocate for the Respondent.
Petitioner set ex parte.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its Order No. L-40012/11/93-IR(DU) dated 23-2-1995 referred the following dispute under Section 10(1)(d) and (2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication of the industrial dispute mentioned in the schedule which read as follows :

"Whether Sri K. Prasad Rao is a workman? If Shri Rao is a workman, then whether the management of Telecom, Hyderabad is justified in terminating his services? If not, what relief he is entitled to?"

This reference has been registered as Industrial Dispute No. 44 of 1995 on the file of this Tribunal.

2. The workman appeared in this Tribunal and filed a claim statement contending as follows: He was employed continuously from 1-11-1989 to 30-11-1992 except for breaks

of two days now and then. His services were terminated on 12-12-1992 without following Chapter V-A of the Act, though he was employed for more than 240 days, he was not paid the minimum wages also. He is a workman within the meaning of Industrial Disputes Act. Hence the Respondent may be directed to reinstate him into service with back wages and other benefits.

3. The Respondent filed a counter contending that the Petitioner workman is not a workman and he is an independent contractor. He undertook contract works for various periods with breaks. He is not a workman. So he is not entitled to any relief.

4. The Petitioner-workman examined himself as W.W.1 and filed Exs. W1 to W6. The Divisional Engineer of the Respondent is examined as M.W.1. He did not file any documents.

5. The point for consideration is whether the Petitioner is a workman and if so whether he is entitled for any relief?

6. POINT.—The reference was made to decide as to whether the Petitioner is a workman in view of the stand taken by the Respondent that he is a contractor. He is not a workman within the meaning of I.D. Act as per existing law. The Supreme Court held in 1996 LLR Page 483 that the Telecom Department is not an industry within the meaning of the I.D. Act as the Government is performing the sovereign functions. The findings of the Supreme Court are as follows :

"Having regard to the contentions, the question arises whether the appellant is an industry. India as a sovereign socialist, secular democratic republic has to establish an egalitarian social order under rule of law. The welfare functions and the traditional duty to maintain law and order is no longer the concept of the State Directive principles of State policy enjoin on the State diverse duties under Part IV of the Constitution and the performance. One of the duty is of the State to provide telecommunication service to the general public and an amenity and so is one essential part of the sovereign functions of the State as a Welfare State. It is not, therefore, an industry.

When once the employer is not an industry, the employee cannot be a workman within the meaning of the Industrial Disputes Act. So the petitioner is not entitled to any relief.

7. If, for any reason, it has to be held that the employer is an industry, the Petitioner has to be held to be workman and he is also entitled to the relief of reinstatement for the reason that the employer while admitting that the Petitioner worked in the Department, pleaded that he was a contractor but no document in proof of the petitioner acting as a contractor is filed before this Tribunal.

8. In view of the finding that the Petitioner is not a workman consequent upon the decision of the Supreme Court cited supra, the Petitioner is not entitled to any relief.

An Award is passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this 10th day of October, 1996.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Industrial-I

Appendix of evidence

Witnesses examined for the Petitioner :

W.W.1—K. Prasada Rao.

Witnesses examined for the Respondent :

M.W.1—S. V. Srinivasan.

Documents marked for the Petitioner :

Ex. W1/6-2-93—Complaint to the R.L.C.(C) Hyderabad (Xerox copy).

Ex. W2/ —Xerox copy of the Caste Certificate.

Ex. W3/ —Xerox copy of the working days particulars.

Ex. W4/18-1-94—Minutes of conciliation proceedings (Xerox copy).

Ex. W5/11-3-94—Xerox copy of Failure Report.

Ex. W6/27-8-93—Xerox copy of the letter of the Respondent to Asst. Labour Commissioner(C) regarding the complaint made by W.W.I.

Documents marked for the Respondent

NIL

नई विल्सी, 24 अक्टूबर, 1996

का.आ. 3289—ओमोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूर संचार के प्रबंधनकार्य के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकार्यों के बीच, अतुवंश में निर्विष्ट ओमोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओमोगिक अधिकरण, मुम्भई के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-10-96 प्राप्त हुआ था।

[स.एल 40012/15/94-आईआर (डीप्यू)]

के.बी.बी. उणी, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th October, 1996

S.O. 3289.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Mumbai as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Telecom and their workman, which was received by the Central Government on 15th October, 1996.

[No. L-40012/15/94-IR (DU)]

K. V. B. UNNI, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-2/5 of 1995

Employers in relation to the management of Telecom.
District Engineer, Bhandara,

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Employer—Shri S. G. Jagtap, Advocate.

For the Workmen—Miss Sulekha Kumbhare, Representative.

Mumbai, dated 20th September, 1996

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-40012/15/94-IR(DU) dated 23rd February, 1995, had referred to the following Industrial Dispute for adjudication :

"Whether the action of the management of Telecom District Engineer Bhandara in terminating the services of Shri Madhusudan Sampat Kadav, Casual Labour w.e.f. 1st November, 1986, Further not considering him for reinstatement in service even without back wages is legal and justified. If not, what relief the workman is entitled to?"

2. Madhusudan Sampat Kadav pleaded that he was working as a casual labour since 1979-80. He was paid daily wages @ Rs. 17. He had continuously worked for more than 240 days in a year. It is submitted that on 1st October 1986 when he approached the management for the work he was not allowed to join his duty though the work was available.

His juniors were continued in the service. The management did not assign any reason for not providing the work. This amounts to a retrenchment.

3. The worker pleaded that the management did not comply with any of the provisions of retrenchment. He was not served with one months notice nor paid retrenchment compensation. It is averred that he requested the management of providing work on many occasions but no work was provided. He therefore addressed a notice dated 11th October, 1993 calling upon the management to give him work. But it was not replied nor he was provided with the work. He prayed that he may be reinstated in service with full back wages and costs.

4. The management resisted the claim by the written statement Exhibit-7. It is denied that the worker was working as a casual labourer since 1979-80. It is pleaded that he was engaged for the first time in June, 1981. It is denied that the worker completed 240 days in a year as contended by him. It is averred that he was casual labour and was paid wages and other benefits as per law. It is averred that from June, 1981 to October, 1986 he was engaged on daily wages on regular intervals. It is submitted that the worker on his own accord voluntarily abandoned his employment without any notice to the management.

5. The management specifically denied that the worker ever approached for work after 1st October, 1986. It is submitted that the management subsequently issued notice dated 17th January, 1986 to the worker which was duly acknowledged and accordingly his casual employment stood terminated w.e.f. 1st November, 1986. It is submitted that as the worker abandoned his service there is no question of application of any of the provisions of the Industrial Disputes Act of 1947. It is averred that thereafter for the first time in the year 1993 the worker gave a notice which itself goes to show that it is a mala fide one and has other consideration in his mind. It is prayed that under such circumstances there is no merit in the reference and it may be dismissed accordingly.

5. The worker filed a rejoinder at Exhibit-8. It is averred that he never received any notice and had not acknowledged the same as alleged by the management. He reiterated other contentions which he made in the statement of claim.

6. The issues and my findings thereon are as follows:

Issues	Findings
--------	----------

1. Whether the Tribunal has jurisdiction to entertain and decide the reference? No.

1. (a) Whether the workman proved that his termination amounts to retrenchment, and void ? No.

2. Whether the action of the management in not considering the request of casual labour for reinstatement in service even without back wages is legal and justified? The action is legal and justified.

3. To what relief, the workman is entitled to ? Does not survive.

7. It must be made clear that in the written statement the management had not taken a plea that the Tribunal had no jurisdiction to decide the reference. But it was submitted by the management and Nilkanth Thakare (Exhibit-15), the witness for the management had affirmed to that effect. The point raised is of law. Therefore I raised the issue and the parties were allowed to submit their submissions on it.

8. Mr. Jagtap, the Learned Advocate for the management submitted that Telecom is not an industry. While making such submission he placed reliance on Sub-Divisional Inspector of Posts. Vaikam & Ors. v. Theyyam Joseph 1996(I) Supreme 487.—In Joseph's case Their Lordships observed that "India as a sovereign socialist, secular democratic

republic has to establish an egalitarian social order under rule of law. The welfare measures partake the character of sovereign functions and the traditional duty to maintain law and order is no longer the concept of the state. Directive principles of State Policy enjoin on the State diverse duties under Part IV of the constitution and the performance of the duties are constitutional functions. One of the duty is of the State is to provide telecommunication service to the general public and an amenity, and so is one essential part of the sovereign functions of the state as a welfare state. It is not, therefore an industry.

9. It is not in dispute that telecommunication means communication over a distance by cable, telegraph, telephone or broadcasting therefore like the posts the Telecom is not an industry.

10. The Learned advocate for the worker on the other hand could not satisfy me how the Telecom cannot be said to be an industry. Naturally the Tribunal has no jurisdiction to decide the matter.

11. Even assuming for the sake of argument it is held that the Tribunal has Jurisdiction to decide the matter. I intend to give reasons for my findings for the remaining issues.

12. Madhusudan Sampat Kadav (Exhibit-11) affirmed that he is working as a casual labour since 1979-80 and was paid Rs. 17 per day. He produced a certificate issued by Officer of Telecom, Gondia (Exhibit-9/1) which speaks that he served their from June 1980 to Nov. 1981. He also produced another certificate issued by Telecom Officer of Bhandara at Exhibit-9/2. It is for the period from June, 1981 to September, 1984. S.D.O. Bhandare had issued a third certificate (Exhibit-9/3) which gives the working days of the worker from October, 1984 to October, 1985. It is not in dispute that the worker was not on duty from 1st October, 1986. He had affirmed that he had continuously put more than 240 days in a year. Now from the certificate (Exhibit-9/3) it has to be seen whether he had continuously put 240 days in twelve months prior to his last working day. From that certificate it appears that he had worked in October, 1986 also. If last twelve months are taken into consideration that is from November, 1985 to October, 1986 the working days comes to 199. It can be seen for September, October and November, 1985 he had not worked at all. So also in July, 1986 he had not worked. For considering whether he is in continuous service what is to be seen is 12 months period prior to his last working. After considering this fact I find that the worker cannot be said to be in continuous service as claimed by him. As this is so he is not entitled to the benefit which he has claimed.

13. Madhusudan affirmed that when he approached for duty on 1st October, 1986, I think it must be 1st November, 1986. He was not given work. Thereafter according to him he approached the management for getting the work but it was not provided to him. In the cross-examination he accepts that prior to the notice dated 4th August, 1992 (Exhibit-9/6) he had not approached the management in writing. But he had also issued another notice dated 11th October, 1993 to the management for allotting him work. In other words it can be said that after about a lapse of six years he tried to approach the management. If really he would not have been given the work he could have contacted his union or the superiors of the officer who did not allot him work. Nilkanth (Exhibit-15), the Telecom District Engineer affirmed that till 4th August, 1992 the worker never approached him and the worker himself abandoned the service. The conduct of the worker supports the case of the management. There must be other considerations for him for raising the said dispute.

14. Nilkanth admits that a notice (Ex-10/1) dated 12th November, 1986 had no acknowledgement from the worker. The worker refused to have received that notice. In the said notice it is mentioned that his services are terminated. I find that there is no acknowledgement and as the worker denied it, it should not be taken into consideration at all. It is rightly argued on behalf of the management as there was abandonment of the services by the worker there was no question of giving any compensation or an application of any of the provisions of retrenchment.

15. Miss. Kumbhare, The Learned Advocate for the worker argued that even if the worker abandoned the service as per the guidelines issued by the department the (Exhibit-16/2) dated 7th June, 1990 the management should have issued notice to the worker. According to her that guidelines speaks of issuing three notices to the worker who abandoned the service. But non-compliance of that guideline does not entitle the worker to get reemployment and continuity alongwith back wages.

16. For all these reasons I record my findings on the issues accordingly and pass the following order:

ORDER

The reference is disposed off for want of jurisdiction.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1996

का. आ. 3290—श्रीदीगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस. डी. आ. दूरसंचार, के प्रबंधनवाले के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीदीगिक विवाद में श्रीदीगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार के 23-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[म. प्रा-40012/41/95-आई आर (झींय)]

के.वी.वी. उष्णी, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 24th October, 1996

S.O. 3290.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of S.D.O., Telecommunications and their workman, which was received by the Central Government on 23-10-1996.

[No. L-40012/41/95-JR (DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri V. V. Raghavan, B.A., I.I.B., Industrial Tribunal-I.
Dated, 23rd day of September, 1996

Industrial Dispute No. 62 of 1996

BETWEEN

Sri V. Narayana Reddy S/o. Nanji Reddy,
Vill. Venchireddypalli, Sattampalli (PO),
ODC Mandal, Kadiri Tq. Ananthapur Dist.,
515 591. ... Petitioner

AND

The S.D.O., Telecommunication,
Dharmavaram-515 672. ... Respondent.

APPEARANCES :

Petitioner present in person and set ex parte os 23-9-96.
Sri P. Damodar Reddy, Advocate—for the Respondent.

AWARD

This is a reference made by the Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi by its Order No. L-40012/41/95-IE(DV) dated 3-4-1996 under Section 10(1)(d) and 2-A of Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication of Industrial Dispute mentioned in its schedule which reads as follows:

"Whether the management of SDO Telecom Dharmavaram is justified in terminating the services of

Sri V. Narayana Reddy without following the procedure of retrenchment ? If not, to what relief he is entitled to ?"

The said reference has been taken on file as I.D. No. 62/96.

2. After receipt of notice issued by this Tribunal the petitioner was present and the respondent also was present on 2-7-96. The matter was posted from time to time for filing of the Claims Statement of the petitioner. But the petitioner has not filed his claims statement and subsequently he did not appear before this Court.

3. On 23-9-1996 the petitioner is absent and he was ex parte. It is to be seen that the petitioner is not interested in prosecuting the matter. Hence the I.D. is closed.

4. There is no option except to close the I.D. as the petitioner is not evincing any interest to prosecute this matter. Hence the I.D. is closed.

Given under my hand and the seal of this Tribunal this the 23rd day of September, 1996.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal-I

No oral or documentary evidence is produced by both the parties.

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1996

का.आ. 3291—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार प्रशसनीक्यूटीव आफिसर फैन्ट बोर्ड, आगरा के प्रबंध सत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[मं. एल-12012/2/88-डी-2 (बी)]

के.बी.बी. उणी, डैक अधिकारी

New Delhi, the 24th October, 1996

S.O. 3291.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Kanpur as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Executive Officer, Cantt Board Agra, and their workman, which was received by the Central Government on 22-10-96.

[No. L-12012/2/88-D.II (B)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL-CUM-LABOUR
COURT PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 271 of 1989.

In the matter of dispute

BETWEEN

President Cantt Employees Union,
2/236 Namneir Agra.

AND

Executive Officer,
Cantt Board,
114 Fatehpur Sikri Road.
Agra

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its notification No. L-12011[2/88/D-2(B)] dated

30-10-1989, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the Executive Officer, Cantt. Board, Agra, was justified in not promoting Shri Mohd. Ayub being senior most to class III Post, premature retirement of Shri Felly Ram Fitter w.e.f. 31-12-87 ? If not to what relief the workman were entitled ?

2. In this reference there is dispute in respect of two workmen namely, Mohd. Ayub and Felly Ram. Mohd. Ayub has claimed promotion, whereas Felly Ram, Fitter has made grievance regarding his premature retirement w.e.f. 31-12-87. In the claim statement the cases of both the workmen have been set out in details. It is not necessary to give the case of Mohd. Ayub Khan in detail as on 3-7-85, the authorised representative of Mohd. Ayub made a statement that he did not press his claim. Hence reference regarding Mohd. Ayub is to be answered against him for want of prosecution.

3. As regards Felly Ram, his case is that his date of birth is 6-1-43, hence he could not be retired on 31-12-87 on the basis that he had attained superannuation age. It is further alleged that his elder brother Devi Ram is still in service. At the time of his retirement on 27-12-87, he was only 45 year old as such he could not be retired as he had not attained the age of superannuation.

4. The opposite party has filed written statement in which it is alleged that date of birth of the concerned workman is 1-1-30 as is evident from the service record. On the basis of this he has been correctly retired as he had attained the age of superannuation. Nothing has been said about the fact that his elder brother Devi Ram is serving or not. In the rejoinder nothing new has been said.

5. In support of his claim the concerned workman had filed his original horoscope, extract of voter's list and family register showing that the concerned workman was born some time in 1943. In my opinion, the horoscope is not genuine and has been prepared for the purpose of the case. As regards the other two documents they too stand belied by the statement of Smt. Kalawati, the elder sister of concerned workman. She has stated that at the time of his marriage Felly Ram was 20 years old. He has got a daughter who would be about 2 or three years less than 40 years. If we take it to be 37 years, the age of concerned workman would become 37 plus 20 years total 57 years. Hence with this point of view alone the horoscope and entries in voter's list and family register stand belied. I am not inclined to place any reliance on those papers. Still there is one hard fact which had not been disputed by the management. Devi Ram is his elder brother. His service record has also been filed which shows that Devi Ram was born on 5-2-33. Whereas according to service record of Felly Ram his date of birth is 1-1-30. Obviously this recorded date of birth of Felly Ram is wrong. It has come in evidence that Smt. Kalawati and the concerned workman that he was born next to Devi Ram. Taking into consideration the natural space in two deliveries I would take that he would have born about two years after Devi Ram. From this point of view his date of birth should be taken to be February 1935.

5. In this way he was yet to render about 5 years service more when he was retired. Thus it is a clear case of premature retirement on wrong basis. Anyway taking into consideration the date of birth as February, 1935, no order for reinstatement can be given as by now he has already attained the age of superannuation. Since the concerned workman has raised industrial dispute after his retirement, taking it a case of inordinate delay seeking correction in his date of birth, I think he should be given only 50 percent of the wages. Further he will be entitled for all retirement benefits on the basis that he was born in February 1935.

6 Thus my award is that the concerned workman has been wrongly prematurely retired w.e.f. 31-12-87. He will be entitled for 50 percent of back wages treating his age to be February, 1935 and consequently retriäl benefits.

7. Reference is answered accordingly.

Dated 16-10-1996

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer
नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1996

का. आ. 3292.—श्रीयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस. डी. ओ., दूर संचार, दरमवरम के प्रबंधतंत्र के संबंध नियोजनों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीयोगिक विवाद में श्रीयोगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन-40012/45/95-आई आर (डीयू)]
के. वी. वी. उणी, डैम्स अधिकारी

New Delhi, the 24th October, 1996

S.O. 3292.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Telecommunication and their workman, which was received by the Central Government on 23-10-96.

[No. I-40012/45/95-IR (DU)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri V. V. Raghavan, B.A., LL.B., Industrial Tribunal-I

Dated; 23rd day of September, 1996

Industrial Dispute No. 64 of 1996

BETWEEN :

Shri V. Srinivasulu S/o V. Chittaramana Vis.
Nagireddypalli, Kadiri (PO & Mandal),
Ananthapur-515 001 Petitioner.

AND

The S.D.O., Telecommunication,
Dharmavaram-515 672 Respondent.

APPEARANCES :

Petitioner present in person and set him ex parte on 23-9-96.

Sri P. Damodar Reddy, Advocate—for the Respondent.
AWARD

This is a reference made by the Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi by its Order No. I-40012/45/95-IR (DU) dated 3-4-1996 under Section 10(1)(d) and 2-A of Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication of industrial dispute mentioned in its Schedule which reads as follows :-

"Whether the action of the management of sub-Divisional Officer Telecom Dharmavaram is justified in terminating the service of Shri V. Srinivasulu? If not, to what relief the workman is entitled to?"
The said reference has been taken on file as I.D. No. 64/96. 2001 GI/96-23.

2. After receipt of notice issued by this Tribunal, the petitioner was present and the respondent also was present on 2-7-96. The matter was posted from time to time for filing of the claims statement of the petitioner. But the petitioner has not filed his claims statement and subsequently did not appear before this Court.

3. On 23-9-1996 the petitioner is absent and he was ex parte. It is to be seen that the petitioner is not interested in prosecuting the matter.

4. There is no option except to close the I.D. as the petitioner is not evincing any interest to prosecute this matter. Hence the I.D. is closed.

Given under my hand and the seal of this Tribunal this the 23rd day of September, 1996.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal-I

No oral or documentary evidence is produced by both the parties.

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1996

का. आ. 3293.—श्रीयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूर संचार पट्टना के प्रबंधतंत्र के संबंध नियोजनों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीयोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीयोगिक अधिकरण, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-10-96 की प्राप्त हुआ था।

[सं. एन-40012/46/93-आई आर (डीयू)]
के. वी. वी. उणी, डैम्स अधिकारी

New Delhi, the 24th October, 1996

S.O. 3293.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Telecommunication and their workman, which was received by the Central Government on 24-10-96.

[No. I-40012/46/93-IR(DU)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I AT DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 203 of 1994

PARTIES :

Employers in relation to the management of Telecommunication, Bihar Circle, Patna.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri Tarkeshwar Prasad, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers: Shri B. K. Mukherjee, Advocate.

For the Workmen: Shri D. Mukherjee, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY: Telecom.

Dated, the 8th October, 1996

AWARD

By Order No. L-40012/46/93-I.R. (D.U.) dated 29-6-1994 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

"Whether the action of the management of Telecommunication, Bihar Circle, Patna in terminating the services of Sri Dinesh Kumar Singh, working as casual labour in the office of SDO (T), Sasaram w.e.f. 1-2-90 is justified? If not, what relief he is entitled to?"

2. The present reference relates to Telecommunication, Bihar Circle, Patna. But in view of the decision of the Hon'ble Supreme Court reported in 1996 Lab. I.C. 1059 between Sub-Divisional Inspector of Post, Vaikam and others Vs. Theyyam Joseph etc., where it has been held that the Postal and Telecommunication Department is not industry, this reference is not maintainable under the Industrial Disputes Act, 1947, with option to the workman to file the case before appropriate forum, if he so likes.

3. Accordingly, I dispose of the present reference case as not maintainable under the Industrial Disputes Act, 1947.

TARKESHWAR PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1996

का. आ. 3294 :—आधोगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूरसंचार के प्रबंधताव के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुवध में निर्दिष्ट आधोगिक विवाद में आधोगिक अधिकरण हैदराबाद के पचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 14-10-96 को प्राप्त हुआ था।

स[. एल.—40012/76/95—प्राई आर (डी पू.)]

के. वी. वी. उणी, ईस्ट अधिकारी

New Delhi, the 24th October, 1996

S.O. 3294.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Telecom, and their workman, which was received by the Central Government on 14-10-96.

[No. L-40012/76/IR(DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri V. V. Raghavan, B.A., LL.B., Industrial Tribunal-I.

Dated, 30th day of September, 1996

Industrial Dispute No. 60 of 1996

BETWEEN

Shri C. K. Laxminarayana S/o K. Vasanthappa,
Kolini Street, Kadiri-515591.
Ananthapur District. . . Petitioner.

AND

The District Manager, Telecom.,
Thirupathi-517501. . . Respondent

APPEARANCES :

Sri Ch. Jagannadha Rao and Sri K. Lakshman, Advocates
for Petitioner.

Sri P. Damodar Reddy, Advocate for the Respondent.

AWARD

This is a reference made by the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its Order No. L-40012/76/DF IR (DV) dated 30-4-1996 under Sections 10(1)(d) and 2A of Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication of Industrial Dispute mentioned in its schedule which reads as follows:

"Whether the action of the management of Telecom District Manager, Thirupathi is justified in terminating the services of Shri C. K. Laxminarayana who had worked for long years in the Telecom Department? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. After receipt of notice sent by this Tribunal both parties appeared and filed their Vakalats. Both parties did not file their statements even though several adjournments were granted. Time was extended till 30-9-1996 for filing of the same. In the meantime the counsel for the petitioner filed a Memo on 2-9-1995 stating that the respondent-Management offered to consider and reinstate the petitioner, if the petitioner withdraws the dispute and on the basis of the assurance given by the respondent-Management, the Petitioner is withdrawing the case. The Petitioner prayed that an Award may be passed treating the dispute withdrawn. The Memo I.A. No. 137/96 was posted for counter of the respondent-Management till 30-9-1996. But the Respondent-Management did not file the counter. That Memo is recorded.

3. In the result, an Award is passed that the petitioner withdrew the dispute. The I.D. is closed.

Given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 30th day of September, 1996.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal-I
Appendix of Evidence

NIL

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1996

का. आ. 3295 .--आधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूरसंचार के प्रबंधताव के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुवध में निर्दिष्ट आधोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आधोगिक अधिकरण, मम्बई के पचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-10-96 को प्राप्त हुआ था।

स[. एल.—40012/114/92—प्राई आर (डी पू.)]

के. वी. वी. उणी, ईस्ट अधिकारी

New Delhi, the 24th October, 1996

S.O. 3295.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Telecom and their workman, which was received by the Central Government on 15-10-96.

[No. 40012/114/92-IR(DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-2/87 of 1993

Employers in relation to the management of Sub-Divisional Officer, Telcom, Vardha

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the employers : Shri R. M. Guru, Advocate.

For the workmen : Miss Sulekha Kumbhare, Representative.

Mumbai, dated 20th September, 1996

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-40012/114/92-IR(DU), dated 5-11-93, had referred to the following Industrial Dispute for adjudication.

"Whether the action of the management in retrenching Shri Falgun P. Raghatare, workman is justified and legal if not, to what relief he is entitled to?"

2. Falgun P. Raghatare the worker pleaded that he joined the service of the Opponent as a casual labour and was paid Rs. 13/- per day. He could get the employment because he was sponsored from the employment exchange. He was doing all kind of work including laying down of cables, digging of earth, erecting the poles etc. He worked for more than 240 days in a year.

3. The worker pleaded that as usual he approached on his work on 17-5-87. Aggarwal, SDOT Vardha informed him that as there is no work available he will not be given any work. He further stated that he will be given work whenever it will be available. It is pleaded that thereafter the worker approached the management for getting the work but he was not given any work. It is pleaded that the management had not complied with any of the provisions of retrenchment. He was not given one months notice nor any compensation.

4. The worker averred that he addressed a notice to the management dated 1-7-91. By the said notice he asked for work. The management did not reply to it. He therefore approached the Assistant Labour Commissioner. There the management resisted the claim of the worker. In the result the Assistant Labour Commissioner submitted negative report to the Ministry which in turn send the reference to this tribunal. It is prayed that the management may be directed to reinstate the worker with continuity of service and full back wages.

5. The management resisted the claim by the written statement Exhibit-3. It is averred that the worker was given an appointment as a casual labourer on daily wages w.e.f. 9-7-86. He voluntarily stopped coming to work from 17-5-87. It is asserted that his engagement was not cancelled by the management. No orders discontinuing him from the work were issued by the management. It is specifically denied that the engagement of the worker was terminated by the management. It is therefore submitted that there was no question of compliance of any of the provisions of section 25F of the Industrial Disputes Act of 1947.

6. The management pleaded that the worker left the work without any intimation on his own. It is submitted that after about three years on somebody's advice he had given notice and raised a dispute which is without any merit. It is prayed that under such circumstance the reference may be answered in favour of the management.

7. The worker filed a rejoinder at Ex-5, and reiterated the contention taken by him in the Statement of claim

8. The issues that fall for my consideration and my findings thereon are as follows :—

Issues	Findings
1. Whether the Tribunal has jurisdiction to entertain and decide the reference ?	No.
2. Whether it is proved that Falgun Raghatare, the workman was retrenched ?	No, He abandoned the service.
3. Whether the retrenchment is legal and proper ?	Does not survive
4. If not, what relief he is entitled to ?	Does not survive

REASONS

9. At the outset it must be said that in the written statement there is no pleading that the Tribunal has no jurisdiction to decide the reference. But in view of the Supreme Courts Judgement in Theyyam Joseph's case it is submitted that this question being a question of law it can be raised at any time and the issue may be framed to that effect Accordingly that issue was framed.

10. The Learned Advocate for the management placed reliance on Sub-Divisional Inspector of Posts Vaikkam & Ors. V/s. Theyyam Joseph 1996 (II) Supreme 487. That was a case wherein Their Lordship observed "India as a sovereign, socialist, secular democratic republic has to establish an egalitarian social order under rule of law. The welfare measures partake the character of sovereign functions and the traditional duty to maintain law and order is no longer the concept of the State. Directive principle of State Policy enjoys on the state diverse duties under Part IV of the Constitution and the performance of duties are constitutional function. One of the duty of the State is to provide telecommunication service to the general public and amenity and

so is one essential part of the sovereign functions of the state as a welfare state. It is not, therefore an industry."

11. It is not in dispute that telecommunication means communication over a distance by cable, telegraph, telephone or board casting. Therefore like the posts the Telecom is not an industry.

12. The Learned advocate for the worker could not satisfy me how the decision in the above stated authority has no application to the present set of facts. I therefore find that the Telecom is not an industry. Naturally the Tribunal has no jurisdiction to decide the matter.

13. Assuming for the sake of argument if it is said that it has jurisdiction I intend to decide the remaining issues. Falgun P. Raghatare (Ex-9) affirmed that he worked for more than 240 days continuously as a casual labourer. The copy of the attendance sheet was duly certified by Sub-Divisional Office, Telephones Vardha is at Exhibit-6[2]. Along with the statement of claim the worker produced a zerox copy of identity card showing his attendance. From this card it can be seen that he served as a casual labourer from 9-7-86 to 17-5-87. There are some breaks in this period. But after the calculation it is very clear that he worked for more than 240 days in a year before 17-5-87. It has to be said that he is in continuous service.

14. Falgun affirmed that on 17-5-87 when he approached for the work he was informed by Aggarwal S.D.O.T. Vardha that he cannot be given work as it is not available. He approached the officer continuously but he was not provided with any work. As against that Ved Parkash Aggarwal (Exhibit-18) affirmed that at the relevant time he was there and he never informed the worker that the work is not available. He affirmed that he was never terminated from the service or discontinued from service. According to him after his discontinuation when inquiries were made at his residence it is informed that he had shifted to Gadchiroli and joined in the institute and started taking training for plumbing. He completed the training of plumbing and got a permanent job there. He affirmed that he is engaged a plumber. Falgun in his cross-examination admits that he does the work of plumbing on daily basis. This supports Aggarwal. There is no reason for Aggarwal for deposing falsely. There is no suggestion that there was enmity between Aggarwal and the worker for deposing falsely. Under such circumstances the theory which is put forward by the management that the worker himself abandoned the services appears to be logical.

15. There is one more circumstance in favour of the management, dt. 17-5-87, was the last date of the work of the worker. He affirmed that he approached the management on several occasions. But he was not provided with work which is derived by the management. It is common knowledge that these workers are having organisations. At several places there are unions. If really he would have informed that he will not be given work and others are given

that work then immediately he would have approached the union. But he did not do so. He had not complained to any superiors, or Aggarwal regarding non allotment of work. The first notice which he addressed was on 17-8-91 i.e. near about four years after his not giving work to the worker. That itself goes to show that he is making his claim on somebody's suggestion or for some other circumstances. As that is so it cannot be said to be a retrenchment.

16. The Learned Advocate for the worker had brought to my notice a circular dated 7-6-90 which was issued by the Assistant General Manager Telecom, Bombay. The guidelines are issued by the department in respect of grant of temporary status to casual mazdoors. That guideline speaks of dealing with absconding temporary mazdoors. It states that if mazdoors who are entitled to have a temporary status and have absconded, in that case a notice is issued to him. It is not only one notice but it appears that three notices are to be issued. Aggarwal admits that no such notices are issued to the present worker in this matter. At the most it can be said that by doing so it has to be ascertained whether worker wants to get an employment again or not. The management had not done so in this matter. That does not mean that the worker is entitled to an employment. That guideline does not help for coming to the conclusion that the worker was retrenched for all these reasons I record my findings on the issues accordingly and pass the following order :

ORDER

The reference is disposed off for want of jurisdiction.

Date : 20-9-1996

S. B. PANSE, Presiding Officer

रात्रि दिनी, 24 प्रकृत्या, 1996

का. आ. 3296.—आदोगिक विवार अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की पाठ 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डाक के प्रबन्धालय के संचालन नियोजनों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट आदोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आदोगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-10-96 को, ग्राहक हुआ था।

[प. ए. 10012/133/93-प्राइवेट चल (ई. प.)]

के. वा. वी. उणी, उपर्युक्त अधिकारी

New Delhi, the 24th October, 1996.

S.O. 3296.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Kanpur as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Post and their workmen, which

was received by the Central Government on 22-10-1996.

[No. L-40012/133/93-IR(DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, DEOKI PALACE ROAD PANDU NAGAR KANPUR

Industrial Dispute No. 102 of 1994

In the matter of dispute between

Ram Shanker Srivastava,
Prakhandiya Mautri,

Akhil Bhartiya Dak Karamchari Sangh,
18E/8, Dabuli Kanpur

AND

Prawar Adhichak,
Dakghar Kanpur City Prakhand
Kanpur

APPEARANCE :

Shri M. L. Verma for the Management.
Shri M. K. Srivastava for the workman.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its notification No. 40012/133/93 dated 17/29-11-94, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

Kya Prawar Adhichak Dak Ghar Kanpur Nagar Mandal Kanpur Ka Shri Raj Narain Tiwari Postman Ko Dinank 24-6-94 Se Apne Kanisht Sahpati Shri Raghuvansh Prasad Shukla Ke Wetan Ke Brabar Wetan Na Dena Nyeuchit Hai ? Yadi Nahi To Sambandhit Karamkar Kis Anutosh Ka Hakdar Hai ?

2. It is not necessary to narrate the pleading of the parties. Suffice it to say that in this reference the management is Post Office Kanpur. In case of Sub-Divisional Inspector of Post, Vaikam and Others V/S Theyyam Joseph & other in Civil appeal No. 3385-86 of 1996 decided on 2-2-96 Hon'ble Supreme Court has held that "Post Office" is not covered by the definition of Industry as defined in the Industrial dispute Act. In view of this pronouncement the reference against Post Office is incompetent.

3. Hence the reference is returned unanswered this Tribunal having no jurisdiction.

Date 14-10-96

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नंदी फ़िल्मी, 25 अक्टूबर, 1996

का. आ. 3297:—आधिकारिक विवाद अधिकारित, 1947 (1947 का 14) की वार्ष 17 के अनुसार अंग्रेजी संस्कृत डाकघर के प्रबन्धन के संबंध में नियोजित और उनके अधिकारी के बीच, अनुबंध में विस्तृत अधिकारिक विवाद में केंद्रीय सरकार आधिकारिक अधिकारी, धनबाद के पंचाट का प्रशासित करती है, जो केंद्रीय सरकार का 25-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. प्रा. -40012/69/90-आदि वर (डी)]

क. वी. बी. इण्डो, अंड कालिकारी

New Delhi, the 25th October, 1996

S.O. 3297.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Dhanbad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Post and their workman, which was received by the Central Government on 25-10-96.

[No. L-40012/69/90-IR(DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 8 of 1991

PARTIES :

Employers in relation to the management of Department of Post.

AND

Their Workmen

PRESENT :

Shri Tarkeshwar Prasad, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers : None

For the Workman : Shri D. Mukherjee, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Postal

Dated, the 9th October, 1996

AWARD

By Order No. L-40012/69/90-I. R. (D. U.) dated 31-1-91/4-2-91 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section

(1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of R.M.S., C. Division, Gaya in terminating the services of Shri Ganga Paswan is justified ? If not, to what relief the concerned workman is entitled to ?"

2. The present reference case relates to Postal Department. But in view of the decision of the Hon'ble Supreme Court reported in 1996 Lab. I. C. 1059 between Sub-Divisional Inspector of Post, Vaikam and others Vs. Theyyam Joseph etc. where it has been held that the Postal and Telecommunication Department is not industry, this reference is not maintainable under the Industrial Disputes Act, 1947, with option to the workman to file the case before appropriate forum, if he so likes.

3. Accordingly, I dispose of the present reference case as not maintainable under the Industrial Disputes Act, 1947.

TARKESHWAR PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 1996

का. आ. 3298 :- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डाकघर के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार फ्रू 25-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-40012/191/94-प्राइवेट भार (डीयू)]
के. बी. बी. उण्णी, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th October, 1996

S.O. 3298.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-I, Dhanbad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Post and their workman, which was received by the Central Government on 25-10-96.

[No. L-40012/191/94-IR(DU)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 115 of 1995

PARTIES :

Employers in relation to the Post Office,

AND

Their Workmen

PRESENT :

Shri Tarkeshwar Prasad, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri C. M. Prasad, Govt., Pleader.

For the Workmen : Shri Nan Kishore Lall, Concerned Workman

STATE : Bihar

INDUSTRY : Postal

Dated, the 9th October, 1996

AWARD

By Order No. L-40012/191/94-I. R. (D. U.) dated 15-9-95 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) sub-sec. (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

"Whether the action of the management of Railway Mail Service Post and Telegraph Division, Arrah in terminating the services of Shri Nan Kishore Lall is justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?"

2. The present reference relates to Postal Department. But in view of the decision of the Hon'ble Supreme Court reported in 1996 Lab. I. C. 1059 between Sub-Divisional Inspector of Post, Vaikam and others VS. Theyyam Joseph etc. where it has been held that the Postal and Telecommunication Department is not industry, this reference is not maintainable under the Industrial Disputes Act, 1947, with option to the workman to file the case before appropriate forum, if he so likes.

3. Accordingly, I dispose of the present reference case as not maintainable under the Industrial Disputes Act, 1947

TARKESHWAR PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 1996

का. आ. 3299 :- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दरसवार के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद

के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[स. एल.-40012/48/93-आई आर (डी यू)]
के. बी. बी. उण्णी, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th October, 1996

S.O. 3299.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Dhanbad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Telecommunication and their workman, which was received by the Central Government on 22-10-1996.

[No. L-40012/48/93-IR(DU)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer
ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 183 of 1994

PARTIES :

Employees in relation to the management of Telecommunication, Bihar Circle, Patna.

AND
Their Workmen.

PRESENT :

Shri Tarkeshwar Prasad, Presiding Officer.
APPEARANCES :

For the Employers—Shri B. K. Mukherjee,
Advocate.

For the Workmen—Shri D. Mukherjee,
Advocate.

STATE : Bihar INDUSTRY : Telecom
Dated. the 8th October, 1996

AWARD

By Order No. L-40012/48/93-I.R.(D.U.) dated 25-7-1994 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

“Whether the action of the management of Telecommunication, Bihar Circle, Patna in terminating the services of Shri Ram Bachan Singh, working as casual labour in the office of SDO(T) Sasaram w.e.f. 1-2-90 is proper, legal and justified ? If

not, to what relief the workman is entitled for ?”

2. The present reference relates to Telecommunication, Bihar Circle, Patna. But in view of the decision of the Hon'ble Supreme Court reported in 1996 Lab. I.C. 1059 between Sub-Divisional Inspector of Post, Vaikam and others Vs. Theyyam Joseph etc., where it has been held that the Postal and Telecommunication Department is not industry, this reference is not maintainable under the Industrial Disputes Act, 1947, with option to the workman to file the same before appropriate forum, if he so likes.

3. Accordingly, I dispose of the present reference case as not maintainable under the Industrial Disputes Act, 1947.

TARKESHWAR PRASAD. Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 1996

स. आ. 3300.—आंदोलिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार डाक घर के प्रबन्धताल के संघर्ष नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुवास में निर्दिष्ट आंदोलिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आंदोलिक अधिकारी, अनवाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[स. एल.-40012/74/95-आई आर (डी यू)]
के. बी. बी. उण्णी, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th October, 1996

S.O. 3300.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-I, Dhanbad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Post and their workman, which was received by the Central Government on 25-10-1996.

[No. L-40012/74/95-IR(DU)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 41 of 1996

PARTIES :

Employers in relation to the management of Post Office.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri Tarakeswar Prasad, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—None.

For the Workmen—Shri S. N. Sinha,
Advocate.STATE : Bihar INDUSTRY : Postal
Dated, the 8th October, 1996

AWARD

By Order No. L-40012/74/95-JR(DU) dated 30-4-96/2-5-96 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Post Office in terminating the services of Post Office in terminating the services of Shri Tripurari Sharan Sinha is just, legal and proper? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. The present reference relates to Postal Department. But in view of the decision of the Hon'ble Supreme Court reported in 1996 Lab. I.C. 1059 between Sub-Divisional Inspector of Post, Vaikam and others Vs. Theyyam Joseph etc where it has been held that the Postal and Telecommunication Department is not industry, this reference is not maintainable under the Industrial Disputes Act, 1947, with option to the workman to file the same before appropriate forum, if he so likes.

3. Accordingly, I dispose of the present reference case as not maintainable under the Industrial Disputes Act, 1947.

TARAKESHWAR PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1996

का. नं. 3301 :—अधिकारिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रत्यरूप में, केन्द्रीय सरकार नार्दन भेदव के प्रबन्धता के मध्य नियोगकर्तों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुसार में फिल्ड अधिकारिक विवाद में केन्द्रीय सरकार अधिकारिक अधिकरण, कानपुर के चंचपट को प्रदानित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-10-96 को प्राप्त हआ था।

[संख्या पल-41012/42/92-आई आर (श्री शाई)]

पी. जे. माइकल, डैम्प्स अधिकारी

New Delhi, the 28th October, 1996

S.O. 3301.—In pursuance of Section 11 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Northern Railway and their workman, which was received by the Central Government on 22-10-1996.

[No. L-41012/42/92-IR (B-I)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT PANDU NAGAR DEOKI PALACE ROAD, KANPUR

Industrial Dispute No. 55 of 1993
In the matter of dispute :

BETWEEN

PRESIDENT :

Rashtriya Chaturth Shreni Rail Mazdoor Congress.

2/236 Namneir Agra.

AND

ASSISTANT ENGINEER

Head Quarter Northern Railway
Tundla.

AWARD

1. Central Government of Labour, New Delhi, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal vide Notification no. L-41012/42/92-I.R.D.U dated 29-9-93—

"Whether the action of Asstt. Engineer (H. Ors) Northern Railway Tundla in removing Sri Sonaharilal S/o Sri Kalyan Ex-Chowkidar under C.I.O.W. N. Rlv. Tundla w.e.f. 10-1-90 is legal and justified? If not, what relief the workman concerned is entitled?"

2. The concerned workman in his claim statement has alleged that originally he was appointed on 21-2-77 with the opposite party Northern Railway at Tundla. On 3-4-77 he had met with an accident as result of which one of his leg was amputated. Thereafter he was appointed as chowkidar at which post he continuously worked for 13 years upto 10-1-90. Thereafter, his services were abruptly brought to an end. As he was not given notice pay and retrenchment compensation his termination is bad. The opposite party failed to put in appearance inspite of suffi-

cient service. There is unrebutted evidence of the concerned workman from which his case is duly proved. Further he had given his evidence on oath as well but no one turned up to cross examine.

3. Hence my award is that the termination of the concerned workman being in breach of Section 25-F of I. D. Act is bad in law. Hence the concerned workman will be entitled for reinstatement with back wages at the rate at which he was drawing his wages for the last time.

4. Reference is answered accordingly.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1996

का. प्रा. 3302 :—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 11) की धारा 17 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार सी. पी. डब्ल्यू. डी. के प्रबन्धालय के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुचंद्र में निश्चिट ओद्योगिक विवाद में केंद्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारण, कानपुर के पास को प्रवाणित करती है, जो केंद्रीय सरकार को 30-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. प्रा. 42012/67/92 आई प्राइ आर (चौथा)]
के. वी. वी. उण्णी, ईक्षणिकारी

New Delhi, the 30th October, 1996

S.O. 3302.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of C.P.W.D. and their workman, which was received by the Central Government on 30-10-1996.

(No. E-42012/67/92-IR (DU))
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 57 of 1993

In the matter of dispute :

BETWEEN

Sri Shiv Shanker

S/o Ram Nath
C/o O. P. Mathur
117-K/36 Sarvodaya Nagar
Kanpur.

AND

Executive Engineer

Kanpur Kendriya Mandal
C.P.W.D. 7/78 Arya Nagar
Kanpur.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-42012/67/92-I.R. (DU) dated 6-8-93, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :-

Whether the action of the management of Executive Engineer Kanpur Central Division CPWD Kanpur in terminating the services of Sri Shiv Shanker Beldar w.e.f. 1-4-86 is legal and justified ? If not, what relief he is entitled to ?

2. There is no dispute that the concerned workman Shri Shanker had worked between 30-1-84 and 31-3-86 as Beldar with the opposite party Central Public Works Department.

3. The case of the concerned workman is that during this period he had continuously worked and thereby he completed more than 240 days in a calendar year. Yet his services were illegally terminated w.e.f. 1-4-86 without payment of retrenchment compensation and notice pay. Hence this termination is bad in law.

4. The opposite party has filed written statement in which it is alleged that concerned workman was muster roll employee. He was getting wages daily. In fact his father Ram Nath was a chowkidar of the opposite party. He died in harness. In order to give relief to the family of the deceased the concerned workman was engaged. Lateron the widow of Ram Nath was engaged hence the services of the concerned workman brought to an end.

5. The concerned workman had raised industrial dispute before U.P. Labour Court No. 5 at Kanpur and the same was decided against him. In any case there has been gross delay in raising of the present dispute.

6. In support of his case, the concerned workman examined himself as DW-1 besides he has filed Ext. W-1 to W-17 out of which Ext. W-1 to W-16 are wage slips while Ext. W-17 is the termination order dated 24-3-86.

7. The opposite party has examined head clerk Roshan Lal MW-1 besides M-1 to M-5 have been filed out of them Ext. M-1 to M-4 relate to reference and award of the court of U.P. Labour Court No. 5 Ext. M-5 is the instruction of the Central Government to show that attendance register is destroyed after one year.

8. Although Roshan Lal MW-1 has stated that the concerned workman was employed on compassionate ground after the death of his father, I am not inclined to accept it as no such appoint-

ment letter/order has been filed. Apart from wage slip and Ext. W-1 to W-16 go to show that he was appointed as daily rate worker. Had he been given appointment in place of his father a regular appointment would have been given. Hence this point is decided against the management.

9. The concerned workman Shiv Shanker WW-1 has stated that he had worked continuously between 30-1-84 to 31-3-86. This fact has not been denied by Roshan Lal MW-1 besides the wage slip Ext. WI to W-16 go to show that the concerned workman had worked for more than 240 days in a year. Hence my finding is that the concerned workman has completed 240 days in a calender year. Admittedly no notice pay and retrenchment compensation has been given to him hence this termination is bad in law because of violation of Section 25-F of I. D. Act.

10. Ext. M-1 to M-4 go to reveal that this dispute was referred to U.P. Labour Court but that court had refused to adjudicate the matter for want of jurisdiction. Hence it cannot be said that reference was given on merits. Hence it will have no adverse effect on the present reference.

11. In the end it may be mentioned that there has been gross delay of more than six years between the termination and the reference hence I termed it as belated one. In view of case Balwant Singh versus Labour Court Bhatinda, 1986 Lab. IC Page 45 it is held that reference being belated the concerned workman will not be entitled for relief of reinstatement. Instead ends of justice would be adequately met by awarding him compensation of Rs. 10,000 in lieu of reinstatement.

12. Hence my award is that the termination of the concerned workman is bad in law but he is not entitled for reinstatement in lieu of it he will be entitled for Rs. 10,000 as damages. Reference is answered accordingly.

Dated : 20-9-1996

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नंदि विल्ली, 1 नवम्बर, 1996

का. आ. 3303 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रन्तरण में, केन्द्रीय सरकार के प्रबंधतात्र के सबूत नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, दिल्ली के प्रस्तुत को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 28-10-96 को प्राप्त हआ था।

[मं. एल.-41012/169/92-प्राई आर. वी. आई]
पी. जे. माइकल, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st November, 1996

S.O. 3303.—In pursuance of Section II of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to them Railway and their workman, which was received by the Central Government on 28-10-96.

[No. L-41012/169/92-IR (B-I)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI
I. D. No. 69/93

In the matter of dispute :

BETWEEN

Shrimati Champa Devi W/o Shri Maiku, Waterwomen through Shri Shivanath, Assistant General Secretary, N.R.L.U., L-32-V, Railway Colony, Punjabi Lane, Gaziabad.

VERSUS

D.R.M. Northern Railway
N.D.L.S Chalmsford Road,
New Delhi.

APPEARANCES :

None—for the workman.
Shri H. L. Nanda—for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-41012/169/92-I.R. (D.U.) dated 9-9-93 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the Divisional Personnel Officer, Northern Railway, New Delhi was justified in terminating the services of Smt. Champa Devi, w/o Shri Maiku as waterwoman w.e.f. 9-7-91? If not, what relief she is entitled to?”

2. The workman did not appear in this case when the witness of the management was present on 26-7-96 and was ordered to be proceeded against ex parte. on 13-9-96 again neither the workman nor the representative turned up. Affidavit of the management witness Ex. MW-1/1 was filed by the management and he was not cross-examined at all. In view of the evidence contained in the affidavit of the witness and in the absence of any other evidence produced by the

workman I hold that no dispute exist between the parties and no dispute award is given in this case leaving the parties to bear their own costs.
Dated : 7-1-1996.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1996

का. आ. 3304.—श्रीछोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार विद्याचल ग्रामीण बैंक के प्रबंधतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीछोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीछोगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एस.-12012/12/88—श्राई आर बी आई]
पी.जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 28th October, 1996

S.O. 3304.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Vindhyaachal Gramin Bank and their workman, which was received by the Central Government on the 22-10-96.

[No. J-12012/12/88-IRB]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, DEOKI PALACE ROAD, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 16 of 1989

In the Matter of dispute between :

Vidya Kant,

Vill. Diya Hamlet (Ghuppapur)
Post Deeha Teh. Karchhana,
Distt. Allahabad

AND

Chairman,

Vidyavasini Gramin Bank,
Pili Kothi Station Road,
Mirzapur.

APPEARANCE :

Shri B. P. Saxena for the workman.

Shri M. K. Verma for the Management.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its notification No. 12012/12/88/D-1B(i) dated 18-1-89, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

Whether the action of the Management of Vindhwasni Gramin Bank in relation to their Ramgarh (Sikar) Branch in terminating the services of Shri Vidya Kant, Sub-Staff with effect from 21-2-87 is fair and justified ? If not to what relief the workman concerned is entitled ?

2. It is not necessary to give details of the case as parties have filed compromise dated 25-9-96 before me, by virtue of which the claim has been finally settled.

3. The above mention reference is decided and relief is awarded to the concerned workman in terms of this settlement, which shall form part of the award.
Dated : 16-10-1996.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

BEFORE THE HON'BLE PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRI-
BUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR

I.D. Case No. 16/89

Vidya Kant

Vs.

VIDHYAVASINI GRAMIN BANK
MIRZAPUR.

APPLICATION FOR AND ON BEHALF OF
THE PARTIES

Sir,

The management and the workmen concerned discussed the matter of dispute under the present reference, and have arrived at an amicable settlement on the following terms and conditions.

Terms & Conditions :

1. That the management have agreed to absorb the workman concerned, Shri Vidya Kant, permanently afresh as Messenger-cum-Sweeper.

2. That the workman concerned, Shri Vidya Kant, has voluntary agreed to give up his claim of back wages and all other benefits whatsoever of his past, temporary employment in the Bank.

3. That the said Shri Vidya Kant will be absorbed within a month of the date of this settlement.

4. That, thus, this fully and finally resolves the entire matter of dispute between the parties in the present case.

For Vidyavasini Gramin Bank
Mirzapur.

1. VIDYA KANT
Workman concerned

2. B. P. SAXENA

Authorised representative
of workman

1. DR. D. P. MISHRA

Chairman

2. M. K. VERMA

Authorised representative
the management.

Allahabad,

Dated : 25-9-1996

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1996

का.आ. 3305.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार कनारा बैंक के प्रबंधतात्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुदब्ध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/11/93-आई.आर.बी.-2]

ब्रज मोहन, ईस्ट अधिकारी

New Delhi, the 1st November, 1996

S.O. 3305.—In pursuance of Section II of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Canara Bank and their workman, which was received by the Central Government on 29-10-1996.

[No. L-12012/11/93-I.R.B-II]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I.D. No. 42/93
BETWEEN

In the matter of dispute :

Shri Elson Joshua s/o Late K. B. Joshua,
r/o H-593, Srinivas Puri,
New Delhi-110065.

Versus

Canara Bank,
Through its Deputy General Manager,
Marshal House,
Regal Building,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

APPEARANCES :

Workman in person.

Shri N. C. Sikri with Shri V. K. Rao for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-12012/11/93-I.R.B.II dated 17-5-93 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the claim of Sri Elson Joshua that he was employed to drive the car belonging to Canara Bank in connection with the Bank's work, from 1-3-89 to 18-5-92 and that termination of his services w.e.f.

18-5-92 is illegal for want of compliance with Sec. 25F of the I.D. Act is justified? What relief, if any, is Sri Joshua entitled to?"

2. The workman in his statement of claim has alleged that he was appointed on 1-3-89 as driver on monthly salary of Rs. 1460. His duty was to drive the car of one of the officers of the management. During his employment he was engaged in driving vehicles which belonged to the management and carried various officers of the bank in those vehicles. It was done by him in addition to his normal duties of a driver to the vehicle assigned to Shri Fernadese. Even though he was performing duties and service for the management and working for more than 10 hours every day he was given only fixed monthly salary and not regular pay scale extended to other drivers. Other benefits and allowances were also denied to him. The Management owned 40 vehicles out of which only 8 drivers were given regular pay scales and allowances. The fixed salary has been revised on 3 occasions. The management never issued any appointment letter despite repeated requests. On 6-5-92 the workman was unable to report for duty due to dysentery and he informed the concerned officer of the management about this. When he recovered and reported for duty on 17-5-92 he was not allowed to rejoin duties and was told that his services were terminated. The termination was in violation of section 25-F of the I.D. Act as it amounts to retrenchment. He was entitled to one month notice and other benefits. He was neither given any notice or notice pay and was thus entitled to reinstatement with full back wages. The Management did not agree to his request hence this reference.

3. The Management, in its written statement, alleged that there was no relationship of employer and employee between the bank and the workman and the bank never appointed him as its employee. The bank used to give perks to the officer to facilitate them to engage their drivers for their vehicles. They were supposed to make their own arrangement of driver and the management did not come in the picture at all. In view of no relationship of employer and employee between the bank and the claimant the matter does not constitute an industrial dispute within the meaning of section 2(a) or section 2(a) of the I. D. Act. Since the matter does not constitute industrial dispute the appropriate government competent to refer the same. The management on merits has also denied all allegations made in the statement of claim and has prayed that the case of the workman was not valid and deserve to be dismissed.

4. The workman himself appeared as WW1 while Shri K. K. Arora appeared as MW1 on behalf of the Management. I have heard representatives for the parties and have gone through the record.

5. The workman in his oral as well as written submissions has submitted that the personal drivers were employees of the bank and he was employed for official purpose. The salary also used to be paid by the Bank and the vehicles belonged to the bank. The claimant used to be asked to report at the circle office for duty by the bank and not by the officer to whom he was assigned as personal driver. He was subject to all types of control exercise by the employer. He has put in 240 days of service and the termination of the complainant amounts to retrenchment within the meaning of section 2-F of the I.D. Act as no notice was given to him.

6. The Management representative on the other hand has urged that the claimant was never appointed by the bank. No appointment letter was given to him nor any attendance register was being maintained by the bank. He was engaged by Mr. Fernadese in personal capacity and he was answerable to him as his personal driver. No evidence has been produced by the claimant to establish that he was employee of the bank and therefore, the bank cannot be made responsible for his termination as there existed no relationship of employer and employee.

7. After having gone through the points urged before me by the representatives for the parties and the documents on file, I am of the opinion that there is nothing on record to suggest that the workman was ever appointed as an employee of the bank. He was appointed by Mr. Fernadese in his personal capacity though as a matter of policy Fernadese used to be compensated by the bank by payment of perks out of which he could engage a personal driver for driving vehicle allotted to him by the bank. The fact that the car

belonged to the bank does not make the driver a bank employee because it was not compulsory for Mr. Fernadese to engage a driver for driving the said car. He was not duty bound to engage a driver and could drive the vehicle allotted to him himself. The fact that he being compensated by the bank by way of perks also does not make the workman an employee of the management. There is a system of recruitment of employee by Nationalised Banks. They call persons either through employment exchange or by advertisement and after taking proper test persons are appointed and appointment letters are issued to them. In this case nothing was done and he was appointed only by Mr. Fernadese to drive his car, no attendance register was being maintained in which he was supposed to mark his attendance. He was exclusively under the supervision and control of Mr. Fernadese and not the bank. These facts clearly establish that there was no relationship of employer and employee between the bank and the claimant who was personal employee of Mr. Fernadese. In view of my discussion above I am of the opinion that there is no force in the contention of the workman/claimant in this case. I, therefore, hold that the bank management is not the employer of the claimant so the claimant is not entitled to any relief against the said management. Parties are, however, left to bear their own costs.

28th October, 1996,

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1996

का.आ. 3306.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार न्यू बैंक ऑफ इंडिया(पी.एन.बी.) के प्रबंधतात्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रधिकरण, नई दिल्ली के पंचपट का प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-12012/50/86-झी-4ए/प्राइवेटी-2]

ब्रज मोहन, डैस्ट्रक्ट अधिकारी

New Delhi, the 1st November, 1996

S.O. 3306.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Govt. hereby publishes the award of the Central Govt. Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of New Bank of India (Now P.N.B.) and their workmen, which was received by the Central Government on 23rd October, 1996.

[No. L-12012/50/86-D.IV.A|IR (B-II)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I.D. No. 30/87

BETWEEN

In the matter of dispute :

Shri Jarnail Singh Sub-staff through
General Secretary, New Bank of India Staff Association,
New Bank of India C-1, Shivalik Park,
Punjabi Bagh, New Delhi.

Versus

The Regional Manager,
New Bank of India,
1, Tolstoy Marg, New Delhi.

APPPEARANCES :

Workman—in person.

Shri Brijender Batra—for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-12012/50/86-D.IV(A) dated 10th April, 1987 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of New Bank of India in relation to their branch at Punjabi Bagh, New Delhi in not regularising the services of Shri Jarnail Singh, Sub-staff is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled and from what date?"

2. It is alleged that the said workman has been in the employment of New Bank of India, Respondent at its Stationery department from 24th July, 1982 and has been doing the job of lifting the stationery, packing and staking the same, cleaning and dusting of furniture, racks and stationery, serving of drinking water etc., under the direct orders and supervision of officers of the Respondent Bank.

That the workman-Claimant was/is being paid on the basis of 85 paise per bundle and is being termed as contract Labour while the job performed by him is of perennial nature and is essential and incidental to banking business.

That para 508 of what is popularly known as Shastri Award provides for the following kind of employees only :

1. Permanent
 2. Probationers,
 3. Permanent,
 4. Part-time
- and not the contract labour.

That the Bipartite settlements govern the wages of working staff in Banking Industry and these do not provide for piece-rate wages.

That, therefore, it is humbly prayed that the services of the Workmen be regularised w.e.f. July, 1982 with appropriate fittings in the pay scales settled in the Bipartite settlements and (the workman be reinstated in service) with the continuity of service and of wages and any other relief that this Hon'ble Tribunal Court may deem fit in the case.

3. The Management in its written statement repudiated the grounds taken in the statement of claim and alleged as under :

That there is no contract of employment between the Applicant and the Respondent Bank as he was doing the assignment purely on contractual basis/ piece-rate basis as and when needed. In the absence of there being any relationship of master and servant between the bank and the applicant, the so-called claim purported to have been signed by Shri Bharat Bhushan as General Secretary of New Bank of India Staff Association is untenable and baseless.

That it is common knowledge that the banking industry is governed by the Bank Awards as modified by Bipartite Settlement dated 17th September, 1984. The alleged Union cannot be permitted to contend contrary thereto as long as the said Awards/Bipartite settlements are in force.

That it is well settled law that no demand can be raised when the Awards/Settlements are in force as per principles enunciated by the Hon'ble High Court of Delhi in the case entitled—HINDUSTAN HOUSING INDUSTRY—reported in 1971 LIC 222(DB) upholding its previous decision reported in 1969 LIC 1450.

That the legislature as a matter of public policy on its recent amendment of 1984, have clearly stated that even where there is a relationship of master

and servant on contractual basis (which in the instant case is conspicuously absent) such a contract of person can be determined in terms of the contract.

That the claim as made by the Union is totally malicious, vexatious and untenable in view of the admitted fact, to the knowledge of the Union that it is a minority union having no representative character to negotiate or settlement with the Management as such. All the settlements have been arrived at between the Bank and majority Union namely All India New Bank of India Employees Federation, which are still in force. The minority union's members have also been deriving the benefits thereunder. As such the contention of the Union is against the public policy which has other no locus-standi.

That the Peon staff have been appointed on regular basis and are posted at Stationery Department, Head Office, as well. Therefore, there is no question of the Applicant's doing the job of peon as falsely alleged.

That the matter does not constitute an industrial dispute within the meaning of section 2(k) of the I.D. Act, 1947, in view of the patent aspect that the Claimant is not the workman, he has no legal right and therefore the said Union cannot raise the dispute either.

That without prejudice to the above, it is submitted that the NBI Staff Association is not a representative body of the employees of the Bank and has no locus-standi to espouse the cause of the applicant and thus there is no industrial dispute within the meaning of section 2(k) of the I.D. Act.

That without prejudice to each and every contentions, it is submitted that as per the settlement between All-India New Bank of India Employees Federation, a majority union and representative body and the Respondent Bank, there is well settled procedure laid down for employing the sub-staff on regular basis. Merely because a person is assigned job on contractual basis piece-rate basis as and when needed, it does not confer any right for regular appointment particularly when the appointment on regular basis as sub-staff when it is incumbent upon the Respondent Bank which is a statutory banking Corporation/ Company to undergo the necessary formalities which are obligatory for recruitment of the persons as sub staff which includes not only espousing the names by the Employment Exchange but to undergo with other formalities of test/interview as well. The applicant contrary to the aforesaid procedure in accordance with the settlement, rules and regulations cannot claim regular post as sub-staff with the Management.

That without prejudice to each and every contentions, it is submitted that the terms of reference is clearly without application of mind, untenable and in any case are infructuous, in view of the circumstances explained above.

4. The Management examined Shri O. P. Rathi, Deputy Chief MW1 and M. L. Bhanwari MW2. Workman Jarnail Singh himself appeared as WW-1 and Kewal WW-2

5. I have heard representatives for the parties and have gone through the record.

6. The representative for the management has reiterated all that was alleged in the written statement and has mainly pointed out that the workman's relationship with the management was that of the contractor and not of an employer and employee. The recruitment to the bank is not made in the manner alleged by the workman and a no recruitment can be made on a contract basis employee into a regular employee without giving an opportunity to all eligible persons for the post. The question of removal of Jarnail Singh does not arise because he was not an employee of the bank. The workman representative on the other hand has urged that the workman was being paid salary on the basis of work done by him regularly and he was working under the control and supervision of the management as admitted by the management witnesses.

7. After perusal of the points urged before me by the representatives for the parties, I am of the opinion that the workman has no case on the basis of which he could be declared to be an employee of the management. At the outset, it is pertinent to mention that the claim of the Claimant that he was appointed by the Bank does not hold good in view of the fact that there was no privity of contract of employment involving relationship of master and servant between the Bank and the Applicant, such a person does not come within the meaning of the term 'workman' Section 2(s) is reproduced below for ready reference and convenience :—

"2(s) "Workman" means any person (including an apprentice) employed in any industry to do any manual, unskilled, skilled, technical, operational, clerical or supervisory work for hire or reward, whether the terms of employment be express or implied, and for the purposes of any proceeding under this Act in relation to an industrial dispute, includes any such person who has been dismissed, discharged or retrenched in connection with, or as a consequence of, that dispute, or whose dismissal, discharge or retrenchment has led to that dispute, but does not include any such person,—

- (i) who is subject to the Air Force Act, 1950 (45 of 1950), or the Army Act, 1950 (45 of 1950) or the Navy Act, 1957 (62 of 1957); or
- (ii) who is employed in the police service or as an officer or other employee of a prison; or
- (iii) who is employed mainly in a managerial or administrative capacity; or
- (iv) who, being employed in a supervisor capacity draws wages exceeding one thousand six hundred rupees per mensem or exercises, either by the nature of the duties attached to the office or by reason of the powers vested in him, functions mainly of a managerial nature."

The aforesaid section which defines the terms 'Workman', the first part of it brings in the concept of employment between the employer and the employee unless there is a relationship between the employee and the employer, because of such relationship, the person who is engaged by the employer, the person comes to be known as employee, unless there is such a relationship, the term 'workman' will not come into force as it happen in this present case before the Hon'ble Tribunal where there is no relationship between the claimant and the respondent bank. Because of the fact that whenever a person is appointed by the Bank a due process of selection is followed that includes advertising the post in the Newspaper followed by an interview letter which is followed by the interview and the appointment but as none of these things happened in the present case with respect to the Claimant, he cannot raise the present claim and moreover he has no right to raise the present claim. In the words of Bhagwati Justice the essential condition of a person being a workman within the terms of this definition is that he should be employed to do the work in that industry, that there should be, in other words an employment of his by the employer and that there should be the relationship between the employer and him as between employer and the employee or master and servant. Unless a person is thus employed, there could be no question of being a workman within the definition of the term as contained in the Act'. This was held in the case Dharangadhare Chemical Works Vs. State of Sourashtra 1957 (1) LLJ 477 (480) S.C. In this context, it is also pertinent to quote the judgment of Tungabadra Sugar Works Pvt. Ltd. Vs. Labour Court, Mangalore 1983 (1) LLJ 465.

- (i) That is detailed in the (written statement that the present reference made by the appropriate Government to the Hon'ble Court does not constitute an Industrial Dispute within the meaning of Section 2(k) of the I.D. Act and the reference is also liable to be rejected on this ground as well. Section 2(k) is reproduced below not ready reference and convenience :—

"2(k) "Industrial dispute" means any dispute or difference between employers and employees, or between employers and workmen, or between

workmen and workmen, which is connected with the employment or non-employment or the terms of employment or with the conditions of labour of any person."

The aforesaid definition clearly stipulates that it is only the dispute or the difference between the employer and employees or between employers and workman or between employers and workmen, or between workman and workman. But as no such ingredient is satisfied in the present case as the Claimant being not a workman cannot raise such an Industrial Dispute and the same should be liable to be rejected.

- (iii) The engagement of the Claimant was purely on temporary basis for a fixed duration in connection with the assignment and/or in relation to the said parties godown. The cessation of his assignment as per his own admission was with effect from May, 1986. He was duly paid the settled of and as such the matter does not constitute retrenchment in view of the recent amendment Act, w.e.f. 19-4-1984.
- (iv) The relative provisions of Section 2(b), as inserted by the said amendment Act is reproduced hereunder for your goodself ready reference and convenience :—

"2(oo) Retrenchment, but does not include.....

2(bb) Termination of the services of a workman as a result of non-renewal of contract of employment between the employer and the workman concerned on its expiry of such contract being terminated under stipulation in that behalf contained therein."

The aforesaid amendment having been made by way of public policy so as to achieve desired object as per legislative enactment as aforesaid with the subsequent events as is evident from the amending Act, the matter does not warrant any interference in the circumstances of the case. This clause of 2(bb) has been inserted as aforesaid by the amending Act, 1949. This affect is to exclude from the ambit of the definition of retrenchment (i) termination of the services as a workman as a result of non-renewal of the contract of employment between the employer and the workman concerned on its expiry, (ii) the termination of the contract of employment in terms of stipulation contained in the contract of employment. The expression such contract in the second part of the clause refers to contract of employment between the employer and the workman concerned. In other words, if there is a stipulation in the contract of employment between the employer and the workman concerned providing the ambit and manner of termination of service. Such termination of service has now specifically been exempted from the ambit of definition of retrenchment by this clause.

- (v) The provisions with regard to engagement of a claimant as a packing the material i.e. packing of parcels as and when the work exists by the Respondent as that of the Applicant is covered by the Bipartite Conciliation Settlement dated 19-10-1966 read with Bank's Award and the same have not been modified even by the Fourth Bipartite Settlement. As such, these are still in force. In accordance therewith, the Applicant has no legal right to ask for absorption in the Bank. His cessation of the engagement have been effected according to his assignment of packing the material i.e. packing of parcels on piece-rate basis @ Rs. 0.85p aise per parcel for packing, which is valid and proper in the circumstances of the case.

The Respondent Bank Resigned submitted that it is well settled that as long as the settlements are in force, no demand contrary thereto can be raised, as per principles enunciated by the Hon'ble Delhi High Court in the case entitled—Hindustan Housing Factory Ltd. Workman and its Management—reported in 1971 (2) LLJ (DB) page-221 upholding the Hon'ble Single Bench Judgment reported in 1969 LIC 1450 and the same has recently been approved by the Hon'ble Supreme Court.

In the circumstances, the contentions of the Applicant contrary thereto and the provisions of the settlement, he has no locus standi to agitate the same and as such the matter, by no stretch of imagination, can be treated to constitute, an industrial dispute either. In this connection, the Respondent Bank draws your honour's kind attention to the decision of the Hon'ble Supreme Court in the case entitled—Sircilla Mills, Ltd. Vs. State of Andhra Pradesh followed by the larger bench Judgment in the case entitled Madan Mohan Pathak (LIC case) reported in 1973(1) LLJ 349—recently followed by the Supreme Court in the case entitled LIC Vs. D. J. Bahadur Reported in 1981 LLJ Page 1. S.C.

- (vi) That it is well settled law that where the matter does not constitute an industrial dispute, as in the instant case, as per principles enunciated by the Hon'ble Delhi High Court in the case entitled DTC Vs. Delhi Admin. reported in 1973 (2) LLJ 306, the whole proceedings are coram non-judice and this Hon'ble Authority too lacks the jurisdiction, it being well settled position in law that in such a situation even the consent of the parties cannot confer the jurisdiction (AIR 1954 S.C. 340).
- (vii) That the Respondent Bank is a public undertaking and is bound by the directions and/or instructions of the Government of India. As per Central Government Policy/directives the Bank cannot make any fresh recruitment. As such, the Applicant, who is otherwise not entitled to any relief, has no legal right either.
- (viii) That the claim as filed by the Applicant does not constitute industrial dispute. It is malacious and vexatious and warrants to be dismissed in the circumstances of the case.

The Respondent Bank has stressed on the fact that the Applicant was given the assignment of packing material i.e. packing of parcels in the Stationery Deptt. of the Bank, on piece-rate basis @ Rs. 0.85 per parcel for packing. The applicant may come to Bank at his will and may not do the assignment, if he so desires. There is control or supervision of the bank over him. The assignment is purely subject to the exigency and availability of work relating to parcels, if required by the bank. His assignment was thus purely contractual on piece-rate without any control or supervision of the Bank and further depend upon the exigencies of the job as such. The cessation of his assignment as per his own admission was w.e.f. May, 1986. He was duly paid and settled of and as such the matter does not constitute retrenchment and also in view of the latest amendment, the matter does not warrant any interference in the circumstances of the case. Parties to bear their own costs.

1st September, 1996.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1996

का.आ. 3307—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार न्यू बैंक आफ इंडिया(पी.एन.बी.) के प्रबंधसंतत के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-10-96 दो प्राप्त हुआ था।

[संख्या नं-12012/55/86/डी-IVए-आई.आर.बी.-2]

प्रज मोहन, डैम्प्रधिकारी

New Delhi, the 1st November, 1996

S.O. 3307.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of New Bank of India (NOW P.N.B.) and their workmen, which was received by the Central Government on 23-10-1996.

[No. L-12012/55/86-D.IV-A/IR (B-II)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I. D. No. 21/87

In the matter of dispute :

BETWEEN

Shri Rajinder Singh Peon/Packer Sub-staff through the General Secretary,
New Bank of India,
Staff Association,
C/o New Bank of India,
C-1, Shivaji Park, Punjabi Bagh,
New Delhi.

Versus

The Regional Manager,
New Bank of India,
1, Tolstoy Marg,
New Delhi.

APPEARANCES :

Workman in person.

Shri V. K. Rao—for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-12012/55/86-D.IV (A) dated 24-3-87 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the Management of New Bank of India in relation to their branch at Tolstoy Marg, New Delhi, in not regularising the services of Shri Rajinder Singh, Peon/Packer as Sub-Staff is justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?"

2. It is alleged that the workman has been in the employment of New Bank of India at its stationery department from 30-8-1984 and has been doing the job of lifting the stationery packing and staking the same, cleaning and dusting

of furniture, racks and stationery, serving of drinking water etc., under the direct odder and supervision of officers of the Bank.

That the workman was/is being paid on the basis of 85 paise per bundle and is being termed as contract labour while the job performed by him is of perennial nature and is essential and incidental to banking business.

That para 508 of what is popularly known as Shastri Award provides for the following kind of employees only :—

1. Temporary,
 2. Probationers,
 3. Permanent,
 4. Part-time.
- and not the contract labours.

That the Bipartite Settlements govern the wages of workman staff in Banking Industry and these do not provide for piece-rate wages.

That, therefore, it is humbly prayed that the services of the workman be regularised with effect from 30-8-84 with appropriate fitments in the pay scales settled in the Bipartite Settlements and (the workman be reinstated in service) in the continuity of service and of wages and any other relief that this honourable tribunal may deem fit in the case.

3. The Management in its written statement repudiated the grounds taken in the statement of claim and alleged as under :

That there is no contract of employment between the Applicant and the Bank as he was doing the assignment purely on contractual basis/piece-rate basis as and when needed. In the absence of there being any relationship of master and servant between the Bank and the Applicant, the so-called claim purported to have been signed by Shri Bhadat Bhushan as General Secretary of New Bank of India Staff Association is untenable and baseless.

That it is common knowledge that the banking industry is governed by the Bank Awards as modified by Bipartite Settlement dated 17-3-1984. The alleged union cannot be permitted to content contrary thereto as long as the said Awards/Bipartite Settlements are in force.

That it is well settled law that no demand can be raised when the Awards/Settlements are in force as per principles enunciated by the Hon'ble High Court of Delhi in the case entitled—Hindustan Housing Industry—reported in 1971

LIC 222 (DB) upholding its previous decision reported in 1969 LIC 1450.

That the legislature as a matter of public policy on its recent amendment of 1984 have clearly stated that even where there is a relationship master and servant on contractual basis (which in the instant case is conspicuously absent) such a contract of person can be determined in terms of the contract.

That the claim as made by the Union is totally malacious, vexatious and untenable in view of the admitted fact, to the knowledge of the Union that it is a minority union having no representative character to negotiate or settle with the management as such. All the settlement have been arrived at between the Bank and majority union namely, All India New Bank of India Employees Federation, which are still in force. The minority Union's members have also been deriving the benefits thereunder. As such the contention of the Union is against the public policy which has otherwise no locus-standi.

That the Peon staff have been appointed on regular basis and are posted at Stationery Department, Head Office, as well. Therefore, there is no question of the Applicant's doing the job of Peon as falsely alleged.

That the matter does not constitute an industrial dispute within the meaning of Section 2(k) of the I. D. Act, 1947, in view of the patent aspect that the Claimant is not the workman, he has no legal right and therefore, the said union cannot raise the dispute either.

That without prejudice to the above, it is submitted that the NBI Staff Association is not a representative body of the employees of the Bank and has no locus-standi to espouse the cause of the applicant and thus there is no industrial dispute within the meaning of Section 2(k) of the I. D. Act.

That without prejudice to each and every contentions, it is submitted that as per the Settlement between All India New Bank of India Employees Federation, a majority Union and representative body and the Respondent Bank, there is well settled procedure laid down for employing the sub-staff on regular basis. Merely because a person is assigned job on contractual basis/piece-rate basis as and when needed, it does not confer any right for regular appointment particularly when the appointment on regular

basis as sub-staff when it is incumbent upon the Respondent Bank which is a statutory banking Corporation/Company to undergo the necessary formalities which are obligatory for recruitment of the persons as sub-staff which includes not only sponsoring the names by the Employment Exchange but to undergo with other formalities of test/interview as well. The applicant contrary to the said procedure in accordance with the settlement, rules and regulations cannot claim regular appointment as sub-staff with the Management.

That without prejudice to each and every contention, it is submitted that the terms of reference is clearly, without application of mind, untenable and in any case are infructuous, in view of the circumstances explained above.

4. The Management examined Shri O. P. Rathi, Deputy Chief MW-1 and M. L. Bhanwari MW-2. Workman Rai Kumar himself appeared as WW-1 and Kewal WW-2.

5. I have heard representative for the parties and have gone through the record.

6. The representative for the management has reiterated all that was alleged in the written statement and has mainly pointed out that the workman's relationship with the management was that of the contractor and not of an employer and employee. The recruitment to the bank is not made in the manner alleged by the workman and a no recruitment can be made on a contract basis employee into a regular employee without giving an opportunity to all eligible persons for the post. The question of removal of Rajinder Singh does not arise because he was not an employee of the bank. The workman representative on the other hand has urged that the workman being paid salary on the basis of work done by him regularly and he was working under the control and supervision of the management as admitted by the management witnesses.

7. After perusal of the points urged before me by the representatives for the parties, I am of the opinion that the workman has no case on the basis of which he could be declared to be an employee of the management. At the outset, it is pertinent to mention that the claim of the Claimant that he was appointed by the Bank does not hold good in view of the fact that there was no privity of Contract of employment involving relationship of master and servant between the Bank and the Applicant, such a person does not come within the meaning of the term 'Workman'. Section 2(s) is reproduced below for ready reference and convenience :—

"2(s) "Workman" means any person (including an apprentice) employed in any

industry to do any manual, unskilled, skilled, technical, operational, clerical or supervisory work for hire or reward, whether the terms of employment be express or implied, and for the purposes of any proceeding under this Act in relation to an industrial dispute, includes any such person who has been dismissed, discharged or retrenched in connection with, or as a consequence of, that dispute, of whose dismissal, discharge or retrenchment has led to that dispute, but does not include any such person—

- (i) who is subject to the Air Force Act, 1950 (43 of 1950), or the Army Act, 1950 (46 of 1950) or the Navy Act, 1957 (62 of 1957); or
- (ii) who is employed in the police service or as an officer or other employee of a prison; or
- (iii) who is employed mainly in a managerial or administrative capacity; or
- (iv) who, being employed in a supervisory capacity draws wages exceeding one thousand six hundred rupees per mensem or exercises, either by the nature of the duties attached to the office or by reason of the powers vested in him, functions mainly of a managerial nature.”.

The aforesaid section which defines the term ‘Workman’, the first part of it brings in the concept of employment between the employer and the employee unless there is a relationship between the employee and the employer because such relationship the person who is engaged by the employer, the person comes to be known as employee, unless there is such a relationship, the term ‘workman’ will not come into force as it happen in this present case before the Hon’ble Tribunal where there is no relationship between the Claimant and the Respondent Bank. Because of the fact that whenever a person is appointed by the Bank, a due process of selection is followed that includes advertising the post in the Newspaper followed by an interview letter which is followed by the interview and the appointment but as none of these things happened in the present case with respect to the Claimant he cannot raise the present claim and moreover he has no right to raise the present claim. In the words of Bhagwati Justice the essential conditions of a person being a workman within the terms of this definition is that he should be employed to do the work in that industry, that there should be, in other words an employment of his by the employer and that there should be the

relationship between the employer and him as between employer and the employee or master and servant. Unless a person is thus employed, there could be no question of being a workman within the definition of the term as contained in the act’. This was held in the case—DHARANGADHARE CHEMICAL WORKS Vs. STATE OF SAURASHTRA 1957 (1) LLJ 477 (480) SC. In this context, it is also pertinent to quote the judgment of TUNGHBADRA SUGAR WORKS Pvt. Ltd. Vs. LABOUR COURT, MANGALORE 1983 (1) LLJ 465.

That as detailed in the written statement that the present reference made by the appropriate Government to the Hon’ble Court does not constitute an Industrial Dispute within the meaning of Section 2(k) of the I.D. Act and the reference is also liable to be rejected on this ground as well, Section 2(k) is reproduced below for ready reference and convenience :—

“22(k) “industrial dispute” means any dispute or difference between employers and employees or between employers and workmen, which is connected with the employment or non-employment or the terms of employment or with the conditions of labour, of any person.”.

The aforesaid definition clearly stipulates that it is only the dispute or the difference between the employers and employees or between employer and workman or between workman and workman. But as no such ingredient is satisfied in the present case as the Claimant being not a workman can not raise such an industrial dispute and the same should be liable to be rejected.

(iii) Without prejudice to the aforementioned contentions the engagement of the Claimant was purely on temporary basis for a fixed duration in connection with the assignment and/or in relation to the said assignment. The cessation of his assignment as per his own admission was with effect from. He was duly paid and settled off and as such the matter does not constitute retrenchment in view of the recent amendment Act, 1984.

(iv) The relative provisions of Section 2(bb) as inserted by the said amendment Act is produced hereunder for your goodself ready reference and convenience :—

“2(oo) Retrenchment but does not include—

2(bb) Termination of the services of a workman as a result of non-renewal of contract of employment between the employer and the workman concerned on

its expiry of such contract being terminated under a stipulation in that behalf contained therein."

The aforesaid amendment having been made by way of public policy to as to achieve desired objective as per legislative enactment as aforesaid coupled with the subsequent events as i.e. evident from the amending Act, the matter does not warrant any interference in the circumstances of the case. This clause of 2(bb) has been inserved as aforesaid by the amending Act, 1949. This effect is to exclude from the ambit of the definition of retrenchment (i) termination of th services is a workman as a result of non-renewal of the contract of employment between the employer and the workman concerned on the expiry.

(ii) the termination of the contract of employment in terms of stipulation contained in the contract of employment. The expression such contract in the second part of the clause refers to contract of employment between the employer and the workman concerned. In other words, if there is a stipulation in the contract of employment between the employer and the workman concerned providing the ambit and manner of termination of service, such termination of service has now specifically bee exempted from the ambit of definition of retrenchment by this clause.

(v) That without prejudice to the above, the provisions with regard to engagement of a Claimant as a packing the material, i.e. packing of parcels as and when the work exists by the Respondent as that of Applicant is covered by the Bipartite Conciliation Settlement dated 19-10-66 read with Bank's Award and the same have not been modified even by the Fourth Bipartite Settlement. As such, these are still in force. In accordance therewith, the Applicant has no legal right to ask for absorption in the Bank. His cessation of engagement have been effected according to his assignment of packing the material i.e. packing of parcels on piece-rate basis @ Rs. 0.85 paise per parcel for packing which is valid and proper in the circumstances of the case.

The Respondent Bank submits that it is well settled law that as long as the settlements are in force no demand contrary thereto can be raised as per principles enunciated by the Hon'ble High Court in the case entitled—Hindustan Housing Factory Ltd. Workman and its management—reported in 1971 (2) LLJ (DB) page 221 upholding the Hon'ble Smt. A. Finch Judgment reported in 1969 LIC 1450 and the same has recently been approved by the Hon'ble Supreme Court.

In the circumstances, the contentions of the Applicant contrary tere to and the provisions of the settlement, he has no locus-standi to agitate the same and as such the matter, by no stretch of imagination, can be treated to constitutes an industrial dispute either. In his contention, the Respondent Bank draws your honour's kind attention to the decision of the Hon'ble Supreme Court in the case entitled—Sirsilk Mills Ltd. Vs. State of Andhra Pradesh followed by the larger bench Judgment in the case entitled—Madan Mohan Pathak (LIC Case) reported in 1973 (1) LLJ 349—recently followed by the Supreme Court in the case entitled LIC Vs. D. J. Bahadur reported in 1981 LLJ page 1 S.C.

- (vi) That it is well settled law that where the matter does not constitute an industrial dispute, as in the instant case as per principles enunciated by the Hon'ble Delhi High Court in the case entitled—DTC Vs. Delhi Admn. reported in 1973, (2) LLJ 306, the whole proceedings are coram non-judica and this Hon'ble Authority too lacks the jurisdiction, it being well settled position in law that in such a situation even the consent of the parties cannot confer the jurisdiction (AIR 1954 SC 340).
- (vii) That the Respondent Bank is a public undertaking and is bound by the directions and/or instructions of the Govt. of India. As per Central Govt. policy/directives the Bank cannot make any fresh recruitment. As such, the Applicant, who is otherwise not entitled to any relief, has no legal right either.
- (viii) That the claim as filed by the Applicant does not constitute industrial dispute. It is malicious and vexatious and warrants to be dismissed in the circumstances of the case..

The Respondent Bank has stressed on the fact that the Applicant was given the assignment of packing material i.e. packing of parcels in the Stationery Deptt. of Bank, on piece-rate basis @ Rs. 0.85 paise per parcel for packing. The applicant may come to Bank at his will and may not do the assignment, if he so desires. There is no control or supervision of the ank over him. The assignment is purely subject to the exigency and availability of work relating to parcel, if required by the bank. His assignment was thus purely contractual ... piece-rate basis without any control or supervision of the Bank and further depend upon the exigencies of the job as such. The cessation of his assignment as per his own admission was w.e.f. He was duly paid and settled of end as such the matter does not constitute retrenchment and also

in view of the latest amendment Act, the matter does not warrant any interference in the circumstances of the case.

Parties to bear their own costs.
Date : 1-9-1996.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1996

का.आ. 3308.—आंदोलिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधतात्र के मंबद्ध नियांजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट आंदोलिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आंदोलिक अधिकारण, कानपुर के पंचपट वाले प्रकाशित करनी है, जो केन्द्रीय सरकार वो 28-10-96 को प्राप्त हुया था।

[संख्या एल-12012/136/91-आई.आर. (बी.-2)]
ब्रज मोहन, डैम्क अधिकारी

New Delhi, the 1st November, 1996

S.O. 3308.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 28-10-1996.

[No. L-12012/136/91-IR(B-II)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, DEOKI PALACE ROAD, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 117 of 1991

In the matter of dispute between :
Raghunath Prasad,
Vill. Dalehnagar Pukhrayan,
Kanpur.

AND

Deputy General Manager,
Zonal Office,
Akash Deep,
23-Vishan Sabha Marg,
Lucknow.

APPEARANCE :

Shri B. G. Agarwal for the Management.
Workman in person.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its Notification No. L-12012/136/91-IR/B-2 dated Nil has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the action of the management of Central Bank of India in dismissing the services of Shri Raghunath Prasad, Clerk is justified ? If not to what relief is the concerned workman entitled ?

2. The concerned workman Raghunath Prasad was working as clerk in the Sipri Bazar Branch of opposite party Central Bank of India during 1985 to 1987. In that period he is alleged to have committed certain acts of financial irregularities in respect of which two memos dt. 4-9-87 and 18-11-87 were issued. Side by side he was also placed under suspension on 10-10-87. After receipt of reply and finding the same not satisfactory the concerned workman was given a chargesheet on 21-4-88 by Regional Manager Jhansi, the copy of which the annexed herewith. S. C. Shukla Branch Manager of Orai was appointed as enquiry Officer. Sri V. S. Wahadevan was presenting officer whereas S. K. Pant was defence representative. After recording evidence of 5 witnesses and affording opportunity to the concerned workman to give evidence in defence the enquiry officer submitted his report finding that all the five charges were proved. On the basis of this finding the punishing authority after issuing show cause notice passed an order of dismissal on 23-10-89. Appeal preferred by the concerned workman too was dismissed on 29-5-90. Thereafter the instant industrial dispute was raised.

3. The opposite party in its reply has maintained that the enquiry was fairly and properly held.

4. On the basis of above pleadings a preliminary issue regarding validity of domestic enquiry was framed. By finding dated 1-8-96, it was held that domestic enquiry was fairly and properly held. Thereafter parties were heard on the quantum of punishment. A perusal of chargesheet and finding of enquiry officer would go to show that concerned workman was involved in impropriety of amount of the bank and practice fraud upon the customers. This is very grave misconduct involving loss of confidence. In my opinion in such a case less than dismissal by way of punishment would not meet the ends of justice. Rather dismissal is the most appropriate punishment for this misconduct. It can not be said to be disproportionate to the misconduct.

5. Hence my award is that action of management Bank in dismissing the concerned workman is justified and the concerned workman is not entitled for any relief.

Dated : 15-10-1996.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

CENTRAL BANK OF INDIA

(Regional Office, Jhansi)

Jhansi, the 21st April, 1988

No. AO : PRS. 1307

CHARGESHEET

Attention of Sri Raghunath Prasad, Clerk, P. N. Extn. Counter (Sipri Bazar Branch), Jhansi is drawn to Sipri Bazar Branch's memos No. BM:87:227, dated 4-9-87, BM:87:300, dated 12-10-87 and BM:87:358, dated 13-11-87. His explanations dated 8-9-87, 15-11-87 and 21-3-1988, have been found unsatisfactory. It has, therefore, been decided to hold a departmental enquiry against him on the following charges, which constituted misconduct under para 19.5 and 19.7 of Bipartite Settlement :—

- (i) While working as Clerk at Prem Nagar Extension Counter from 7-6-84 to 5-10-87 Sri Raghunath Prasad misutilised his official position and cheated Sri Moti Lal Sankhwar, a Bank's constituent by issuing him a fake RDS pass book on 23-10-86 bearing A/c No. 1249 for 12 months with a monthly instalment of Rs. 300 whereas no such account was opened at the P. N. Extn. counter on said date. Further he made nine entries of Rs. 300 each in the RDS pass book A/c 1249 on various dates from October 1986 to June 1987, after receiving money from Sri Moti Lal Sankhwar but did not deposit the same in the Bank. Thus Sri Raghunath Prasad embezzled a sum of Rs. 2700 and his action constitutes gross misconduct under para 19.1(J) of Bipartite Settlement and he is charged under the same.
- (ii) On 14-8-87, Sri Raghunath Prasad received Rs. 1000 from Sri V. K. Singh for deposit in HSS A/c No. 5000 maintained at P. N. Extn. counter and issued a Counterfoil duly stamped and signed by him, Sri Prasad did not account for Rs. 1000 in the cash receipt of 14-8-87, and embezzled the same. Sri Prasad's action tantamounts to gross misconduct under para 19.5 (J) of Bipartite Settlement and he is charged under the same.
- (iii) Sri Prasad received a sum of Rs. 100 from Sri Kailash Narain towards RDS instalment for the month of November 1985, pertaining to RDS A/c 776 fvg. Sri Kailash Narain and made an entry in the Pass Book to this effect but he did not deposit the amount in the Bank, as no such entry for the period exists in the RDS ledger. Thus Sri Raghunath Prasad misutilised his official position

and committed an act, which constitute misconduct under para 19.5 (J) of Bipartite Settlement and he is charged under the same.

(iv) Sri Raghunath Prasad misutilised his official position and issued/got discounted the following withdrawals/cheques from other branches without maintaining sufficient balance in his account.

- (a) Withdrawal for Rs. 200/- got discounted from Pandu Nagar Branch, Kanpur under BP 19 dated 5-10-87.
- (b) Cheque No. 00040 dated 9-10-87 fvg. Sri H. C. Asatiya for Rs. 200/- under BP 185 dated 09-10-87 of Datia branch.

The above acts of Sri Raghunath Prasad constitute gross misconduct under para 19.5 (J) of Bipartite Settlement and he is charged under the same.

(v) Sri Raghunath Prasad remained unauthorisedly absent from 1-10-87 and no application/information was given by him. This act of Sri Prasad constitutes misconduct under para 19.7 (a) of Bipartite Settlement and he is charged under the same.

Sri S. C. Shukla, Branch Manager, Orai branch, will hold the enquiry against him and the date, time and place of enquiry will be communicated to him by the Enquiry Officer. Sri Raghunath Prasad will be permitted to be defended by a representative of a registered trade union of Bank employees of which he is a member.

At the enquiry he should keep ready with him all oral and documentary evidences, which he may wish to tender or produce on his behalf and he will also be allowed to cross-examine the witnesses who may be produced by the Management during the enquiry proceedings.

He should inform the Enquiry Officer the name of his representative and the names of the witnesses he intends to produce at the enquiry on his behalf. He is also informed that if he fails to present himself at the enquiry on the appointed date or on the adjourned dates, the enquiry will be held ex parte and the findings of the Enquiry Officer will be conclusive and binding on him.

Pending completion of the enquiry Sri Raghunath Prasad is suspended.

B. D. MALHOTRA, Disciplinary Authority
Regional Manager

Sri Raghunath Prasad, Clerk,
(under suspension)
Central Bank of India,
Sipri Bazar, Jhansi.

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1996

का.आ. 3309.—आंदोलिक विवाद अधिनियम, 1947
(1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंधतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट आंदोलिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आंदोलिक अधिकरण नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 28-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-12012/325/94-प्राइ.आर. (बी.-2)]
अंज मोहन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st November, 1996

S.O. 3309.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Punjab National Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 28-10-96.

[No. L-12012/325/94-IR(B-II)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA : PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I.D. No. 67/95

In the matter of dispute between :

Shri R. R. Kohli, Daftri, Personnel Division, Head Office, New Delhi through

Maha Sachiv, P.N.B. Workers Organisation 898, Nai Sarak, Delhi-6.

Versus

Zonal Manager,
PNB, Atma Ram House,
10 Khand, 1, Tolstoy Marg,
New Delhi-110001.

APPEARANCES :

Shri Satish Chabra—for the workman.

Shrimati Rashmi Khanna—for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-12012/325/94-I.R.(B-2) dated 24th May, 1995 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:—

“Whether the action of the management of Punjab National Bank, New Delhi in imposing the

penalty of recovery of Rs. 10,000 from the salary of Shri R. R. Kohli, Daftri is legal and justified? If not, what relief is the said workman entitled to ?”

2. The case was fixed for management evidence when the parties representatives made a statement that the matter has since been settled and no dispute award may be passed in this case. In view of the joint application filed by the representatives for the parties signed by Smt. Rashmi Khanna Personnel Manager of the Management and Satish Chabra for the Union is General Secretary no dispute exists between the parties and a no dispute award is given in this case leaving the parties to bear their own costs and bound by the terms settled and stated in the joint application.

Dated : 1-10-1996.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer
नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1996

का.आ. 3310.—आंदोलिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, केनरा बैंक के प्रबंधतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट आंदोलिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आंदोलिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 28-10-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-12012/335/90-प्राइ.आर. (बी.-2)]

अंज मोहन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st November, 1996

S.O. 3310.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Canara Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 28-10-96.

[No. L-12012/335/90-IR(B-II)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT DEOKI PALACE ROAD, PANDU NAGAR,

KANPUR

Industrial Dispute No. 25 of 1991

In the matter of dispute between

D. R. B. Rao
C/o V. N. Sekhri
26/104 Birhana Road
Kanpr.

AND

Deputy General Manager
Canara Bank, Staff Section(W)

Rohit Bhawan, 4-Sapru Marg
Lucknow.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its Notification No. L-12012/335/90-I.R.- (B-2) dated 15-3-91 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the Management of Canara Bank is justified in discharging Shri D. R. B. Roy Ex-Clerk, Canara Bank Bans Phatak Branch, Varanasi, w.e.f. 1-7-67 from services. If not to what relief the workman concerned is entitled?

2. The concerned workman D. R. B. Roy was working as clerk in the Main Branch Bans Phatak Varanasi of the Opp. party, Canara Bank since 15-9-82. One Keshav Lal Yadav had opened R. D. account No. 36/63 on 9-11-84 at this branch for which the concerned workman had introduced him. Each month he was depositing Rs. 100 in this account, the entry of which was duly made by the concerned workman in the pass book of Keshav Lal Yadav, but the concerned workman did not enter the same in the ledger in the name of applicant. It transpires that the concerned workman deposited Rs 1500 in the name of Keshav Lal Yadav and issued another pass book. When this wrong was detected by the branch Manager he submitted a report on 4-3-86 to Deputy General Manager. The matter was investigated by one K. F. Kamath a manager of the bank. He prima-facie found case made out. On the basis of this report the concerned workman was issued a chargesheet on 13-9-86 which runs as under:—

On 9-11-84, an R. B. Account No. 3663 was opened for the period of 60 months in the name of Sri Keshav Lal Yadav with out Varanasi DO Branch with monthly instalments of Rs. 100 each. The said A/c was introduced by you.

It has come to light that you have been receiving regularly the instalments remitted to the said a/c by the A/C holder and also making entries to the pass book so as to appear that the amount has been credited to the account. But you failed to account for the same in the books of the bank simultaneously;

However, on 28-2-86, a sum of Rs. 1500 (representing 15 monthly instalment whcih you have been receiving regularly from the A/C holder was deposited by you to the credit of the said RD A/C by way of cheque bearing No. 931156 dated 28-2-86 for Rs. 1500 debited to your as A/C No. 7186

On 30-4-86 you gave a duplicate passbook to the A/C holder making entries therein as per the ledgersheet retaining the original pass book with you with an intention to conceal your act of misappropriation.

By your above act in non accounting of the money in the books of the bank deposited by the customers, you have misappropriated the amount and by makng fictitious entries in the pass book given to the A/C holder, you have tampered with the records of the bank and thereby you have committed a gross misconduct within the meaning of chapter XI Regulation 3, Clause (j) of Canara Bank Service Code.

Your above action being prejudicial to the interest of the bank, you have committed a gross misconduct within the meaning of Chapter XI, Regulation 3, Clause (m) of Canara Bank Service Code.

3. One T. P. Sriniwas Rao a manager of Disciplinary action Cell of the opposite party Canara Bank was appointed as enquiry officer. After completing enquiry he submitted his report on 30-1-87 holding the concerned workman guilty. After issuing show cause notice dt. 1-7-87, the concerned workman was discharged from service on 20-8-87. Appeal referred by the concerned workman was dismissed. Thereafter instant industrial dispute was raised.

4. In the claim statement the fairness and propriety of enquiry report was challenged on the ground that chargesheet was vague and that the concerned workman was not given full opportunity to cross examine and defend himself.

5. The management in the written statement has denied these allegations.

6. On the basis of above pleadings a preliminary issue regarding validity and fairness of domestic enquiry was framed. The same was answered against the concerned workman vide finding dated 8-8-96.

7. Now the parties have been heard on the quantum of punishment. It will be evident from the perusal of record that the concerned workman had deposited the amount much before this irregularity was deducted. This shows that the concerned workman had already atoned for this misconduct. It is a case of temporary embezzlement. The gravity of misconduct is mitigated because of filing of affidavit by Keshav Lal Yadav that he had no dealing with the concerned workman and that he also owed money to the delinquent. Taking to the consideration this aspect of the matter and also the fact that the previous record of the workman had been excellent I think awarding of punishment by way of dismissal is disproportionate to the misconduct. In such a case it cannot be said that there had been loss of confidence. In my opinion denial of 50% of back wages from the date of service till the award will adequate meet the end of justice.

8. Consequently my award is punishment by way of dismissal is not justified and the concerned workman will be entitled for reinstatement in service with 50% back wages from the date of dismissal to the date of Award.

Sd/-

Dated : 15-10-1996.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1996

का० आ० 3311:—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पांचत धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम प्रवर्तन में साईकल कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड कलकत्ता में नियुक्त नियमित कर्मचारियों को इक जून, 1985 में 31 अक्टूबर, 1996 महित उम अवधि तक के लिए छूट प्रदान करती है।

पूर्वोक्त छूट की गते निम्नलिखित हैं, अर्थात्:—

- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित है, एक रजिस्टर रजिस्टर, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिष्ठान दिखाये जायेंगे।
- (2) इस छूट के होने हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रभुविधाएँ प्राप्त करने रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधियुक्तता द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संदत्त अधिकारी के आधार पर हकदार हो जाते।
- (3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अभियाय पहले ही किए जा सके हो तो वे वापस नहीं किए जायेंगे।
- (4) उक्त कारखाने का नियोजक, उम अवधि की बाबत जिसके दोगन उम कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान या (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अवधि” कहा गया है), ऐसी विद्यर्गणया ऐसे प्रारूप में और ऐसी विणिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी गज्य बीमा (साक्षात्कारण) विनियम, 1950 के अधीन उमे उक्त अवधि की वायत देनी थी।
- (5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी:—

- (1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विणिष्टियों को भव्यापित करने के प्रयोजनार्थ,
- (2) यह अभिनियत करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साक्षात्कारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अधिकारी उक्त अवधि के लिए यह गये थे या नहीं, या

(3) यह अभिनियत करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रति पत्रस्वरूप इस अधियुक्तता के अधीन छूट दी जा रही है, नगद और वस्तु रूप में पान का हकदार बना हुआ है या नहीं, या

(4) यह अभिनियत करने के प्रयोजनार्थ कि उम अवधि के दोगन, जब उक्त कारखाने के संवैध में अधिनियम के उपवन्ध प्रशृत थे, ऐसे किसी उपवन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं।

निम्नलिखित कार्य करने के लिए गजबन होगा:—

- (क) प्रधान या अध्यर्थहन नियोजक में ओक्टो करने कि वह ऐसी जातियाँ दे जिने उपरोक्त नियोजक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है,
- (ख) ऐसे प्रधान या अध्यर्थहन नियोजक के अधिकारीगणीय किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रयोग करना और उसके प्रमाणी में यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के मंदाय में संबंधित ऐसे लेख, वहियों और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे, जिसे वे आवश्यक समझते हैं, या
- (ग) प्रधान या अध्यर्थहन नियोजक को, उसके अधिकारी या भेदेक की, या ऐसे किसी व्यक्ति को जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाय, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त नियोजक या अन्य पदधारी के पास यह विषयास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परोक्षा करना, या
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में गवे गए किसी रजिस्टर, लेखा बहाँ या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उसमें उछलण लेना।

[म० 38014/44/94-प्रप्र-एस-०-१]

जे०पी० शुक्ला, अवर गच्चिव

म्पटीकरण ज्ञापन:—इस मामले में छूट का मूलनक्षी प्रभाव इन आवश्यक हो गया है व्यांक के आवेदन पर कार्यवाली करने में समय लगा था, किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को मूलनक्षी प्रभाव देने में किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

New Delhi, the 12th November, 1996

S.O. 3311.—In exercise of the powers conferred by Section 88 read with Section 91-A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the regular employees of the M/s. Cycle Corporation of India Ltd., Calcutta from the operation of the said Act for a period with effect from 1st June, 1985 upto and inclusive of the 31st October, 1996.

2. The above exemption is subject to the following conditions namely:—

- (1) The aforesaid establishment wherein the employees are employed shall maintain a register showing the name and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory/establishment shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (5) Any inspector appointed by the Corporation under Sub-Section (1) of Section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purpose of :—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of Section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulation, 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory to empowered to:—
 - (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine accounts, books and other documents relating to the employment of personal and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
 - (d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[S-38014/44/94-SS.I]
J. P. SHUKLA, Under Secy.

Explanatory Memorandum.—It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as processing of the applications for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect interest of any body adversely.

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1996

का० आ० 3312.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (५) के उपखण्ड (V) के उपवर्णनों के अनुसरण में भारत सरकार के थम मंदालय की अधिसूचना संस्था का० आ० 1575 दिनांक 17 मई, 1996 द्वारा भारतीय व्यावर निगम सेवा को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 17 मई, 1996 में छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था,

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है,

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (५) के उपखण्ड (VI) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 17 नवम्बर, 1996 में छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या प्रम-11017/5/91-पालिमी (विधायी)]
हरी धन्द गुप्ता, अधर सचिव

New Delhi, the 14th November, 1996

S.O. 3312.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 1575 dated 17th May, 1996, the services in the Food Corporation of India to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 17th May, 1996.

And, whereas, the Central Government is of the

opinion that the public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 17th November, 1996.

[No. S-11017/5/91-IR(PL)]
H. C. GUPA; Under Secy.